अनुवादक – केसरी नारायण शुक्ल

भूमिका

'रूसी व्याकरण की सक्षिप्त व्याख्या' मे व्याकरण तथा ध्वनिशास्त्र की वे मूलभूत बातें बतायी गयी है जो रूसी भाषा से परिचय प्राप्त करनेवाले विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है। इस पुस्तक में प्रधान स्थान पदरचना को दिया गया है, वाक्यविन्यास को केवल पदरचनात्मक विषयो की चर्चा के सबध से ही प्रस्तुत किया गया है क्योकि प्रत्येक वैयाकरणिक रूप के लिए उसके प्रयोग का मूलभूत विधान भी दिया गया है। प्रस्तुत पुस्तक मे मुख्य ध्यान उन वैयाकरणिक विभागो की ओर दिया गया है जो रूसी भाषा के अध्येताओ के लिए सबसे कठिन है, ये विभाग है – सज्ञा का लिग-भेद तथा लिग-भेद से सबद्ध अन्य शब्द-भेदो की सज्ञा के साथ संगति, बिना पूर्वसर्गों के तथा पूर्वसर्गों के साथ कारकों के प्रयोग का अर्थ; क्रिया के पक्ष – गत्यार्थक क्रियाओ की रचना और उनका प्रयोग, अनिश्चयार्थक सर्वनामो का प्रयोग तथा अन्य। रूसी स्वराघात की नियमितता के प्रति अधिक ध्यान दिया गया है।

व्याकरण की सामग्री तालिकाओ के रूप मे प्रस्तुत की गयी है और साथ में उनकी – वैयाकरणिक रूपों और उनके प्रयोगो की – सक्षिप्त तथा अत्यन्त अनिवार्य व्याख्या है। वैयाकरणिक विषयो की व्याख्या को उदाहरणो द्वारा निदर्शित किया गया है। यह उदाहरण मुख्य रूप मे बोलचाल की भाषा के है और आशिक रूप कलात्मक साहित्य के। प्रत्येक शब्द-भेद की व्याख्या रूसी भाषा मे उस शब्द-भेद की विशेषताओ की सामान्य रचनाओ के साथ प्रस्तुत की गयी है।

प्रस्तुत पुस्तक का उपयोग वे लोग कर भी सकते है जो रूसी भाषा से यत्किंचित परिचित है किन्तु जिन्हें रूसी भाषा के अपने ज्ञान को सुव्यवस्थित तथा

प्रौढ करना हैं और वे शिक्षक भी जो विदेशियो या अरूसियो को रूसी भाषा पढाते हैं।

'रूसी ध्वनि, वर्णमाला और लेखन-पद्धति की मूल विशेषताए' (पृष्ठ ५) अध्याय, 'सज्ञाओ मे स्वराघात के विशिष्ट प्रकार' (पृष्ठ ६७) और 'क्रियाओं में स्वराघात के मुख्य प्रकार' (पृष्ठ २४७) उपविभाग प्रोफेसर प० ए० कुज्नेत्सोव द्वारा लिखे गये हैं।

विषय सबधी सुझाव और सम्मतिया निम्नलिखित पते पर भेजी जायें: विदेशी भाषा प्रकाशन गृह, २१, जूबोव्स्की बुलवार, मास्को।*

---

* Издательство литературы на иностранных языках, Москва, Зубовский бульвар, 21

१. रूसी ध्वनि, वर्णमाला और लेखन-पद्धति की मूल विशेषताएं

रूसी भाषा के विकास में अनेक विभाषाओं और बोलियों का हाथ है। सर्वप्रथम महान रूसी जाति की भाषा और फिर उसके आधार पर रूसी राष्ट्रीय भाषा के रूप में वह केन्द्रीय रूसी राष्ट्र के निर्माण और विकास के युग में चौदहवीं से सत्रहवीं शती के विस्तार के बीच निर्मित हुई, जिसका केन्द्र मास्को था। इस भाषा में वे प्राचीन विभाषाएं समाविष्ट हुईं जो इस राष्ट्र के क्षेत्र में प्रचलित थीं। साहित्यिक रूसी भाषा के मूल में मास्को की बोली थी। चूंकि मास्को उत्तरी बोली की सीमा पर स्थित था, इससे प्राथमिक विशेषताओं के रूप में अनेक उत्तरी विशिष्टताएं इसकी बोली में संयुक्त हुईं। इतिहास के विकास के बीच इसमें दक्षिणी विशेषताएं प्रकट हुईं और उनके साथ धीरे धीरे उत्तरी विशेषताएं हटने लगीं। फिर भी कतिपय प्राचीन उत्तरी विशेषताएं इस बोली में अब तक बनी रह गईं। हम मास्को-उच्चारण की केवल उन विशेषताओं की व्याख्या करेंगे जिन्होंने साहित्यिक रूप धारण कर लिया है। पीटर प्रथम के समय में राजधानी मास्को से पीटर्सबुर्ग (वर्तमान लेनिनग्राद) को स्थानान्तरित हुई। सन् १९१८ में मास्को फिर से राजधानी बनी। नये नगर के रूप में पीटर्सबुर्ग ने मास्को बोली से विभिन्न अपनी बोली नहीं निर्मित की। पीटर्सबुर्ग प्रधान रूप में मास्को से आये हुए लोगों से आबाद हुआ, किंतु मास्को-उच्चारण के आदर्श से अलग, समय के साथ कतिपय अतिक्रमण प्रकट हुए।

वाणी के अवयव और उनके काम

किसी भी भाषा की ध्वनियां (और उसी प्रकार रूसी भाषा की ध्वनियां) वाणी के अवयवों के विभिन्न आन्दोलनों के फलस्वरूप निकलती हुई वायवीय कम्पनों या तरंगों के रूप में प्रकट होती हैं। मानव-शरीर के वे अंग वाणी के अवयव

कहे जाते हैं जो वाणी की ध्वनिया की रचना मे योग देते हैं। इनसे सबधित है फेफडे, स्वरयन्त्र (कठनाली), नाक का छिद्र (नासिका-विवर) और मुह के विभिन्न अवयव (जीभ, तालु, दात और ओठ)।

फेफड़े केवल वाणी की ध्वनि रचना मे ही योग नही देते वरन् श्वास प्रक्रिया मे भी योग देते हैं। फैलते हुए ये अपने मे वाहरी हवा को खीचते है (इस प्रकार कुम्भक प्रक्रिया पूरी होती है)। सकुचित होकर ये हवा को अपने से वाहर निकाल देते हैं (इस प्रकार रेचक प्रक्रिया पूरी होती है)। फेफडो से निकलती हुई हवा वाणी की ध्वनियो की रचना मे योग देती है।

फेफडो से वाहर निकलती हुई हवा श्वास-नालिका से गुजरती है जिसके अत पर स्वरयन्त्र स्थिति है। यह कई सूक्ष्म अस्थितन्त्रियो से निर्मित है। इन सूक्ष्म अस्थितन्त्रियो के वीच फैली हुई स्वरतन्त्री का वाणी के लिए विशेष महत्व है। स्वरतन्त्री का रूप मासपेशियो के उन दो लचकदार और चल गुच्छो का है जो समानान्तर और समतल फैले हुए है और स्वरयन्त्र की अस्थितन्त्रियो से जुडे हुए है। चूकि ये अस्थितन्त्रिया चल सकती हैं या हिल सकती हैं, स्वरतन्त्रिया हवा के लिए चौडा रास्ता वनाती हुई फैल सकती है और सिकुड सकती हैं और इसी प्रकार स्वरयन्त्र के वीच का रास्ता वद कर सकती हैं। ऐसी स्थिति मे यदि स्वरयन्त्र के वीच का रास्ता वद है, फेफड़ो से वाहर निकलती हुई हवा स्वरतन्त्रियो के वीच से तेजी से धक्का देती हुई निकलती है, जिससे ये स्वरतन्त्रिया अनेक वार खुलती और वद होती हुई (एक सेकेड मे कतिपय दसियो से लेकर सौ वार तक) कापने लगती है। स्वरतन्त्रियो के कम्पन के फलस्वरूप वायवीय कम्पन होने लगते है जो घोष (ध्वनि) की रचना करते हैं। घोष बहुत-सी ध्वनियो के उच्चारण मे योग देता है और जिन स्थितियो मे अन्य ध्वनियो के उच्चारण मे योग नही देता है उनमे स्वरतन्त्रिया चौडी फैल जाती है और कापती नही हैं।

नासिका-विवर मुख-विवर से पश्च (कोमल) तालु या तालुयवनिका द्वारा अलग होता है। तालुयवनिका भी चचल है। वह ऊपर उठ सकती है और नीचे गिर सकती है। जव तालुयवनिका नीचे गिरती है तो स्वरयन्त्र से निकलती हुई हवा के लिए नासिका-विवर के रास्ते खोल देती है (ऐसी स्थिति मे हवा मुख-विवर और नासिका-विवर से जाती है)। जव तालुयवनिका उठती है तो वह इस रास्ते को वद कर देती है और हवा केवल मुख-विवर से जाती है। यदि हवा नासिका-विवर से जाती है तो वह ध्वनिवर्धक या ध्वनि को तेज करनेवाले का काम करती है। नासिका-विवर कतिपय ध्वनियो के उच्चारण मे ध्वनिवर्धक के रूप मे प्रकट होता है।

मुख-विवर प्रथमत स्वरयत्र मे वनती हुई ध्वनि के सवर्धक के रूप मे प्रयुक्त होता है और दूसरे, वह स्थान के रूप मे प्रकट होता है जहा विभिन्न वाधाए निर्मित होती हैं– अर्थात वाहर निकलती हुई हवा के लिए वाधाए। मुख-विवर का सवसे महत्वपूर्ण अवयव जीभ है जो श्लेष्मायुक्त झिल्ली से मढी मासपेशियो से वनी है। चूकि जीभ की मासपेशिया विभिन्न मात्राओ मे तन सकती हैं फलत जीभ अपने आकार को परिवर्तित कर सकती है। वाणी की ध्वनि रचना मे जीभ के अतिरिक्त तालु, दात और ओठो का हाथ रहता है।

तालु को अग्र (कठोर), अचल तालु और पश्च (कोमल) चल तालु या तालुयवनिका मे विभक्त किया जाता है। तालु के विभिन्न स्थानो मे या ऊपरी दातो पर अपने को सकुचित करती हुई या निकट आती हुई, जीभ निकलती हवा के लिए वाधाओ की रचना करती है। ऐसी ही वाधाओ की रचना (एक दूसरे को दवाते हुए) ओष्ठ कर सकते हैं। एक, दूसरे को दवाते हुए या निकट आते हुए कभी कभी अधर (निचला ओष्ठ) और ऊपरी दात मिलकर इसी प्रकार की वाधाओ की रचना करते है। जव निकलती हुई हवा इन वाधाओ के वीच से गुजरती है तो पूरक ध्वनिया या आवाजे निकलती है जिनके द्वारा विभिन्न ध्वनिया स्पष्ट होती हैं।

ध्वनि और वर्ण

रूसी वर्णमाला मे ३३ वर्ण – а, б, в, г, д, е, ё, ж, з, и, й, к, л, м, н, о, п, р, с, т, у, ф, х, ц, ч, ш, щ, ъ (कठोर चिन्ह), ы, ь (कोमल चिन्ह), э, ю, я होते हैं।

रूसी भाषा मे वर्ण की अपेक्षा ध्वनिया अधिक हैं। ध्वनिया वर्णमाला की सहायता से किस प्रकार व्यजित की जाती है यह समझने के लिए यह जानना अनिवार्य है कि रूसी भाषा मे कौनसी ध्वनिया है और वे किन वर्गो मे विभक्त होती हे।

स्वर और व्यंजन

किसी भी भाषा के समान, रूसी भाषा की ध्वनिया भी स्वरों और व्यजनो मे विभक्त की जाती हैं। इनका भेद इस तथ्य मे है कि स्वर के उच्चारण के समय हवा स्वच्छन्दता से मुख-विवर से गुजरती है जो इस स्थिति मे ध्वनिवर्धक का काम करता है। व्यंजन के उच्चारण के समय मुख-विवर में विभिन्न रुकावटे या वाधाए निर्मित होती हैं। रूसी भाषा के सभी स्वर घोष के साथ उच्चरित होते हैं। व्यजनो में से कुछ घोष के साथ उच्चरित होते है और कुछ विना घोष के। रूसी

भाषा के सभी स्वर प्राय अक्षरीय है और व्यजन निरक्षरीय। मानव-वाणी ध्वनि के सबध से अक्षरो मे विभक्त की जाती है। अक्षर वह ध्वनि या ध्वनिसमूह है जो कि सास के एक धक्के मे उच्चरित हुआ है। अक्षरीय ध्वनि वह अक्षर मे सब से अधिक सुनी जानेवाली ध्वनि है। प्रत्येक अक्षर मे एक अक्षरीय ध्वनि होती है (वह अक्षर की एक ही ध्वनि हो सकती है)। अक्षर की शेष ध्वनिया (अक्षरीय ध्वनि को छोडकर) निरक्षरीय ध्वनि के रूप मे प्रकट होती है। अक्षर मे निरक्षरीय ध्वनिया कई हो सकती हैं। इस प्रकार उदाहरणत хóдит (अन्य पुरुष एकवचन) शब्द मे दो अक्षर हैं (хó-дит) और परिणामत दो अक्षरीय ध्वनिया (о, и) हैं। पहले अक्षर मे निरक्षरीय ध्वनि एक (х) है और दूसरे मे दो (д, т)।

रूसी भाषा के मुख्य स्वर

स्वरो का भेद सबसे पहले जीभ की स्थिति पर निर्भर करता है। स्वरो का विभाजन श्रेणी और उठान के अनुरूप किया जाता है (देखिये तालिका १)। जीभ के उठान के स्थान से श्रेणी का निश्चय किया जाता है। इस दृष्टि से स्वरो का तीन श्रेणियो मे विभाजन होता है पश्च, मध्य और अग्र। पश्च श्रेणी के स्वरो के उच्चारण मे जीभ का पिछला हिस्सा पश्च तालू की ओर उठता है, मध्य स्वरो की श्रेणी के उच्चारण मे जीभ का मध्य भाग मध्य तालु की ओर और अग्र श्रेणी के स्वरो के उच्चारण के समय जीभ का मध्य भाग अग्र तालू की ओर उठता है। जीभ के उठने की मात्रा (या अवस्था) से उठान निश्चित किया जाता है। इस दृष्टि से स्वरो का तीन उठानो मे विभाजन होता है: निम्न, मध्य और उच्च। निम्न उठान के स्वरो के उच्चारण मे जीभ चिपटी पडी रहती है (करीब करीब नही उठती है), मध्य उठान के स्वरो के उच्चारण मे जीभ उठती है, किन्तु विशेष रूप से अधिक नही। उच्च उठान के स्वरो के उच्चारण मे जीभ ऊची उठती है। जीभ का कौनसा हिस्सा उठता है और कितना, इसपर आधारित और उसके अनुसार, ध्वनि-सवर्धक के रूप मे मुख-विवर का परिमाण, मुखाकृति और स्वरूप बदलता है। ये परिवर्त्तन स्वरयत्र मे बनती हुई वाणी को विविध रग या पुट देते है।

ध्वनि a को कतिपय विद्वान मध्य तालू से न सबधित कर पश्च तालू से सबधित करते है। यह दृष्टि मे रखना चाहिए कि निम्न उठान के स्वरो के उच्चारण मे यह निश्चय करना अत्यन्त कठिन है कि जिह्वा-तल का उच्च बिंदु किस विशेष स्थान तक पहुचता और इसलिए मध्य और पश्च श्रेणी के बीच सीमा-निर्धारण कठिन है।

वनि ы कोष्ठकगत है क्योकि वह и ध्वनि के समान स्वतत्र नही है। इसका उच्चारण केवल कठोर व्यजनो के बाद होता है। и शब्द के आरम्भ और कोमल व्यजनो के बाद उच्चरित होता है (इसके विषय में विस्तार से नीचे देखिये)।

о और у स्वर के उच्चारण मे केवल जीभ की स्थिति का ही महत्व नही है वरन् ओठो के काम का भी। о के उच्चारण में ओठ गोल हो जाते है। у के उच्चारण में ओठ केवल गोल ही नही होते वरन् आगे की ओर बाहर बढते है। ओठो की ये चेष्टाये मुख-विवर के परिमाण और आकृति को बदलते है और स्वरयत्र में बनती हुई वाणी को विविध रग या पुट देते है।

तालिका १

रूसी भाषा के मुख्य स्वर

अग्र	मध्य	पश्च	श्रेणी / उठान
и	(ы)	у	उच्च
э		о	मध्य
	а		निम्न

रूसी भाषा के मुख्य व्यंजन

निकलती हुई हवा के लिए बाधाओ (रुकावटो) की रचना के स्थान के अनुसार, इन बाधाओ की रचना के ढग के अनुसार, और आवाज के योगदान के अनुसार व्यजनो का विभाजन होता है।

बाहर निकलती हुई हवा के लिए बाधाओ (रुकावटो) की रचना के स्थान के अनुसार रूसी भाषा के व्यजनो का ओष्ठ्य, ओष्ठ्य-दन्त्य, दन्त्य, तालु-दन्त्य, मध्य तालव्य और पश्च तालव्य में विभाजन होता है। ओष्ठ्य व्यजनो (п, б, м) के उच्चारण में ओठ बाधा या रुकावट की रचना करते है और बद हो जाते हैं। ओष्ठ्य-दन्त्य व्यंजनों (в, ф) के उच्चारण मे हवा निचले ओठ (अधर) और ऊपरी दातों के बीच से गुजरती है। दन्त्या व्यजनो (т, д, с, з इत्यादि) के उच्चारण मे जीभ की नोक ऊपरी दातो को दबाती है या उनके निकट आती है। तालु-दन्त्य व्यजनो (ж, ш, щ, ч) के उच्चारण में जीभ की नोक और

मध्य भाग ऊपरी दातो को और अग्र तालु को दबाते है या उनके निकट आते है। दन्त्य और तालु-दन्त्य व्यजन एकसाथ इस प्रकार अग्र-जिह्वीय कहलाते है। मध्य तालव्य व्यजनो (й) के उच्चारण मे बाधा या रुकावट की रचना जीभ के मध्य भाग और मध्य तालु के बीच होती है। मध्य तालव्य व्यजन इस प्रकार मध्य जिह्वीय कहलाते है। पश्च तालव्य व्यजनो (к, г, х) के उच्चारण मे बाधा या रुकावट की रचना जीभ के पिछले भाग और पश्च तालु के बीच होती है। पश्च तालव्य व्यजन इस प्रकार पश्च जिह्वीय कहलाते है (देखिये तालिका २)।

तालिका २

बाधा की रचना के स्थान के अनुसार व्यंजनो का विभाजन

ओष्ठ्य	ओष्ठ्य-दन्त्य	दन्त्य	तालु-दन्त्य	मध्य तालव्य	पश्च तालव्य		
п		т			к	अघोष	स्पर्श
б		д			г	घोष	
	ф	с	ш, щ		х	अघोष	सघर्षी
	в	з	ж, жж	й		घोष	
		ц	ч				सयुक्त व्यजन (मिलित)
м		н			-	अनुनासिक	स्वनत
		л, р				तरल	

रूसी भाषा के कठोर और कोमल व्यंजन

रूसी ध्वनियो की मुख्य विशेषताओ मे से एक यह है कि रूसी भाषा मे कठोर और कोमल व्यजनो की विशिष्टता है (देखिए तालिका ३)। अधिकाश रूसी व्यजनो की रचना युग्मो मे है जिनमें कठोर और उसके समानान्तर कोमल

ध्वनि होती है जो कठोर से अपनी कोमलता के कारण विभिन्न या अलग हो जाती है। शब्दो के अर्थभेद की स्पष्टता के लिए कठोर कोमल व्यजनो के बीच का भेद अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उदाहरणत ýгол और ýголь ये शब्द एक दूसरे से उच्चारण मे केवल इस बात मे अलग हो जाते है कि पहले मे – कठोर है और दूसरे मे – कोमल।

कोमल व्यज़न अपने समानान्तर कठोर ध्वनियो से जीभ की स्थिति से अलग किए जाते है।

कोमल т, д, с, з, п, б, ф, в, р, л, н, м के उच्चारण मे जीभ का बीच का भाग (अर्थात् जीभ की नोक के पीछे का भाग) हल्का-सा, अग्र तालु की ओर उठता है जैसा कि समानान्तर कठोर ध्वनियो के उच्चारण मे नही होता है। इस प्रकार उदाहरणत कठोर п (цеп) के उच्चारण में केवल ओठ हिस्सा लेते है। कोमल п (цепь) के उच्चारण मे ओठ उसी प्रकार काम करते है जिस प्रकार कि कठोर п के उच्चारण मे किन्तु इसके साथ साथ जीभ का बीच का हिस्सा भी उठता है। कतिपय रूसी व्यजन ध्वनिया कोमलता या कठोरता के अनुरूप युग्म की रचना नही करती। इनमे से कुछ (ц, ш, ж) कठोर है और इनके समानान्तर कोमल व्यजन नही होते। दूसरे (ч, щ, й) कोमल है और उनके समानान्तर कठोर व्यजन नही है।

सामान्य वर्णमाला मे व्यजनो की कोमलता के अभिव्यजन के विपय मे नीचे कहा गया है।

कोमल к, г, х कोष्ठक मे इसलिए दिए गए है क्योकि वे इतने स्वतत्र नही है जितना कि अन्य कोमल ध्वनिया। सामान्यतया वे केवल अग्र श्रेणी के स्वरो से पूर्व उच्चरित होती है е, и। अपवाद केवल कुछ विदेशी व्यक्तिवाचक सज्ञाए प्रस्तुत करती है, उदाहरणत. Кя́хта जहा а के पूर्व कोमल к उच्चरित होता है, इसी प्रकार ткать क्रिया के वर्तमान काल, मध्यम पुरुष एकवचन ткёшь, अन्य पुरुष एकवचन ткёт, उत्तम पुरुष बहुवचन ткем, मध्यम पुरुष बहुवचन ткете के रूप में; ё = о कोमल व्यजन के बाद। अन्य कोमल व्यजन ध्वनिया - समान रूप से पश्च श्रेणी के स्वरो के पूर्व व्यजनो के आगे और शब्द के अन्त मे उच्चरित हो सकती है उदाहरणत нес, тёс, тя́жесть, дово́льно, ого́нь, у́голь, цепь, मास्को आदर्श के अनुरूप щ दीर्घ ш (अर्थात् दोहरे) की तरह उच्चरित होता है। सामान्य ш से भिन्न वह सदा कोमल होता है। लेनिनग्राद मे щ का उच्चारण कोमल шч के समान होता है।

इसी प्रकार दीर्घ (दोहरा) ж कोमल ध्वनि के रूप मे प्रकट होता है। रूसी वर्णमाला मे इसके लिए कोई विशेष वर्ण नही है। उसकी अभिव्यक्ति दोहरे

жж के लेखन की सहायता से (उदाहरणत жужжáть) या зж (उदाहरणत éзжу) की सहायता से की जाती है। दीर्घ कोमल ж, жд (дожди́ — дождь का बहुवचन, дóждик इत्यादि) के लेखन द्वारा भी अभिव्यक्त किया जा सकता है। बहुत-से इमले के प्रभाववश इसका उच्चारण жд के समान करते हैं, किन्तु साहित्यिक भाषा के आदर्श के अनुरूप इसे दीर्घ कोमल ж उच्चरित करना चाहिए। सामान्य ж से भिन्न दीर्घ ж का उच्चारण कोमल होता है। लेनिनग्राद मे (मास्कवीय कोमल жж के अनुरूप) इसका उच्चारण жж के कठोर सयोग के रूप मे होता है।

रूसी भाषा मे अपने कार्य के अनुसार й व्यजन ध्वनियो से सबधित है क्योकि अक्षर की रचना नही करता है। कतिपय स्थितियो में й का उच्चारण व्यजन के समान होता है और इसके उच्चारण मे जीभ का मध्य भाग मध्य तालु के निकट आता है कि जिससे इनके बीच सकीर्ण सन्धि या दरार बन जाती है। अन्य स्थितियो मे अक्षर न बनाते हुए स्वर के समान व्यजन ध्वनि के रूप मे й सामान्यतया स्वर के आगे उच्चरित होता है और इसके साथ स्वराघात से युक्त, उदाहरणत я́ма (उच्चरित होता है [йáма]), ёлка (उच्चरित होता है [йóлка]), райóн। स्वर रूप में निरक्षरीय ध्वनि й स्वराघात युक्त स्वर के बाद उच्चरित होती है (उदाहरणत край, сарáй, кóйка) कितु स्वराघात के आगे केवल एक ही परिस्थिति मे व्यजन ध्वनियो के आगे (उदाहरणत войнá)।

तालिका ३

रूसी भाषा के कठोर और कोमल व्यंजन

कठोर	ц	ш	ж	к	г	х	т	д	с	з	п	б	ф	в	л	р	м	н

(к)	(г)	(х)	т	д	с	з	п	б	ф	в	л	р	м	н	ч	щ	й	कोमल

स्वर के आगे й ध्वनि विरल रूप मे й वर्ण द्वारा अभिव्यक्त की जाती है (райóн)। सामान्य रूप से й का स्वर से सयोग प्रकट करनेवाले я, е, ё, ю विशिष्ट वर्णो का प्रयोग किया जाता है। उदाहरणतः я́ма (я का उच्चारण [йа] के समान होता है, देखिए पृष्ठ १३), éсли (е का उच्चारण [йэ] के समान होता है, देखिए पृष्ठ १४)।

वर्णमाला में कठोर और कोमल व्यंजनों का अभिव्यंजन

शब्द का भाव स्पष्ट करने के लिए कठोर और कोमल व्यंजनो के बीच का भेद जितना महत्वपूर्ण या आवश्यक है उतना ही यह भेद वर्णमाला मे अभिव्यक्त हुआ है, किन्तु रूसी वर्णमाला मे कोमल व्यजनो के लिए विशिष्ट वर्ण नही है। इनकी कोमलता के निर्देशन के लिए इनके पीछे ь लिखा जाता है, या इन व्यजनो के पीछे आनेवाली स्वर ध्वनियो के लिए विशिष्ट वर्ण प्रयुक्त किए जाते है। इस प्रकार उदाहरणत: कोमल व्यजनो के वाद а की जगह я लिखा जाता है क्योकि ряд शब्द मे वर्ण я उसी प्रकार उच्चरित होता है जिस प्रकार рад शब्द मे а किन्तु वतलाता है कि प्रथम स्थिति मे р कोमल है।

रूसी वर्णमाला की कठिनाइयो मे से एक इस वात मे है कि कोमल व्यजन के वाद स्वर ध्वनियो का अभिव्यजन करनेवाले वर्णो का अधिकाश केवल इसी अर्थ मे नही प्रयुक्त होता वरन् इसके अतिरिक्त й व्यजन का तदनुरूप स्वर ध्वनि से सयोग व्यक्त करता है। इस प्रकार उदाहरणत. я́ма शब्द मे я का उच्चारण [йа] के समान होता है।

टिप्पणी. कतिपय विदेशी व्युत्पत्ति के शब्दो मे स्वरों के आगे й उसी विशिष्ट वर्ण से व्यक्त किया जाता है। उदाहरणत райо́н, майо́р।

कठोर व्यजनो के पीछे स्वरो के अभिव्यजन के लिए а, э, ы, о, у वर्ण प्रयुक्त होते है। कोमल व्यजनो के पीछे स्वरो के अभिव्यजन के लिए я, е, и, ё, ю वर्ण प्रयुक्त होते है। (देखिए तालिका ४)

तालिका ४

я, е, ё, ю, ь, ъ वर्णो का प्रयोग

वर्ण	कैसे उच्चरित होता है	किन परिस्थितियो मे	उदाहरण	टिप्पणिया
я	[йа]	स्वरो के वाद, ъ, ь के वाद और शब्द के आरम्भ में:	моя́ изъя́ть семья́ я́ма	
»	[а]	कोमल व्यजनो के वाद.	пять пя́тый	

क्रमशः

वर्ण	कैसे उच्चरित होता है	किन परिस्थितियो में	उदाहरण	टिप्पणिया
е	[йэ]	स्वरो के वाद, ъ, ь के वाद और शब्द के आरम्भ मे	моéй съезд в семьé éсли, ель	
»	[э]	कोमल व्यजनो के वाद.	нет, сесть	
ё	[йо]	स्वरो के वाद, ъ, ь के वाद और शब्द के आरम्भ मे ·	моё съёмка бельё ёлка	विदेशी व्युत्पत्ति के वहुत ही कम शब्दो मे व्यजनो के वाद йо सयोग ьо लेखन द्वारा प्रकट किया जाता है · бульóн, батальóн।
»	[о]	कोमल व्यजनो के वाद·	нёс, лёд	
ю »	[йу] [у]	स्वरो के वाद, ъ, ь के वाद और शब्द के आरम्भ मे .	моió адъютáнт вьióга лью, юг	
		कोमल व्यजनो के वाद.	лióди	
ь	उच्चारण नही होता है	व्यजन के आगे और शब्द के अन्त मे व्यजन की कोमलता व्यक्त करता है :	настóль-ный, путь	केवल व्यजनो के वाद लिखा जाता है।
		स्वर के आगे प्रदर्शित करता है कि स्वरध्वनि के अभिव्यजित करनेवाले वर्ण का उच्चारण तदनुरूप स्वरध्वनि के й के सयोग रूप मे होता हैं :	в семьé, в семьió, без семьи́	

क्रमश

वर्ण	कैसे उच्चरित होता है	किन परिस्थितियो मे	उदाहरण	टिप्पणिया
ъ	उच्चारण नही होता है	व्यक्त करता है कि इसके पीछे वाले वर्ण का उच्चारण तदनुरूप स्वर के साथ й के सयोग रूप में होता है	съезд отъéзд подъем	स्वर के आगे, व्यजन के पीछे लिखा जाता है। ъ के आगे व्यजन का उच्चारण ь के आगे वाले व्यजन से भिन्न नही है।

टिप्पणिया :

१ कतिपय विदेशी शब्दो को छोडकर विशेष रूप से व्यक्तिवाचक सज्ञाओ को छोडकर э करीव करीब व्यजनों के वाद नही लिखा जाता है (उदाहरण Тэн) चूकि रूसी भाषा मे करीव करीव सभी व्यजन э ध्वनि के आगे कोमल हो जाते है (उनको छोडकर जो सामान्य रूप से कोमल नही हो सकते)।

२. ы और и के वीच का सवध, а और я, э और е इत्यादि के सवध की अपेक्षा सर्वथा दूसरा है, वर्ण а और я, э और е की तरह एक ही स्वर ध्वनि का अभिव्यजन करते हैं। ы और и का भेद केवल इसी मे नही है कि प्रथम कठोर और दूसरा कोमल व्यजन के वाद लिखा जाता है किन्तु इसके अतिरिक्त वे विभिन्न स्वर ध्वनियो को अभिव्यक्त करते हैं।

и के उच्चारण मे जीभ का मध्य भाग अग्र तालु की ओर उठता है किन्तु ы के उच्चारण मे जीभ का मध्य भाग मध्य तालु की ओर उठता है।

तालिकाओ के उपयोग के समय लिपि सवधी विशिष्टता का निदर्शन अनिवार्य रूप से ध्यान में रखना चाहिए। इस प्रकार उदाहरणत यदि तालिका मे -я मे समाप्त होनेवाली संज्ञाओ के विषय मे कहा जा रहा है (дерéвня, пáртия इत्यादि) तो इसका अर्थ है कि -а विभक्ति-चिन्ह धारण करनेवाली सज्ञाओ के विषय मे कहा जा रहा है, जिनके आगे प्रकृति के अन्त मे कोमल व्यजन ध्वनि या й है।

ध्यान दीजिए कोमल व्यजनो के वाद o की अभिव्यक्ति के लिए कभी कभी ё लिखा जाता है किन्तु इस चिन्ह का सभी पुस्तको मे उपयोग नही होता, प्राय ऐसी परिस्थितियो मे साधारणत e लिखा जाता है। (तालिकाओ मे e चिन्ह का प्रयोग किया गया है)। इस चिन्ह का प्रयोग केवल स्वराघात से सयुक्त होने पर होता है क्योकि विना स्वराघात के कोमल व्यजन के वाद e और o के उच्चारण मे कोई भेद नही स्पष्ट किया जा सकता दोनो का उच्चारण e और и (нёс, किंतु несла́) के वीच की ध्वनि के समान होता है।

रूसी भाषा के अघोष और घोष व्यंजन

रूसी भाषा मे अघोष और घोप व्यजनो का भेद स्पष्ट करना अत्यन्त आवश्यक है। (घोष का उच्चारण नाद सहित होता है और अघोष नाद रहित उच्चरित होते है)। व्यजनो का एक हिस्सा जोड़ो (अघोष और घोप) की रचना करता है। कतिपय व्यजनो के जोड़े नही है। इनमे से कुछ केवल अघोष रूप मे प्रकट होते है और उनके समानान्तर घोष व्यजन नही है। अन्य घोप रूप मे प्रकट होते है और उनके समानान्तर अघोप व्यजन नही होते। (देखिए तालिका ५)

तालिका ५

रूसी भाषा के अघोष और घोष व्यंजन

अघोप	ц	ч	щ	х	к	т	с	ш	п	ф						
					г	д	з	ж	б	в	л	р	м	н	й	घोष

तालिका मे घोष और अघोष ध्वनियो को कठोर और कोमल मे विना विभाजन के दिया गया है क्योकि यहा इसका कोई महत्व नही है (उदाहरणत कठोर т अघोप ध्वनि रूप मे प्रकट होता है। इसी प्रकार कोमल т अघोष रूप मे प्रकट होता है, д कठोर घोष ध्वनि है और कोमल д भी घोष ध्वनि रूप में प्रकट होता है इत्यादि)।

जैसा कि तालिका मे दिखाई पडता है सयुक्त व्यजन ц और ч रूसी भाषा मे केवल अघोप हो सकते है। रूसी भाषा मे उनके समानान्तर घोष व्यजन

नही है (कतिपय भापाओ मे ऐसे व्यजन होते है)। अघोष щ के समानान्तर घोप ध्वनि है दीर्घ (दोहरी) कोमल ж (इसके विपय मे ऊपर कहा जा चुका है)। किन्तु इसके लिए जैसा कि पहले कहा जा चुका है रूसी लिपि मे कोई विशेप वर्ण नही है, इसे жж के समान या зж रूप मे व्यक्त किया जाता है, उदाहरणत жужжáть, визжáть। л, р, м, н, й के समानान्तर अघोप ध्वनिया नही है। इनमे से л, р, м, н स्वनत (अर्थात ध्वन्यात्मक) व्यंजन कहे जाते है। सभी स्वनत व्यजनो की यह विशेपता है कि इनके उच्चारण मे वाहर निकलनेवाली हवा के लिए रुकावट (जो सभी अन्य व्यजनो के उच्चारण मे होती है) के साथ रुकावट के इर्द-गिर्द या मुख-विवर या नासिका-विवर मे हवा के लिए स्वतत्र मार्ग होता है।

स्वनत व्यजन जिनके उच्चारण मे हवा के लिए मुख-विवर मे स्वतत्र मार्ग होता है तरल (द्रव) कहलाते है। л और р उनसे सवधित है। л के उच्चारण में जीभ का एक पक्ष नीचे गिर जाता है और हवा इसी से गुजरती है। р के उच्चारण मे जीभ की नोक कापती है और या तो अग्र तालु को छूती है (ऊपरी मसूडे पर) और या तो उससे हवा के लिए स्वतत्र मार्ग खोलती हुई उससे अलग हो जाती है।

स्वनत व्यंजन, जिनके उच्चारण मे तालुयवनिका नीचे को लटक जाती है, और वाहर निकलनेवाली हवा के लिए नासिका-विवर से स्वतत्र मार्ग वनाती है, अनुनासिक कहे जाते है। м और н इनसे सवधित है।

स्पर्श, संघर्षी और मिलित व्यंजन

रुकावट वनाने के ढग के अनुसार सभी व्यजन स्पर्श सघर्षी और मिलित व्यजनो मे विभक्त किए जाते है।

स्पर्श व्यंजन के उच्चारण मे (п, т, к और दूसरे) रुकावट की रचना में भाग लेनेवाले अवयव (ओठ, जीभ और दात, जीभ और तालु) पूरे पूरे वद हो जाते है। फेफडो से निकलनेवाली हवा इन वद अवयवो को विस्फारित करती हुई (वीच से तेजी से फाडती हुई) निकलती है (जैसे कि रुकावट का स्फोट करती हुई)। स्पर्श व्यजनो का उच्चारण सहसा होता है। उनको ताना या वढाया नही जा सकता।

सघर्षी (в, с, х और दूसरे) व्यजनो के उच्चारण में रुकावट की रचना में भाग लेनेवाले अवयव (ओठ और दात, जीभ और दांत, जीभ और तालु) केवल निकट आते है, और उनके वीच सकीर्ण दरार रह जाती है। हवा इसी

से गुजरती है और इन निकटवर्ती अवयवो के किनारे को हिलाती है। सघर्षी व्यजनो का दीर्घ उच्चारण होता है और उनको ताना या वढ़ाया जा सकता है।

मिलित या सयुक्त व्यजन (ц, ч) स्पर्श व्यंजनो और सघर्षी व्यजनो के संयोग रूप मे प्रकट होते है। रुकावट वनाने मे योग देनेवाले वाणी के अवयव (जीभ और दात, जीभ और तालु) पूरे पूरे वंद होते है किन्तु शुरु से सकीर्ण दरार छोडते हुए, सहसा नही वरन् धीरे'धीरे खुलते है।

इस वात पर ध्यान देना आवश्यक है कि साहित्यिक रूसी भाषा मे केवल एक पश्च तालव्य घोष व्यजन है। यह है स्पर्श г। इसका समानान्तर सघर्षी व्यजन सामान्यतया नही है।

महत्वपूर्ण ध्वनि परिवर्त्तन

रूसी भाषा की प्राय. सभी आधारभूत ध्वनिया (स्वर और व्यजन समान रूप से), शब्द मे अपनी स्थिति के अनुसार विभिन्न परिवर्त्तनो के अधीन होती है (विना स्वराघात की स्थिति मे, शब्द के अन्त में पड़ोसी ध्वनियो के प्रभाववश)।

स्वराघातहीन स्वर

रूसी भाषा के आधारभूत स्वर ठीक ठीक एक दूसरे से केवल स्वराघात पड़ने पर ही स्पष्ट होते है। विना स्वराघात की स्थिति मे शेष सभी स्वरो में से केवल у ठीक ठीक विस्पष्ट होता है।

विना स्वराघात की स्थिति मे о और а के उच्चारण मे भेद नही रह जाता। कठोर व्यजनो के वाद स्वराघात के पूर्व प्रथम अक्षर मे और शब्द के आरम्भ में किसी भी स्वराघातहीन अक्षर मे, इन दोनो ध्वनियो की जगह а के निकट की ध्वनि सुनाई पडती है, उदाहरणत. водá, домá (дом शब्द का वहुवचन), огурéц करीव करीव [вадá], [дамá], [агурéц]) के समान उच्चरित होते है, शेष स्वराघातहीन अक्षरो मे, इन ध्वनियो की जगह ы के निकट की ध्वनि उच्चरित होती है, ठीक ठीक मध्य श्रेणी, मध्य उठान का अत्यत संक्षिप्त, ह्रस्व स्वर। अर्थात यह ध्वनि ы से इस वात मे अलग या स्पष्ट होती है कि इसके उच्चारण मे जीभ का मध्य भाग मध्य तालु की ओर इतना ऊंचा नही उठता जितना कि ы के उच्चारण में, उदाहरणत. водянóй, гóрод, далекó, пóвар (स्वराघातहीन о और а की जगह इन शब्दो मे ऐसी दुर्वल ध्वनि उच्चरित होती है)।

स्वराघातहीन e और и इसी प्रकार उच्चारण मे करीव करीव नही स्पष्ट होते। वे и के निकट की ध्वनि के समान उच्चरित होते है। उदाहरणत. делá (वहुवचन) करीव करीव [дилá] के समान उच्चरित होता है। कोमल व्यजनो के वाद स्वराघातहीन o और a स्वर इसी प्रकार नही स्पष्ट होते और и के निकट की ध्वनि के समान उच्चरित होते हैं, उदाहरणत нёс (स्वराघात पडने पर कोमल व्यजन के वाद), किन्तु неслá (करीव करीव [нислá] के समान उच्चरित होता है), взял (स्वराघात पड़ने पर कोमल व्यजन के वाद a), किन्तु взялá (करीव करीव [взилá] के समान उच्चरित होता है)।

a ऊष्म के वाद स्वराघात के पूर्व प्रथम अक्षर मे и के निकट की ध्वनि के समान (कोमल ऊष्म के वाद), या ы के समान (कठोर ऊष्म के वाद) उच्चरित होता है, उदाहरणत часы́ करीव करीव [чисы́] के समान उच्चरित होता है, шагáть [шыгáть] के समान, क्योकि प्राचीन साहित्यिक उच्चारण का ऐसा ही आदर्श था। समकालीन भापा में ऊष्म के वाद स्वराघात के पूर्व प्रथम अक्षर मे प्राय: a (шаги́) उच्चरित होता है। ऊष्म व्यजनो के वाद स्वरो के विशिप्ट परिवर्त्तन, (जो कोमल व्यजनो के वाद इन स्वरो के परिवर्त्तन की याद दिलाते हैं) की व्याख्या इस चीज से हो जाती है कि ये सारे ऊष्म, रूसी भापा में किसी समय कोमल थे।

शेप स्वराघातहीन अक्षरो मे स्वराघात के पूर्व प्रथम अक्षर को छोडकर (कोमल व्यजनों के वाद और कोमल ऊष्म के वाद) o, a, e के स्थान में अत्यन्त दुर्वल e और и के वीच की ध्वनि उच्चरित होती है, लेकिन ऊष्म के वाद वैसी ही दुर्वल ध्वनि, जैसी कठोर व्यजनो के वाद सुनाई पड़ती है।

ध्यान देने की वात है कि कर्त्ता कारक एकवचन पुल्लिग के विशेपणो के स्वराघातहीन (-ый) विभक्ति-प्रत्ययो मे ы के स्थान में मध्य श्रेणी, मध्य उठान का दुर्वल स्वर उच्चरित होता है। उदाहरणत крáсный। यदि विशेपण की प्रकृति पश्च तालव्य व्यजन में समाप्त होती है (उदाहरणत: далёкий, стрóгий) पश्च तालव्य व्यजन कठोर उच्चरित होता है, किन्तु उसके पीछे и न उच्चरित होकर मध्य श्रेणी, मध्य उठान का दुर्वल स्वर उच्चरित होता है। वहुत से लिपि शैली के प्रभाववश पश्च तालव्य व्यजन का कोमल उच्चारण करते है और उसके वाद विभक्ति -ий, किन्तु ऐसा उच्चारण नियमानुकूल नही है।

कठोर और कोमल व्यंजनों का स्वरों के साथ संयोग

и केवल शब्द के आरम्भ मे, स्वरो के वाद और कोमल व्यंजनो के वाद सम्भव है। कठोर व्यजनो के वाद (पश्च तालव्य г, к, х को छोडकर) वह सदा ы मे परिवर्त्तित हो जाता है। तुलना कीजिए, उदाहरणत игрáть—сыгрáть, искáть — изыскáния — इससे प्रकृति के अन्त मे कठोर और कोमल व्यजन की रूपसाधना मे ы-и की विभक्ति-प्रत्ययो की तदनुरूपता की व्याख्या हो जाती है। उदाहरणत столы́ — рули́, вóды — зéмли इत्यादि।

и व्यजन г, к, х के वाद ы मे नही परिवर्त्तित होता। ये व्यजन कोमल हो जाते हैं (कोमल г, к, х मे परिवर्त्तित हो जाते हैं), उदाहरणत волк, वहुवचन вóлки (कोमल к)। इसलिए г, к, х के वाद ы करीव करीव कभी नही लिखा जाता। विदेशी उत्पत्ति के वहुत थोडे से शब्द अपवाद स्वरूप हैं · акы́н।

यदि दो पडोसी शब्द विना यति के उच्चरित होते हैं और पहला पश्च तालव्य व्यजन मे समाप्त होता है और दूसरा и से शुरू होता है तो पश्च तालव्य कठोरता सुरक्षित किए रहता है और и ы मे परिवर्त्तित हो जाता है, उदाहरणत волк и кот, к Ивáну का उच्चारण волкыкóт, кывáну होता है, किंतु लिपि शैली मे यह नही अभिव्यक्त किया जाता (लिखा जाता है волк и кот, к Ивáну)।

ऊष्म (ж, ч, ш, щ) और ц का कठोरता और कोमलता के अनुसार भेद नही किया जाता। इनमे से कुछ (ж, ш, ц) कतिपय विरल परिस्थितियो को छोडकर – कतिपय विदेशी व्युत्पत्ति के शब्दो मे парашю́т, брошю́ра, жюри́—सदा कठोर हैं, दूसरे सदा कोमल (ч, щ)। चूंकि लिपि मे इन ध्वनियो की कोमलता और कठोरता का अभिव्यजन नही हुआ इससे उनके वाद प्रत्येक वर्ण युग्म मे से (а—я, у—ю, и—ы) स्वर के निर्देशन के लिए केवल एक वर्ण लिखा जाता है यथा а, у, и (किन्तु я, ю, ы नही) विना इसकी ओर ध्यान दिये कि प्रस्तुत ऊष्म ध्वनि कठोर है या कोमल, उदाहरणत: чай (ч कोमल), чужóй (ч कोमल), жизнь (ж कठोर और फलत. उसके वाद ы उच्चरित होता है)।

अपवाद :

१ केवल कुछ विदेशी व्युत्पत्ति के शब्दो मे ш, ж के वाद ю लिखा जाता है брошю́ра, парашю́т, жюри́ प्रथम दो शब्द कठोर ш से उच्चरित होते हैं, किन्तु жюри́ कोमल ж के साथ उच्चरित होता है।

२ ц के वाद и उसी प्रकार प्रयुक्त होता है जैसे कि ы यद्यपि दोनो

स्थितियो मे ы उच्चरित होता है (ц कठोर के समान), उदाहरणत ци́ркуль, концы́।

ऊष्म के वाद э के अभिव्यजन के लिए सदा е लिखा जाता है। о के अभिव्यजन के लिए о और е (ё) समान रूप से लिखा जाता है, उदाहरणत: мешок, кружо́к (इसी प्रकार उच्चरित होता है) किन्तु шел या шел, же́лтый या жёлтый ([шол, жолтый] उच्चरित होता है)।

यह ध्यान देने की वात है कि यदि पुस्तक मे सामान्यतया वर्ण ё प्रयुक्त होता है तो ऊष्मो के वाद ё लिखा जाता है विना इसपर निर्भर हुए कि ऊष्म व्यजन कोमल है या कठोर है अर्थात् केवल чётный (ч कोमल) ही नही लिखा जाता, वरन् шёл (ш कठोर) भी लिखा जाता है।

ऊष्मो के वाद о प्राय सदा स्वराघात पडने पर लिखा जाता है। केवल विदेशी व्युत्पत्ति के थोडे शब्द (шовини́зм, шоки́ровать, шокола́д, шоссе́, шофёр) अपवाद है।

э, и स्वरो के आगे सभी व्यजन कोमल होते है (उनके अतिरिक्त जो सामान्यतया कोमल नही हो सकते, ऐसे व्यजन ж, ш, ц है)।

अघोष और घोष व्यंजनो का परिवर्तन

अघोष व्यजन वाक्य में घोष व्यजन के आगे घोष हो जाते है (й, р, л, м, н, в के अतिरिक्त)। उदाहरणत сде́лать ([зде́лать] उच्चरित होता है), отбо́р ([одбо́р] उच्चरित होता है), किन्तु съе́хать, три, слой, смыть, снять, свить यहा न केवल लिखे जाते है, वरन् अघोष व्यजन с, т उच्चरित होते है।

अघोष व्यजनो के आगे और शब्द के अन्त मे घोष व्यजन अघोष हो जाते है। उदाहरणत вперёд ([фперёт] उच्चरित होता है)।

स्पर्श, संघर्षी और मिलित व्यंजनो का परिवर्तन

व्यजन ध्वनियो की रुकावट (वाधा) का स्वरूप विरल रूप से परिवर्तित होता है, किन्तु थोडा वहुत परिवर्तन फिर भी होता है और वह यह कि स्पर्श और सयुक्त व्यजन ध्वनिया कतिपय शब्दो में स्पर्श व्यजनो के आगे होने की परिस्थिति मे परिवर्तित होती है। परिवर्तन यह होता है कि व्यजन रचना में भाग लेनेवाले अवयव पूरे पूरे वद नही होते और व्यंजन सघर्षी मे परिवर्तित हो जाते है। इस प्रकार उदाहरणत. ко́гти शब्द मे (ко́готь शब्द का वहुवचन)

г के स्थान पर x उच्चरित होता है (अघोष जैसा कि ऊपर कहा गया है जैसे कि अघोप के आगे घोप व्यजन वन जाता है), мя́гкий शब्द मे इसी प्रकार г की जगह x उच्चरित होता है। что, ску́чно, коне́чно शब्दो मे निश्चय ही ч की जगह ш उच्चरित होता है। अनुनासिक व्यजन н रुकावट के स्वरूप के अनुसार मुख रन्ध्र मे निर्मित (जीभ की नोक और ऊपरी दातो के बीच) स्पर्श रूप मे प्रकट होता है। ध्यान देना आवश्यक है कि वैज्ञानिक विशिष्टता वाले शब्दो मे н के आगे ч सुरक्षित रहता है। उदाहरणत коне́чный (коне́чная величина́), бесконе́чный, бесконе́чность शब्दो मे ч उच्चरित होता है। वहुत से शब्दो मे ч दूसरे स्पर्श व्यजनो के आगे सुरक्षित रहता है, उदाहरणत почти́, привы́чный, привы́чка और दूसरे।

क्रिया के निजवाचक रूप की रचना मे т और с एक मे विलय होकर दीर्घ (दोहरा) सयुक्त व्यजन ц वन जाते है (उदाहरणत. смея́ться उच्चरित होता है смея́цца, смеется—смеёцца के समान)। ऐसा ही विलयन उस स्थिति मे लक्षित होता है जव मूल के अन्तिम व्यजन т के वाद प्रत्यय -ск- आता है। केवल इस स्थिति मे सामान्य (न दीर्घ अर्थात् न दोहरा) ц होता है। उदाहरणत: जल्दी की वातचीत मे де́тский शब्द де́цкий के समान उच्चरित होता है। दूसरी परिस्थितियो मे ऐसा विलयन नही होता। उदाहरणत отсе́чь, отскочи́ть शब्दो मे тс ऐसा ही उच्चरित होता है।

रूसी लिपिमाला के आधारभूत सिद्धांत

रूसी लिपिमाला मुख्य रूप पदाकृतिमूलक सिद्धान्त पर आधारित है, अर्थात् लेखन के अपरिवर्त्तनशील रूप मे शब्द के प्रत्येक महत्वपूर्ण भाग (धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, विभक्ति की सुरक्षा विशेपतया उन परिस्थितियो मे जव कि इस महत्वपूर्ण भाग का उच्चारण स्वराघात या दूसरी ध्वनियो से सयोग के कारण परिवर्त्तित होता है। इस प्रकार उदाहरणत дом शब्द के कर्त्ता कारक वहुवचन के मूल मे дома́ о उसी प्रकार लिखा जाता है जिस प्रकार एकवचन मे यद्यपि वहुवचन मे स्वराघात अन्तिम अक्षर पर पडता है और स्वराघातहीन о का उच्चारण а के समान होता है।

इस सिद्धान्त से केवल कतिपय परिस्थितियो मे ही उच्चारण के पक्ष में अपवाद किये जाते है, उदाहरणत' उपसर्ग из-, воз-, низ-, раз-, без-, чрез- उच्चारण के अनुरूप लिखे जाते है избега́ть किंतु исходи́ть, возбужде́ние किन्तु восхожде́ние, низверга́ться किन्तु ниспада́ть, разбега́ться किन्तु расходи́ться, безрабо́тный किन्तु беспоко́йный, чрезме́рный।

कतिपय लेखनो की व्याख्या ऐतिहासिकता के द्वारा हो जाती है। उदाहरणत -шь क्रिया के मध्यम पुरुष एकवचन की विभक्ति में जहा ш कठोर उच्चरित होता है (говори́шь — [говори́ш] के समान उच्चरित होता है)। प्राचीन रूसी में ш कोमल था।

ध्वनियों का अन्तर्परिवर्तन

एक ही शब्द के विभिन्न रूपो की रचना मे और प्रत्ययो की सहायता से शब्द रचना मे कभी कभी एक ध्वनि का स्थानापन्न दूसरी ध्वनि बन जाती है (स्वर और व्यजन समान रूप से) और इसी प्रकार स्वरो का मूलो में और प्रत्ययो मे लोप होता है। एक ध्वनि का दूसरी ध्वनि द्वारा स्थानापन्न होना अन्तर्परिवर्त्तन कहलाता है, और लुप्त होनेवाले स्वर लोपी स्वर कहलाते है।

रूसी भाषा में स्वरो की अपेक्षा व्यजनो का अन्तर्परिवर्त्तन अधिक व्यापक है।

तालिका ६

स्वरो का महत्वपूर्ण अन्तर्परिवर्त्तन

कौनसे स्वर अन्तर्परिवर्तित होते है	उदाहरण	टिप्पणिया
о — а	ло́мит — выла́мывает смо́трит — просма́тривает	अन्तर्परिवर्त्तन सामान्यतया क्रियाओ की धातु में, क्योकि धातु मे а धारण करनेवाली क्रियाए सामान्यतया दीर्घ समय तक चलनेवाले कार्य तथा पुनरावृत्त होनेवाले कार्य को अभिव्यक्त करती है।
е — и — о	запере́ть — запира́ть — запо́р беру́ — собира́ть — сбор	अन्तर्परिवर्त्तन सामान्यतया क्रियाओ की धातुओ और क्रियाओ से बनी सज्ञाओ मे।

क्रमश.

कौनसे स्वर अन्तर्परिवर्त्तित होते है	उदाहरण	टिप्पणिया
		e और и का भेद केवल लेखन सवधी है। क्योकि स्वराघातहीन परिस्थिति मे e और и के उच्चारण मे कोई भेद नही स्पष्ट किया जा सकता।
о—ы	сóхнуть—засыхáть задохнýться—задóхся—задыхáться вздох—вздыхáть	e—и, о—ы का अन्तर्परिवर्त्तन सामान्यतया क्रियाओ की धातुओ मे क्योकि и, ы धारण करनेवाली क्रियाए अधिक दीर्घ समय तक चलनेवाले या पुनरावृत्त कार्य को अभिव्यक्त करती है। о सामान्यतया क्रिया से बनी सज्ञाओ के मूल मे।

तालिका ७

लोपी स्वर

कौनसे स्वर	उदाहरण	टिप्पणियां
о	сон—сна, рот—рта	स्वरो का हटना या लोप अधिकतर. १. पुल्लिग और कभी कभी स्त्रीलिग शब्दो के मूल मे जो व्यजनो मे समाप्त होते है। एकवचन के सभी विकृत कारको मे अर्थात् कर्ता को छोडकर सभी कारको मे और बहुवचन के सभी कारको मे। २ -ок, -ек, -ец युक्त शब्दो मे एकवचन के कर्ता को छोडकर अन्य कारको मे और बहुवचन के सभी कारको मे। ३. स्त्रीलिंग और नपुसक लिग के सक्षिप्त विशेषणो मे।
	рожь—ржи	
е	день—дня, лев—льва	
о	стрелóк—стрелкá	
е	молодéц—молодцá	
о	лóвок—ловкá—лóвко	
е	бóлен—больнá—больнó	

क्रमशः

कौनसे स्वर	उदाहरण	टिप्पणिया
o e	гоню́—гнать беру́—брать	४ कतिपय क्रियाओ के साधारण रूपो के मूलो मे जिनके वर्त्तमान काल के मूल मे स्वर होता है।
		स्वराघातहीन परिस्थितियो में, जैसा कि ज्ञात है, o और a का भेद नही रह जाता। स्वराघात के बाद वाले अक्षर मे दोनो का एक ही दुर्वल स्वर मे तादात्म्य हो जाता है, किन्तु चूकि स्वराघात पडने पर केवल लोपी o सभव है किन्तु लोपी a नही, हम समझते है कि ло́вок शब्द के अन्तिम अक्षर मे o की जगह दुर्वल स्वर है।
e (ė)	лев—льва уголек—уголька́ бо́лен—больна́	कोमल л के वाद स्वर के लोप होने पर या हटने पर л की कोमलता सुरक्षित रहती है इसलिए इसके वाद कोमल चिन्ह् लिखा जाता है।
o e	па́лка (ब० व० सबध па́лок) ру́чка (ब० व० सबध ру́чек)	कठोर व्यजन के वाद o प्रकट होता है। कोमल के वाद अधिकतर प्रत्यय -к- के साथ स्त्रीलिग शब्दो के सबध कारक वहुवचन मे व्यजनो के वाद e।
и ы	собира́ть—собра́ть начина́ю—начну́ посыла́ть—посла́ть ты́кать—ткнуть замыка́ть—замкну́ть	केवल क्रियाओ की धातुओ मे। и, ы से सयुक्त रूप सामान्यतया अधिक दीर्घ या पुनरावृत्त कार्य व्यक्त करते है।

तालिका ८

व्यंजनो का महत्वपूर्ण अन्तर्परिवर्त्तन

कौनसे व्यजन अन्तर्परिवर्त्तित होते है	उदाहरण	टिप्पणिया
к—ч	рука́—ру́чка пук—пучо́к му́ка—му́чить восто́к—восто́чный крик—крича́ть кре́пкий—кре́пче	ч, ж सामान्यतया प्रत्ययो के आगे जो स्वर е और и मे शुरू होते है, -ок(-ек), -к(а), -н- प्रत्ययो के आगे और इसी प्रकार क्रियाओ की कतिपय धातुओ में। ц सामान्यतया सज्ञाओ से बने विशेषणो में प्रकट होता है, -к(ий) प्रत्यय के आगे, г, ж के साथ з अन्तर्परिवर्त्तन मे कुछ ही परिस्थितियो में प्रकट होता है।
к—ч—ц	рыба́к—рыба́чить—рыба́цкий	
г—ж	нога́—но́жка доро́га—доро́жка флаг—флажо́к нога́—ножно́й ля́гу—лег—лежа́ть—лежу́ дорого́й—доро́же стро́гий—стро́же	
т—ж—з	друг—дружо́к—дру́жеский—друзья́	
ц—ч	овца́—овчи́на—ове́чка лицо́—ли́чный огуре́ц—огу́рчик па́лец—па́льчик	ц की जगह ч सामान्यतया व्युत्पन्न शब्दो मे е और и स्वरो के आगे, -к(а), -н-, -ок, -ек प्रत्ययो के आगे।

क्रमश.

कौनसे व्यजन अन्तर्परिवर्त्तित होते है	उदाहरण	टिप्पणिया
х — ш	пахáть — пашý — пáшня махáть — машý пух — пушóк старýха — старýшка страх — стрáшный ýхо — ýши сухóй — сýше глухóй — глýше	ш सामान्यतया क्रियाओ के वर्त्तमान काल मे प्रत्ययो के और विभक्तियो के आगे जो е, и स्वर मे शुरू होती है और इसी प्रकार -ок(-ек), -к(а), -н- प्रत्ययो के आगे।
с — ш	писáть — пишý (пи́шешь) проси́ть — прошý (прóсишь) носи́ть — ношý (нóсишь) — нóша высóкий — вы́ше	ш, ж मुख्य रूप मे: १ क्रियाओ के मूल के अन्त मे वर्त्तमान काल मे (साधारण क्रिया मे с, з होने पर), -ать वाली क्रियाओ में (писáть, лизáть) ऊष्म व्यजन वर्त्तमान काल के सभी रूपो मे, -ить वाली क्रियाओ मे (проси́ть, вози́ть) ऊष्म व्यजन केवल उत्तम पुरुप एकवचन मे; २ मूल के वाद -а विभक्ति-चिन्ह से युक्त क्रियार्थक सज्ञा मे। ३ विशेपणो की उत्तरावस्था में।
з — ж	лизáть — лижý (ли́жешь) вози́ть — вожý (вóзишь) ни́зкий — ни́же	
т — ч	ответить — отвéчу (отвéтишь) — отвечáть колоти́ть — колочý (колóтишь) — поколáчивать	ч सामान्यतया वर्त्तमान काल के उत्तम पुरुप एकवचन मे (कभी कभी दूसरे पुरुषो मे), पूर्णताद्योतक क्रियाओ से वनी हुई अपूर्णताद्योतक क्रियाओ में और इसी प्रकार विशेपणो की उत्तरावस्था में।

कौनसे व्यजन अन्तर्परिवर्त्तित होते है	उदाहरण	टिप्पणिया
	молоти́ть—молочу́ (моло́тишь)—обмола́чивать хоте́ть—хочу́ (хо́чешь) круто́й—кру́че	
т—ч—щ	свети́ть—свечу́ (све́тишь)—свеча́—свече́ние—освеща́ть—просвеща́ть—освеще́ние—просвеще́ние трепета́ть—трепещу́ (трепе́щешь) похи́тить—похи́щу (похи́тишь)—похища́ть—похище́ние	щ मुख्य रूप से क्रियार्थक सज्ञाओ में जो -ение मे समाप्त होती है, और इसी प्रकार पूर्णताद्योतक क्रियाओ से बनी अपूर्णताद्योतक क्रियाओ मे। ध्यान दीजिये कभी -ение वाली सज्ञाओ मे ч होता है (свече́ние)। т के साथ अन्तर्परिवर्त्तन मे щ प्राचीन स्लाव से व्युत्पन्न शब्दो और रूपो मे प्रकट होता है।
д—ж	ви́деть—ви́жу (ви́дишь) сиде́ть—сижу́ (сиди́шь)—поси́живать молодо́й—моло́же молодо́й—омолоди́ть—омоложу́ (омолоди́шь)—омоложа́ть—омоложе́ние	ж मुख्य रूप से क्रियाओ के वर्त्तमान काल के उत्तम पुरुष एकवचन मे, पूर्णताद्योतक क्रियाओ से बनी हुई अपूर्णताद्योतक क्रियाओ मे, और विशेषणो की उत्तरावस्था मे।

क्रमशः

कौनसे व्यंजन अन्तर्परिवर्त्तित होवे है	उदाहरण	टिप्पणिया
д—ж—жд	ходи́ть—хожу́ (хо́дишь)—пожа́живать—хожде́ние охлади́ть—охлажда́ть—охлажде́ние проводи́ть—провожа́ть—сопровожда́ть—сопровожде́ние роди́ть—рожу́ (роди́шь)—рожа́ть—рожда́ть—рождён—рожде́ние	жд मुख्य रूप से क्रियार्थक सज्ञाओ मे जो -ение में समाप्त होती है, पूर्णताद्योतक क्रियाओ से बनी हुई अपूर्णताद्योतक क्रियाओ मे और इसी प्रकार कर्मवाचक भूतकालिक कृदन्तो मे। ध्यान दीजिये. कभी कभी -ение वाली सज्ञाओ में ж होता है (омоложе́ние)। д के साथ अन्तर्परिवर्त्तन मे жд प्राचीन स्लाव से व्युत्पत्त शब्दो और रूपो मे।
ск—щ	доска́—доще́чка иска́ть—ищу́ тре́скаться—тре́щина—треск—треща́ть	щ सामान्यतया प्रत्ययो के आगे जो e, и स्वर मे शुरू होते है, इसी प्रकार उन क्रियाओ के वर्त्तमान काल मे जिनके साधारण क्रिया रूपो मे a होता है।
ст—щ	пусти́ть—пущу́ (пу́стишь) блесте́ть—блещу́ (блести́шь) густо́й—гу́ще просто́й—про́ще то́лстый—то́лще	ст की जगह щ सामान्यतया कतिपय क्रियाओ के उत्तम पुरुष एकवचन में, और इसी प्रकार तुलनात्मक मात्रा वाले विशेषणो में।

क्रमश.

कौनसे व्यजन अन्तर्परिवर्तित होते है	उदाहरण	टिप्पणिया
п — пл	топи́ть (в воде́) — топлю́ (то́пишь) — затопля́ть — затопле́ние топи́ть (печь) — топлю́ (то́пишь) — отопля́ть — отопле́ние терпе́ть — терпе́ние — терплю́ (те́рпишь)	सभी स्थितियो मे कोमल л। л के साथ सयोग सामान्यतया -ить (я люблю́) वाली क्रियाओ के उत्तम पुरुष एकवचन मे, पूर्णताद्योतक क्रियाओ से बनी अपूर्णताद्योतक क्रियाओ मे, क्रियार्थक सज्ञाओ मे और इसी प्रकार तुलनात्मक मात्रा वाले विशेषणो मे। ध्यान दीजिये . -ение वाली क्रियार्थक सज्ञाओ मे बिना л के ओष्ठ्य व्यजन हो सकता है (терпе́ние)।
б — бл	люби́ть — люблю́ (лю́бишь) оскорби́ть — оскорблю́ (оскорби́шь) — оскорбле́ние	
в — вл	лови́ть — ловлю́ (ло́вишь) — ло́вля дешевый — деше́вле	
ф — фл	графи́ть — графлю́ (графи́шь)	
м — мл	ломи́ть — ломлю́ (ло́мишь) — преломля́ть — преломле́ние томи́ть — томлю́ (томи́шь) — томле́ние	

क्रमश :

कौनसे व्यजन अन्तर्परिवर्तित होते हैं	उदाहरण	टिप्पणिया
л—л (कोमल)	стлать—стелю́ стол—насто́льный комсомо́л—комсо́мольский	कोमल л सामान्यतया उन क्रियाओ के वर्तमान काल में जिनके सामान्य क्रिया रूप मे कठोर л है, और -н-, -ск प्रत्ययो के आगे।
р—р (कोमल)	бу́рный—бу́ря секрета́рский—секрета́рь	-н- प्रत्ययो के आगे कठोर р।
н—н (कोमल)	гнать—гоню́ ко́нский—конь	कोमल н उन क्रियाओ के वर्तमान काल मे जिनके साधारण क्रिया रूप मे कठोर н है। -ск- प्रत्यय के आगे कठोर н।

कभी कभी एक साथ ही स्वर और व्यजन का अन्तर्परिवर्तन देखने को मिलता है, उदाहरणत хо́дит—похáживает, но́сит—занáшивает, лежу́—ля́гу—лёг—положи́ть।

रूसी भाषा में स्वराघात के विषय में कतिपय टिप्पणियां

रूसी भाषा मे स्वराघात विभिन्न शब्दो मे विभिन्न अक्षरो पर पडता है।

कतिपय परिस्थितियो मे स्वराघात के स्थान-भेद से शब्दो का अर्थभेद या वैयाकरणिक रूपो का भेद सबद्ध हो जाता है। उदाहरणत зáмок—замо́к; руки́ (सबध कारक एकवचन)—ру́ки (कर्त्ता कारक बहुवचन), му́ка—мукá; страны́ (सबंध कारक एकवचन)—стрáны (कर्त्ता कारक बहुवचन); кру́гом (करण कारक एकवचन круг शब्द से)—круго́м (क्रियाविशेषण), отрезáть (अपूर्णताद्योतक पक्ष)—отре́зать (पूर्णताद्योतक पक्ष); сбегáть (अपूर्णताद्योतक पक्ष)—сбе́гать (पूर्णताद्योतक पक्ष)।

अन्तिम परिस्थिति मे स्वराघात के स्थान-परिवर्तन से केवल वैयाकरणिक रूपो का भेद ही नही संबद्ध है वरन् शब्द का अर्थभेद भी।

сбегáть—नीचे की ओर दौड़ना।

сбе́гать—किसी ओर तेजी से दौडकर पहुचना और लौटना।

सामान्यतया शब्दकोष और अरूसी स्कूलो के लिए पाठ्यपुस्तको मे स्वराघात निर्दिष्ट रहता है। एक ही शब्द के विभन्नि रूपो की रचना मे (अर्थात् रूपसाधना और क्रिया रूप के विकार मे) स्वराघात कतिपय परिस्थितियो मे अपना स्थान सुरक्षित रखता है और अन्य परिस्थितियो मे दूसरे स्थान पर जाता है। इस सक्षिप्त लेख मे पूर्णतया (स्वराघात के) स्थानान्तरण के नियमो की व्याख्या सभव नही, यहा पर केवल कतिपय आधारभूत प्रकारो का उल्लेख होगा।

स्वराघात सभी रूपो मे अपना स्थान सुरक्षित रखता है और स्थिर तथा निश्चित रहता है.

१ स्त्रीलिग और नपुसक लिग सज्ञाओ मे, और इसी प्रकार उन पुल्लिग सज्ञाओ मे, जो कर्त्ता कारक बहुवचन मे विभक्ति-चिन्ह —ы, —и धारण करती है उस परिस्थिति मे यदि स्वराघात कर्त्ता कारक एकवचन मे न अन्तिम पर अक्षर और न आरम्भिक अक्षर पर पडता है। उदाहरणत побéда, загáдка, строéние, завóд, руководи́тель शब्दो मे।

पुल्लिग सज्ञाओ मे जिनका स्वराघात कर्त्ता कारक एकवचन मे न अन्तिम अक्षर पर पडता है और न आरम्भिक अक्षर पर किन्तु जो साथ ही कर्त्ता कारक वहुवचन मे -а(-я) विभक्ति-प्रत्यय धारण करती है। एकवचन के सभी रूपो मे स्वराघात एक ही और उसी अक्षर पर पडता है और वहुवचन के सभी रूपो मे विभक्ति-प्रत्यय पर पडता है। उदाहरणत профéссор, सवध कारक профéссора इत्यादि, учи́тель, सवध कारक учи́теля इत्यादि; वहुवचन профессорá, सवध कारक профессорóв, учителя́, सवध कारक учителéй* इत्यादि।

यह न सोचना चाहिए कि स्वराघात अपना स्थान केवल उल्लिखित प्रकार की सज्ञाओ मे ही सुरक्षित रहता है। वह दूसरे प्रकार के शब्दो मे भी सुरक्षित रह सकता है। उदाहरणत студéнт, тетрáдь।

२ क्रियाओ मे उस परिस्थिति मे, यदि स्वराघात साधारण क्रिया रूप मे अन्तिम अक्षर पर नही पडता है, उदाहरणत пáдать, слýшать, дýмать शब्दो मे।

इसपर ध्यान देना चाहिए कि कतिपय क्रियाओ मे, जिनमे साधारण क्रिया मे स्वराघात अन्तिम अक्षर पर है स्वराघात नही स्थानान्तरित करता, उदाहरणत читáть—читáю, нести́—несý।

३ विशेषणो मे, रूपसाधना मे स्वराघात नही स्थानान्तरित होता। किन्तु वह तुलनात्मक मात्रा के विशेषणो की रचना मे स्थानान्तरित हो जाता है और इसी प्रकार स्त्रीलिग सक्षिप्त विशेषण रूप मे· крáсный—крáсного—краснéе, крáсен—краснá।

---

* विस्तार के साथ इस विषय मे तालिका २३ मे।

२. संज्ञा

आरम्भिक टिप्पणियां

रूसी भाषा में सज्ञा के आधारभूत वैयाकरणिक रूप : लिग, वचन और कारक हैं। लिग रूप उसकी विशेषताओ में से एक है। लिगानुरूप सज्ञा के तीन भेद होते हैं : पुल्लिंग, स्त्रीलिग और नपुसक लिग।

१. व्यक्ति और कतिपय पशुओ के नाम को प्रकट करनेवाली सज्ञाओ का लिग रूप उनके नैसर्गिक लिग विचार से निश्चित किया जाता है। शेष परिस्थितियो में वैयाकरणिक लिग उनके शब्दात से निश्चित होता है।

सज्ञा का लिग अनुरूपता से प्रकट होता है अर्थात् सज्ञाओ से सम्बद्ध विशेषणों, अधिकाश सर्वनामों, क्रमवाचक सख्याओ और भूतकाल की क्रियाओ का शब्दान्त परिवर्तन सज्ञा के लिग के अनुरूप होता है। उदाहरण के लिए большóй дом (पुल्लिंग), большáя кóмната (स्त्रीलिग), большóе окнó (नपुसक लिग), наш пéрвый урóк (पुल्लिग), нáша пéрвая рабóта (स्त्रीलिग), нáше пéрвое задáние (नपुसक लिग), пруд замёрз, рекá замёрзла, óзеро замёрзло (इनके विषय में विशेष रूप से प्रासगिक तालिकाओ में कहा गया है)।

२. रूसी भाषा मे छ कारक हैं : कर्त्ता кто? что? प्रश्न का उत्तर है; संबध когó? чегó?; संप्रदान комý? чемý?; कर्म когó? что?; करण кем? чем?, अधिकरण о ком? о чём?

३. इन कारको का मुख्य प्रयोजन जो कि दूसरी भाषाओ में भी तदनरूप पाये जाते है निम्नलिखित है :

कर्त्ता कारक कर्त्ता या क्रिया के करनेवाले को प्रकट करता है (товáрищ читáет);

संबंध कारक स्वामित्व या अधिकार को प्रकट करता है (кни́га товáрища);

संप्रदान कारक उस व्यक्ति को बताता है जिसके लिए क्रिया सपन्न की जाती है (пишý товáрищу);

कर्म कारक उस व्यक्ति या पदार्थ को सूचित करता है जिसपर क्रिया का प्रभाव पडता है या जिसे क्रिया का फल प्राप्त होता है (получи́л письмо́, ви́дел това́рища);

करण कारक क्रिया के करण या साधनो को प्रकट करता है (пишу́ ме́лом),

अधिकरण कारक केवल उपसर्ग के साथ ही प्रयुक्त होता है (इसके आशय के लिए तालिका ३२ देखिये)।

४ रूसी भाषा मे कतिपय सज्ञाए ऐसी भी है जिनकी रूपसाधना नही होती है। ये दूसरी भाषाओ से आये हुए उधार लिए हुए शब्द है। इनमें से प्राय. सभी नपुसक लिग के है। उदाहरणार्थ: пальто́, кино́, метро́, ра́дио, бюро́, шоссе́, жюри́, клише́ आदि। (पशुओ को द्योतित करनेवाली समान सज्ञाओ के लिग के विषय मे तालिका ११, पृष्ठ ३८–३९ मे देखिये।)

५ कतिपय सज्ञाए केवल एकवचन मे प्रयुक्त होती है, अन्य केवल बहुवचन मे (देखिये तालिका १४, पृष्ठ ४९)।*

तालिका ९

संज्ञाओं का लिंग

एकवचन		
पुल्लिग	स्त्रीलिग	नपुसक लिग
शब्द के अन्त मे:		
कठोर व्यजन	-а	-о
труд, колхо́з, лес	страна́, ро́дина, газе́та	окно́, письмо́, де́ло
-й	-я	-е, -ё
бой, май, музе́й	земля́, дере́вня, пе́сня, струя́, па́ртия, револю́ция	мо́ре, зда́ние, ружьё, по́ле, уще́лье, копьё, па́стбище

---

* कारको के अन्य प्रयोजनो के विषय मे तालिकाएं २४–२७ देखिये।

क्रमश:

एकवचन		
पुल्लिग	स्त्रीलिग	नपुसक लिग
शब्द के अन्त में.		
कोमल व्यजन	कोमल व्यजन	-мя
день, дождь, путь	жизнь, власть, площадь	и́мя, время, зна́мя
कठोर या कोमल ऊष्म व्यजन	कठोर या कोमल ऊष्म (शब्द के अत में ь लिखा जाता है)	
нож, каранда́ш, луч, плащ	рожь, тишь, ночь, помощь	

टिप्पणियां : १ शब्दान्त मे कोमल व्यंजन वाली सज्ञाए पुल्लिग और स्त्रीलिग दोनो हो सकती है। सबध कारक के रूप से उनका लिग निश्चित किया जा सकता है (पुल्लिग дождь—дождя́; स्त्रीलिग плóщадь—плóщади)। कतिपय परिस्थितियो मे लिग निर्धारण कर्ता कारक में लगे हुए प्रत्ययो से भी सभव है·

(अ) प्रत्यय -тель (чита́тель, писа́тель, руководи́тель) और प्रत्यय -арь (секрета́рь, библиоте́карь, па́харь) से युक्त (व्यक्ति की उपाधि द्योतित करनेवाली) सभी सज्ञाए पुल्लिग है;

(आ) -ость, -есть प्रत्यय से युक्त सभी सज्ञाए स्त्रीलिग है (ра́дость, но́вость, производи́тельность, тя́жесть, све́жесть)।

शेप परिस्थितियो में ь में अन्त होनेवाली पुल्लिग और स्त्रीलिग सज्ञाओ के प्रयोग को याद रखने की आवश्यकता है, (देखिये तालिका १२, पृष्ठ ४१)।

२. ऊष्म (कोमल और कठोर) व्यजन वाली पुल्लिग और स्त्रीलिग सज्ञाए लिपि शैली से स्पष्ट हो जाती है. स्त्रीलिग सज्ञाओ के कर्त्ता कारक एकवचन मे उनके अत में सदा ь लिखा जाता है चाहे ये ऊष्म कठोर हो या कोमल (рожь, тишь, ночь, по́мощь), पुल्लिग सज्ञाओ के अत में ь कभी नही लिखा जाता है (нож, каранда́ш, луч, плащ)।

३ कतिपय (उपाधि सूचित करनेवाली) पुल्लिंग सज्ञाओ के शब्दान्त में -а(-я) होता है (ю́ноша, дя́дя) (देखिये तालिका १०)।

४. लघुताद्योतक प्रत्ययो -ушк-, -ишк-, -онк-, -ёнк- से युक्त पुल्लिग (जीवधारी) सज्ञाओ का शब्दान्त -а और (निर्जीव पदार्थवाचक सज्ञाओ का शब्दान्त) -о हो सकता है. де́душка, мальчи́шка, мужичо́нка, городи́шко, доми́шко; महन्ताद्योतक -ищ-, -ин- प्रत्ययो से युक्त सज्ञाओ के शब्दान्त मे -е, -а हो सकता है, -ищ- प्रत्यय से युक्त का शब्दान्त -е (парни́ще, дружи́ще, голоси́ще), और -ин प्रत्यय से युक्त सज्ञाओ का शब्दान्त -а (дети́на) हो सकता है।

५ रूसी भाषा मे १० शब्दो के अन्त मे -мя आता है। ये सभी नपुसक लिग वाचक सज्ञाए है и́мя, вре́мя, зна́мя, се́мя, те́мя, бре́мя, пле́мя, пла́мя, вы́мя, стре́мя।

६ अव्यय रूप में प्रयुक्त होनेवाले (अर्थात् जिनकी रूपसाधना नही होती) दूसरी भाषा के उधार लिए हुए विदेशी शब्द नपुसक लिग है (пальто́, кино́, жюри́, пари́, боа́) यदि वे निर्जीव पदार्थो के वाचक है केवल ко́фе को छोड़कर जो पुल्लिग है (люблю́ кре́пкий ко́фе), और यदि वे जीवधारियो का द्योतन करते है तो वे पुल्लिग है।

तालिका १०

संज्ञा का लिंग

(संज्ञाए व्यक्तिवाचक)

I पुल्लिग और स्त्रीलिग सज्ञाए जिनका शब्दान्त सामान्य रूप से जन्मजात लिग सूचित करता है।

	पुल्लिग	स्त्रीलिग
१ पुल्लिग और स्त्रीलिग प्रकट करनेवाली सज्ञाए जिनका शब्दान्त जन्मजात लिग के समानुरूप है।	брат ма́льчик	сестра́ де́вочка
२ पुल्लिग और स्त्रीलिग व्यक्तिवाचक सज्ञाए जिनका जन्मजात लिग न केवल शब्दात से ही स्पष्ट होता वरन् प्रत्ययो से भी स्पष्ट होता है।	учени́к комсомо́лец студе́нт стари́к летчик	учени́ца комсомо́лка студе́нтка стару́ха летчица

टिप्पणियां: १. अधिकतर उपाधि, पेशा आदि सूचित करनेवाली पुल्लिंग संज्ञाएं स्त्रीलिंग में भी समान रूप से व्यवहृत होती हैं. Онá хорóший педагóг, óпытный врач. Секретáрь вы́шла. С доклáдом выступáла профéссор Ивановá Премировáли садовóда Игнáтьеву.

२. человéк, друг, товáрищ इन पुल्लिंग शब्दों के समान रूप स्त्रीलिंग शब्द नहीं होते Онá прекрáсный человéк. Пришлá товáрищ Ивановá.

II. शब्दान्त -а(-я) से युक्त पुल्लिंग संज्ञाएं।

१ शब्दान्त -а(-я) से युक्त कतिपय पुल्लिंग संज्ञाएं हैं. мужчи́на, ю́ноша, дя́дя, судья́ (Он справедли́вый судья́, онá справедли́вый судья́), стáроста (Он хорóший стáроста, онá хорóший стáроста) और प्राचीन शब्द воевóда, вельмóжа।

२ पुरुषों के नामों का शब्दान्त -а(-я) हो सकता है: Лукá, Кузьмá और लघुताद्योतक (या संक्षिप्त) नाम: Алеша, Вóва, Сéва, Волóдя, Пéтя, Вáня, Вáля, Кóля आदि।

३. लघुताद्योतक प्रत्ययों से युक्त संज्ञाएं शब्दान्त में -а रखती हैं: дéдушка, мальчи́шка, старичи́шка, старикáшка, мужичóнка।

III. -е शब्दान्त से युक्त पुल्लिंग संज्ञाएं।

-е शब्दान्त वाली संज्ञाएं: (अ) महत्ताद्योतक प्रत्ययों से युक्त парни́ще, дружи́ще, мастери́ще। (आ) शब्द подмастéрье।

IV. संज्ञा дитя́ नपुंसक लिंग है।

V -а में अन्त होनेवाली संज्ञाएं, जो उभय लिंग हैं।

-а में अंत होनेवाली ऐसी संज्ञाएं हैं जिनका लिंग-निर्धारण इस बात पर निर्भर है कि वे किस व्यक्ति से संबंधित हैं अर्थात् वह व्यक्ति पुरुष है या स्त्री।	сиротá, калéка, зевáка, неря́ха, запевáла, вы́скочка, плáкса, у́мница, тупи́ца, невéжа, невéжда. Эта дéвочка—кру́глая сиротá.

	Этот ма́льчик — кру́глый сирота́. Этот ма́льчик — кру́глая сирота́. Кака́я ты пла́кса! Како́й ты пла́кса!
यदि स्त्री के विषय मे कहा जा रहा है तो ये सज्ञाए स्त्रीलिग हो जाती है और उनसे सबधित विशेषण, सर्वनाम और भूतकाल की क्रियाए उनके अनुरूप शब्दात धारण करती है। यदि पुरुष के विषय मे कहा जा रहा है तो विशेषण, सर्वनाम और भूतकाल की क्रियाए पुल्लिग और स्त्रीलिग दोनो मे प्रयुक्त हो सकती है।	Како́й ты неря́ха! (लेकिन कहा जा सकता है Кака́я ты неря́ха!) Как расшуме́лся здесь! Како́й неве́жа! Про до́ждик говори́т, на ни́ве, ка́мень, лежа.. (Кр.)

तालिका ११

संज्ञा का लिंग

पशु, पक्षी, मछली और कीट द्योतक सज्ञाएं

	पुल्लिग	स्त्रीलिग
१. कतिपय (विशेषतया पालतू) पशु, पक्षियो के नर और मादा रूप को द्योतित करने के लिए विभिन्न मूलो के शब्दो का प्रयोग होता है जिनका शब्दान्त नैसर्गिक लिगो के अनुरूप है।	бара́н бык бо́ров пету́х се́лезень	овца́ коро́ва свинья́ ку́рица у́тка
२ नर और मादा को द्योतित करनेवाले एक ही मुल के शब्द किन्तु जिनका भेद केवल साधारणतया विभक्ति से ही स्पष्ट नही होता। इन स्त्रीलिग के शब्दो के विशिष्ट प्रत्यय है।	волк лев медве́дь тигр слон индю́к	волчи́ца льви́ца медве́дица тигри́ца слони́ха индю́шка

	पुल्लिग और स्त्रीलिग	पुल्लिग और स्त्रीलिग
३. अधिकतर पशु, पक्षी और मछली के नर, मादा रूप को द्योतित करने के लिए एक ही शब्द का प्रयोग होता है क्योंकि शब्द के रूप से उस शब्द का लिग निश्चित होता है (अ) पुल्लिग मे शब्दान्त मे कठोर व्यजन अथवा ऊष्म, स्त्रीलिग मे -а(-я) (आ) कोमल व्यजन अथवा ऊष्म वाली (जिनके शब्दान्त मे ь है) सज्ञाए सबध कारक के रूप से स्पष्ट होती है (पुल्लिग оле́нь—оле́ня; स्त्रीलिग рысь—ры́си)।	ёж	бе́лка
	крот	змея́
	кро́лик	кры́са
	кит	лягу́шка
	носоро́г	лиса́ (лиси́ца)
	уж	обезья́на
	дя́тел	соба́ка
	ко́ршун	я́щерица
	со́кол	га́лка
	я́стреб	куку́шка
	грач	ца́пля
	ёрш	аку́ла
	сом	щу́ка
	жук	блоха́
	клоп	му́ха
	конь	ло́шадь
	лось	мышь
	оле́нь	рысь
	со́боль	сте́рлядь
	тюле́нь	
	глуха́рь	
	го́лубь	
	гусь	
	жура́вль	
	ле́бедь	
	снеги́рь	
	гола́вль	
	кара́сь	
	о́кунь	
	песка́рь	
	слепе́нь	
	тру́тень	
	шмель	

क्रमशः

	पुल्लिग और स्त्रीलिग	पुल्लिंग और स्त्रीलिंग
४. शिशुद्योतक **-онок, -ёнок** प्रत्ययो से युक्त सज्ञाएं पुल्लिग।	волчóнок котенок ягненок	
५. अव्यय सज्ञाए (उधार लिए हुए शब्द) जो सजीव को व्यक्त करती हैं सभी (लिगाश्रित न होकर) पुल्लिग है (इन अव्यय से युक्त विदेशी सज्ञाओ मे से अनेकों का शब्दान्त -и, -у है, जो रूसी भाषा के लिए असाधारण है)।	кенгурý какадý колибри шимпанзé	

ध्यान दीजिये : ऐसे वाक्यो मे Шимпанзé кормила детёныша Кенгурý кормила детёныша क्रिया का रूप बताता है कि шимпанзé, кенгурý सज्ञाए स्त्रीलिग प्रकट करती है।

तालिका १२

निर्जीव पदार्थों को द्योतित करनेवाली ь शब्दान्त वाली संज्ञाओं का लिंग

निर्जीव पदार्थो को द्योतित करनेवाली व्यवहृत सज्ञाए जिनके शब्दान्त में ь है (ऊष्म मे अन्त होनेवाली सज्ञाओ को छोडकर):

पुल्लिग		स्त्रीलिंग	
автомоби́ль	гóспиталь	артéль	грудь
ансáмбль	грéбень	бандерóль	грязь
бинóкль	груздь	боль	даль
буквáрь	дви́гатель	высь	дань
бюллетéнь	день	гáвань	дверь
вихрь	дёготь	гармóнь	дробь
волды́рь	дождь	гарь	дрожь
вопль	жёлудь	ги́бель	ель
гвоздь	инвентáрь	грань	жёлчь

क्रमशः

पुल्लिंग

календа́рь
ка́мень
карто́фель
ка́шель
кисе́ль
ковы́ль
контро́ль
кора́бль
ко́рень
косты́ль
ла́герь
ло́коть
ломо́ть
монасты́рь
но́готь
нуль
ого́нь
па́нцирь
паро́ль
пень
пе́рстень
пла́стырь
плете́нь
по́лдень
портфе́ль
по́ршень
про́филь
пузы́рь
пусты́рь

путь
реме́нь
роя́ль
рубль
руль
спекта́кль
ста́вень
сте́бель
сте́ржень
стиль
суха́рь
та́бель
у́голь
у́ровень
фити́ль
фли́гель
фона́рь
хмель
хруста́ль
циркуль
ште́мпель
ште́псель
штиль
щаве́ль
ще́бень
я́корь
янта́рь
я́сень
ячме́нь

स्त्रीलिंग

жердь
жизнь
и́згородь
каните́ль
колыбе́ль
ко́поть
корь
крова́ть
ладо́нь
лазу́рь
лень
любо́вь
мазь
меда́ль
медь
мель
мете́ль
мече́ть
мозо́ль
мора́ль
мысль
нефть
нить
о́зимь
о́пухоль
о́сень
ось
о́ттепель
о́чередь
па́мять
печа́ль

печа́ть
пе́чень
пло́щадь
полы́нь
по́росль
посте́ль
при́быль
при́стань
про́рубь
пыль
роль
ртуть
са́жень
связь
сеть
сире́нь
ска́терть
смерть
соль
сталь
степь
тень
тетра́дь
ткань
цель
честь
шерсть
шине́ль
ширь
щель

क्रमशः

पुल्लिंग	स्त्रीलिग
कोमल व्यजनो मे अन्त होनेवाले महीनो के नाम янва́рь, февра́ль, апре́ль, ию́нь, ию́ль, сентя́брь, октя́брь, ноя́брь, дека́брь	

ध्यान दीजिये :

१ निर्जीव पदार्थो को द्योतित करनेवाली सज्ञाएं जिनके शब्दान्त मे -знь, -сть, -сь, -вь, -бь, -пь है स्त्रीलिंग हैं (жизнь, честь, высь, любо́вь, про́рубь, степь)।

२. -ость, -есть प्रत्यय से युक्त सज्ञाएं स्त्रीलिग है (ста́рость, мо́лодость, ра́дость, све́жесть)। (देखिये टिप्पणी १, 'आ', तालिका ६)।

तालिका १३

संज्ञाओं का बहुवचन

अ) बहुवचन बनाने मे शब्दान्त मे परिवर्तन		
पुल्लिग और स्त्रीलिंग		टिप्पणिया
एकवचन	बहुवचन	बहुवचन मे
कर्त्ता कारक		
	-ы	
заво́д колхо́з маши́на газе́та страна́	заво́ды колхо́зы маши́ны газе́ты стра́ны	संज्ञाए -ы धारण करती है: (अ) शब्दान्त मे कठोर व्यंजन वाली पुल्लिग संज्ञाए (प्रकृति मे ऊष्म, г, к, х वाली सज्ञाओ और दो सज्ञाओ: сосе́д—сосе́ди, черт—че́рти को छोडकर)। (आ) -а मे अन्त होनेवाली स्त्रीलिग सज्ञाए।

क्रमशः

अ) बहुवचन बनाने में शब्दान्त में परिवर्त्तन

पुल्लिंग और स्त्रीलिंग		टिप्पणिया
एकवचन	बहुवचन	बहुवचन में
कर्त्ता कारक		
	-и	
(क) геро́й бой музе́й трамва́й	геро́и бои́ музе́и трамва́и	संज्ञाएं -и धारण करती हैं· (क) -й शब्दान्त वाली पुल्लिंग संज्ञाए; (ख) -я शब्दान्त वाली स्त्रीलिंग संज्ञाए;
(ख) дере́вня статья́ па́ртия струя́	дере́вни статьи́ па́ртии стру́и	
(ग) вождь пло́щадь	вожди́ пло́щади	(ग) कोमल व्यंजन शब्दान्त वाली पुल्लिंग और स्त्रीलिंग संज्ञाए;
(घ) това́рищ ро́ща нож, лу́жа врач, ночь каранда́ш мышь	това́рищи ро́щи ножи́, лу́жи врачи́, но́чи карандаши́ мы́ши	(घ) प्रकृति में ऊष्म व्यंजन वाली पुल्लिंग और स्त्रीलिंग संज्ञाए;
(ङ) фа́брика звук нога́, враг стару́ха посту́х	фа́брики зву́ки но́ги, враги́ стару́хи пастухи́	(ङ) प्रकृति में г, к, х वाली पुल्लिंग और स्त्रीलिंग संज्ञाएं।

नपुसक लिग		टिप्पणिया
एकवचन	बहुवचन	बहुवचन मे
	-а	-а
дéло	делá	नपुसक लिग की -о शब्दान्त वाली सज्ञाएं -а धारण करती है,
прáво	правá	
госудáрство	госудáрства	
письмó	пи́сьма	
хозя́йство	хозя́йства	
срéдство	срéдства	
	-я	-я
пóле	поля́	-е, -ё मे शब्दान्त वाली नपुसक लिग की सज्ञाए -я धारण करती है।
мóре	моря́	विशेष रूप. ýхо—ýши; плечó—плéчи, колéно—колéни, вéко—вéки; я́блоко—я́блоки।
собрáние	собрáния	
восстáние	восстáния	
ружье	ру́жья	

ध्यान दीजिये: कठोर ऊष्म के बाद ы उच्चरित होता है किन्तु लिखा जाता है и (ножи́) (इस सम्बन्ध मे पृष्ठ २०–२१ देखिये)

पुल्लिग संज्ञाओ की बहुवचन रचना की कतिपय विशेषताएं

एकाक्षरी	द्वयाक्षरी	त्र्याक्षरी
бок—бокá	бéрег—берегá	профéссор—профессорá
век—векá	вéчер—вечерá	учи́тель—учителя́
глаз—глазá	гóлос—голосá	
дом—домá	гóрод—городá	
край—края́	дóктор—докторá	
лес—лесá	мáстер—мастерá	
луг—лугá	нóмер—номерá	

क्रमश

पुल्लिग सज्ञाओ की वहुवचन रचना की कतिपय विशेषताएं

एकाक्षरी	द्व्याक्षरी	त्र्याक्षरी
снег—снегá рог—рогá сорт—сортá	óстров—островá пóгреб—погребá пóяс—поясá пáрус—'парусá пóезд—поездá пóвар—поварá	

टिप्पणी. कतिपय पुल्लिग सज्ञाओ के वहुवचन मे शब्दान्त में स्वराघात के साथ -а या -я होता है।

ध्यान दीजिये: १ वर्त्तमान साहित्यिक रूसी भाषा में वहुवचन रचना में профессорá के साथ профéссоры रूप भी मिलता है। директорá के साथ дирéкторы, редáктор—редáкторы किन्तु केवल рéкторы, лéкторы, инспéкторы।

२ वर्त्तमान वोलचाल की भाषा मे प्रायः договорá प्रयुक्त होता है किन्तु साहित्यिक रूप में договóры।

आ) वहुवचन रूप रचना मे प्रकृति और विभक्ति मे परिवर्त्तन

पुल्लिग	
граждани́н —грáждане крестья́нин —крестья́не англичáнин—англичáне армяни́н —армя́не	-анин(-янин) में समाप्त होनेवाली पुल्लिग सजाए वहुवचन मे -ане(-яне) धारण कर लेती है। वहुवचन मे प्रत्यय -ин का लोप हो जाता है और सज्ञा के अत मे -е लग जाता है। -ин प्रत्यय से युक्त संज्ञाओ की अन्य प्रकार से वहुवचन रूप रचना के उदाहरण वहुत ही थोडे हैं господи́н—господá, хозя́ин—хозя́ева, татáрин—татáры, болгáрин—болгáры।

क्रमशः

आ) बहुवचन रूप रचना मे प्रकृति और विभक्ति मे परिवर्त्तन

पुल्लिग

ребенок —ребя́та теленок —теля́та волчо́нок—волча́та котенок —котя́та утенок —утя́та	बच्चो को द्योतित करनेवाली **-онок, -ёнок** मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाए बहुवचन मे **-ата, -ята** धारण कर लेती है। ребёнок शब्द से बहुवचन मे सामान्यतया де́ти भी वनता है।

पुल्लिग और नपुसक लिग

брат —бра́тья	друг—друзья́	перо́ —пе́рья
муж —мужья́	(ध्वनिपरिवर्त्तन г—з)	крыло́ —кры́лья
лист —ли́стья	сук —су́чья	де́рево—дере́вья
стул —сту́лья	клок—кло́чья	звено́ —зве́нья
прут —пру́тья	(ध्वनिपरिवर्त्तन к—ч)	
ко́лос—коло́сья	сын—сыновья́	

टिप्पणिया : १ कतिपय पुल्लिग और नपुसक लिग सज्ञाए बहुवचन मे **-ья** धारण करती है।

२ साहित्यिक भाषा मे प्राचीन प्रयोग के रूप मे друг शब्द का बहुवचन дру́ги भी मिलता है Но не хочу́, о **дру́ги,** умира́ть Я жить хочу́, чтоб мы́слить и страда́ть (П.),

сын, муж से बने बहुवचन के **сыны́, мужи́** भाषा की उच्च गम्भीर काव्यमय शैली मे प्रयुक्त होते है. **сыны́** Ро́дины

नपुसक लिग

вре́мя —времена́, стре́мя—стремена́ зна́мя—знамёна, се́мя —семена́	एकवचन और बहुवचन में विभिन्न प्रकृति

क्रमश.

नपुसक लिंग

и́мя—именá, плéмя—племенá нéбо—небесá, чýдо—чудесá	(अ) -мя मे अत होने-वाली नपुसक लिग की सज्ञाए; (आ) -о मे अत होनेवाली नपुसक लिग की दो सज्ञाए. нéбо, чýдо।

टिप्पणी: १ вы́мя, плáмя, брéмя, тéмя इन शब्दो का बहुवचन मे प्रयोग नही होता है।

врéмя शब्द का बहुवचन मे प्रयोग विशेष अर्थ मे होता है: В те далёкие временá..

२. небесá यह शब्द प्राय. काव्यात्मक भाषा मे मिलता है:

Синéя блéщут небесá. (П)

Яснéли хóлмы и лесá, и просыпáлись небесá . (П)

Звёзды гáснут в небесáх (Заг)

पुल्लिग की कतिपय संज्ञाए जिनके भिन्न अर्थों से युक्त बहुवचन मे दो रूप होते हैं

एकवचन	बहुवचन	
лист	**листы́** Мы приготóвили бóльшие листы́ бумáги для диагрáмм Дóлго сих листóв завéтных не касáлся я перóм.. (П.)	**ли́стья** На дерéвьях жёлтые ли́стья. किंतु ऐसी स्थिति मे काव्यात्मक भाषा मे листы́ संभव है: Уж рóща отряхáет послéдние листы́ с нагúх своúх ветвéй.. (П.)

क्रमशः

पुल्लिंग की कतिपय सज्ञाएं जिनके भिन्न अर्थों से युक्त बहुवचन में दो रूप होते हैं

एकवचन	बहुवचन	
ко́рень	**ко́рни**	**коре́нья**
	Ко́рни де́рева глубоко́ ушли́ в зёмлю.	Мы чи́стили **коре́нья** для су́па.
про́пуск	**про́пуски**	**пропуска́**
	У ученика́ есть **про́пуски** заня́тий по боле́зни.	Часово́й проверя́л **пропуска́**.
по́вод	**по́воды**	**пово́дья**
	По́воды для ссо́ры	

टिप्पणियां : १. цвето́к शब्द से बहुवचन रूप цветы́ (На лугу́ запестре́ли цветы́), цвет शब्द से बहुवचन रूप цвета́ (Люблю́ я́ркие цвета́).

२. Челове́к शब्द से बहुवचन रूप лю́ди, челове́к शब्द का बहुवचन रूप केवल सवघ कारक में ско́лько, сто́лько (ско́лько челове́к), सर्वनामों और सख्यावाचक विशेषण के साथ प्रयुक्त होता है (пять челове́к)।

३ счёт शब्द का बहुवचन счета́ (Коми́ссия проверя́ла счета́), счёты (Я купи́л контóрские счёты) शब्द का एकवचन रूप नहीं होता है, केवल बहुवचन में ही प्रयोग होता है।

तालिका १४

केवल एकवचन या बहुवचन में प्रयुक्त होनेवाली संज्ञाएं

अ) केवल एकवचन में

१. भौतिक पदार्थ द्योतित करनेवाली संज्ञाएं	желе́зо, серебро́, зо́лото, медь, чугу́н, молоко́, вода́, снег, соль, мука́, вино́

टिप्पणी. इस वर्ग की कतिपय संज्ञाएं बहुवचन में भी प्रयुक्त होती है:

(क) विधायें (किस्में) बताने के लिए дороги́е, дешёвые ви́на; минера́льные во́ды, лече́бные во́ды, минера́льные со́ли;

(ख) काव्यात्मक भाषा में: Мосты́ нави́сли над вода́ми. (П.) Гони́мы весе́нними луча́ми, с окре́стных гор уже́ снега́ сбежа́ли му́тными ручья́ми на потоплённые луга́.. (П.)

२ तरकारी, अनाज, बेरी द्योतित करनेवाली संज्ञाएं	карто́фель, морко́вь, лук; рожь, овёс, лён; мали́на, клубни́ка, земляни́ка
३. समूहवाचक संज्ञाएं	молодёжь, крестья́нство, студе́нчество, листва́
४. कतिपय भाववाचक संज्ञाएं	эне́ргия, бо́дрость, ра́дость, мо́лодость, белизна́, темнота́, доброта́, внима́ние, чте́ние, социали́зм, материали́зм, капитали́зм

टिप्पणी. चतुर्थ वर्ग की कतिपय संज्ञाओं का बहुवचन रूप भी है किन्तु तब उनका दूसरा ही अर्थ होता है: Ка́ждый вто́рник устра́ивались литерату́рные чте́ния. Ма́ленькие ра́дости жи́зни... «Пе́рвые ра́дости»—рома́н Фе́дина.

५. दिशा, महीनो के नाम	се́вер, юг, за́пад, восто́к, янва́рь, февра́ль

आ) केवल बहुवचन मे

१ युग्म (या जोडे वाले) पदार्थो को द्योतित करनेवाली संज्ञाए	но́жницы, очки́, брю́ки, са́ни, щипцы́, весы́, воро́та
२ अन्य अधिकतर प्रयुक्त सज्ञाए	бу́дни, де́ньги, дрова́, дро́жжи, духи́, жму́рки, имени́ны, кани́кулы, обо́и, пери́ла, по́хороны, се́ни, сли́вки, су́мерки, су́тки, счёты, часы́, черни́ла

टिप्पणियां · १. इन सज्ञाओ से सबद्ध शब्द भी बहुवचन में ही प्रयुक्त होगे। Начали́сь ле́тние кани́кулы Люблю́ вече́рние су́мерки. Принесли́ сухи́х дров. Купи́л кра́сные черни́ла.

२. Часы́ (घडी) वस्तु द्योतित करनेवाले शब्द का प्रयोग केवल बहुवचन मे ही होता है (стенны́е часы́, карма́нные часы́), किन्तु समय के अश या भाग के अर्थ मे उसका प्रयोग एकवचन (час) और बहुवचन (часы́) दोनो में होता है।

Прошёл до́лгий час ожида́ния. Прошли́ до́лгие часы́ ожида́ния.

Приду́ че́рез час. Приду́ че́рез пять часо́в

३. वस्तु द्योतन के अर्थ मे очки́ शब्द का केवल बहुवचन मे ही प्रयोग होता है (Потеря́л свой но́вые очки́)।

संज्ञाओं की रूपसाधना के तीन प्रकार

I. एकवचन के कारको की विभक्तियो के अनुसार रूसी भाषा मे सज्ञाओ की रूपसाधना के तीन प्रकार होते है :

१) प्रथम रूपसाधना मे आती हैं: क) कर्त्ता कारक में बिना विभक्ति

वाली पुल्लिग सज्ञाए जिनकी प्रकृति में कठोर या कोमल व्यजन है (го́род, день, май); ख) नपुसक लिग की संज्ञाए जिनके शब्दान्त मे -о(-ё), -е है (письмо́, ружьё, по́ле, зда́ние)।

टिप्पणी: वृद्धिद्योतक तथा लघुताद्योतक प्रत्ययो के साथ तथा -о, -е शब्दान्त के साथ (городи́шко, доми́шко, доми́ще) पुल्लिग सज्ञाए ऐसी प्रथम रूपसाधना में आती है।

२) दूसरी रूपसाधना में -а(-я) शब्दान्त वाली स्त्रीलिग सज्ञाए आती है (страна́, земля́, а́рмия)।

टिप्पणी. -а(-я) में समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाए: (ю́ноша, ста́роста, судья́, дя́дя, Кузьма́, Ва́ня) तथा -а(-я) मे समाप्त होनेवाली उभय लिग की सज्ञाएं भी दूसरी रूपसाधना मे आती है (сирота́, у́мница, рази́ня)।

३) तीसरी रूपसाधना मे कर्त्ता कारक मे बिना विभक्ति वाली स्त्रीलिंग सज्ञाए आती है जिनकी प्रकृति मे कोमल व्यजन या ऊष्म (कठोर या कोमल) है (тень, степь, ночь, рожь, мышь)। мать, дочь सज्ञाओ की रूपसाधना की कतिपय विशेपताए है (देखिये तालिका २१)

II कतिपय सज्ञाएं ऊपर वतायी गयी रूपसावना की तीन विधियो के अन्तर्गत नही आती और उनकी रूपसावना विशेप ढंग से होती है· पुल्लिग सज्ञा путь, -мя में समाम्त होनेवाली नपुसक लिंग सज्ञाए (и́мя, вре́мя आदि) और नपुसक लिंग सज्ञा дитя́।

III ऐसी सज्ञाए भी है जिनमे वचनानुसार परिवर्त्तन नही होता (пальто́, кино́, метро́, шоссе́, жюри́, кенгуру́, ко́фе) तथा अन्य। ко́фе (पुल्लिग) को छोडकर यह नपुसक लिग सज्ञाए है। रूसी भाषा मे ये सभी संज्ञाए विदेशी शब्दो के रूप में प्रकट होती है।

तालिका १५

पुल्लिंग और नपुंसक लिंग की संज्ञाओं की रूपसाधना (प्रथम रूपसाधना की संज्ञाएं)

	एकवचन								विभक्तिया
	पुल्लिंग						नपुसक लिग		
कर्त्ता	учени́к	заво́д	вождь	ого́нь	геро́й	бой	де́ло	по́ле	
सवध	ученика́	заво́да	вождя́	огня́	геро́я	бо́я	де́ла	по́ля	-а, -я
सम्प्रदान	ученику́	заво́ду	вождю́	огню́	геро́ю	бо́ю	де́лу	по́лю	-у, -ю
कर्म	ученика́	заво́д	вождя́	ого́нь	героя	бои	де́ло	по́ле	कर्त्ता की भाति सवध की भाति
करण	ученико́м	заво́дом	вождем	огнём	геро́ем	бо́ем	де́лом	по́лем	-ом,-ем(-ём)
अधिकरण	(об) ученике́	(о) заво́де	(о) вожде́	(об) огне́	(о) геро́е	(о) бо́е	(о) де́ле	(о) по́ле	-е
कर्त्ता		пролета́рий		санато́рий			собра́ние		
सवध		пролета́рия		санато́рия			собра́ния		
सम्प्रदान		пролета́рию		санато́рию			собра́нию		
कर्म		пролета́рия		санато́рий			собра́ние		
करण		пролета́рием		санато́рием			собра́нием		
अधिकरण		(о) пролета́рии		(о) санато́рии			(о) собра́нии		-и

टिप्पणिया. १. कर्त्ता के समान ही इन सज्ञाओ का कर्म रूप (क) नपुसक लिग की सभी सज्ञाएं; (ख) निर्जीव पदार्थ द्योतक पुल्लिग सज्ञाए (заво́д, бой)।

२ सजीव पदार्थ द्योतक पुल्लिग सज्ञाओ का कर्म रूप सवध के समान ही होता है (вождя́, геро́я) किन्तु यदि सज्ञा का समूहवाचक अर्थ है तो कर्म रूप कर्त्ता के अनुरूप ही होता है (ви́жу наро́д)।

३ -ий मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाए और -ие में समाप्त होनेवाली नपुसक लिग की सज्ञाए अधिकरण मे -и धारण करती है (пролета́рий—о пролета́рии, собра́ние—о собра́нии)।

४ -а, -я (ю́ноша, судья́) मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाओ की रूपसाधना तदनुरूप स्त्रीलिग की सज्ञाओ के समान होती है। (देखिये तालिका १७)।

५ путь (पुल्लिग), -мя मे समाप्त होनेवाली सभी सज्ञाओ और дитя́ की रूपसाधना विशेष प्रकार से होती है (देखिये तालिका २१)।

लेखन सबधी टिप्पणी · पुल्लिग सज्ञाओ के करण कारक में ऊष्म (ж, ч, ш, щ) और ц के बाद, यदि स्वराघात शब्दान्त पर पडता है तो -ом लिखा जाता है (борцо́м, ножо́м) और यदि स्वराघात शब्दान्त पर नही है तो -ем लिखा जाता है (па́льцем, това́рищем)। नपुसक लिग की सज्ञाओ के कर्त्ता कारक के एकवचन मे यदि स्वराघात शब्दान्त पर है तो -о लिखा जाता है (кольцо́, яйцо́, плечо́,) और यदि नही है तो -е लिखा जाता है (се́рдце, учи́лище), करण कारक एकवचन में यदि स्वराघात शब्दान्त पर है तो -ом (кольцо́м, плечо́м), और बिना स्वराघात के -ем (се́рдцем, учи́лищем)।

तालिका १६

प्रथम रूपसाधना की पुल्लिंग संज्ञाओं के कतिपय कारक रूपो की विशेषताएं

---

१. संवघ कारक विभक्ति-चिन्ह -у(-ю) के साथ

पुल्लिग की कतिपय सज्ञाए सवघ कारक एकवचन रूप मे विभक्ति-चिन्ह -а(-я) के साथ -у(-ю) धारण करती है।

१. जव किसी भौतिक पदार्थ या वस्तु का परिमाण या हिस्सा द्योतित किया जाता है। ध्यान दीजिये . सज्ञाए хлеб, овёс सवघ कारक मे -у विभक्ति-चिन्ह नही लगा सकती।	Кусо́к са́хару, стака́н ча́ю, килогра́мм мёду, килогра́мм песку́. Купи́ть са́хару, виногра́ду, вы́пить ча́ю, набра́ть хво́росту Я поднёс ему́ ча́шку ча́ю . (П) Воро́не где́-то бог посла́л кусо́чек сы́ру. (Кр)
२. कतिपय परिस्थितियो मे जवकि यह प्रकट किया जाता है (क) स्थान उपसर्ग из, до के वाद	Вы́шел и́з дому, и́з лесу, шёл до́ дому це́лый час (स्वराघात प्राय. उपसर्ग из, до पर है) Волк и́з лесу в дере́вню забежа́л . (Кр) Одна́жды в студёную зи́мнюю по́ру Я и́з лесу вы́шел Был си́льный моро́з .. (Некр) До́ дому еще было вёрст во́семь (Т)
(ख) समय – उपसर्ग до, с, о́коло के वाद	Ждал тебя́ с ча́су дня Ждал тебя́ до ча́су дня Бродíл в лесу́ о́коло ча́су. Мы стоя́ли на тя́ге о́коло ча́су. (Т.)

१ संबंध कारक विभक्ति-चिन्ह -у(-ю) के साथ

पुल्लिंग की कतिपय संज्ञाए सबंध कारक एकवचन रूप में विभक्ति-चिन्ह -а(-я) के साथ -у(-ю) धारण करती है।

(ग) कारण उपसर्ग с (со) के बाद:	Побеле́л с испу́гу, со стра́ху. Заболе́ла с перепу́гу.
३. कतिपय विशिष्ट मुहाविरों में उपसर्गों के साथ.	Упусти́л и́з виду Не ви́дел его́ о́т роду Жду его́ с ча́су на час. С бо́ку на́ бок... Бе́з году неде́ля. Бе́з толку. Час о́т часу ого́нь слабе́е станови́лся (Кр) Ве́тер ме́жду тем час о́т часу станови́лся сильне́е .. (П.) А бе́дный пруд год о́т году всё глох. . (Т) А се́рдце во мне бьётся, как о́т роду не би́лось. . (Т.)
४. कतिपय नकारात्मक परिस्थितियों में	Не пришёл ко мне ни ра́зу О нём ни слу́ху, ни ду́ху. До са́мого конца́ декабря́ не вы́пало сне́гу... Не пока́зывает да́же ви́ду...

२ -у(-ю) विभक्ति-चिन्ह के साथ अधिकरण कारक

कई पुल्लिग सज्ञाएं अधिकरण कारक मे उपसर्ग в, на के बाद (अधिकतर स्थान निर्देशन में) शब्दान्त मे -у(-ю) विभक्ति-चिन्ह धारण करती है और स्वराघात इस शब्दान्त पर होता है (इनमे से अधिक शब्द एकाक्षरी है лес, сад आदि)।

क्रमशः

अत्यधिक प्रयुक्त होनेवाले शब्द (अकारादि क्रम में)

в		на	
бор	в бору́	бе́рег	на берегу́
бой	в бою́	бок	на боку́
бред	в бреду́	борт	на борту́
быт	в быту́	вал	на валу́
глаз	в глазу́	век	на веку́
год	в году́	воз	на возу́
долг	в долгу́		
дым	в дыму́		
жар	в жару́		
край	в краю́	край	на краю́
круг	в кругу́	круг	на кругу́
лоб	во лбу́	лоб	на лбу́
лес	в лесу́	луг	на лугу́
лёд	во льду́	лёд	на льду́
мед	в меду́	мёд	на меду́
мех	в меху́	мех	на меху́
мозг	в мозгу́	мост	на мосту́
мох	во мху́	мох	на мху́
		мыс	на мысу́
нос	в носу́	нос	на носу́
плен	в плену́	плот	на плоту́
полк	в полку́	пол	на полу́
порт	в порту́	пост	на посту́
пруд	в пруду́	пруд	на пруду́
пух	в пуху́		
ров	во рву́		
род	в роду́	род	на роду́
рот	во рту́		
ряд	в ряду́		
сад	в саду́	смотр	на смотру́
снег	в снегу́	снег	на снегу́
сок	в соку́	сук	на суку́
строй	в строю́		

क्रमशः

тыл	в тылу́		
у́гол	в углу́	у́гол	на углу́
ход	в ходу́	ход	на ходу́
цвет	в цвету́		
шкаф	в шкафу́	шкаф	на шкафу́
—	—	—	—
Крым	в Крыму́	Дон	на Дону́

в отпуску́ (Был ме́сяц в отпуску́ и́ли в о́тпуске)	на ходу́ (Маши́на останови́лась на по́лном ходу́)
в цвету́ (Дере́вья в полном цвету́)	
в бреду́ (Больно́й три дня был в бреду́)	
В лесу́ раздава́лся топо́р дровосе́ка. (Некр.)	На берегу́ пусты́нных волн Стоя́л он, дум вели́ких полн, И вдаль гляде́л (П.)
Кро́ет уж лист золото́й вла́жную зе́млю в лесу́.. (М.)	
В саду́ во тьме́ лени́во сы́плется тёплый дождь (Л. Т.)	На краю́ горизо́нта тя́нется сере́бряная цепь снеговы́х верши́н (Л.)
Что и́щет он в стране́ далёкой? Что ки́нул он в краю́ родно́м? (Л.)	Вчера́ я прие́хал в Пятиго́рск, наня́л кварти́ру на краю́ го́рода (Л.)
А сыр во рту́ держа́ла (Кр.)	На по́лном бегу́ на́ бок сала́зки—и Са́ша в снегу́ (Некр.)

ध्यान दीजिये समयद्योतन के समय वर्ष और घंटा के लिए अधिकरण कारक -у(-ю) विभक्ति के साथ प्रयुक्त होता है: В како́м году́? — В 1947 году́. В про́шлом году́. В кото́ром часу́?—В пе́рвом часу́. इसी प्रकार на своём веку́ (Мно́го ви́дел я люде́й на своём веку́).

टिप्पणी. १. दूसरे उपसर्गों के साथ ये सभी संज्ञाएं अधिकरण कारक में अपना सामान्य -е विभक्ति धारण करती हैं: о ле́се, о Кры́ме, о го́де, о ча́се आदि।

२. लोकगीतों में कभी कभी प्राचीन आर्ष प्रयोग в ле́се मिलता है. В тёмном ле́се, за реко́й, стои́т до́мик небольшо́й.

३ यदि उपसर्ग в स्थान नही सूचित करता तो अधिकरण कारक -е विभक्ति प्रयुवत करता है। उदाहरणत Он знáет толк в лéсе.

४ यदि नाटको के नामो के बारे मे कहा जाता है तो अधिकरण कारक मे विभक्ति -е:

в «Лéссе» Островского

в «Вишневом сáде» Чéхова

५ लेरमोन्तोव की कविता «Сосна́» मे край सज्ञा अधिकरण कारक मे -е विभक्ति के साथ प्रयुक्त होती है। «в том крáе, где сóлнца восхóд » —

रालिका १७

स्त्रीलिंग संज्ञाओ की रूपसाधना

-а(-я) शब्दान्त वाली सज्ञाए (द्वितीय रूपसाधना)

एकवचन

	-а(-я) शब्दान्त वाली सज्ञाए				विभवित-चिन्ह
कर्त्ता	рабóта	страна́	я́блоня	земля́	-а, -я
सबध	рабóты	страны́	я́блони	земли́	-ы, -и
सम्प्रदान	рабóте	стране́	я́блоне	земле́	-е
कर्म	рабóту	страну́	я́блоню	зéмлю	-у, -ю
करण	рабóтой	странóй	я́блоней	землей	-ой (-ою), -ей (-ею) -ёй (-ёю)
अधिकरण	(о) рабóте	(о) стране́	(о) я́блоне	(о) земле́	-е

-ия शब्दान्त वाली संज्ञाएं

कर्त्ता	пáртия	стáнция	
सबध	пáртии	стáнции	
सम्प्रदान	пáртии	стáнции	-и
कर्म	пáртию	стáнцию	
करण	пáртией	стáнцией	
अधिकरण	(о) пáртии	(о) стáнции	-и

क्रमशः

कोमल व्यजन और ऊष्म वाली सज्ञाओ की रूपसाधना (तृतीय रूपसाधना)				विभक्ति-चिन्ह
कर्त्ता	власть	речь	рожь	—
सबंध	вла́сти	ре́чи	ржи	-и
सम्प्रदान	вла́сти	ре́чи	ржи	-и
कर्म	власть	речь	рожь	कर्त्ता की तरह
करण	властью	речью	рожью	(-ь)-ю
अधिकरण	(о) вла́сти	(о) ре́чи	(о) ржи	-и

टिप्पणिया १ स्त्रीलिग सज्ञाए जो -а मे समाप्त होती हैं (कठोर प्रकृति के साथ рабо́та, страна́), उनके विभक्ति-चिन्ह कर्त्ता को छोडकर सभी कारको मे -ы, -е, -у, -ой(-ою), -е होते हैं। कोमल प्रकृति वाली सज्ञाओ (дере́вня, земля́) की विभक्तिया कर्त्ता को छोडकर सभी कारको मे -и, -е, -ю, -ей (-ею), -е होती हैं।

२ -ия मे समाप्त होनेवाली स्त्रीलिग सज्ञाए (па́ртия) -я मे समाप्त होनेवाली सज्ञाओ से भिन्न, सम्प्रदान और अधिकरण मे -и विभक्ति-चिन्ह धारण करती है (па́ртии)।

३ कोमल व्यजन और ऊष्म वाली सज्ञाओ की विशिष्ट रूपसाधना है। इसके सबध, सम्प्रदान और अधिकरण कारक मे -и विभक्ति-चिन्ह होता है। करण मे -ью और कर्म कारक रूप सदा कर्त्ता के समान होता है।

लेखन सबधी टिप्पणी ऊष्म (ж, ч, ш, щ) और ц के बाद करण कारक में शब्दान्त पर स्वराघात होने पर -ой(-ою) (свечо́й, межо́й, овцо́й) लिखते हैं और शब्दान्त पर स्वराघात न रहने पर -ей(-ею) लिखते हैं (ту́чей, ка́шей, пти́цей)।

४ мать, дочь सज्ञाओ की विशिष्ट रूपसाधना है। (देखिये तालिका २१)

तालिका १८

सभी लिंगो की संज्ञाओं बहुवचन में रूपसाधना

	बहुवचन						विभक्ति-चिन्ह
कर्त्ता	завóды	вождú	делá	поля́	рабóты	дерéвни	
सवध	завóдов	вождéй	дел	полéй	рабóт	деревéнь	
सम्प्रदान	завóдам	вождя́м	делáм	поля́м	рабóтам	деревня́м	-ам, -ям
कर्म	завóды	вождéй	делá	поля́	рабóты	дерéвни	कर्त्ता के समान सवध के समान
करण	заводами	вождя́ми	делáми	поля́ми	рабóтами	деревня́ми	-ами, -ями
अधिकरण	(о) завóдах	(о) вождя́х	(о) делáх	(о) поля́х	(о) рабóтах	(о) деревня́х	-ах, ях

टिप्पणिया १ सभी पुल्लिग, स्त्रीलिग और नपुसक लिग सज्ञाओ का सम्प्रदान, करण और अधिकरण कारक के बहुवचन मे समान विभक्ति-चिन्ह होता है। कठोर प्रकृति वाली सज्ञाओ के विभक्ति-चिन्ह -ам, -ами, -ах हैं और कोमल प्रकृति वाली सज्ञाओ के विभक्ति-चिन्ह -ям, -ями, -ях हैं।

२ यदि सज्ञा निर्जीव पदार्थ को द्योतित करती है तो कारक का रूप कर्त्ता के समान होता है (завóды, поля́, дерéвни), यदि सज्ञा सजीव को द्योतित करती है तो कर्म कारक का रूप सवध के समान होता है (вождéй)।

३ कोमल प्रकृति वाली कतिपय सज्ञाओ के करण कारक मे दो विभक्ति-चिन्ह होते हैं (дверя́ми — дверьмú; лошадя́ми — лошадьмú)।

तालिका २०

वहुवचन रूपसाधना में संज्ञाओं की कतिपय विशेषताएं

			टिप्पणियां
कर्त्ता	гра́ждане	крестья́не	-анин, -янин में समाप्त होनेवाली पुल्लिंग संज्ञाएं (граждани́н, крестья́нин) कर्त्ता कारक वहुवचन में -ане, -яне और संवध वहुवचन में केवल व्यंजन युक्त प्रकृति रखती है (гра́ждан, крестья́н)। शेष कारक की रूपसाधना इसी प्रकृति से नियमानुकूल होती है (гра́жданам, крестья́нам आदि)।
संवध	гра́ждан	крестья́н	
सम्प्रदान	гра́жданам	крестья́нам	
कर्म	гра́ждан	крестья́н	
करण	гра́жданами	крестья́нами	
अधिकरण	(о) гра́жданах	(о) крестья́нах	
कर्त्ता	ребя́та	волча́та	-ёнок, -онок में समाप्त होनेवाली बच्चों का द्योतित करनेवाली पुल्लिंग संज्ञाएं (ребёнок, волчо́нок) कर्त्ता कारक वहुवचन में -ата, -ята धारण करती हैं और संवध कारक में व्यंजन युक्त प्रकृति रखती है (ребя́т, волча́т)। शेष कारकों की रूपसाधना इसी प्रकृति से नियमानुकूल होती है (ребя́там, волча́там आदि)। ध्यान दीजिये: бесёнок — бесеня́та, чертёнок — чертеня́та
संवध	ребя́т	волча́т	
सम्प्रदान	ребя́там	волча́там	
कर्म	ребя́т	волча́т	
करण	ребя́тами	волча́тами	
अधिकरण	(о) ребя́тах	(о) волча́тах	

कर्त्ता कारक	संवध कारक	
глаза́	глаз	ये सभी संज्ञाएं संवध कारक वहुवचन में विभक्ति-चिन्ह नहीं
чулки́	чуло́к	

क्रमशः

कर्त्ता कारक	संबध कारक	
солда́ты	солда́т	धारण करती और इनका रूप कर्त्ता कारक एकवचन के समान होता है।
партиза́ны	партиза́н	
грузи́ны	грузи́н	
ту́рки	ту́рок	
башки́ры	башки́р	
कर्त्ता	лю́ди	सज्ञा человéк का बहुवचन मे प्रयोग केवल विकृत कारको मे होता है। सबध कारक का रूप कर्त्ता कारक एकवचन के समान है (два́дцать человéк)। лю́ди का प्रयोग बहुवचन के सभी कारको में होता है।
सबध	людéй	
सम्प्रदान	лю́дям	
कर्म	людéй	
करण	людьми́	
अधिकारण	(о) лю́дях	

तालिका २१

कतिपय संज्ञाओ की विशिष्ट रूपसाधना

	एकवचन				
	नपुसक लिग		पुल्लिग	स्त्रीलिग	
कर्त्ता	и́мя	зна́мя	путь	мать	дочь
सबध	и́мени	зна́мени	пути́	ма́тери	до́чери
सम्प्रदान	и́мени	зна́мени	пути́	ма́тери	до́чери
कर्म	и́мя	зна́мя	путь	мать	дочь
करण	и́менем	зна́менем	путём	ма́терью	до́черью
अधिकरण	(об) и́мени	(о) зна́мени	(о) пути́	(о) ма́тери	(о) до́чери

वहुवचन

	नपुसक लिंग		पुल्लिग	स्त्रीलिग	
कर्त्ता	имена́	знамёна	пути́	ма́тери	до́чери
सवंध	имён	знамён	путе́й	матере́й	дочере́й
सम्प्रदान	имена́м	знамёнам	путя́м	матеря́м	дочеря́м
कर्म	имена́	знамёна	пути́	матере́й	дочере́й
करण	имена́ми	знамёнами	путя́ми	матеря́ми	дочерьми́
अधिकरण	(об) имена́х	(о) знамёнах	(о) путя́х	(о) матеря́х	(о) дочеря́х

टिप्पणियाँ : १ -мя में समाप्त होनेवाली सभी नपुसक लिग की सज्ञाओ की रूपसाधना एकवचन मे и́мя के समान होती है (вре́мя, зна́мя, пла́мя, се́мя, бре́мя, те́мя, вы́мя, стре́мя, пле́мя)। пла́мя, бре́мя, те́мя, вы́мя ये शव्द वहुवचन मे नही प्रयुक्त होते। и́мя और -мя मे अन्त होनेवाले दूसरे शव्दो से भिन्न зна́мя की वहुवचन रूपसावना में सभी कारको में स्वराघात प्रत्यय -ён पर पडता है। се́мя का संवंध कारक वहुवचन रूप семя́н है।

२ नपुसक लिंग की सज्ञा дитя́ का वर्तमान भापा में एकवचन में केवल कर्त्ता और कर्म मे प्रयोग होता है। शेप मे ребёнок शव्द (ребёнок—ребёнка, ребёнку आदि) के कारक रूपो का प्रयोग होता है। वहुवचन मे де́ти और ребя́та दोनो शव्दो का प्रयोग होता है। क्लासिकल लेखको की रचनाओं में дитя́ शव्द के कर्त्ता को छोडकर अन्य कारक रूप भी मिलते है। उदाहरणत Ка́шу зава́рит, ня́нчится с дитя́тей...

дитя́ शव्द की रूपसावना :

एकवचन	वहुवचन
дитя́	де́ти
дитя́ти	дете́й
дитя́ти	де́тям
дитя́	дете́й
дитя́тей	детьми́
(о) дитя́ти	(о) де́тях

३. पुल्लिग सज्ञा путь की रूपसाधना एकवचन तथा बहुवचन मे सभी कारको मे कोमल व्यजन वाली (кость) स्त्रीलिग सज्ञा, के समान होती है। केवल करण कारक एकवचन का रूप путём होता है।

४. स्त्रीलिग सज्ञाए мать, дочь एकवचन के सभी कारको में (कर्म कारक को छोड़कर) और बहुवचन के सभी कारको मे प्रकृति के अत मे -ер- जोड लेती हैं।

तालिका २२

कुलनाम और नगरों के नाम द्योतित करनेवाली संज्ञाओं की रूपसाधना

पुल्लिग कुलनाम और -ын, -ин, -ын(о), -ин(о) मे अन्त होनेवाली नगरो के नाम द्योतित करनेवाली पुल्लिग तथा नपुसक लिग की सज्ञाए

कर्त्ता	Ильи́н	Пти́цын		-ин, -ын मे समाप्त होनेवाली कुलनाम द्योतक शब्द पुल्लिग सज्ञाओ से भिन्न करण कारक मे -ым धारण करती हैं।
सवध	Ильина́	Пти́цына		
सम्प्रदान	Ильину́	Пти́цыну		
कर्म	Ильина́	Пти́цына		
करण	Ильины́м	Пти́цыным	-ым	
अधिकरण	(об) Ильине́	(о) Пти́цыне		
कर्त्ता	Каля́зин	Голи́цыно		-ин (о), -ын (о) वाली नगर और बस्तियो के नाम वाली सज्ञाओ की रूपसाधना कठोर व्यंजन वाली पुल्लिग और नपुसक लिग सज्ञाओं के समान होती है।
संवध	Каля́зина	Голи́цына		
सम्प्रदान	Каля́зину	Голи́цыну		
कर्म	Каля́зин	Голи́цыно		
करण	Каля́зином	Голи́цыном	-ом	
अधिकरण	(о) Каля́зине	(о) Голи́цыне		

क्रमश.

-ов, -ев; -ов(о), -ев(о) मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग और नपुसक लिग की नगर और बस्तियो के नाम द्योतित करनेवाली सज्ञाए

कर्त्ता	Сара́тов	Ку́нцево		-ов(о), -ев(о) मे समाप्त होनेवाली नगर, गाव, बस्ती का नाम द्योतित करनेवाली सज्ञाए सभी कारको मे कठोर व्यजन वाली पुल्लिग सज्ञाओ के समान रूपसाधना करती है।
सबध	Сара́това	Ку́нцева		
सम्प्रदान	Сара́тову	Ку́нцеву		
कर्म	Сара́тов	Ку́нцево		
करण	Сара́товом	Ку́нцевом	-ом	
अधिकरण	(о) Сара́тове	(о) Ку́нцеве		

-ов, -ев मे समाप्त होनेवाले पुल्लिग कुलनाम

कर्त्ता	Петро́в	Серге́ев		-ов, -ев मे समाप्त होनेवाले पुल्लिग कुलनाम करण कारक मे -ым धारण करते है।
सबध	Петро́ва	Серге́ева		
सम्प्रदान	Петро́ву	Серге́еву		
कर्म	Петро́ва	Серге́ева		
करण	Петро́вым	Серге́евым	-ым	
अधिकरण	(о) Петро́ве	(о) Серге́еве		

-ин(а), -ов(а) मे समाप्त होनेवाले स्त्रीलिग कुलनाम

कर्त्ता	Ильина́	Петро́ва		-ин(а), -ов(а) में समाप्त होनेवाले स्त्रीलिग नामो की रूपसाधना स्त्रीलिग विशेषण की तरह होती है किन्तु कर्म कारक में यह सज्ञा की तरह -у धारण करते है।
सबध	Ильино́й	Петро́вой		
सम्प्रदान	Ильиной	Петро́вой		
कर्म	Ильину́	Петро́ву		
करण	Ильино́й	Петро́вой		
अधिकरण	(об) Ильино́й	(о) Петро́вой		

क्रमशः

पुल्लिग और स्त्रीलिग के कुलनाम और नाम	
Ивани́цкий Ивани́цкая Бе́льский Бе́льская	विशेषण शब्दान्तवाले कुलनामो की रूपसाधना विशेषणो की तरह होती है।
Ива́н Ива́нович Мари́я Ива́новна	व्यक्ति के नाम और पिता के नाम दोनो की रूपसाधना अलग अलग सज्ञा के समानुरूप विभक्ति-चिन्हो के साथ होती है।
Дурново́ Пушны́х Чутки́х До́лгих	यदि रूसी कुलनाम का शब्दान्त रूसी भाषा के लिए असाधारण है तो उसकी रूपसाधना नही होती।
Шевче́нко Короле́нко Безборо́дко Хво́йко	**-енко** और **-ко** मे समाप्त होनेवाले उक्रइन कुलनामो की रूपसाधना प्रायः नही होती (у Короле́нко, у Хво́йко); यदि रूपसाधना होती है तो -а मे समाप्त होनेवाली स्त्रीलिग सज्ञाओ के समान प्राय होती है (у Короле́нки, писа́л Короле́нке, ви́дел Короле́нку, говори́л с Короле́нкой)।
Мицке́вич Бороди́ч	**-ич**, **-ович**, **-евич** मे समाप्त होनेवाला कुलनाम यदि पुरुष को द्योतित करता है तो समानुरूप सज्ञा के समान उसकी रूपसाधना होती है, यदि स्त्री को द्योतित करता है तो रूपसाधना नही होती है।
Шмидт Мо́царт Ли Дэ-цун Ким	व्यंजन मे समाप्त होनेवाले विदेशी मूल के कुलनाम की रूपसाधना समानुरूप संज्ञाओ के समान होती है यदि वह पुरुष को द्योतित करता है, और यदि स्त्री को द्योतित करता है तो उसकी रूपसाधना नही होती है।

क्रमश:

पुल्लिंग और स्त्रीलिग के कुलनाम और नाम

Гарибáльди Сальéри Россéти Золя́ Джамбá	Бакý Тбили́си Сóчи Скóпле Чикáго	स्वर में समाप्त होनेवाले अरूसी कुलनामो और -у, -и, -е, -о मे समाप्त होनेवाले अरूसी नगरो के नामो की रूपसाधना नही होती।
Капаблáнка Сырзя		-а(-я) मे समाप्त होनेवाले अरूसी कुलनामो की रूपसाधना हो सकती है यदि स्वराघात अन्तिम अक्षर पर नही है (Капаблáнка)।

संज्ञाओ में स्वराघात के विशिष्ट प्रकार

१ स्वराघात स्थिर या निश्चित है अर्थात् स्वराघात एकवचन और बहुवचन के सभी कारको में शब्द के एक ही और उसी अक्षर पर पडता है: побéда, побéды, побéде, студéнт, студéнта, студéнту; движéние, движéния, движéнию।

२. कर्म कारक एकवचन मे स्वराघात शब्द के आरम्भ पर चला जाता है: рукá—कर्म कारक рýку, головá—कर्म कारक гóлову।

३ कर्त्ता कारक बहुवचन में स्वराघात शब्द के आरम्भ पर चला जाता है· рукá—कर्त्ता बहुवचन рýки, головá—कर्त्ता बहुवचन гóловы।

४. सभी कारको के बहुवचन रूप मे स्वराघात शब्द के आरम्भ पर चला जाता है письмó—बहुवचन пи́сьма, пи́сем, пи́сьмам आदि।

५. कर्त्ता को छोडकर सभी कारको के एकवचन और बहुवचन रूप में स्वराघात अतिम अक्षर पर चला जाता है конь, коня́, коню́ आदि, बहुवचन кóни, конéй आदि।

६. कर्त्ता को छोडकर सभी कारको के बहुवचन रूप मे स्वराघात अन्तिम अक्षर पर चला जाता है волк—बहुवचन вóлки, волкóв, волкáм आदि।

७ स्थान या समय के अर्थ मे в, на उपसर्ग से युक्त होने पर अधिकरण कारक एकवचन में स्वराघात अन्तिम अक्षर पर चला जाता है лес—в лесý; мост—на мостý, год—в прóшлом годý; печь—на печи́, в печи́, степь—в степи́।

टिप्पणी पुल्लिग के अधिकरण पर स्वराघात का स्थानान्तरण केवल अधिकरण के -у शब्दान्त से युक्त होने पर होता है।

तालिका २३

संज्ञा में स्वराघात के स्थानान्तरण के कतिपय महत्वपूर्ण प्रकार

अ) -а(-я) मे समाप्त होनेवाली स्त्रीलिंग सज्ञाए जिनमे स्वराघात शब्दान्त पर है

द्वयाक्षरी		एकवचन	
१ कर्म कारक एकवचन और कर्त्ता तथा कर्म बहुवचन मे स्वराघात प्रथम अक्षर पर चला जाता है (земля́ शब्द में सम्प्रदान बहुवचन मे भी प्रथम अक्षर पर)·	कर्त्ता	рука́, земля́	
	सबध	руки́, земли́	
	सम्प्रदान	руке́, земле́	
	कर्म	——→	ру́ку, зе́млю
	करण	руко́й, землей	
	अधिकरण	(о) руке́, (о) земле́	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	——→	ру́ки, зе́мли
	सबध	рук, земе́ль	
	सम्प्रदान	рука́м, зе́млям	
	कर्म	——→	ру́ки, зе́мли
		इत्यादि	
२ बहुवचन के सभी कारको में स्वराघात प्रथम अक्षर पर चला जाता है :		एकवचन	बहुवचन
	कर्त्ता	страна́	стра́ны
	सबध	страны́	стран
	सम्प्रदान	стране́	стра́нам
		इत्यादि	इत्यादि
३. किंतु स्वराघात अपरिवर्त्तनशील भी हो सकता है·		एकवचन	
	कर्त्ता	ру́чка, статья́	
	सबध	ру́чки, статьи́	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	ру́чки, статьи́	
	सबंध	ру́чек, стате́й	
		इत्यादि	

क्रमश

आ) कोमल व्यजन या ऊष्म वाली स्त्रीलिग की सज्ञाए

१ कर्त्ता को छोडकर सभी कारको के बहुवचन मे स्वराघात शब्दान्त पर चला जाता है :	एकवचन कर्त्ता óчередь, плóщадь, мышь सबध óчереди, плóщади, мыши इत्यादि	
	बहुवचन कर्त्ता óчереди, плóщади, мы́ши	
	सबध ⟶	очередéй, площадéй, мышéй
	सम्प्रदान ⟶	очередя́м, площадя́м, мыша́м
	इत्यादि	इत्यादि
२ अधिकरण एकवचन और कर्त्ता को छोडकर सभी विकृत कारको के बहुवचन मे स्वराघात शब्दान्त पर चला जाता है :	एकवचन कर्त्ता пéчь सबध пéчи सम्प्रदान пéчи कर्म печь करण пéчью अधिकरण (о) пéчи, (в) печи́	इस प्रकार के शब्दो मे स्वराघात शब्दान्त पर तभी पडता है जब अधिकरण कारक का प्रयोग स्थानद्योतन के लिए होता है в печи́, о пéчи, в степи́, о стéпи
	बहुवचन कर्त्ता пéчи	
	सबध ⟶	печéй
	सम्प्रदान ⟶	печа́м
	इत्यादि	इत्यादि

आ) कोमल व्यंजन या ऊष्म वाली स्त्रीलिग सज्ञाए

३. किन्तु स्वराघात अपरिवर्त्तनशील हो सकता है		एकवचन	
	कर्त्ता	тетра́дь	
	सवध	тетра́ди	
	सम्प्रदान	тетра́ди	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	тетра́ди	
	सवध	тетра́дей	
		इत्यादि	

इ व्यजन मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाए

१. कर्त्ता को छोडकर शेप कारको मे एकवचन और बहुवचन मे सभी कारको में स्वराघात शब्दान्त पर चला जाता है। स्वराघात का ऐसा स्थानान्तरण सभी स्थितियों में पाया जाता है जब कि स्वराघातयुक्त लोप होनेवाला o या e अन्तिम अक्षर मे होता है। कर्त्ता कारक एकवचन मे स्वराघात इस अक्षर पर पडता है, उदाहरणत кусо́к, सवंध कारक куска́ इत्यादि। किंतु यदि स्वराघात कर्त्ता कारक एकवचन में अंतिम अक्षर पर नही पड़ता तो अपरिवर्तनशील होता है। उदाहरणत ва́ленок, सवध कारक ва́ленка; комсомо́лец, सवध कारक комсо́мольца :		एकवचन	
	कर्त्ता	стари́к, дождь	
	सवध	→	старика́, дождя́
	सम्प्रदान	→	старику́, дождю́
			इत्यादि
		बहुवचन	
	कर्त्ता	→	старики́, дожди́
	सवंध	→	старико́в, дожде́й
	सम्प्रदान	→	старика́м, дождя́м
			इत्यादि
		एकवचन	
	कर्त्ता	ого́нь, оте́ц	
	सवध	→	огня́, отца́
	सम्प्रदान	→	огню́, отцу́
			इत्यादि
		बहुवचन	
	कर्त्ता	→	огни́, отцы́
	सवध	→	огне́й, отцо́в
	सम्प्रदान	→	огня́м, отца́м
			इत्यादि

क्रमशः

इ) व्यंजन में समाप्त होनेवाली पुल्लिंग सज्ञाए

२. स्वराघात कर्त्ता को छोडकर सभी कारको मे एकवचन और बहुवचन में विभक्ति-चिन्ह पर चला जाता है.	एकवचन	
	कर्त्ता гвоздь	
	सवध →	гвоздя́
	सम्प्रदान →	гвоздю́
		इत्यादि
	बहुवचन	
	कर्त्ता гво́зди	
	सवध →	гвоздéй
	सम्प्रदान →	гвоздя́м
		इत्यादि
३ स्वराघात सभी कारको मे बहुवचन मे विभक्ति-चिन्ह पर चला जाता है.	एकवचन	
	कर्त्ता сад	
	सवध сáда	
	सम्प्रदान сáду	
	इत्यादि	
	बहुवचन	
	कर्त्ता →	сады́
	सवध →	садóв
	सम्प्रदान →	садáм
		इत्यादि
४ स्वराघात कर्त्ता को छोडकर सभी कारको मे बहुवचन मे विभक्ति-चिन्ह पर चला जाता है	एकवचन	
	कर्त्ता волк	
	सवध вóлка	
	सम्प्रदान вóлку	
	इत्यादि	
	बहुवचन	
	कर्त्ता вóлки	
	सवध →	волкóв
	सम्प्रदान →	волкáм
		इत्यादि

इ) व्यजन मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाए

५ स्वराघात अपरिवर्त्तनशील हो सकता है·		एकवचन	
	कर्त्ता	студéнт	
	सबध	студéнта	
	सम्प्रदान	студенту	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	студéнты	
	सबध	студéнтов	
	सम्प्रदान	студéнтам	
		इत्यादि	

टिप्पणिया १ व्यजन मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाओ के शब्दो मे, जिनका अधिकरण -у(-ю) विभक्ति-चिन्ह धारण करता है, उनमे स्वराघात सदा इसी विभक्ति-चिन्ह पर पडता है। उदाहरणत. на мостý, в лесý, в садý, на краю́)

२ व्यजन मे समाप्त होनेवाली पुल्लिंग सज्ञाओ के शब्दो मे, जिनका कर्त्ता कारक बहुवचन -а(-я) धारण करता है, उनमे स्वराघात सदा इसी विभक्ति-चिन्ह पर पडता है городá, учителя́

ई -о, -е(-е) मे समाप्त होनेवाली नपुसक लिंग सज्ञाए -

द्वयाक्षरी		एकवचन	
१ आरम्भिक अक्षर पर स्वराघात। स्वराघात सभी कारको के बहुवचन में शब्दान्त पर चला जाता है·	कर्त्ता	мéсто, пóле, мóре	
	सबंध	мéста, пóля, мóря	
	सम्प्रदान	мéсту, пóлю, мóрю	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	⟶	местá, поля́, моря́
	सबध	⟶	мест, полéй, морéй
	सम्प्रदान	⟶	местáм, поля́м, моря́м
			इत्यादि

क्रमशः

ई) -o, -e(-ė) मे समाप्त होनेवाली नपुसक लिग सज्ञाएं

२ विभक्ति-चिन्ह पर स्वराघात। स्वराघात सभी कारको के बहुवचन मे आरम्भिक अक्षर पर चला जाता है		एकवचन	
	कर्त्ता	окнó, лицó, ружье	
	सबंध	окнá, лицá, ружья́	
	सम्प्रदान	окнý, лицý, ружью́	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	⟶	óкна, ли́ца, рýжья
	सवध	⟶	óкон, лиц, рýжей
	सम्प्रदान	⟶	óкнам, ли́цам, рýжьям
			इत्यादि
३. स्वराघात अपरिवर्त्तनशील हो सकता है :		एकवचन	
	कर्त्ता	жáло	
	सवध	жáла	
	सम्प्रदान	жáлу	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	жáла	
	सवध	жал	
	सम्प्रदान	жáлам	
		इत्यादि	

क्रमशः

ई) -о, -е(-ё) में समाप्त होनेवाली नपुसक लिग सज्ञाए

त्र्याक्षरी	एकवचन	
१ आरम्भिक अक्षर पर स्वराघात। सभी कारको के बहुवचन मे स्वराघात द्वितीय अक्षर पर चला जाता है	कर्त्ता óзеро सबध óзера सम्प्रदान óзеру इत्यादि	
	बहुवचन	
	कर्त्ता →	озера
	सबध →	озёр
	सम्प्रदान →	озёрам इत्यादि
२ विभक्ति-चिन्ह पर स्वराघात। सभी कारको के बहुवचन मे स्वराघात द्वितीय अक्षर पर चला जाता है	एकवचन कर्त्ता ремесло́ सबध ремесла́ सम्प्रदान ремеслу́ इत्यादि	
	बहुवचन	
	कर्त्ता →	ремёсла
	सबध →	ремёсел
	सम्प्रदान →	ремёслам इत्यादि

क्रमश

ई) -o, -e(-ё) मे समाप्त होनेवाली नपुसक लिग सज्ञाए			
		एकवचन	
३ स्वराघात अपरिर्त्तवनशील हो सकता है ·	कर्त्ता	болóто, варéнье	
	सवध	болóта, варéнья	
	सम्प्रदान	болóту, варéнью	
		इत्यादि	
		बहुवचन	
	कर्त्ता	болóта, варéнья	
	सवध	болóт, варéний	
	सम्प्रदान	болóтам, варéньям	
		इत्यादि	

अनुपूरक टिप्पणियां

कभी कभी उपसर्ग से युक्त होने पर सज्ञा अपना स्वतंत्र स्वराघात खो देती है और स्वराघात उपसर्ग पर चला जाता है। ऐसा निम्नलिखित परिस्थितियो मे होता है·

१ -а(-я) मे समाप्त होनेवाली उन स्त्रीलिग सज्ञाओ के कर्म कारक के एकवचन और बहुवचन मे जिनमे स्वराघात अन्त मे है और जिनमे कर्म कारक एकवचन में स्वराघात आरम्भिक अक्षर पर चला जाता है рукá—рýку—зá руку—зá руки, головá—гóлову—зá голову।

उदाहरण Он схватúлся зá голову.

२ व्यजन मे समाप्त होनेवाली पुल्लिग सज्ञाओ के उन शब्दो के कर्म कारक और कभी कभी करण कारक के एकवचन मे, जिनका मूल -оро या

-ере से युक्त है और प्रथम अक्षर पर स्वराघात है। उदाहरणत: гóрод—зá город, зá городом; бéрег—нá берег।

उदाहरण Мы поéхали зá город. Я живý зá городом

३ कतिपय व्यजन मे समाप्त होनेवाली एकाक्षरी पुल्लिग सज्ञाओ के शब्दो के सबव, सम्प्रदान और कर्म कारक के एकवचन मे जिनमे (कर्त्ता को छोडकर) सभी कारकों के एकवचन मे आरम्भिक अक्षर पर स्वराघात है। उदाहरणत. мост, мóста, мóсту—пó мосту, нá мост, дом, дóма, дому —дó дому इत्यादि

४ नपुसक लिग के द्वयाक्षरी शब्दो के सम्प्रदान, कर्म, करण और अधिकरण कारको के एकवचन मे जिनके प्रथम अक्षर पर स्वराघात है। उदाहरणत пóле, пóля, इत्यादि—пó полю, нá поле, мóре, мóря, इत्यादि—пó морю, нá море, зá морем

> टिप्पणी · वर्त्तमान भापा मे इन सयोगो मे स्वराघात प्राय: उपसर्ग पर न होकर सज्ञा पर होता है। वर्त्तमान भापा में अपरिवर्त्तनशील रूप मे उपसर्ग पर स्वराघात उन्ही परिस्थितियो मे होता है जब वह क्रियाविशेपण के आशय के निकट होता है। उदाहरणत Я живý зá городом, किन्तु Сóлнце садилось за гóродом; Урóки зáдали нá дом, किन्तु смотрéл на дóм.

विना उपसर्ग के प्रयोग

तालिका २४

संबंध कारक का प्रयोग

सबंध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेपण, संख्यावाचक विशेपण और क्रियाओ के साथ होता है।

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सवध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेपण और सख्यावाचक विशेपण के साथ होता है

I सज्ञाओ के साथ ·	
१. अधिकार द्योतन के लिए (*чей?*, *чья?*, *чье?*, *чьи?* प्रश्न)	Чей э́то карандáш?—Это карандáш брáта

क्रमशः

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सबध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है ·

	Чья э́то тетрáдь?—Это тетрáдь сестры́. Чье э́то перó?—Это перó учи́теля. Чьи э́то кни́ги?—Это кни́ги товáрищей.
२. क्रिया के कर्त्ता के द्योतन के लिए (करनेवाला व्यक्ति या पदार्थ):	Речь учи́теля. Отвéт ученикá Пéние дéвушки Выступлéние делегáтов Бой часóв
३ क्रिया के कर्म के द्योतन के लिए (पदार्थ जिसपर क्रिया का फल चला जाता है):	Чтéние кни́ги Пéние ги́мна Слу́шание лéкций. Убóрка урожáя टिप्पणी: क्रियाओ के साथ कर्म कारक. читáть кни́гу, петь гимн, слу́шать лéкции, убирáть урожáй!
४. इन चीजो के द्योतन के लिए·	
(क) पदार्थ की विशिष्टता।	Прáздник дру́жбы и еди́нства. Прáздник пéсни. Вопрóсы совремéнности. У нас труд преврати́лся в дéло чéсти и слáвы, дéло дóблести и герóйства.
(ख) पदार्थ का गुण निर्देश: टिप्पणी· पदार्थ का गुण निर्देश प्राय अकेले संज्ञा से न होकर सज्ञा और विशेषण के योग से होता है:	Мáльчик высóкого рóста. Человéк большóго умá Местá порази́тельной красоты́. Бумáга пéрвого сóрта टिप्पणी: अधिक परिस्थितियों मे सज्ञा और विशेषण द्वारा निर्दिष्ट अभिव्यजन को विशेपण द्वारा (высóкий мáльчик; первосóртная бумáга) या विशेपण-और क्रिया विशेषण

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सवध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है :

	द्वारा वदला जा सकता है (о́чень у́мный челове́к; порази́тельно краси́вые места́)।
५ गुण को धारण करनेवाले के निर्देशन के लिए:	Сме́лость геро́я Ум челове́ка Темнота́ но́чи Белизна́ сне́га. Теплота́ во́здуха Просто́р поле́й.
II तुलनात्मक विशेषणो के साथ, पदार्थ-के निर्देश के लिए, जिसके साथ तुलना की जाती है·	Сестра́ приле́жнее бра́та. Во́лга ши́ре Оки́. टिप्पणी · पदार्थो की तुलना के लिए Сестра́ приле́жнее, чем брат. Во́лга ши́ре, чем Ока́ वाक्यो का दूसरा ढग भी सभव है। ऐसे वाक्यो में संयोजक чем का प्रयोग होता है और जिस पदार्थ की तुलना होती है वह कर्त्ता कारक मे रहता है। . . . . Утро ве́чера мудрене́е (कहावत) Охо́та пу́ще нево́ли. (कहावत)
III परिमाणवाचक शब्दो के साथ·	(क) два, две, о́ба, о́бе, три, четы́ре के वाद और उन सख्याओ के वाद जिनके अत मे два, три, четы́ре (два́дцать два, сто три́дцать три) रहता है सवध कारक एकवचन का प्रयोग होता है. (ख) пять, шесть, семь तथा आगे की सख्याओ के वाद सवध कारक वहुवचन का प्रयोग होता है·

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सबध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है

१. परिमाणवाचक सख्याओ के साथ यदि यह सख्याए कर्त्ता या कर्म कारक मे (कर्म का रूप कर्त्ता के समान) है।	два о́ба три четы́ре сто два со́рок три сто пятьдеся́т четы́ре	карандаша́, альбо́ма, ученика́
	пять шесть семь двена́дцать трина́дцать три́дцать пять сто пятьдеся́т во́семь	карандаше́й, альбо́мов, ру́чек, тетра́дей, ученико́в, учени́ц
	две о́бе три четы́ре сто две со́рок три сто пятьдеся́т четы́ре	ру́чки, тетра́ди, учени́цы
	В кла́ссе три́дцать пять ученико́в. два́дцать де́вочек и пятна́дцать ма́льчиков Купи́л три альбо́ма, четы́рнадцать карандаше́й и со́рок две тетра́ди. Два дня мы бы́ли в перестре́лке.. (Л) Шли два прия́теля вече́рнею поро́й И де́льный разгово́р вели́ между́ собо́й.. (Кр)	

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सबध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है

К соба́кам подскака́ли два охо́тника .. (Л. Т)

Прошли́ две-три мину́ты — та́ же тишина́ . (Герц)

Так прошли́ три неде́ли.

Три две́ри выходи́ли в коридо́р.

Они́ жи́ли в ве́тхой земля́нке

Ро́вно три́дцать лет и три го́да. (П)

В песча́ных степя́х арави́йской земли́

Три го́рдые па́льмы высо́ко росли́ (Л)

Три молоды́х де́рева расту́т пе́ред две́рью пеще́ры ли́па, берёза и клен. (М Г)

(विशेषण और सज्ञा की सगति और समानुरूपता के लिए देखिये तालिका ४२).

В э́той гру́ппе было два́дцать три челове́ка

Челове́к пять ста́ли мы́ться в го́рном холо́дном ручье́ (М. Г)

Челове́к семь. направля́лось к нам. (М. Г.)

टिप्पणिया: १ дво́е, тро́е, че́тверо आदि कर्त्ता तथा कर्म कारक की समूहवाचक सख्याओ के बाद सज्ञा सबध कारक बहुवचन मे रहती है В стороне́ под куста́ми лежа́ло тро́е его́ това́рищей ..

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सबध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है

	२ यदि सख्या (два और इससे ऊची) कर्त्ता या कर्म कारक (कर्त्ता के समान रूप) मे नही है तो सख्या और सज्ञा के कारक समानरूप होते है Встрéтил **трёх товáрищей** Бы́ли на экскýрсии **с двумя́ руководи́телями** Приду́ **к семи́ часáм.** ३ ты́сяча, миллиóн, миллиáрд शब्दो के बाद (चाहे वे किसी भी कारक मे हो) सज्ञा सदा सबध कारक बहुवचन में प्रयुक्त होती है। Привезли́ **ты́сячу книг.** Доклáдчик вы́ступил **пéред двумя́ ты́сячами слу́шателей**
२. अनिश्चित परिमाण द्योतित करनेवाले शब्दो के साथ : мнóго, мáло, нéсколько, большинствó, меньшинствó, скóлько, стóлько और दूसरे :	Мы пострóили **мнóго фáбрик, заводóв** В институ́те **нéсколько библиотéк** Прочитáл **нéсколько статéй** Нам ну́жно **мнóго у́гля, желéза, электроэнéргии** टिप्पणी : वे सज्ञाए जिनका बहुवचन नही होता है мнóго, мáло आदि शब्दो के साथ एकवचन मे प्रयुक्त होती है мнóго **у́гля** и **желéза**, мнóго **рáдости**, мáло **энéргии**। Широкá странá моя́ роднáя, **Мнóго** в ней **лесóв, полéй** и **рек!** . (Л-К)

क्रमशः

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सबध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है:

	Мно́го звёзд в безмо́лвии ночно́м гори́т (Бар) Просто́рен мир наш и вели́к, В нем **мно́го сча́стья, мно́го книг** (С Ст) **Мно́жество пчёл, ос и шмеле́й** дру́жно гуди́т в густы́х ветвя́х ака́ций .. (Т.) **Ско́лько** тут бы́ло кудря́вых **берёз**!. (Некр.)
३ कोई नाप या परिमाण बतानेवाले शब्दो के साथ.	Кило́ **хле́ба**. Литр **молока́**. Стака́н **воды́**. Метр **си́тца**
४ по́лон, по́лный विशेषण के साथ ·	Дом **по́лон люде́й** Ко́мната **полна́ наро́ду**. Се́ти бы́ли **полны́ ры́бы** Принес корзи́ну, **по́лную я́блок**. Глаза́ **полны́ слёз, полны́ ра́дости**. टिप्पणी पुल्लिग सज्ञाएं ऐसे सयोगो के साथ प्राय एकवचन मे -у(-ю) विभक्ति-चिन्ह धारण करती है (полна́ наро́ду)। यदि भाववाचक सज्ञा по́лон विशेषण से सबद्ध होती है तो -а विभक्ति-चिन्ह के साथ सबध कारक का प्रयोग होता है। (по́лон восто́рга)। Оно́ (я́блоко) **со́ку** спе́лого **полно́**. (П) Небе́с далёкая равни́на **сия́нья** ми́рного **полна́**. (Яз) **Хлопо́т** Марты́шке **по́лон** рот... (Кр) **По́лный разду́мья**, шёл я одна́жды по большо́й доро́ге (Т)

क्रमश:

अ) आधारभूत परिस्थितिया जिनमे सबध कारक का प्रयोग सज्ञा, विशेषण और सख्यावाचक विशेषण के साथ होता है

На берегу́ пусты́нных волн
Стоя́л он, дум вели́ких полн (П.)

Там не́когда в гора́х, серде́чной ду́мы по́лный,
Над мо́рем я влачи́л заду́мчивую лень. (П)

टिप्पणी. १ इन सयोगो मे सबध कारक के प्रयोगो के साथ करण कारक का भी विरल प्रयोग मिल जाता है.

Тоско́й и тре́петом полна́,
Тама́ра ча́сто у окна́
Сиди́т в разду́мье одино́ком (Л)

२ напо́лниться, запо́лниться आदि धातुओ से युक्त क्रियाओ के सयोग मे सदा करण कारक का प्रयोग होता है Глаза́ **напо́лнились слеза́ми** (किंतु глаза́ полны́ слез)।

आ) सबध कारक का प्रयोग क्रियाओ के साथ

I. परिमाण का अश द्योतन के लिए (क्रिया पदार्थ के केवल एक अंश तक व्याप्त होती है).

१ Вы́пей воды́ का आशय है कुछ परिमाण पीना, вы́пей во́ду का अर्थ है सारा पानी।

Наре́жь хле́ба Нале́й молока́.

क्रमशः

आ) संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

	Принеси́ дров Пое́шь я́год Купи́л мя́са, со́ли, овоще́й. टिप्पणी. इस सयोग मे (क) संज्ञाएं प्राय किसी भौतिक पदार्थ का द्योतन करती है, (ख) प्राय क्रिया का पूर्णताद्योतक रूप प्रयुक्तहोता है। २. Набрало́сь наро́ду Нае́лся я́год, напи́лся молока́. Начита́лся книг Накупи́л книг.
II नकारात्मक सकर्मक क्रियाओं के बाद कर्म के निर्देश के लिए	Не получи́л сего́дня газе́т, письма́ Не ви́дел э́той карти́ны Не люблю́ ци́рка टिप्पणी बोलचाल की भाषा में नकारात्मक सकर्मक क्रियाओं के बाद कभी कभी कर्म कारक भी प्रयुक्त होता है (Я не брал э́ту кни́гу Смотри́, не потеря́й тетра́дь. Зарпла́ту я ещё не получи́л)। कर्म कारक का प्रयोग उन परिस्थितियों में होता है जब निर्दिष्ट कर्म पर जोर दिया जाता है और कथन में बड़ी निश्चयात्मकता रहती है। В комнатах ещё не зажига́ли огня́ (Ч) Из пе́сни сло́ва не вы́кинешь. (कहावत)

क्रमशः

आ) संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

III. нет, нé было, не бýдет शब्दो के साथ अव्यक्तिपरक वाक्यो मे :

Сегóдня нет собрáния. Зáвтра дóктора не бýдет. Вчерá нé было дождя́

	нет	бумáги,
У меня́	нé было	карандашá,
	не бýдет	врéмени

Брáта, сестры́, отцá, мáтери нет дóма. Никогó нет. Был ктó-нибудь?—Никогó нé было.

Меня́		
Тебя́		
Егó	нет	
Её	нé было	дóма.
Нас	не бýдет	
Вас		
Их		

टिप्पणी. ऐसा भी कहा जा सकता है: Вчерá мы нé были дóма (कर्ता—мы; विधेय нé были)। किन्तु ऐसी परिस्थिति मे संबंध कारक के साथ अव्यक्तिपरक प्रयोग अधिक साहित्यिक माना जाता है: Вчерá нас нé было дóма! Нет, нé было, не бýдет के अर्थ में कतिपय क्रियाएं निपात не के साथ प्रयुक्त हो सकती है: не существýет, не оказáлось, не остáлось, не встречáлось, не произошлó तथा अन्य। इन क्रियाओं के संयोग मे संज्ञाएं भी संबंध कारक मे प्रयुक्त हो सकती है। उदाहरणत:

क्रमशः

आ) संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

В э́той рабо́те уже́ не существу́ет (या не встреча́ется) никаки́х тру́дностей (अर्थ है · कोई कठिनाई नही है)।

В ка́ссе теа́тра не оста́лось ни одного́ биле́та (अर्थ है · टिकट नही हैं)। В кио́ске не оказа́лось ну́жных нам книг (अर्थ है. हमारी जरूरत की किताबें नही थी)।

Дождя́ не бу́дет; не́бо я́сно. (Л.)

Когда́ в това́рищах согла́сья нет,
На лад их де́ло не пойдёт. (Кр.)

Ве́тра нет, и нет ни со́лнца, ни све́та, ни те́ни, ни движе́ния, ни шу́ма.. (Т.)

Печа́лен я: со мно́ю дру́га нет.. (П.)

В теле́ге е́ду по холма́м—
Поро́й для взо́ра нет грани́ц,
И всё поля́ по сторона́м,
И над поля́ми ста́и птиц.. (М.)

Я добра́лся, наконе́ц, до угла́ ле́са, но там не́ было никако́й доро́ги. (Т.)

Лицо́ с тоско́й иска́ло ве́тра, да ве́тра-то не́ было.. (Т.)

Луны́ не́ было на не́бе. она́ в ту по́ру по́здно всходи́ла. (Т.)

Това́рищи!—говори́л Па́вел— Всю жизнь вперёд,—нам нет ино́й доро́ги! (М. Г.)

आ) संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

IV. सम्प्राप्ति, सफलता, मांग, प्रार्थना, अपहरण द्योतित करनेवाली क्रियाओं के साथ कर्म के द्योतन के लिए :	
добива́ться доби́ться (*чего́?*)	Добива́ться (доби́ться) успе́хов, выполне́ния пла́на, разреше́ния вопро́са На́ша промы́шленность доби́лась больши́х успе́хов
достига́ть дости́гнуть дости́чь (*чего́?*)	Достига́ть (дости́чь) це́ли, успе́хов. Серьезных успе́хов дости́гла хими́ческая промы́шленность Дости́чь бе́рега, верши́ны. Дости́гли верши́ны горы́ Мы уси́ленно рабо́тали веслами и бы́стро дости́гли бе́рега.
тре́бовать потре́бовать (*чего́?*)	Тре́бовать (потре́бовать) дисципли́ны, выполне́ния пла́на, объясне́ния, внима́ния, тишины́ Тре́бовать бума́ги, книг. Мы тре́буем от всех дисципли́ны, чёткости в рабо́те. Большо́го напряже́ния и вели́кой стра́сти тре́бует нау́ка от челове́ка (Па́влов)
(और *кого́?*, *что?*—कर्म कारक)	टिप्पणी. यदि тре́бовать क्रिया के बाद कर्म परिमाण के अंश को द्योतित करता है तो सदा संबंध कारक का प्रयोग होता है (тре́бовать бума́ги, книг), दूसरी परिस्थितियों में जब निर्दिष्ट पदार्थ का आशय होता है तो тре́бовать क्रिया के बाद कर्म कारक का प्रयोग होता (я тре́бую свою́ кни́гу)।

क्रमश.

आ संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

проси́ть попроси́ть *(чегó?)*	Проси́ть (попроси́ть) воды́, огня́; пóмощи, пощáды; внимáния, совéта, извинéния. Больнóй попроси́л воды́.
	А он, мятéжный, прóсит бýри, Как бýдто в бýре есть покóй. (Л)
(और *когó?*, *что?* — कर्म कारक)	टिप्पणी कुछ परिस्थितियों में जब ध्यान या दृष्टि में विशिष्ट पदार्थ या व्यक्ति है проси́ть क्रिया के बाद कर्म कारक अनिवार्य है Я попроси́л в библиотéке интерéсную кни́гу
иска́ть *(чегó?)*	Иска́ть пóмощи, поддéржки, опóры. Иска́ть совéта, слýчая. Больнóй иска́л пóмощи Я иска́л слýчая поговори́ть с товáрищем Мы и́щем в искýсстве глубóкой жи́зненной прáвды, отвéта на волнýющие вопрóсы совремéнности. Лицó с тоскóй искáло вéтра, да вéтра-то нé было (Т) टिप्पणी : इन परिस्थितियों में कर्म कारक अनिवार्य है Что ты и́щешь? Ищý шáпку, сестрý, кни́гу
ждать ожидáть дожидáться дождáться *(чегó?)*	Ждать бóя, пóмощи, концá, решéния, назначéния, разрешéния вопрóса Ожидáть удáра. Ждáли пóезда двáдцать минýт. Мы дождали́сь решéния вопрóса Ждáли пóмощи от товáрища Наконéц дождали́сь теплá Все в прирóде ждáло весéннего дóждика

आ) सबध कारक का प्रयोग क्रियाओ के साथ

(और *кого́?*—कर्म कारक)	टिप्पणी. १. कर्म कारक अनिवार्य है: Ждал сестру́, бра́та। २. प्रतिक्षा प्रकट करनेवाली क्रियाओ के बाद ждать, ожида́ть आदि यातायात की वस्तु प्रकट करनेवाली सज्ञाए सामान्यतया सबध कारक में प्रयुक्त होती है. ждал по́езда, трамва́я, самолёта आदि, इसी प्रकार письмо́ शब्द के साथ भी: ждал письма́।
хоте́ть захоте́ть *(чего́?)*	Хоте́ть ча́ю, хле́ба, пече́нья. Хоте́ть ми́ра, споко́йствия, тишины́. Сове́тский Сою́з хо́чет ми́ра. Мать чу́вствовала, что от неё чего́-то хотя́т, ждут (М Г)
жела́ть пожела́ть *(чего́?)*	Жела́ть сча́стья, здоро́вья, успе́хов. Жела́ю (пожела́ю) вам сча́стья, здоро́вья, успе́хов. Оте́ц пожела́л мне до́брого пути́
каса́ться косну́ться *(кого́?, чего́?)*	Каса́ться стола́, руки́. Каса́ться вопро́са. Докла́дчик косну́лся трёх вопро́сов. . . . . Мелька́ют ла́сточки, почти́ каса́ясь земли́ изо́гнутыми кры́льями (М Г)

आ) संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

	Я не естéственник, и не моё дéло касáться подóбных вопрóсов. (Ч)
держáться придéрживаться *(чегó?)*	Держáться мнéния, прáвила. Он дéржится (придéрживается) стрóгих прáвил. Больнóй стрóго придéрживался диéты. Я держýсь тогó мнéния, чтò..
слýшаться послýшаться *(когó?, чегó?)*	Слýшаться (послýшаться) мáтери, отцá, товáрищей. Слýшаться гóлоса сóвести
стóить *(чегó?)*	Стóит нагрáды. Егó рабóта стóит нагрáды. टिप्पणी : достóйный, достóин विशेषण के साथ संबंध कारक : Егó рабóта достóйна нагрáды यदि मूल्य के बारे में बातचीत है तो стóить क्रिया के साथ कर्म कारक का प्रयोग होता है : Эта кни́га стóит оди́н рубль
лишáться лиши́ться *(когó?, чегó?)*	Лиши́ться (лишáться) зрéния, слýха, сна. Лиши́ться покóя, спокóйствия. Лиши́ться прав. Лиши́ться дéнег. Лиши́ться отцá, мáтери. Больнóй лиши́лся сна.
лишáть лиши́ть *(чегó?)*	Бéлый колоссáльный ствол берёзы, лишённый верхýшки, поднимáлся из зелёной гýщи. (Т)

आ) संबंध कारक का प्रयोग क्रियाओं के साथ

боя́ться пуга́ться испуга́ться *(кого́?, чего́?)*	**Боя́ться волко́в.** **Боя́ться темноты́, грозы́, мо́лнии. Испуга́лся гро́ма. Ребенок бои́тся соба́ки.** Одни́ подде́льные цветы́ дождя́ боя́тся (Кр) Волко́в боя́ться — в лес не ходи́ть (कहावत) Де́ло ма́стера бои́тся. (कहावत)
избега́ть избежа́ть *(кого́?, чего́?)*	**Избега́ть (избежа́ть) опа́сности, после́дствий, неприя́тности. Избега́ть люде́й, встре́чи, разгово́ров, ссо́ры.** Путеше́ственники избежа́ли опа́сности
опаса́ться остерега́ться *(кого́?, чего́?)*	**Опаса́ться после́дствий, осложне́ний. Остерега́ться зара́зы.** Врач опаса́лся осложне́ний по́сле опера́ции
стесня́ться стыди́ться *(кого́?, чего́?)*	**Стесня́ться люде́й, о́бщества, чужи́х.** **Стыди́ться своего́ ви́да, своего́ костю́ма. Стыди́ться незна́ния.**
сторони́ться чужда́ться *(кого́?, чего́?)*	**Сторони́ться о́бщества, чужда́ться люде́й**

टिप्पणी तिथि या तारीख के निर्देशन के लिए संबंध कारक का प्रयोग होता है Приéхал **два́дцать пя́того а́вгуста 1948 го́да. Заня́тия начну́тся пятна́дцатого сентября́।** किन्तु महीना और तारीख न बताने पर और केवल वर्ष द्योतन के समय अधिकरण कारक का प्रयोग होता है Приéхал **в ты́сяча девятьсо́т со́рок восьмо́м году́।**

(उपसर्गों के साथ संबंध कारक के विषय में देखिये तालिका २८)

तालिका २५

सम्प्रदान कारक का प्रयोग

सम्प्रदान कारक का प्रयोग क्रियाओं, संज्ञाओं और विशेषणों (अधिकतर क्रियाओं) के साथ होता है।

सम्प्रदान कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां

I. क्रियाओं के साथ उन व्यक्तियों या वस्तुओं के द्योतन के लिए जिनकी ओर प्रतिक्रिया निर्दिष्ट होती है (संबोधित का अर्थ)	१ Написа́л сестре́ (इसी प्रकार संज्ञा के साथ письмо́ сестре́) २ Помога́ю това́рищу (इसी प्रकार संज्ञा के साथ по́мощь това́рищу) ३ Отвеча́ю учи́телю (इसी प्रकार संज्ञा के साथ отве́т учи́телю) ४. **Това́рищу поручи́ли** отве́тственную рабо́ту (Поруче́ние това́рищу отве́тственной рабо́ты—Отве́тственной рабо́ты—कर्म का संबंध कारक) Наш долг—отстоя́ть мир, и мы его́ отстои́м Пусть все зна́ют, что те́ же мы́сли, те́ же чу́вства в сердца́х всех сове́тских гра́ждан Мир наро́дам, мир города́м и се́лам, мир старика́м и де́тям! Мир ми́ру! (Эрен) टिप्पणी · निम्नलिखित परिस्थितियों में सम्प्रदान कारक के प्रयोग पर ध्यान दीजिये Па́мятник Пу́шкину Па́мятник Го́голю।
II. इन क्रियाओं से युक्त होकर · ра́доваться пора́доваться (*кому́?, чему́?*)	**Ра́доваться письму́, успе́хам, хоро́шей пого́де.** Все ра́дуются весе́ннему со́лнцу.

सम्प्रदान कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितिया

	Дню весёлому все улыба́ется (улыба́ется—ра́дуется के अर्थ मे)
इसी प्रकार इन शब्दो के साथ рад, ра́да इत्यादि:	Мы ра́ды на́шим успе́хам
удивля́ться удиви́ться поража́ться порази́ться *(кому́?, чему́?)*	Удивля́ться работоспосо́бности, споко́йствию, си́ле, му́жеству. Мы удивля́емся споко́йствию, му́жеству и вы́держке летчиков
уделя́ть внима́ние удели́ть внима́ние *(кому́?, чему́?)*	Во вре́мя ле́тнего о́тдыха необходи́мо уделя́ть мно́го внима́ния спо́рту. Печа́ть и радиовеща́ние уделя́ют большо́е внима́ние нау́чно-просвети́тельной пропага́нде
зави́довать *(кому́?, чему́?)*	Зави́довать кому́-нибудь (чему́-нибудь). Зави́довать успе́хам. Все зави́дуют моему́ здоро́вью
спосо́бствовать *(чему́?)*	Спосо́бствовать успе́хам това́рища.
III अव्यक्तिपरक वाक्यो मे किसी मानसिक दशा या स्थिति का अनुभव करनेवाले या काम करनेवाले व्यक्ति को द्योतित करने के लिए १ на́до, необходи́мо, ну́жно, мо́жно, нельзя́ आदि शब्दो के साथ सामान्य क्रिया से सयुक्त होने पर:	Бра́ту необходи́мо вы́ехать сего́дня (अर्थ है Брат до́лжен вы́ехать. .) Вам ну́жно зако́нчить рабо́ту в срок (अर्थ है Вы должны́ зако́нчить). Всем сотру́дникам на́до прийти́ на собра́ние к пяти́ часа́м (अर्थ है. Все сотру́дники должны́ прийти́) Мо́жно мне кури́ть?—Тебе́ нельзя́ кури́ть. (अर्थ है. Могу́ я кури́ть? Ты не до́лжен кури́ть)

सम्प्रदान कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितिया	
सामान्य क्रियाओं के साथ कर्त्तव्य तथा अनिवार्यता द्योतन के लिए पूर्ववर्ती प्रयोग के समान :	Всем сотрýдникам собрáться в пять часóв (अर्थ है Все сотрýдники должны́ собрáться) Товáрищу éхать в два часá (अर्थ है Товáрищ дóлжен éхать) Кудá тебé éхать зáвтра? (अर्थ है Кудá ты дóлжен éхать?) Быть грозé вели́кой! (П) (अर्थ है : Бýдет грозá и́ли должнá быть грозá .) Быть вам к вéчеру! (Фурм) (अर्थ है : Вы должны́ прибы́ть к вéчеру)
२. -ся में समाप्त होनेवाले अव्यक्तिपरक क्रियाओ के साथ :	(क) Мне не спи́тся. Мне сегóдня чтó-то не поётся. Брáту нездорóвится. Мне сегóдня не рабóталось. не читáлось, не писáлось (अर्थ है· Я не мог рабóтать, читáть, писáть) Мне здесь нрáвится
ऐसा ही प्रयोग किन्तु सामान्य क्रिया के साथ सयुक्त विधेय के अश रूप मे .	(ख) Слýшателям не хотéлось уходи́ть. Мне хóчется поéхать в гóры Товáрищу прихóдится чáсто éздить в командирóвки. Сестрé удалóсь лéтом хорошó отдохнýть Мне нрáвится броди́ть по горáм Темной осéнней нóчью пришлóсь мне éхать по незнакóмой дорóге (Т) Взгрустнýлось кáк-то мне в степи́ однообрáзной (К)

सम्प्रदान कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियाँ

	О, как глубоко́ и ра́достно **вздохну́лось Са́нину**, как только он очути́лся у себя́ в ко́мнате (Т)
२ सयुक्त विधेय रूप मे प्रयुक्त क्रियाविशेषण के साथ	**Не писа́лось ему́** на э́тот раз (Ч) Литви́нов взя́лся за кни́гу, но **ему́ не чита́лось** . (Т)
(क) -о मे समाप्त होनेवाले क्रियाविशेषणो के साथ (गुणवाचक विशेषणो से बने हुए).	Това́рищу Сестре́ Мне Нам ве́село, хорошо́, гру́стно, ску́чно, сты́дно, хо́лодно, इत्यादि इन प्रयोगो पर ध्यान दीजिये: **Мне жаль. Мне жаль това́рища, жаль сестру́, жаль вре́мени Мне жаль расста́ться с това́рищем. Мне лень (Мне лень занима́ться). Мне пора́ (Мне пора́ идти́).**
(ख) क्रियाविशेषण—नकारात्मक शब्द :	**Мне не́куда сего́дня идти́ Мне не́когда гуля́ть. Нам не́куда спря́таться от дождя́ Тебе́ не́зачем э́то знать. Ему́ не́откуда ждать пи́сем**
IV. कतिपय विशेषणो के साथ (पूर्ण तथा सक्षिप्त रूपो मे)*	Я **вам** о́чень **благода́рен** Эта кни́га **интере́сна всем** Врач, **ве́рный своему́ до́лгу**, боро́лся с эпиде́мией, не жале́я сил Я не встреча́л люде́й, **подо́бных э́тому челове́ку** Он рабо́тал **со сво́йственной ему́** эне́ргией

(*उपसर्गो के साथ सम्प्रदान कारक के विषय मे देखिये तालिका २९)

तालिका २६

कर्म कारक का प्रयोग

क्रियाओ के साथ कर्म कारक का प्रयोग होता है।

कर्म कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितिया

I. सकर्मक क्रियाओ के साथ कर्म के द्योतन के लिए जिसपर क्रिया का फल पड़ता है (स्वीकारात्मक क्रियाओ के वाद):	**Читáю газéту. Получи́л письмó.** Стрóим фáбрики, завóды .. Беззавéтно лю́бим свою́ **Рóдину.** Вы читáйте, читáйте рýсскую литератýру как мóжно бóльше, всё читáйте!.. **Люби́те кни́гу.** (М Г.) Он рóщи полюби́л густы́е, Уединéнье, тишинý, И ночь, и звёзды, и лунý (П.) Люблю́ тебя́, Петрá творéнье, Люблю́ твой стрóгий, стрóйный вид .. (П.)
प्राय· प्रयोग में आनेवाली कतिपय क्रियाए जिनके वाद कर्मकारक अनिवार्य है . благодари́ть поблагодари́ть *(когó?, что?)*	**Благодарю́ вас, благодарю́ тебя́, благодарю́ товáрищей, сестрý и т. д.** ध्यान दीजिये · благодáрен, благодáрны शब्दो के साथ सम्प्रदान कारक अनिवार्य है – Я благодáрен вам, тебé, товáрищам, сестрé
поздравля́ть поздрáвить *(когó?)*	**Поздравля́ю вас, тебя́, товáрищей, сестрý** इत्यादि .
вспоминáть вспóмнить *(когó?, что?)*	Чáсто вспоминáю весéлую ю́ность, нáшу дрýжбу .. Бойцы́ вспоминáют минýвшие дни И би́твы, где вмéсте руби́лись они́ (П.)

क्रमशः

कर्म कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितिया	
II. क्रियाओ के साथ	
१. समय के निश्चित अंश और निश्चित स्थान के द्योतन के लिए:	Всю зи́му стоя́ла тёплая пого́да. Рабо́тал весь день Бу́ду ме́сяц на пра́ктике. Всё ле́то проживу́ в дере́вне. Провёл неде́лю на ю́ге Шли бой всю о́сень и всю зи́му. Всю доро́гу шли мо́лча
२. मूल्य द्योतन के लिए:	Кни́га сто́ит рубль Почто́вый бланк сто́ит копе́йку.

(उपसर्गों के साथ कर्म कारक के विषय में देखिये तालिका ३०)

तालिका २७

करण कारक का प्रयोग

करण कारक का प्रयोग क्रियाओ के साथ और संज्ञाओ के साथ (मुख्य रूप से क्रियार्थक सज्ञाओ के साथ) होता है।

करण कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितिया	
I. उन उपादानो या साधनो के द्योतन के लिए जिनसे कार्य सम्पन्न होता है:	Пишу́ ме́лом, карандашо́м; вытира́ю тря́пкой; ре́жу ножо́м, но́жницами; рублю́ топоро́м, (इसी प्रकार क्रियार्थक सज्ञा के साथ: ру́бка топоро́м इत्यादि) Стари́к лови́л не́водом ры́бу, Стару́ха пряла́ свою́ пря́жу (П) Он ушёл неохо́тно, тяжело́ ша́ркая нога́ми (М Г.)

क्रमशः

करण कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां	
	Паха́ть—не рука́ми маха́ть (कहावत)
II. परिस्थिति द्योतन के लिए जिसके सहारे क्रिया सम्पन्न होती है:	
१. गति के स्थान के द्योतन के लिए:	Ехать по́лем, ле́сом, мо́рем (अर्थ है: по́ полю, по́ лесу, по́ морю). Идти́ бе́регом (अर्थ है: по бе́регу). Како́й доро́гой мне идти́? За́яц вы́скочил и́з лесу и побежа́л по́лем По ни́ве прохожу́ я у́зкою межо́й, Поро́сшей ка́шкою и це́пкой лебедо́й. (М.) Вы бы ле́сом шли, ле́сом идти́ прохла́дно... (М Г.)
२. समय द्योतन के लिए:	Рабо́тать ноча́ми (अर्थ है: по ноча́м) टिप्पणी: कभी कभी कहा जाता है рабо́тать вечера́ми, рабо́тать утра́ми, किंतु यह कहना अच्छा होगा рабо́тать по вечера́м, по утра́м. ऐसा कभी नहीं कहा जाता है: рабо́тать дня́ми या рабо́тать по дням। ऐसा कहना संभव है. рабо́тать це́лыми дня́ми या по це́лым дням, किंतु इन वाक्यों के कतिपय दूसरे अर्थ भी हैं। Уходи́ть ра́нним у́тром. Возвраща́ться по́здней но́чью.

करण कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां

	Тёмной осéнней нóчью пришлóсь мне éхать по незнакóмой дороге (Т.)
३. समय के भेद या अन्तर को बताने के लिए (तुलनात्मक मात्रा के साथ):	Двумя́ дня́ми ра́ньше, пóзже. Я приéхал двумя́ дня́ми ра́ньше това́рища (अर्थ है: Я приéхал нá два дня ра́ньше).
४. कार्य के स्वरूप द्योतन के लिए (प्रश्न *как?, каки́м образóм?*).	Говори́ть шёпотом. Говори́ть грóмким гóлосом, ти́хим гóлосом Широ́кой полосóй тя́нутся поля́ Лýчше умерéть герóем, чем жить рабóм! (Горь.) Дождь поли́л ручья́ми. (Т.) Утренняя заря́ не пыла́ет пожа́ром, она́ разлива́ется крóтким румя́нцем... (Т.) Гори́т востóк зарёю нóвой. (П.) Снега́ горéли румя́ным блéском.. (Л.) Мóшки толкли́сь столбóм (Т.) Сóлнце сади́лось: широ́кими багрóвыми полоса́ми разбега́лись егó послéдние лучи́ (Т.)
५. गत्यात्मकता के साधन द्योतन के लिए:	Éхать пароходóм, пóездом (अर्थ है: на пароходе, на пóезде) Прилетéть самолётом (अर्थ है: на самолёте) टिप्पणी: साहित्यिक भाषा में ऐसा कथन अधिक मान्य है прилетéл на самолёте; приéхал на пóезде।

क्रमशः

करण कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां	
III कर्मवाचक वाक्यों में कर्त्ता या काम करनेवाले का द्योतन करने के लिए :	Газе́та прочи́тывается ученика́ми ка́ждый день Дома́ стро́ятся рабо́чими Поля́ обраба́тываются колхо́зниками.
IV. अव्यक्तिपरक वाक्यों में कर्त्ता या काम करनेवाले पदार्थ का द्योतन करने के लिए :	(क) Водо́й за́лило луга́ (अर्थ है: Вода́ залила́ луга́) Гра́дом поби́ло хлеб (अर्थ है: Град поби́л хлеб). Ве́тром сорва́ло кры́шу (अर्थ है: Ве́тер сорва́л кры́шу). (ख) Па́хнет цвета́ми.
V. संयुक्त विधेय के अंश रूप में इन क्रियाओं के साथ करण कारक का प्रयोग होता है : быть станови́ться стать оказа́ться явля́ться каза́ться называ́ться назва́ться остава́ться оста́ться де́латься сде́латься счита́ться	Он был студе́нтом (इस तरह भी कहा जा सकता है: Он был студе́нт). Стал инжене́ром. Оказа́лся прекра́сным рабо́тником. Нау́ка в СССР явля́ется достоя́нием всех трудя́щихся (इस तरह भी कहा जा सकता है: Нау́ка в СССР—достоя́ние всех трудя́щихся) Этот челове́к ка́жется о́чень о́пытным и зна́ющим. Бо́ром называ́ется лес, в кото́ром расту́т хво́йные дере́вья. Назва́лся гру́здем—полеза́й в ку́зов (कहावत) Она́ всегда́ остаётся споко́йной в мину́ты опа́сности. Он сде́лался взро́слым челове́ком (Стал взро́слым)

	Сове́тский наро́д явля́ется хозя́ином бога́тств свое́й страны́ Пьер каза́лся расте́рянным и смущённым (Л. Т) Она́ в семье́ свое́й родно́й Каза́лась де́вочкой чужо́й. (П) Че́рез пять мину́т он переста́л быть го́стем, а сде́лался свои́м челове́ком для всех нас.. (Л. Т) Слепо́й ма́льчик оказа́лся прекра́сным музыка́нтом. (Кор)
VI. इन क्रियाओं के साथ करण कारक का प्रयोग अनिवार्य है: руководи́ть управля́ть кома́ндовать заве́довать распоряди́ться распоряжа́ться облада́ть владе́ть овладе́ть по́льзоваться занима́ться заня́ться интересова́ться заинтересова́ться увлека́ться	На́шим кружко́м руководи́т преподава́тель Шофер управля́ет маши́ной. Това́рищ кома́ндует ро́той (батальо́ном, полко́м, диви́зией...). Он заве́дует уче́бной ча́стью (хозя́йством); распоряжа́ется иму́ществом... Учени́к хорошо владе́ет ру́сским языко́м. Мы овладе́ли те́хникой. Лётчики должны́ облада́ть больши́м споко́йствием. Това́рищ по́льзуется дове́рием (влия́нием, любо́вью, авторите́том). Он занима́ется спо́ртом. На́до заня́ться э́тим вопро́сом. Ученики́ интересу́ются ру́сской литерату́рой. Они́

करण कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां	
увле́чься горди́ться любова́ться хвали́ться восхища́ться наслажда́ться злоупотребля́ть боле́ть заболе́ть	увлека́ются свое́й рабо́той, увлека́ются интере́сными о́пытами. Мы горди́мся на́шими успе́хами. Любу́емся приро́дой. Ма́льчик хва́лится свое́й си́лой. Мы восхища́емся на́шими геро́ями. Наслажда́емся весе́нним со́лнцем (ле́тним о́тдыхом). Нельзя́ злоупотребля́ть дове́рием, хоро́шим отноше́нием. Заболе́л гри́ппом.
	ध्यान दीजिये руководи́ть, управля́ть, овладе́ть आदि इन क्रियाओं से बनी हुई संज्ञाओं के बाद करण कारक का प्रयोग होता है: руково́дство ма́ссами (किन्तु руководи́тель масс), управле́ние госуда́рством, овладе́ние те́хникой, увлече́ние матема́тикой, заинтересо́ванность матема́тикой (किन्तु интере́с к матема́тике), наслажде́ние о́тдыхом, злоупотребле́ние со́лнечными ва́ннами।
	Заво́дами, фа́бриками, стро́йками, колхо́зами руководя́т лю́ди из наро́да
	Мы шли ме́дленно, наслажда́ясь ти́хим осе́нним днём.
	Я наслажда́юсь дунове́ньем В лицо́ мне ве́ющей весны́. (П.)
	Душо́й овладева́ет споко́йствие, о про́шлом не хо́чется ду́мать .. (Ч.)

क्रमशः

करण कारक के प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां

VII इन शब्दो के साथ : довóлен довóльна довóльны	Я довóлен рабóтой. Онá довóльна свои́ми успéхами. Мы довóльны результáтами рабóты Учи́лась Каштáнка óчень охóтно и былá довóльна свои́ми успéхами . (Ч) Скучнá мне óттепель; вонь, -грязь—веснóй я бóлен .. Сурóвою зимóй я бóлее довóлен . (П.) टिप्पणी : довóльный विशेषण का पूर्ण रूप भी करण कारक के साथ प्रयुक्त होता है : довóльный свои́ми успéхами।
VIII. उन क्रियाओं के साथ जिनके सहारे पेशा, उपाधि, पद का द्योतन है :	Онá рабóтает библиотéкарем, машини́сткой .. Собрáние вы́брало т Ивано́ва председáтелем Меня́ назнáчили руководи́телем грýппы टिप्पणी : Рабóтает библиотéкарем इस वाक्य को в кáчестве इन शब्दो के साथ बदला जा सकता है: Онá рабóтает в кáчестве библиотéкаря।

(उपसर्गों के साथ करण कारक के विषय में देखिये तालिका ३१)

उपसर्गों के साथ कारकों का प्रयोग

तालिका २८

उपसर्ग और संबंध कारक

I. उपसर्ग जो केवल संबंध कारक के साथ प्रयुक्त होते हैं:	
без	Пришёл без ша́пки Написа́л рабо́ту без оши́бок. Зима́ простоя́ла без моро́зов. Путеше́ственники е́хали без приключе́ний. Провёл ночь без сна. Избу́шка там на ку́рьих но́жках Стои́т без о́кон, без двере́й... (П) За́яц хо́дит но́чью по поля́м и леса́м без стра́ха и прокла́дывает прямы́е следы́ .. (Л. Т.) Кто живёт без печа́ли и гне́ва, Тот не лю́бит отчи́зны свое́й.. (Некр) कहावतें : Без труда́ не вы́нешь и ры́бку из пруда́ Ды́ма без огня́ не быва́ет प्रयुक्त मुहाविरे. без сомне́ния; без исключе́ния.
близ	Я живу́ близ бульва́ра Близ ро́щи на приго́рке стои́т ста́рый дом.
вдоль	Вдоль стены́ поса́жены дере́вья. Шли вдоль реки́, вдоль опу́шки ле́са Вдоль доро́ги тяну́лась молода́я по́росль оре́шника. Вы́учусь, начита́юсь—пойду́ вдоль всех рек и бу́ду всё понима́ть! (М Г.)

вме́сто	**Вме́сто** матема́тики бу́дет уро́к ру́сского языка́ Да́йте мне, пожа́луйста, бума́ги **вме́сто тетра́дей.**
вне	Вне до́ма Вне страны́ Вне зако́на Вне вре́мени и простра́нства Вы́полнить рабо́ту **вне пла́на.** Жизнь больно́го **вне опа́сности.** Этот челове́к **вне вся́ких подозре́ний.**
внутри́	Внутри́ помеще́ния Внутри́ страны́
во́зле **(близ, по́дле, о́коло** उपसर्गों के पर्यायवाची)	Живу́ **во́зле бульва́ра, Во́зле ле́са,** на горе́, стоя́л ста́рый деревя́нный дом. Случа́лось ли вам сиде́ть в тёплую, темную, ти́хую ночь **во́зле ле́са**?.. (Т)
вокру́г	Се́ли **вокру́г стола́** Пионе́ры стоя́ли **вокру́г костра́. Вокру́г расска́зчика** собрало́сь мно́го наро́ду. Земля́ враща́ется **вокру́г свое́й оси́** Постоя́нно возника́л спор **вокру́г одни́х и те́х же вопро́сов.** Челове́к два́дцать партиза́н лежа́ло **вокру́г костра́ .** (Фад) **Вокру́г меня́** все бы́ло так уны́ло (Тютч)
для	
मुख्य अर्थ :	
१ किसी व्यक्ति या वस्तु के हित के लिए कार्य का निर्देशन :	Купи́л кни́гу **для това́рища** У меня́ есть все возмо́жности **для рабо́ты**
२. उद्देश्य :	Останови́лись в пути́ **для о́тдыха.**

३ वस्तु का प्रयोजन:	Помещéние для библиотéки Посýда для молокá Странá цветёт для вас, ребя́та, в странé для вас встает рассвéт, для вáших ýмных глаз, ребя́та. (С Ст) Чудесá мóжет дéлать нарóд, когдá он трýдится для себя́, для своéй Рóдины.
до	
मुख्य अर्थ: स्थान, समय, परिमाण तथा अन्य सवंधों की सीमा का निर्देशन:	От Ленингрáда до Москвы́ 649 киломéтров. Бы́стро дошли́ до стáнции. До отхóда пóезда остáлось две минýты Рабóтал до утрá. Жарá лéтом доходи́ла до тридцати́ пяти́ грáдусов. Вóлосы до пóяса Язы́к до Ки́ева доведёт (कहावत) От Москвы́ до сáмых до окрáин, С ю́жных гор до сéверных морéй Человéк прохóдит как хозя́ин Необъя́тной Рóдины своéй (Л.-К.) Я рад Остáнься до утрá Под сéнью нáшего шатрá. (П)
из (и́зо)	
मुख्य अर्थ: १. स्थान जहा से गति का आरम्भ है:	Приéхал из гóрода, из дерéвни.
२ सूचना, उत्पत्ति का स्रोत:	Узнáл из газéт Словá из стихотворéния Пýшкина Товáрищ из рабóчей семьи́, из крестья́н. Из рядóв совéтской молодёжи вы́шли крýпные учёные
३ पदार्थ जिससे वस्तु निर्मित है:	Посýда из гли́ны, из стеклá Костю́м из сукнá.

४. पूर्ण जिससे अंश अलग किया जाता है :

Не́которые **из рабо́чих** вы́полнили зада́ние досро́чно.

५. कारण :

Соверши́ть по́двиг **из любви́** к Ро́дине.

टिप्पणी: कारण अभिव्यंजन में संज्ञाओं के साथ अन्य उपसर्ग भी प्रयुक्त होते हैं : **из-за́, от, с, по** (देखिये तालिका २८ और २९)।

Родни́к ме́жду ни́ми **из по́чвы**
бесплó́дной,
Журча́, пробива́лся волно́ю
холо́дной . (Л.)

Прошло́ сто лет, и ю́ный град,
Полно́щных стран краса́ и ди́во,
Из тьмы́ лесо́в, из то́пи блат
Вознесся пы́шно, горде́ливо . (П)

Мете́ли, снега́ и тума́ны
Поко́рны моро́зу всегда́.
Пойду́ на моря́-окия́ны—
Построю мосты́ **изо льда́** .. (Некр.)

Был оди́н **из** тех нена́стных студёных дней, каки́е ча́сто встреча́ются к концу́ о́сени . (Т)

Одна́ **из** гла́вных алле́й была́ уса́жена ли́повыми дере́вьями (Т)

प्रयुक्त मुहावरे из го́да в год, изо дня в день (इसका अर्थ है ка́ждый год या ка́ждый день लम्बी अवधि के बीच)।

из-за

मुख्य अर्थ :

१ स्थान जहा से गति का आरम्भ होता है (из और за उपसर्ग के अर्थ को एक मे मिलाता है).

Из-за угла́ вы́шел челове́к **Из-за** ле́са всхо́дит со́лнце **Из-за** дере́вьев пробива́ется луч со́лнца

२. कारण :	Из-за дождя́ отложи́ли экску́рсию. Из-за тума́на не ви́дно пути́ Из-за тебя́ я опозда́л. Из-за ре́чки послы́шалась куку́шка (П.) Из-за туч луна́ кати́тся.. (П.) Над Москво́й вели́кой, златогла́вою, Над стено́й кремлёвской белока́менной Из-за да́льних лесо́в, из-за си́них гор Заря́ а́лая подыма́ется . (Л.) Из-за шу́ма па́дающего ли́вня ничего́ не́ было слы́шно. (Т.)
из-под मुख्य अर्थ :	
१. स्थान जहा से गति का आरम्भ होता है (नीचे से गति ; из और под उपसर्गों के अर्थ को एक मे मिलाता है) :	Ма́льчик вы́лез из-под стола́. За́яц вы́скочил из-под куста́ Из-под большо́го пло́ского ка́мня то́ненькой стру́йкой лила́сь вода́ Голубы́е цветы́ показа́лись из-под сне́га. Мы вы́брались из-под обстре́ла врага́ विशेष प्रयोग : прие́хал из-под Ленингра́да, из-под Москвы́.
२. वस्तु का प्रयोजन :	Ба́нка из-под варе́нья. Кувши́н из-под молока́. На ма́ленькой те́сной поля́не валя́лись бо́чки из-под дёгтя (М. Г) Две больши́е чёрные соба́ки подняли́сь из-под крыльца́ . (Л. Т.) Из-под куста́ мне ла́ндыш серебри́стый Приве́тливо кива́ет голово́й . (Л) Из-под ша́пки широ́кого па́поротника скро́мно улыба́лась спе́лая зем-

	ляни́ка, а **из-под** опáвшей листвы́ гóрдо тянýлся вверх чумáзый гриб . (Нев) टिप्पणी : यदि где?, кудá? प्रश्न पर स्थान निर्देशन के लिए संज्ञाओं के साथ **под** उपसर्ग का प्रयोग होता है (Где сидéл зáяц?—**Под кустóм.** Кудá спря́тался зáяц?—**Под куст.**) तो откýда? प्रश्न पर स्थान-द्योतन के लिए **из-под** उपसर्ग का प्रयोग होता है (Зáяц вы́скочил **из-под кустá**)।
крóме	По состоя́нию здорóвья я могý жить вездé, **крóме Ленингрáда** (अर्थ है : исключáя Ленингрáд). На собрáние пришли́ все, **крóме больны́х** (अर्थ है. исключáя больны́х) Я никогó, **крóме тебя́**, здесь не знáю (अर्थ है : знáю тóлько тебя́) **Крóме лáсточки**, здесь посели́лся и скворéц (अर्थ है : посели́лись и лáсточка и скворéц). Порá, товáрищи, поня́ть, что никтó, **крóме нас сами́х**, не помóжет нам!.. (М. Г.)
ми́мо	Пóезд промчáлся **ми́мо стáнции**. Он прошел **ми́мо меня́** и не замéтил меня́ **Ми́мо э́того фáкта** пройти́ нельзя́. Вы прохóдите **ми́мо дéрева**—онó не шелохнется: онó нéжится. (Т.) Мне почти́ всегдá случáлось проходи́ть **ми́мо усáдьбы** в сáмый разгáр вечéрней зари́. (Т.)

क्रमश :

наканýне अर्थ : किसी घटना के होने के एक दिन पहले, लाक्षणिक अर्थ में किसी वस्तु या घटना से थोड़ा पहले :	**Наканýне Октя́брьского пра́здника** (अर्थ है. в день, предшéствующий пра́зднику). **Наканýне учéбного гóда** (अर्थ है: незадóлго до.). **Мы наканýне вели́ких собы́тий** (अर्थ है: в ожида́нии вели́ких собы́тий).
от (óто)	
मुख्य अर्थ :	
१. स्थान और समय के आरम्भिक विन्दु या क्षण के द्योतन के अर्थ में; व्यक्ति या वस्तु का निर्देशन जिससे क्रिया का आरम्भ होता है :	**От** дóма до шкóлы чéтверть киломéтра. **От** дéрева ложи́тся дли́нная тень. Получи́л письмó **от** бра́та. Пришёл **от** това́рища. Привéт **от** сестры́.
२. कारण :	Ребёнок запры́гал **от** ра́дости. Запла́кал **от** оби́ды Не мог говори́ть **от** волнéния. Дерéвья побелéли **от** и́нея. Трава́ погорéла **от** сóлнца. Человéк, смýглый **от** зага́ра.
३. किसी व्यक्ति या वस्तु के विपरीत या विरुद्ध या उसे हटाने के लिए :	Лекáрство **от** ревмати́зма, **от** головнóй бóли. Раски́дистая ель защища́ла **от** сóлнца. ध्यान दीजिये: उपसर्ग **от** के द्वारा तारीख सूचित की जा सकती है (प्राय: सरकारी कागजों में) : Резолю́ция **от** пя́того сентября́. Постановлéние прави́тельства **от**.... Протокóл собра́ния **от**.. . Письмó **от** 10 а́вгуста. · Дли́нная тень ложи́лась **от** гор на стéпи.. (Л. Т.)

	От дере́вьев, от кусто́в, от высо́ких стого́в се́на — ото всего́ побежа́ли дли́нные те́ни .. (Т) Его́рушка лежа́л на тюке́ и дрожа́л от хо́лода . (Ч) Волчи́ха вздра́гивала от мале́йшего шу́ма. . (Ч) От ра́дости Кашта́нка пры́гала .. Кашта́нка взви́згнула от восто́рга.. (Ч) Но́ги подка́шивались подо мно́й от уста́лости. (Т) Дубо́вый листо́к оторва́лся от ве́тки роди́мой И в степь укати́лся, жесто́кою бу́рей гони́мый; Засо́х и увя́л он от хо́лода, зно́я и го́ря И вот, наконе́ц, докати́лся до Чёрного мо́ря... (Л) Когда́ со́лнце поднима́ется над луга́ми, я нево́льно улыба́юсь от ра́дости .. (М. Г.) Ми́лый друг! От преступле́нья, От серде́чных но́вых ран, От изме́ны, от забве́нья Сохрани́т мой талисма́н! (П.)
о́коло मुख्य अर्थ: १. व्यक्ति या वस्तु का नैकट्य:	Самолёт спусти́лся о́коло ле́са. Ле́том я жил о́коло мо́ря. Тропи́нка вила́сь о́коло доро́ги.
२. समय या माप का अंदाज द्योतन के लिए (प्राय: ме́ньше, чем के अर्थ में):	Мы прошли́ о́коло пяти́ киломе́тров. (अर्थ है: почти́ пять киломе́тров) Бу́ду до́ма о́коло двух часо́в.

	Я сиде́л в берёзовой ро́ще о́сенью, о́коло полови́ны сентября́... (Т.)
по́сле	По́сле уро́ка пойду́ к това́рищу. По́сле рабо́ты пое́ду отдыха́ть. Всё зазелене́ло по́сле дождя́.
посреди́	Посреди́ пло́щади стои́т па́мятник. Всё жи́во посреди́ степе́й... (П) (अर्थ है: в степя́х).
про́тив मुख्य अर्थ:	
१. स्थानगत संबंध (अर्थात् स्थान का द्योतन):	Про́тив моего́ окна́ растёт берёза. Про́тив теа́тра стои́т па́мятник.
२. विपरीत दिशा को जाना:	Мы плы́ли про́тив тече́ния. Шёл про́тив ве́тра
३. किसी व्यक्ति या वस्तु का विरोध:	Выступа́ть про́тив предложе́ния. Голосова́ть про́тив резолю́ции
ра́ди	Ра́ди свобо́ды свое́й Ро́дины наро́д гото́в идти́ на тяжёлые испыта́ния.
среди́ (средь) मुख्य अर्थ:	
१. स्थान:	Среди́ по́ля сиротли́во стоя́ла берёза (посреди́ का पर्यायवाची) Доро́га тяну́лась среди́ бесконе́чных поле́й. Лю́ди вози́лись среди́ камне́й и утёсов
२. समय:	Ребёнок просну́лся среди́ но́чи и запла́кал
३. अन्य व्यक्ति, वस्तु:	Среди́ на́ших ученико́в не́сколько отли́чников Среди́ делега́тов на конфере́нции мно́го же́нщин.
४. किसी के बीच:	Культу́рно-ма́ссовая рабо́та среди́ строи́телей. Я уже́ реши́лся ночева́ть среди́ степи́... (П)

у

मुख्य अर्थ:

१ किसी के संबंध से नैकट्य की परिस्थिति:	(क) Стол стои́т у окна́. Сиде́ли у костра́. Жить ле́том у мо́ря Маши́на останови́лась у са́мого до́ма (во́зле, вблизи́, о́коло के पर्यायवाची) (ख) Был у до́ктора Был на приеме у дире́ктора Жил ле́том у бра́та. उक्ति पर ध्यान दीजिये: стоя́ть у вла́сти।
२. स्वामित्व (अधिकार) का संबंध:	(क) У орла́ могу́чие кры́лья. У лисы́ пуши́стый хвост. У бра́та краси́вый го́лос У меня́ интере́сная кни́га (ख) У това́рища мно́го рабо́ты. У меня́ боли́т зуб
३ उत्पत्ति या प्राप्ति के स्रोत के अभिव्यजन के लिए:	Взял у това́рища кни́гу Вы́играл у бра́та па́ртию в ша́хматы.

Жил стари́к со свое́ю стару́хой
У са́мого си́него мо́ря.. (П)

Утих ау́л на со́лнце спят
У са́клей псы сторожевы́е (П)

Кавка́з подо мно́ю Оди́н в вышине́
Стою́ над снега́ми у кра́я стремни́ны (П)

И пусть у гробово́го вхо́да
Млада́я бу́дет жизнь игра́ть
И равноду́шная приро́да
Красо́ю ве́чною сия́ть (П)

У стра́ха глаза́ велики́ (कहावत)

II. सबध कारक के साथ और अन्य कारको में भी प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग (दूसरे कारको के विषय मे टिप्पणी देखिये) :	Взял кни́гу со стола́ Снял пальто́ с ве́шалки С о́зера пове́яло прохла́дой Пришёл с собра́ния, с рабо́ты, с уро́ка. Получи́л письмо́ с Ро́дины.
с (со)	
१. स्थान संबंध (प्राय. स्थान जहा से कोई चीज अलग होती है *откýда?* प्रश्न पर):	टिप्पणी. उपसर्ग с (प्रश्न *откýда?*), उपसर्ग на (प्रश्न *где?*) सबद्ध है Был на Кавка́зе Прие́хал с Кавка́за
२. समय संबंध से संबंधित (प्रश्न *с како́го вре́мени?*):	Занима́юсь с утра́ К экску́рсии на́до пригото́виться с ве́чера Врач принима́ет с десяти́. Заня́тия в шко́ле начну́тся с сентября́ С о́сени запишу́сь в библиоте́ку Любо́вь к кни́ге с де́тства, с ю́ности
३. कारण:	Запла́кал с го́ря (от горя भी कहा जा सकता है). Сказа́л со зло́сти Рассерди́лся ни с того́, ни с сего́
४. क्रिया का आधार:	С разреше́ния, с позволе́ния, с согла́сия, с одобре́ния. Ушел с разреше́ния преподава́теля
५. हिसाब की रकम, या मद या इकाई:	Собра́ли прекра́сный урожа́й пшени́цы 32 це́нтнера с гекта́ра.
६. अन्य अर्थ:	Перевести́ с ру́сского языка́ на хинди. Получи́ть со всех чле́нов взно́сы Взять го́род с бо́ю. प्रयुक्त मुहाविरे· с ча́су на час; со дня на́ день; с мину́ты на мину́ту (Жду его́ с мину́ты на мину́ту. Он мо́жет прие́хать

со дня на́ день); с то́чки зре́ния.

С реки́ доно́сится шум и плеск воды́.. (М. Г)

С горы́ бежи́т пото́к прово́рный . (Тютч)

Уж ме́ркнет со́лнце за гора́ми;
Вдали́ разда́лся шу́мный гул,
С поле́й наро́д идет в ау́л (П)
Октя́брь уж наступи́л—уж ро́ща отряха́ет
После́дние листы́ **с наги́х свои́х ветве́й** (П)
Уж **с утра́** пого́да зли́тся (П)
Марты́шка тут **с доса́ды и печа́ли**
О ка́мень так хвати́ла их,
Что то́лько бры́зги засверка́ли (Кр)
Вы́пьем **с го́ря**, где же кру́жка?
Се́рдцу бу́дет веселе́й . (П)

टिप्पणी : उपसर्ग с का प्रयोग कर्म कारक (देखिये तालिका ३०) और करण कारक (देखिये तालिका ३१) के साथ भी होता है।

ме́жду (меж)

Меж круты́х бережко́в Во́лга-ре́чка течет (लोक गीत से)

Отто́ль сорва́лся раз обва́л
И с тя́жким гро́хотом упа́л,
И всю тесни́ну **ме́жду скал**
Загороди́л,
И Те́река могу́чий вал
Останови́л.. (П)
Брожу́ ли я вдоль у́лиц шу́мных,
Вхожу́ ль во многолю́дный храм,
Сижу́ ль **меж ю́ношей безу́мных**,
Я предаю́сь мои́м мечта́м . (П)

टिप्पणी : उपसर्ग ме́жду (меж) के साथ संबंध कारक का प्रयोग मुख्यतया लोक गीतों में, कहावतों में, विशेष उक्तियों में (заблуди́лся ме́жду двух со́сен, сиди́т ме́жду двух сту́льев) और कभी कभी साहित्य में होता है। बोलचाल की भाषा में और इसी प्रकार साहित्य में ме́жду (меж) उपसर्ग का प्रयोग करण कारक के साथ होता है (देखिये तालिका ३१)।

तालिका २६

उपसर्ग और सम्प्रदान कारक

I उपसर्ग जो केवल सम्प्रदान कारक के साथ प्रयुक्त होते हैं: к (ко) मुख्य अर्थ:	
१. किसी व्यक्ति या वस्तु की ओर दिशा निर्देश या नैकट्य (स्थान या समय की दृष्टि से):	(अ) Подошёл к доске́ Подъе́хал к шко́ле Ло́дка приста́ла к бе́регу. Лётчик ведёт самолёт к го́роду Иду́ к до́ктору Сад спуска́ется к реке́. Путь к побе́де Гото́виться к (подгото́вка к .). Мы гото́вимся к экза́менам Стреми́ться к (стремле́ние к) Он стреми́тся к зна́нию Относи́ться к .. (отноше́ние к ..). Он серьёзно отно́сится к свои́м обя́занностям Обраща́ться к ... (обраще́ние к) Обра-

ща́юсь к това́рищу за по́мощью Обраще́ние ко всем гра́жданам. Присоединя́ться к .. (присоедине́ние к .). Присоединя́юсь к ва́шей гру́ппе. Привыка́ть к . (привы́чка к ..) Привы́к к здё́шнему кли́мату. Принадлежа́ть к . (принадле́жность к ..). Това́рищ принадлежи́т к юнна́тской организа́ции (अर्थ है · член организа́ции) Он принадлежи́т к лу́чшим ученика́м шко́лы

टिप्पणी : यदि किसी पदार्थ का स्वामित्व द्योतित किया जाता है तो क्रिया принадлежа́ть का प्रयोग बिना उपसर्ग к के होता. है Эта кни́га принадлежи́т бра́ту। .

२ अन्य अर्थ :

(आ) Приду́ к трём часа́м К ве́черу зако́нчу рабо́ту. К ию́лю мы должны́ верну́ться.

Марты́шка к ста́рости слаба́ глаза́ми ста́ла . (Кр.)

К ча́ю, к за́втраку · (К ча́ю нам да́ли пиро́жное)

प्रयुक्त उक्तियां. (क) к сожале́нию, к сча́стью, к несча́стью .. (ख) Это вам не к лицу́, (ग) К вопро́су о . (प्राय. लेख के शीर्षक के रूप में).

Но́чью мы подъе́хали к ма́ленькой ста́нции (Л)

Кто́-то спуска́лся к исто́чнику (Л)

Плуто́вка к де́реву на цы́почках подхо́дит (Кр)

क्रमश.

	Ягнёнок в жа́ркий день зашёл к ручью́ напи́ться. (Кр) Гусе́й крикли́вых карава́н тяну́лся к ю́гу (П) Будь наш, привы́кни к на́шей до́ле, Бродя́щей бе́дности и во́ле (П) Ре́ки стремя́тся к мо́рю, желе́зо стреми́тся к магни́ту, тра́вы стремя́тся к со́лнцу Пти́цы стремя́тся на юг А лю́ди стремя́тся к сча́стью Они́ стремя́тся к пра́вде, сердца́ их стремя́тся к дру́жбе (Дж)
благодаря́	Благодаря́ по́мощи това́рища я зако́нчил рабо́ту в срок Благодаря́ хоро́шей пого́де экску́рсия была́ о́чень уда́чной Благодаря́ весе́нним дождя́м урожа́й был прекра́сный
согла́сно	Согла́сно постановле́нию прави́тельства от Согла́сно статье́ Конститу́ции Согла́сно распоряже́нию дире́ктора .. Согла́сно резолю́ции суда́ Согла́сно директи́вам टिप्पणी : सरकारी कागजो मे согла́сно का प्रयोग सबध कारक के साथ होता है (согла́сно распоряже́ния), किन्तु साहित्यिक आदर्श सम्प्रदान कारक के प्रयोग का है।
навстре́чу	Чле́ны экспеди́ции шли навстре́чу всем опа́сностям

क्रमश

Уж на равни́не, по холма́м
Грохо́чут пу́шки Дым багро́вый
Клуба́ми всхо́дит к небеса́м
Навстре́чу у́тренним луча́м. (П)

наперекóр
вопреки́

Он все де́лает **наперекóр** мне

Вопреки́ сове́ту врача́, он встал с посте́ли **Вопреки́ всем тру́дностям,** экспеди́ция вы́полнила зада́ние **Вопреки́ зако́ну**

Вопреки́ предсказа́нию моего́ спу́тника, пого́да проясни́лась (Л)

Рассу́дку вопреки́, наперекóр стихи́ям (Гриб)

टिप्पणी . ऐसा नही कहा जा सकता: **Вопреки́ дождю́,** я пошел гуля́ть ऐसा कहना चाहिए Несмотря́ на до́ждь, я пошел гуля́ть **Вопреки́** का प्रयोग प्रधानतया उन परिस्थितियो मे होता है जब कि मनुष्य के विरोध मे किसी दूसरे की दृढ 'इच्छा हो या ऐसी कठिनाई हो जिसपर विजय पाना आवश्यक है।

II उपसर्ग जिनका सम्प्रदान कारक के साथ साथ अन्य कारको मे भी प्रयोग होता है (अन्य कारको के विषय मे टिप्पणिया देखिये) :

Шёл **по у́лице, по бульва́ру, по бе́регу** реки́ Броди́л **по́ лесу** Ехал **по равни́не** Слезы теку́т **по щека́м.**

по

मुख्य अर्थ :

१. स्तर या सतह पर गति :

Ту́ча **по́ небу** идёт,
Бо́чка **по́ морю** плывёт . (П)

Цыга́ны шу́мною толпо́й **по Бесса́рабии** кочу́ют . (П)

По доро́ге зи́мней, ску́чной
Тро́йка бо́рзая бежи́т (П)

Дождя́ отшуме́вшего ка́пли
Тихо́нько **по ли́стьям** текли́ (А Т)

क्रमश·

२ किसी वस्तु पर प्रहार:	Уда́рил по столу́, по руке́ Уда́рил вожжо́й по ло́шади Дождь бараба́нит по кры́ше. Кот сильне́е вы́гнул спи́ну, зашипе́л и уда́рил Кашта́нку ла́пой по голове́ (Ч) Глу́хо бьют по воде́ спи́цы колес парохо́дов .., где́-то бьёт мо́лот по желе́зу, зауны́вно тя́нется пе́сня . (М Г) Кру́пные ка́пли дождя́ ре́зко застуча́ли и зашлёпали по ли́стьям (Т)
३ कार्य का स्थान.	
(क) पूर्ण से सवधित:	Прика́з по шко́ле, по институ́ту.
(ख) भिन्न स्थल या विन्दु पर.	По фа́брикам, по заво́дам устра́ивались ми́тинги (यह कहना अधिक प्रचलित है На фа́бриках, на заво́дах, во всех учрежде́ниях устра́ивались ми́тинги.)
(ग) एक विदु या स्थल से दूसरे विन्दु या स्थल को:	Хожу́ по магази́нам, покупа́ю кни́ги. Коми́ссия ходи́ла по фа́брикам и заво́дам (इस परिस्थिति में ऐसा नहीं कहा जा सकता · на фа́бриках, इत्यादि)।
४. कार्य की निश्चित समय में आवृत्ति होती है (प्रश्न *когда́?*):	До́ктор принима́ет по вто́рникам и суббо́там Рабо́таю по вечера́м (ऐसा नहीं कहा जा सकता. по дням, यह कहा जा सकता है· по це́лым дням, किन्तु ऐसी उक्ति का दूसरा अर्थ होता है।)
५ कारण:	Пропусти́ть заня́тия по боле́зни, по уважи́тельной причи́не Сде́лал

	э́то **по глу́пости, по неосторо́жности, по небре́жности, по рассе́янности.**
६ कार्य का प्रकार, विशेषता :	Специали́ст **по матема́тике, по фи́зике, по исто́рии** Прекра́сная рабо́та **по геогра́фии** Он то́карь **по мета́ллу** Соревнова́ние **по футбо́лу, по лы́жам** Общество **по распростране́нию** полити́ческих и нау́чных зна́ний
७ इस अर्थ मे по :	
(क) आधार या योजना के अनुरूप :	Рабо́таем **по пла́ну** По́езд отхо́дит **по расписа́нию** Фильм «Петр I» сде́лан **по рома́ну** А Толсто́го Мы избира́ли себе́ труд **по призва́нию,** профе́ссию **по душе́,** подру́гу **по се́рдцу** (Горб.) प्रयुक्त उक्तिया. по прика́зу, по сообще́нию, по све́дениям, по мне́нию, по преда́нию, по слу́хам
(ख) किसी निश्चित दिशा के अनुरूप या अनुसार :	Мы плы́ли **по тече́нию** Охо́тник шел **по следа́м** зве́ря **По но́вому, социалисти́ческому пути́** пошло́ разви́тие се́льского хозя́йства Все наро́ды СССР плечо́ к плечу́ уве́ренно и твердо иду́т **по пути́** к коммуни́зму.
८ संबंध या नैकट्य निर्देशन के लिए :	Ро́дственники **по ма́тери, по отцу́** Това́рищ **по шко́ле** Челове́к, бли́зкий мне **по убежде́ниям**
९ प्रति व्यक्ति एक एक पदार्थ बाटना :	Да́йте нам, пожа́луйста, **по каранда́шу** и **по тетра́ди** На пра́зднике ка́ждый из ученико́в получи́л **по кни́ге**
१०. इन प्रयोगो में :	По по́чте, по телегра́фу, по телефо́ну.

क्रमश.

	Пошлю́ де́ньги по по́чте и́ли по телегра́фу Говори́л по телефо́ну. टिप्पणी: по उपसर्ग का प्रयोग कर्म कारक (देखिये तालिका ३०) और अधिकरण कारक (देखिये तालिका ३२) के साथ भी होता है।

तालिका ३०

उपसर्ग और कर्म कारक

I. केवल कर्म कारक के साथ प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग	Я смотрю́ на его́ веселое лицо́ и вспомина́ю ба́бушкины ска́зки про Ива́на-царе́вича, про Ива́нушку-дурачка́. (М Г)
про	А кто про доброту́ лишь в у́ши всем жужжи́т, Тот ча́сто то́лько добр на счёт друго́го . (Кр) टिप्पणी: про उपसर्ग के साथ इसी अर्थ में о(об) उपसर्ग भी प्रयुक्त होता है: Расскажу́ об экску́рсии।
сквозь	Сквозь тума́н и ту́чи самолеты насто́йчиво пробива́ются вперёд Сквозь сыру́ю мглу ту́скло свети́ли огни́ Сквозь кры́шу протека́ла вода́ Все мы неда́ром сквозь бу́рю и пла́мя Шли за еди́нство и мир (Фр.) Сквозь волни́стые тума́ны пробира́ется луна́ (П)

क्रमशः

	Я бы́стро отдёрнул занесённую но́гу и сквозь едва́ прозра́чный су́мрак но́чи увида́л далеко́ под собо́ю огро́мную равни́ну (Т) Ме́сяц смо́трит сквозь се́тку ветве́й (Ник) Сквозь кусты́ гляде́л вече́рний луч (Л) Он уви́дел её голо́вку сквозь золоту́ю се́тку коло́сьев . (Т) Сквозь стекля́нную дверь видна́ была́ ко́мната (Ч) В неда́вно раскалённом во́здухе сквозь ночну́ю све́жесть чу́вствовалась ещё теплота́ (Т) विशेष उक्तियाँ : Смотре́ть сквозь па́льцы Смех сквозь слёзы.
че́рез (чрез) मुख्य अर्थ : १ स्थान (एक ओर से दूसरी ओर) :	Перешёл че́рез у́лицу Постро́или мост че́рез ре́ку Че́рез руче́й ну́жно бы́ло переправля́ться вброд Че́рез вра́жеские пози́ции партиза́ны пробира́лись ле́сом Че́рез доро́гу был протя́нут про́вод
२. उपसर्ग сквозь का पर्यायवाची :	Еле заме́тная тропи́нка вела́ че́рез почти́ непроходи́мую чащу́ Тури́сты прошли́ че́рез лес Кровь сочи́лась че́рез ма́рлю (сквозь ма́рлю)
३. समय :	(क) Приду́ че́рез час Уро́к ко́нчится че́рез пять мину́т Че́рез год уе́ду на пра́ктику (ख) Че́рез ка́ждые де́сять мину́т звони́л телефо́н

क्रमशः

४. किसी व्यक्ति या वस्तु की सहायता से :	Он передáл мне письмó чéрез сестрý Объявлéния бы́ли сдéланы чéрез газéту Там в облакáх пéред нарóдом Чéрез лесá, чéрез моря́ Колдýн несёт богатыря́ .. (П) В рекóрдно корóткий срок чéрез непроходи́мые лесá и болóта был прolóжен канáл. Услы́шал он удáры топорá и чéрез минýту треск повали́вшегося дéрева (Т) खास उक्तिया : Нáдо пройти́ чéрез всё, чéрез все трýдности
II कर्म कारक के साथ साथ अन्य कारको में प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग (दूसरे उपसर्गों के विषय में टिप्पणी देखिये) : в, на, за, под (пóдо) स्थान निर्देशन के लिए (प्रश्न *кудá?*) :	Идý в теáтр Идý на собрáние. Едý в дерéвню Лéтом поéду в Крым и́ли на Кавкáз Сéли под дéрево Стáли под навéс Положи́л письмó под кни́гу Сóлнце спря́талось за тýчи ’ Я стал почти́ кáждый день проси́ть бáбушку. «Пойдем в лес!» (М. Г) Голóдная кумá-лисá залéзла в сад (Кр) . Лéбедь рвется в облакá, Рак пя́тится назáд, а Щýка тя́нет в вóду (Кр) Сóлнце скры́лось за небольшýю оси́новую рóщу . (Т) Прогля́нет день как бýдто поневóле И скрóется за край окрýжных гор (П)

	Я прилег **под обгло́данный ку́стик** и стал глядéть кругóм (П) Журчá еще бежи́т **за** мéльницу ручéй. Но пруд ужé засты́л (П)
в	
१ समय निर्देशन (प्रश्न *когдá?*).	Собрáние бýдет **в срéду, в семь часóв вéчера** **В э́ту минýту** он вошел в кóмнату **В день** 1 Мáя бýдет большáя демонстрáция Мы охóтились **в сéрый пáсмурный день.** Уны́ло вóет вéтер **в дождли́вую холóдную óсень** **В тот год** осéнняя погóда Стоя́ла дóлго на дворé... (П) Однáжды, **в студёную зи́мнюю пóру** Я и́з лесу вы́шел .. (Некр.) टिप्पणी. समय सूचन में मास या वर्ष के लिए अधिकरण कारक का प्रयोग होता है Снег вы́пал тóлько **в январé.** (П) В ты́сяча девятьсóт сóрок седьмóм годý (देखिये तालिका ३२)।
२. कार्य पूर्ण करने की अवधि	Сдéлал рабóту **в день (в недéлю, в мéсяц, в год)** **В однý минýту** сбежáлись все.
на	
१ अवधि सूचन. (प्रश्न कितने समय के लिए?)	Уéду в дерéвню **на недéлю** Взял рабóту **на лéто.**

२. для के अर्थ में.

На э́ту рабо́ту ну́жно 10 дней. На подгото́вку к экспеди́ции ушло́ два ме́сяца

३ अन्तर स्पष्ट करने के लिए:

Това́рищ на́ голову вы́ше меня́. Они́ прие́хали на неде́лю ра́ньше Моя́ ко́мната бо́льше ва́шей на оди́н квадра́тный метр

४ походи́ть, похо́ж इन शब्दों के साथ समानता निर्देशन के लिए:

Ребенок похо́ж на отца́
Мы побежа́ли наве́рх одева́ться так, что́бы как мо́жно бо́лее походи́ть на охо́тников (Л Т)

टिप्पणी. उपसर्ग в, на का अधिकरण कारक के साथ भी प्रयोग होता है (देखिये तालिका ३२)।

за

१ किसी वस्तु या व्यक्ति के हित में किये जानेवाले सघ या कार्य का लक्ष्य-निर्देशन

Бо́ремся за выполне́ние пла́на, за дисципли́ну (борьба́ за выполне́ние пла́на, за дисципли́ну) Боро́ться за свобо́ду и незави́симость свое́й страны́ Голосова́ть за резолю́цию, за предложе́ние Вы́сказаться за предложе́ние

टिप्पणी. प्राकृतिक या शारीरिक गति की क्रियाओं के बाद लक्ष्य-निर्देशन में कर्म कारक का प्रयोग न होकर करण कारक का प्रयोग होता है *Я* ходи́л за хле́бом. (देखिये तालिका ३१)।

Уж постои́м мы головóю
За ро́дину свою́! (Л)
Смеле́й, вперед за мир! (Жар)

Патриоти́ческий долг молоды́х специали́стов—идти́ в пе́рвых ряда́х

	сла́вных борцо́в за техни́ческий прогре́сс, за но́вые побе́ды в нау́ке Мы зна́ем, что у нас о́чень мно́го друзе́й, и, голосу́я за мир, мы голосу́ем за бра́тство наро́дов, за сча́стье всех тру́жеников, где бы они́ ни жи́ли. (Эрен)
२. कारण :	Това́рищ получи́л пре́мию за уда́рную рабо́ту
३ किसी की जगह, पारी :	Сде́лай э́то за меня́ Купи́л кни́гу за рубль
४ समय का निश्चित अश (या टुकडा):	За э́ту зи́му я мно́го раз побыва́л в теа́тре За э́тот год я ни ра́зу не́ был в дере́вне За после́днее вре́мя я прочита́л мно́го книг.
५ कुछ आरम्भ करने के अर्थ मे (कतिपय क्रियाओ के बाद):	Приня́ться за рабо́ту. Взя́ться за де́ло. Сел за кни́гу.
६. कृतज्ञता ज्ञापन के अर्थ मे :	Спаси́бо за кни́гу, за письмо́, за приве́т Благодарю́ за внима́ние Но так и быть прости́мся дру́жно, О ю́ность легкая моя́! Благодарю́ за наслажде́нья, За грусть, за ми́лые муче́нья, За шум, за бу́ри, за пиры́, За все, за все твои́ дары́... (П)
под	
१. किसी वस्तु के सबध में निश्चय द्योतन के अर्थ मे :	Эту ко́мнату отвели́ под библиоте́ку, а ту—под чита́льный зал Этот уча́сток отвели́ под огоро́ды, а тот—под па́шню Эту ба́нку я возьму́ под

क्रमश:

	молокó (यह रूप अधिक प्रचलित है для молокá—для के साथ सबंध कारक)
२ (उपारम्भ) наканýне के अर्थ में :	Под Нóвый год мы устрóили елку Под выходнóй день я всегдá уезжáю зá город
३. सहचालित कार्य द्योतन के लिए:	Мы шли под мýзыку Товáрищ закóнчил свою речь под аплодисмéнты Под раскáты грóма зашумéл ли́вень Прия́тно засыпáть под шум дождя́ Я задремáл под ти́хое журчáнье ручейкá मुख्य मुहाविरा отдáть под суд (Престýпника óтдали под суд) टिप्पणी उपसर्ग за, под करण कारक के साथ भी प्रयुक्त होते है (देखिये तालिका ३१)।
по	
१ वस्तु वितरण, किन्तु एक नही (एक से अधिक):	Дáйте всем пó три карандашá и по пя́ть тетрáдей टिप्पणी १ एक एक वस्तु वितरण मे सम्प्रदान कारक का प्रयोग होता है Кáждый получи́л по карандашý। २. वस्तु वितरण (किन्तु एक एक नही) मे ь मे समाप्त होनेवाली सख्याओ का भी सम्प्रदान कारक में प्रयोग हो सकता है (пять, шесть, семь, इत्यादि) Дáйте всем по пяти́, шести́, इत्यादि тетрáдей (किन्तु ऐसा नही कहा जा सकता है по трём, по четырём इत्यादि)।
२. मूल्य-निर्देशन :	Прошý четы́ре билéта по двáдцать копéек (किंतु оди́н билéт за двáдцать यह भी कर्म कारक).
३ अवधि-निर्देशन :	Получи́л óтпуск по деся́тое ию́ля (अर्थ है: включи́тельно, то есть до

	оди́ннадцатого ию́ля) Отчёт по пя́тое а́вгуста.
४. किसी प्रकार का सीमा-निर्देशन :	Вошёл в во́ду по ше́ю विशेष मुहाविरे : Рабо́ты по го́рло; за́нят по го́рло Влюблён по́ уши. Сосе́душка, я сыт по го́рло (Кр) Жура́вль свой нос по ше́ю Засу́нул во́лку в пасть (Кр) Че́рез мгнове́нье мы стоя́ли в воде́ по го́рло . (Т)
५. लोक भाषा में लक्ष्य-निर्देशन के लिए (за के साथ करण कारक के स्थान):	Пошёл по́ воду, по грибы́, по я́годы (अर्थ है· пошёл за водо́й, за гриба́ми, за я́годами). Спустя́ ле́то по мали́ну не хо́дят (कहावत) टिप्पणी : по उपसर्ग का प्रयोग सम्प्रदान कारक (देखिये तालिका २९) और अधिकरण कारक (देखिये तालिका ३२) के साथ भी होता है।
с (со)	
१. माप का करीवन अंदाज़ :	Яблоко с кула́к. Ма́льчик с па́льчик.
२ लगभग अवधि :	Пробу́ду в дере́вне с ме́сяц (कहा जा सकता है . почти́ ме́сяц या о́коло ме́сяца). टिप्पणी · उपसर्ग с सवध कारक (देखिये तालिका २८) और करण कारक (देखिये तालिका ३१) के साथ भी प्रयुक्त होता है।
о (об)	
वस्तु-निर्देशन के लिए जिससे चोट या टकराहट होती है	Уда́рился об сто́л Ло́дка уда́рилась о ка́мень Парохо́д разби́лся о ска́лы Во́лны плеска́лись о борта́ ло́дки Марты́шка тут с доса́ды и печа́ли О ка́мень так хвати́ла их, Что то́лько бры́зги засверка́ли (Кр)

क्रमशः

	Дробя́сь о мра́чные скалы́, Шумя́т и пе́нятся валы́... (П) Мо́ре глу́хо рокота́ло, и во́лны би́лись о бе́рег бе́шено и гне́вно .. (М. Г.) Со скре́жетом ударя́ли о ка́мень мостово́й ко́ваные копы́та . (Н. Остр.) टिप्पणी о उपसर्ग का प्रयोग अधिकरण कारक के साथ भी होता है (देखिये तालिका ३२)।

तालिका ३१

उपसर्ग और करण कारक

I केवल करण कारक के साथ प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग: **над (на́до)**	Со́лнце поднима́лось над го́родом. Над реко́й тума́н сгусти́лся. Ли́стья шуме́ли над мое́й голово́й. Облака́ бегу́т над мо́рем . (Яз) Ве́село сия́ет ме́сяц над село́м .. (Ник) Па́хнет се́ном над луга́ми... (М) Ястреб пролете́л высоко́ над да́льним ле́сом. (Л. Т) Не ве́тер бушу́ет над бо́ром, Не с гор побежа́ли ручьи́. Моро́з-воево́да дозо́ром Обхо́дит, владе́нья свои́. (Некр.) Над Нево́ю ре́зво вью́тся Фла́ги пёстрые судо́в .. (П.) Летя́т над мра́чными леса́ми,
२. अस्तित्व, किसी वस्तु पर स्वामित्व:	Летя́т над ди́кими гора́ми, Летя́т над бе́здною морско́й.. (П.) Утки лете́ли над сжа́тыми поля́ми, над пожелте́вшими леса́ми и над дере́внями. (Гаршин)

пе́ред (пе́редо),
пред (пре́до)

मुख्य अर्थ.

१. स्थान.

Пе́ред шко́лой тени́стый ма́ленький сад Пе́ред о́кнами цветы́

२. समय:

Пе́ред заседа́нием зайду́ к тебе́. Пе́ред рассве́том начала́сь гроза́.

३. अन्य अर्थ·

Пе́ред на́ми стоя́т больши́е зада́чи Отве́тственность пе́ред наро́дом. Обя́занность пе́ред о́бществом. Долг пе́ред наро́дом.

Пе́ред молоды́ми специали́стами широко́ откры́та доро́га к свобо́дному труду́ и тво́рчеству

Не отступа́ть пе́ред тру́дностями Сохраня́ть споко́йствие пе́ред лицо́м опа́сности.

Киби́тка останови́лась пе́ред деревя́нным до́миком .. (П)

Люблю́ песча́ный косого́р,
Пе́ред избу́шкой две ряби́ны,
Кали́тку, сло́манный забо́р,
На не́бе се́ренькие ту́чи,
Пе́ред гумно́м соло́мы ку́чи
Да пруд под те́нью ив густы́х—
Раздо́лье у́ток молоды́х (П)

На хо́лмах Гру́зии лежи́т ночна́я мгла,
Шуми́т Ара́гва пре́до мно́ю. (П)

II करण कारक के साथ अन्य कारको के साथ भी प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग (अन्य कारको के सवंध मे टिप्पणिया देखिये):

Разгова́риваю с преподава́телем.

с

मुख्य अर्थ:

१. सयुक्तता (किसी केसाथ):

Спо́рю с това́рищем Отпра́влюсь с бра́том на охо́ту

क्रमशः

	Отпра́вился на охо́ту с ружьём. Он челове́к с прекра́сным хара́ктером. Тепе́рь в каре́льских леса́х вы́росли благоустро́енные лесны́е посёлки с прекра́сными дома́ми, клу́бами, шко́лами, больни́цами, столо́выми, магази́нами.
३. про́тив के अर्थ मे.	Боро́ться с враго́м. Боро́ться с тру́дностями
४. क्रिया का स्वरूप, अन्य कार्य के साथ होनेवाला कार्य :	Он сказа́л э́то с улы́бкой. Чита́ю газе́ту с больши́м внима́нием С удово́льствием сде́лаю э́то. Грачи́ с кри́ком кружи́ли над дере́вней Соба́ки с ла́ем вы́бежали нам навстре́чу.
५. समय, किसी समय में साथ साथ :	Пти́цы просыпа́ются с зарёй. Встаю́ с восхо́дом со́лнца.
६. मुबारकबाद :	Поздравля́ю с Но́вым го́дом! Поздравля́ю с сы́ном, с до́чкой. Поздравля́ю с оконча́нием шко́лы. Поздравля́ю с блестя́щими успе́хами.
	С свое́й волчи́хою голо́дной Выхо́дит на доро́гу волк. (П.)
	Пришёл не́вод с одно́ю ры́бкой, С не просто́ю ры́бкой, золото́ю... (П.)
	Лесо́в таи́нственная сень С печа́льным шу́мом обнажа́лась.. (П)
	С зарёю у́тки с лягу́шкой сно́ва пусти́лись в путь (Гаршин)
	टिप्पणी : с उपसर्ग का प्रयोग संबंध कारक (देखिये तालिका २८) और कर्म कारक के साथ (देखिये तालिका ३०) भी होता है।

क्रमश.

за, под
स्थान-निर्देशन (प्रश्न *где?*):

Мяч **под столо́м** За́яц **под кусто́м.** Самолеты **под облака́ми** Пальто́ **за две́рью** Сад **за до́мом** Со́лнце скры́лось **за ле́сом.** Река́ сверка́ет **под горо́й** Пе́сня раздается **за реко́й.** Живу́ **за́ городом,** под Москво́й (अर्थ है मास्को से बहुत दूर नहीं)

टिप्पणी: **Под Москво́й, под Ленингра́дом, под Ки́евом**—इस अर्थ मे **под** प्राय· व्यक्तिवाचक सज्ञाओ के साथ प्रयुक्त होता है, किन्तु:

Под са́мым го́родом было село́ Торгу́ево. (Ч.) **Под го́родом** का अर्थ है शहर के बाहर और उसके साथ साथ उससे लगा हुआ। सिर्फ़ го́род शब्द के साथ प्रयुक्त होता है (क्रियाविशेषण के रूप में)।

В селе́ **за реко́ю** поту́х огонёк. . (П.)
Спой мне пе́сню, как сини́ца
Ти́хо **за́ морем** жила́.. (П)

За до́мом лежа́ли два огро́мных глубо́ких пру́да **За пруда́ми** вверх по скло́ну подыма́лась ро́ща. . **За ро́щей** начина́лись поля́ны, заро́сшие по по́яс цвета́ми . (Пауст.)

Захрусте́ли **под нога́ми** сухи́е сосно́вые ши́шки, наруша́я ва́жную тишину́ . (М Г)

за
१. शारीरिक गति वाली क्रियाओ के बाद लक्ष्य द्योतन के लिए:

Иду́ **за хле́бом** Побежа́л **за до́ктором** Пришёл **за ша́хматами** Пошел в магази́н **за кни́гой.** Тигр охо́тился **за оле́нем**

	Покры́та бе́лою чадро́й, Княжна́ Тама́ра молода́я К Ара́гве хо́дит за водо́й. (Л)
२ किसी व्यक्ति या वस्तु के पीछे :	Так за слоно́м толпы́ зева́к ходи́ли . (Кр)
	टिप्पणी : केवल पूर्ण सदर्भ से ही जाना जा सकता है कि किस अर्थ में इस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है (प्रथम अर्थ, या द्वितीय अर्थ में). 'побежа́л за това́рищем (यह लक्ष्य प्रदर्शित कर सकता है कि साथी को पुकारने या उसे ले जाने को दौडा और साथी के पीछे दौड जाने का भाव भी प्रकट कर सकता है) ।
३, समय के बीच (कार्य का निर्देशन)—во *вре́мя* ·	Прочита́л газе́ту за за́втраком. За рабо́той он всегда́ сосредото́чен За рабо́той не замеча́ешь вре́мени. За ча́ем говори́ли о литерату́ре.
४. किसी कार्य मे व्यस्तता :	Сиди́т за уро́ками це́лыми дня́ми. Провожу́ вечера́ за чте́нием Сиди́т за кни́гой. Я его́ всегда́ застаю́ за рабо́той
५. कारण-निर्देशन :	सरकारी बातचीत में за неиме́нием... за отсу́тствием ..
под मुख्य अर्थ : १. किसी से युक्त :	По́ле под пшени́цей, под ро́жью. (अर्थ है · по́ле засе́яно пшени́цей, ро́жью).
	टिप्पणी Ба́нка из-под варе́нья. *Из-по́д* सबंध कारक के साथ (देखिये तालिका २८) ।

२. किसी के नीचे स्थित :	Под дождём, под со́лнцем, под я́сным не́бом Па́шка шёл с ма́терью под дождём (Ч) Под обстре́лом Мы до́лго находи́лись **под обстре́лом** (Вы́брались из-**под обстре́ла**)
३. निर्देशन व्यक्त करने-वाली उक्तियो मे :	Под руково́дством, под води́тельством, под зна́менем.
ме́жду (меж)	
मुख्य अर्थ :	
१. स्थान :	Стол стои́т **ме́жду окно́м и две́рью.** Река́ течет **ме́жду гора́ми** Пряма́я ли́ния—кратча́йшее расстоя́ние **ме́жду двумя́ то́чками.** **Ме́жду Ленингра́дом и Москво́й** 649 киломе́тров
२ समय सबधी (समय के बीच का अन्तर) :	**Ме́жду ле́кциями** студе́нты отдыха́ют
३ मध्यता (बीच) आदमियो के समूह का द्योतन ·	Карандаши́ и тетра́ди раздели́ли **ме́жду ученика́ми** Он жил **ме́жду на́ми**
४ पारस्परिक सबध द्योतन :	Догово́р **ме́жду двумя́ стра́нами.** Дру́жба **ме́жду наро́дами СССР.** Хоро́шие отноше́ния **ме́жду това́рищами**
५ भेद या अन्तर द्योतन :	**Ме́жду сестро́й и бра́том** больша́я ра́зница в хара́ктерах विशेष उक्तिया Пусть э́то оста́нется **ме́жду на́ми** Я сде́лаю э́то ме́жду **де́лом** Снача́ла шли по доро́ге ме́жду **ствола́ми** мо́щных со́сен (М Г) По траве́ **ме́жду чёрными** те́нями протяну́лись я́ркие по́лосы све́та (Ч)

क्रमशः

	Чуть ветерóк там ды́шит меж листáми. (Жук) Мéжду колёсами телéг, Полузавéшанных коврáми, Гори́т огóнь . (П) टिप्पणी: उपसर्ग мéжду (меж) का प्रयोग संबंध कारक के साथ भी होता है (देखिये तालिका २८)।

तालिका ३२

उपसर्ग और अधिकरण कारक

I. उपसर्ग जो केवल अधिकरण कारक में ही प्रयुक्त होते हैं:	
при	
मुख्य अर्थ.	
१. समय:	При цари́зме . При жи́зни
२. स्थान (निकट की स्थिति):	Жил при стáнции. Огорóд при дóме При институ́те хорóшая столóвая
३. परिस्थिति:	При желáнии, при свидéтелях, при старáнии, при учáстии, при пóмощи. При свидáнии пóсле дóлгой разлу́ки, как э́то всегдá бывáет, разговóр дóлго не мог установи́ться (Л. Т) При кáждом шáге вперёд мéстность изменя́лась. (Л Т) Чу́ден Днепр при ти́хой погóде!.. (Г.) Кто при звездáх и при лунé Так пóздно éдет на конé? . (П)

	При све́те со́лнца далеко́ и я́сно станови́лись видны́ предме́ты, то́чно покры́тые ла́ком (Л Т)
	Спой, све́тик, не стыди́сь! Что е́жели сестри́ца, **При красоте́ тако́й** и петь ты мастери́ца, Ведь ты б у нас была́ царь-пти́ца! (Кр)
II उपसर्ग जो अधिकरण के साथ साथ अन्य कारको मे भी प्रयुक्त होते है (दूसरे कारको के विषय मे टिप्पणी देखिये): **в, на** स्थान-निर्देशन (प्रश्न *где?*):	Брат рабо́тает **на заво́де** Ле́том я был **в дере́вне** **В степи́** бы́ло ти́хо, па́смурно (Ч) **На не́бе** га́снут облака́ (Тютч.) **В ро́ще** зву́чно щёлкал солове́й (Т) Везде́ рабо́та. **на гора́х, в доли́нах, ро́щах и луга́х..** (Жук)
в द्योतन के लिए:	
१. समय, मास या वर्ष (प्रश्न *когда́?*):	**В а́вгусте** я е́ду на пра́ктику Брат око́нчил институ́т **в 1947 году́**
२. आयु का अंश या भाग (अवस्था):	В де́тстве, в ю́ности, в мо́лодости, в ста́рости
३ मानसिक अवस्था :	В печа́ли, в го́ре, в гне́ве, в восто́рге Я **в восто́рге** от карти́ны Он был **в большо́м го́ре**
	टिप्पणी: उपसर्ग **в, на** कर्म कारक के साथ भी प्रयुक्त होते है (देखिये तालिका ३०)।

क्रमशः

о (об, обо) भाषण का विषय या चिन्तन का विषय द्योतन के लिए .	Слу́шали докла́ды о Пу́шкине и Го́голе Говори́ли о литерату́ре Ска́зка о рыбаке́ и ры́бке Пу́шкина Прочита́л кни́гу об Арктике. В газе́тах пи́шут о строи́тельстве гидроста́нции. Спо́рю о . Ду́маю о Мечта́ю о . Подписа́ние догово́ра о дру́жбе, о сотру́дничестве и о взаи́мной по́мощи. Слух обо мне́ пройдет по всей Руси́ вели́кой . (П) टिप्पणी : उपसर्ग о कर्म कारक के साथ भी प्रयुक्त होता है (देखिये तालिका ३०)।
по १. по́сле के अर्थ में .	По оконча́нии шко́лы поступлю́ в университе́т По прие́зде в дере́вню . टिप्पणी : по́сле के अर्थ मे по उपसर्ग का प्रयोग क्रियार्थक सज्ञा के साथ होता है और प्राय. सरकारी वातचीत में पाया जाता है : по истече́нии сро́ка, по рассмотре́нии де́ла, इत्यादि।
२. скуча́ть, тоскова́ть क्रियाओ के वाद सर्वनामो के साथ :	Я скуча́ю по вас, тоску́ю по вас. (सर्वनामो के साथ अधिकरण कारक का प्रयोग होता है। सज्ञाओ के साथ अधिकरण और सम्प्रदान दोनो का प्रयोग सभव है, тоскова́ть по това́рищу और по това́рище; скуча́ть по до́му और по до́ме; साहित्यिक भाषा मे सम्प्रदान कारक का प्रयोग अधिक मान्य है।) टिप्पणी . उपसर्ग по का प्रयोग इसके साथ साथ सम्प्रदान कारक (देखिये तालिका २९) और कर्म कारक (देखिये तालिका ३०) के साथ भी होता है।

संयुक्त तालिका ३३

कारकों के साथ अधिकतर प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग और उपसर्गवत् प्रयुक्त कतिपय शब्द

कारक	उपसर्ग		
	एक कारक के साथ	दो कारको के साथ	तीन कारको के साथ
सवध	без, близ, вдоль, вме́сто, вне, внутри́, во́зле, вокру́г, для, до, из, из-за́, из-по́д, кро́ме, ми́мо, накану́не, о́коло, от, по́сле, посреди́, про́тив, ра́ди, среди́, у	ме́жду (меж) (सवध कारक के साथ विरल रूप मे प्रयुक्त होता है)	с
सम्प्रदान	к, благодаря́, вопреки́, подо́бно, согла́сно, напереко́р, навстре́чу		по
कर्म	про, сквозь, че́рез	в, на, за, под, о (об)	с, по
करण	над, пе́ред	за, под, ме́жду (меж)	с
अधिकरण	при	в, на, о (об)	по

टिप्पणी उपसर्ग के समान अन्य शब्दो का भी प्रयोग होता है. **во вре́мя** (во вре́мя уро́ка, во вре́мя кани́кул; во вре́мя войны́); **в тече́ние** (в тече́ние го́да); **в продолже́ние** (в продолже́ние всего́ уче́бного го́да), **вслéдствие** (вслéдствие недоста́точной организо́ванности); **ввиду́** (ввиду́ необходи́мости, ввиду́ осложне́ний), **в си́лу** (в си́лу необходи́мости), **по ме́ре** (по ме́ре на́добности, по ме́ре разви́тия); **несмотря́ на** (несмотря́ на тру́дности, несмотря́ на запреще́ние, несмотря́ на дождь), इत्यादि इनमे से अधिक सरकारी बातचीत मे प्रयुक्त होते है।

संयुक्त तालिका ३४

कतिपय कारकों के साथ प्रयुक्त होनेवाले उपसर्ग (प्रयोग की आधारभूत परिस्थितियां)

उपसर्ग	सवध कारक	सम्प्रदान कारक	कर्म कारक	करण कारक	अधिकरण कारक
в			१. स्थान (प्रश्न *куда́?*) · Иду́ в теа́тр २. समय (प्रश्न *когда́?*) .Собра́ние в семь часо́в Уе́ду в э́ту ночь. ३ पूर्ण करने की अवधि : Сде́лаю в оди́н день.		१. स्थान (प्रश्न *где?*) Был в теа́тре २ समय वर्ष या मास की सूचना (प्रश्न *когда́?*) : Уе́ду в а́вгусте. Уе́ду в э́том году́.
на			१. स्थान (प्रश्न *куда́?*) Иду́ на фа́брику २ अवधि (कितने समय में) . Взял рабо́ту на всё ле́то ३ на अर्थ में . किसी के लिए निचिन На э́ту рабо́ту ну́жно 5 дней		१ स्थान (प्रश्न *где?*).: Рабо́таю на фа́брике

क्रमश

उपसर्ग	सबध कारक	सम्प्रदान कारक	कर्म कारक	करण कारक	अधिकरण कारक
			४ तुलना करने मे अतर या भेद का द्योतन. Моя́ ко́мната бо́льше твое́й на метр		
за			१ स्थान (प्रश्न *куда́?*) · Ма́льчик спря́тался за шкаф. २ अवधि (प्रश्न *за како́е вре́мя?*) За э́тот год я мно́гое сде́лал ३ सघर्ष का उद्देश्य Мы бо́ремся за мир ४. कारण (प्रश्न *почему́? за что?*): Получи́л пре́мию за хоро́шую рабо́ту.	१ स्थान (प्रश्न *где?*) Чемода́н за шка́фом २ उद्देश्य (शारीरिक गतिवाली क्रियाओ के बाद) Иду́ за хле́бом	

क्रमश:

उपसर्ग	सवध कारक	सम्प्रदान कारक	कर्म कारक	करण कारक	अधिकरण कारक
			५ किसी की जगह या वदली में . Сего́дня рабо́таю за това́рища Ивано́ва Купи́л кни́гу за три рубля́.		
под			१ स्थान (प्रश्न *куда́?*), Бро́сил мяч под стол २ समय (उपारम्भ के अर्थ में) Под выходно́й день я уезжа́ю на да́чу. ३ किसी चीज के लिए देना Эту ко́мнату отвели́ под библио́теку	१ स्थान (प्रश्न *где?*): Мяч под столо́м	

उपसर्ग	संबंध कारक	सम्प्रदान कारक	कर्म कारक	करण कारक	अधिकरण कारक
c(co)	१ स्थान (प्रश्न *откýда?*). Взял кни́гу со стола́. Пришел с собра́ния. २ अवधि (प्रश्न *с какóго врéмени?*): Нáчал рабóту с óсени ३. कारण: Он заболéл с гóря		१ लगभग समय: Прóбыл в дерéвне с мéсяц.	१. साहचर्य· Рабóтал с товáрищем. २ विरोध के अर्थ में: Бóремся с трýдностями	
по		१. कुछ स्थलो मे कार्य का स्थान (प्रश्न *где?*) : По фáбрикам, по завóдам, по всем учреждéниям обсуждáли проéкт Конститýции СССР	१. अवधि (समाविष्ट) : Пробýду в дерéвне *по 5 сентября́*		१. बाद या पश्चात के अर्थ मे· По окончáнии шкóлы поéду в дерéвню

क्रमशः

उपसर्ग	सवध कारक	सम्प्रदान कारक	कर्म कारक	करण कारक	अधिकरण कारक
по		२. सतह पर गति Шел **по у́лице** ३ समय : По утра́м, по вечера́м, по ноча́м. ४ काम या पेशा की किस्म या प्रकार Он специали́ст **по фи́зике,** ५. प्रति व्यक्ति एक एक वस्तुओ का वितरण Да́йте нам **по я́блоку** ६. अनुसार के अर्थ मे Рабо́таем **по пла́ну**	२ सीमा . Вошел в во́ду **по по́яс** ३ वस्तुओ का वितरण, किंतु केवल एक नही Да́йте нам **по́ два я́блока**		
о, об			१ वस्तुओ की टकराहट. Парохо́д разби́лся **о ска́лы** Я уда́рился **об сто́л**		१. भाषण का विषय : Мы говори́ли **о литерату́ре.**

तालिका ३५

на और в उपसर्गों के प्रयोग की कतिपय परिस्थितियां और इनके साथ सापेक्षिक उपसर्गों с और из का प्रयोग

Рабо́таю		**Пришёл**	
в музе́е	कितु : на фа́брике	из музе́я	कितु : с фа́брики
в конто́ре	на заво́де	из конто́ры	с заво́да
в амбулато́рии	на по́чте	из амбулато́рии	с по́чты
в мастерско́й	на телегра́фе	из мастерско́й	с телегра́фа
в магази́не	на вокза́ле	из магази́на	с вокза́ла
Был		**Пришёл**	
на собра́нии		с собра́ния	
на заседа́нии		с заседа́ния	
на уро́ке		с уро́ка	
Учу́сь		**Пришёл**	
в шко́ле	कितु : на пе́рвом ку́рсе, на математи́ческом факульте́те	из шко́лы	
в институ́те		**Перешёл**	
		из институ́та в университе́т	कितु : с пе́рвого на второ́й курс
Жил		**Прие́хал**	
в Крыму́	कितु : на Кавка́зе	из Кры́ма	कितु : с Кавка́за
в Белору́ссии	на Украи́не	из Белору́ссии	с Украи́ны
в Сиби́ри	на Ура́ле	из Сиби́ри	с Ура́ла
	на Да́льнем Восто́ке		с Да́льнего Восто́ка
Еду		**Верну́лся**	
в о́тпуск		из о́тпуска	
Иду́		**Пришёл**	
в теа́тр	किंतु : на конце́рт	из теа́тра	कितु : с конце́рта

Живу́		Пришёл	
в переу́лке	कितु . на пло́щади Восста́ния на у́лице Го́рького	из переу́лка	कितु · с пло́щади с у́лицы

टिप्पणिया: १. किसी साधन द्वारा गति द्योतन मे प्राय на उपसर्ग का प्रयोग होता है: е́ду на по́езде, на трамва́е, на авто́бусе, на метро́, лечу́ на самолёте, कितु ऐसा कहना भी सभव है: в по́езде, в трамва́е, в метро́ इत्यादि।

२. Вы́шел из трамва́я, किन्तु сошёл с трамва́я।

३ По́езд идёт на Москву́—दिशा द्योतित करती है। इन उपसर्गों के साहचर्य पर ध्यान दीजिये из—в, с—на निश्चित सयोगो मे: изо дня в де́нь, из ме́сяца в ме́сяц, из го́да в год, со дня на́ день, с ча́су на час, с мину́ты на мину́ту।

तालिका २६

रूसी भाषा में अभिव्यक्त उपसर्गों से युक्त कारकों के मुख्य अर्थ
(स्थान, समय, कारण, उद्देश्य)

स्थान	В шко́ле, на сту́ле (अधिकरण), в шко́лу, на стул (कर्म), за ле́сом, под кусто́м (करण), за лес, под куст (कर्म); из-за угла́, из-под куста́ (सबध), над го́родом, пе́ред зда́нием (करण), че́рез мост (कर्म); из го́рода, от бе́рега, у стола́, о́коло ле́са, с кры́ши, ми́мо до́ма, вдоль реки́, до шко́лы (संबध); по у́лице (सम्प्रदान); при до́ме (अधिकरण)। Ме́лкие пти́цы щебета́ли и и́зредка перелета́ли с де́рева на де́рево В степи́, за реко́й, по доро́гам—везде́ бы́ло пу́сто (Л Т) Мы вы́шли из ро́щи, спусти́лись с холма́ (Т) Я взгляну́л в окно́: на безо́блачном не́бе разгора́лись звёзды . (М Г) Во ржи крича́т перепела́, в мали́нниках

над ручья́ми сви́щут соловьи́, че́рез доро́гу перебежи́т куропа́тка, за́яц метнется из-под куста́, глухо́й те́терев шара́хнется в сыро́м бору́ (Т) Ми́мо бесконе́чных обо́зов, ми́мо постоя́лых дворо́в, че́рез необозри́мые поля́ от одного́ села́ до друго́го, вдоль зелёных конопля́ников—до́лго, до́лго е́дете вы . (Т)

२ दिशा К това́рищу, к реке́ (सम्प्रदान)

३ समय По́сле уро́ка (सबध), че́рез день (कर्म), с утра́ (सबध); с утра́ до ве́чера (सबध), пе́ред ве́чером (करण); пе́ред восхо́дом со́лнца (करण); в суббо́ту (कर्म), в два часа́ (कर्म), в ию́ле (अधिकरण).

टिप्पणी. समय के बीच की अवधि द्योतित करने के लिए जिसकी गणना मिनटो, घटो, हफ्तो, महीनो और वर्षो आदि मे की जा सकती है че́рез उपसर्ग का प्रयोग होता है че́рез пять мину́т, че́рез два часа́, че́рез пять лет, इत्यादि। Приду́ че́рез два часа́, किन्तु इस अर्थ मे ऐसा कदापि नही कहा जा सकता Приду́ по́сле двух часо́в (इसका मतलब होता कि दो के बाद आऊगा), कितु यह कहना सभव है· Я уви́дел его́ по́сле двух лет разлу́ки, यहा по́сле उपसर्ग का सबध पूरे वाक्य двух лет разлу́ки से है। इसका अर्थ यह है कि मैने उसे दो वर्ष तक न देखा और दो वर्ष के बाद देखा।

४. कारण Из-за дождя́, из-за шу́ма; от жары́, от волне́ния, от оби́ды, с ра́дости, со зло́сти (सबध); по рассе́янности, по глу́пости, по боле́зни (सम्प्रदान), из ре́вности, из любви́ (संबंध).

टिप्पणी: १. बाहरी कारणो के द्योतन के लिए इन उपसर्गों का प्रयोग होता है:

(१) из-за (Из-за дождя́ не состоя́лась экску́рсия; из-за шу́ма не мог засну́ть, из-за тебя́ у меня́ неприя́тности); (२) от (Всё высохло от со́лнца; поги́бло от пожа́ра; заболе́л от по-

	трясéния; растрепáлись вóлосы от вéтра; от жары́ разболéлась головá), (२) (С похвáл вскружи́лась головá) (Кр) कतिपय परिस्थितियो मे एक उपसर्ग की जगह दूसरे उपसर्ग का प्रयोग किया जा सकता है. от похвáл вскружи́лась головá (इसकी जगह. с похвáл) या от шýма не могý заснýть (इसकी जगह. из-за шýма) २. कर्त्ता के भीतर निहित आन्तरिक कारणो के द्योतन के लिए प्राय. по उपसर्ग का प्रयोग होता है. (сдéлал э́то по рассéянности, по небрéжности, по глýпости, по невнимáтельности), इसके अतिरिक्त इन मुहाविरो में· пропусти́л заня́тия по болéзни, по уважи́тельной причи́не; केवल по उपसर्ग के साथ по причи́не उपसर्गवत् शब्द का सयोग संभव है। ३ उन कारणो के द्योतन के लिए, जिनसे कर्त्ता के मनोविकार, अनुभूतिया, मानसिक परिस्थितियो की अभिव्यक्ति होती है, प्राय इन उपसर्गो का प्रयोग होता है· (१) из (из рéвности, из любви́, из вéжливости); (२) с(со) (с рáдости, с гóря, с испýгу, со стрáху), (३) от (от гóря, от оби́ды, от возмущéния, от волнéния) ध्यान दीजिये: कारण द्योतन के लिए из उपसर्ग का प्रयोग विरल रूप में होता है।
उद्देश्य	Бóремся за .. Голосýем за ... Выступáем за ... (कर्म) Идём за кни́гами. (करण)

तालिका ३७

क्रियाओ और उनके साथ प्रयुक्त होनेवाले कारको की वर्ण क्रमानुसार सूची

благодари́ть . . .	*когó? что?*	(कर्म)
боя́ться	*когó? чегó?*	(सबध)
владéть, овладéть . . .	*кем? чем?*	(करण)

восхища́ться	*кем?*	*чем?*	(करण)
вспомина́ть	*кого́?*	*что?*	(कर्म)
встреча́ть	*кого́?*	*что?*	(कर्म)
горди́ться	*кем?*	*чем?*	(करण)
добива́ться		*чего́?*	(सवध)
дорожи́ть	*кем?*	*чем?*	(करण)
достига́ть		*чего́?*	(सवध)
жа́ждать		*чего́?*	(सवध)
жела́ть		*чего́?*	(सवध)
же́ртвовать	*кем?*	*чем?*	(करण)
заболе́ть		*чем?*	(करण)
заве́довать		*чем?*	(करण)
зави́довать	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
занима́ться	*кем?*	*чем?*	(करण)
заража́ть		*чем?*	(करण)
злоупотребля́ть		*чем?*	(करण)
избега́ть	*кого́?*	*чего́?*	(सवध)
изумля́ться	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
интересова́ться	*кем?*	*чем?*	(करण)
каза́ться	*кем?*	*чем?*	(करण)
каса́ться	*кого́?*	*чего́?*	(सवध)
кля́сться	*кем?*	*чем?*	(करण)
кома́ндовать	*кем?*	*чем?*	(करण)
лиша́ться	*кого́?*	*чего́?*	(संवध)
меша́ть (препя́тствовать)	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
называ́ться	*кем?*	*чем?*	(करण)
облада́ть		*чем?*	(करण)
отста́ивать	*кого́?*	*что?*	(कर्म)
подража́ть	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
по́льзоваться		*чем?*	(करण)
посвяща́ть	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
пренебрега́ть	*кем?*	*чем?*	(करण)
преодолева́ть		*что?*	(कर्म)
препя́тствовать	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
проти́виться	*кому́?*	*чему́?*	(सम्प्रदान)
пуга́ться	*кого́?*	*чего́?*	(सवध)

ра́доваться	*кому́? чему́?*	(सम्प्रदान)
руководи́ть	*кем? чем?*	(करण)
соде́йствовать	*кому́? чему́?*	(सम्प्रदान)
сочу́вствовать	*кому́? чему́?*	(सम्प्रदान)
спосо́бствовать	*чему́?*	(सम्प्रदान)
станови́ться (стать)	*кем? чем?*	(करण)
стесня́ться	*кого́? чего́?*	(सवंध)
стыди́ться	*кого́? чего́?*	(सवध)
тре́бовать	*кого́? чего́?*	(सवध)
увлека́ться	*кем? чем?*	(करण)
уделя́ть внима́ние	*кому́? чему́?*	(सम्प्रदान)
удивля́ться	*кому́? чему́?*	(सम्प्रदान)
управля́ть	*кем? чем?*	(करण)
хвали́ться	*кем? чем?*	(करण)
хоте́ть	*чего́?*	(संवंध)
явля́ться	*кем? чем?*	(करण)

(उदाहरण तालिकाओ मे दिये गये।)

तालिका ३८

на, в उपसर्गों के साथ प्रयुक्त होनेवाली क्रियाएं

(उपसर्ग स्थान से संबंधित नही है)

कर्म कारक के साथ क्रिया और на उपसर्ग	
१. Влия́ть *на кого́? на что?* Повлия́ть » » » » Ока́зывать влия́ние *на кого́? на что?*	на това́рища, на аудито́рию, на здоро́вье, на настрое́ние
२ Возлага́ть отве́тственность *на кого́?* Возложи́ть отве́тственность *на кого́?*	на руководи́теля

क्रमशः:

कर्म कारक के साथ क्रिया और на उपसर्ग

३. Возлагáть надéжды *на когó? на что?* Возложи́ть надéжды *на когó? на что?*	на молодёжь, на поéздку
४ Ворчáть *на когó? на что?* Поворчáть » » » »	на детéй
५. Дари́ть на пáмять (खास मुहाविरा) *комý?*	Брат подари́л мне на пáмять кни́гу
६ Жáловаться *на когó? на что?* Пожáловаться *на когó? на что?*	на человéка, на боль, на непрáвильные дéйствия
७. Клеветáть *на когó?* (किंतु: оклеветáть *когó?* विना на उपसर्ग के) Наклеветáть » »	
८. Кричáть *на когó?* Накричáть » »	на товáрища
९ Надéяться *на когó? на что?* Понадéяться *на когó? на что?*	на товáрища, на пóмощь, на успéх, на улучшéние
१०. Обращáть внимáние *на когó? на что?* Обрати́ть внимáние *на когó? на что?*	на ребёнка
११. Опирáться *на когó? на что?* Оперéться » » » »	на мáссы, на фáкты
१२ Покушáться *на когó? на что?* Сдéлать покушéние *на когó? на что?*	на человéка, на жизнь
१३ Полагáться *на когó? на что?* Положи́ться *на когó? на что?*	на товáрища, на погóду

कर्म कारक के साथ क्रिया और на उपसर्ग

१४. Посягáть *на что?* Посягнýть » »	на правá, на чужóе имýщество
१५. Походи́ть *на когó? на что?* Быть похóжим *на когó? на что?*	на отцá, на сестрý, Это ни на что не похóже.
१६ Производи́ть впечатлéние *на когó?* Произвести́ впечатлéние *на когó?*	на слýшателей, на зри́телей, на аудитóрию
१७ Решáться *на что?* Реши́ться » »	на разговóр, на поéздку
१८ Рассчи́тывать *на когó? на что?* इस अर्थ में क्रिया का पूर्णताद्योतक रूप नहीं है।	на поддéржку, на свобóдное врéмя

ध्यान दीजिये. рассчитáть की अवस्था पूर्णताद्योतक है, परन्तु इसका दूसरा अर्थ है और उसका प्रयोग बिना на उपसर्ग के होता है. Я плóхо рассчитáл своё врéмя!

१९ Соглашáться *на что?* Согласи́ться » » किन्तु соглашáться, согласи́ться *с кем? с чем?*	на (какýю-то) рабóту, на определённые услóвия
२० Серди́ться *на когó? на что?*	на брáта, на товáрища

अधिकरण कारक के साथ क्रिया और उपसर्ग на

१. Игрáть *на чём?*	на скри́пке, на роя́ле, किन्तु: игрáть в кýклы, в шáхматы, в футбóл

क्रमश:

अधिकरण कारक के साथ क्रिया और на उपसर्ग

२ Настáивать *на чем?* Настоя́ть » »	на решéнии, на вы́езде, на своём
३ Оснóвываться *на чем?* (इस अर्थ में इस क्रिया का पूर्णताद्योतक रूप नहीं होता।)	на провéренных дáнных, на фáктах

कर्म कारक के साथ क्रिया और в उपसर्ग

१. Вéрить *в когó? во что?* Повéрить *в когó? во что?*	в негó, в нее, в побéду, в бýдущее, в свой си́лы	टिप्पणी : दूसरे अर्थ में ´вéрить *комý?* (товáрищу, врачý, इत्यादि), किन्तु увéрен в нем, в побéде।
२ Игрáть *во что?*	в шáхматы, в мяч, в футбóл	
३ Обращáться *во что?* Обрати́ться *во что?*	Облачко **обрати́лось в бéлую тýчу.** (П) Он весь **обрати́лся в слух**	Обрати́ться в бéгство – अर्थ है. брóситься бежáть
४ Превращáться *в когó? во что?* Преврати́ться *в когó? во что?*	Облако **преврати́лось в большýю тýчу**	

अधिकरण कारक के साथ क्रिया और в उपसर्ग

१ Нуждáться *в ком? в чём?*	в рабóтниках, в пóмощи, в поддéржке, в ухóде, в сáмом необходи́мом	

क्रमशः

अधिकरण कारक के साथ क्रिया और в उपसर्ग

२ Одержа́ть побе́ду *в чём?*	в борьбе́, в спо́ре, в соревнова́нии	किन्तु · одержа́ть побе́ду над враго́м
३ Отдава́ть (себе́) отчёт *в чём?*	в свои́х посту́пках, в свои́х слова́х	
४ Отчи́тываться *в чём?* Отчита́ться *в чём?*	в свое́й рабо́те, в расхо́дах, в выполне́нии пла́на	
५ Разочаро́вываться *в ком? в чём?* Разочарова́ться *в ком? в чём?*	в челове́ке, в рабо́те, в надёждах, в жи́зни, в дру́ге	किन्तु . очаро́вываться, очарова́ться *кем? чем?*
६ Соревнова́ться *в чём?*	в рабо́те, в игре́, в бе́ге, в прыжка́х	
७. Сомнева́ться *в чём?*	в зна́ниях, в спосо́бностях, в че́стности челове́ка	
८ Упрека́ть *в чём?* Упрекну́ть *в чём?*	в бесхозя́йственности, в отста́лости, в жа́дности	
९ Убежда́ться *в чём?* Убеди́ться *в чём?*	в необходи́мости, в неизбе́жности, в правоте́ де́ла	
१० Уча́ствовать *в чём?* (приня́ть уча́стие, принима́ть уча́стие)	в вы́борах, в голосова́нии, в рабо́те	ख़ास मुहाविरा : принима́ть (приня́ть) уча́стие *в ком?*—अर्थ है : соде́йствовать, сочу́вствовать *кому́-нибудь*

३. विशेषण

आरम्भिक टिप्पणियां

१. वाक्य में विशेषण का प्रयोग उद्देश्यात्मक और विधेयात्मक रूपो मे होता है। उद्देश्यात्मक रूप में प्रयुक्त विशेषण संज्ञा के लिग, वचन और कारक के अनुरूप होते हैं (Взял в библиотéке интерéсную кни́гу)। विधेयात्मक रूप मे प्रयुक्त विशेषण संज्ञा के केवल लिग और वचन के अनुरूप होते हैं (кни́га óчень интерéсна; доклáд интерéсен)।

२. रूसी भाषा मे गुणवाचक (крáсный, большóй, краси́вый) और सवधवाचक विशेषण हैं (деревя́нный, желéзный, отцóвский, сéстрин, у́тренний, апрéльский)।

३. गुणवाचक विशेषण रूसी भाषा मे पूर्ण रूप वाले (краси́вый мáльчик, краси́вая дéвочка, краси́вое дитя́) और सक्षिप्त रूप वाले दोनो हो सकते हैं (мáльчик краси́в, дéвочка краси́ва, дитя́ краси́во)।

४. पूर्ण रूप वाले विशेषण प्राय उद्देश्यात्मक गुणबोधक रूप मे प्रयुक्त होते है (Налéво чернéло глубóкое ущéлье), किंतु विधेयात्मक रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं (Сегóдня день я́сный, ти́хий)। सक्षिप्त विशेषण विधेयात्मक रूप में प्रयुक्त होते है (Как вóздух чист! Как я́сен небосклóн!))।

५. उद्देश्यात्मक विशेषण प्राय. सज्ञा से पहले आता है (Прекрáсное апрéльское сóлнце си́льно грéло), किंतु विधेयात्मक विशेषण सज्ञा के बाद (Шоссé бы́ло су́хо। वाक्य मे यदि विशेषण दूसरी जगह पर है तो तर्कसगत स्वराघात या लहजे से युक्त होता है (Зимá, злáя, тёмная, дли́нная, былá ещё так недáвно, веснá пришлá вдруг)। विशेष रूप से

काव्य में शब्दों की असाधारण योजना लक्षित होती है (Эльбру́с, огро́мный, велича́вый, беле́л на не́бе голубо́м)।

६. वर्त्तमान रूसी भाषा में संक्षिप्त विशेषणों में से केवल **-ов, -ин** में समाप्त होनेवाले संबंधवाची, अधिकार व्यक्त करनेवाले विशेषणों की रूपसाधना होती है отцо́в, ба́бушкин, Ва́нин, किंतु पूर्ण विशेषणों से इनके रूप भिन्न हैं (देखिये तालिका ४५)। प्राचीन प्रयोग के रूप में ही संक्षिप्त गुणवाचक विशेषणों के कारक रूप मिलते हैं (देखिये तालिका ४४)।

७. पूर्ण विशेषणों का संज्ञा में रूपान्तर संभव है· **Больно́й** пошел к до́ктору· कुछ विशेषण तो अब बिल्कुल संज्ञा के अर्थ में प्रयुक्त होते हैं: рабо́чий, портно́й, столо́вая, इत्यादि। उनका परिवर्तन लिंगानुसार नहीं होता है, किन्तु विशेषणों के समान उनकी रूप-साधना होती है।

तालिका ३९

विशेषणों के लिंगानुरूप विभक्ति-प्रत्यय

एकवचन		
पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग
-ый, -ий, -ой	**-ая, -яя**	**-ое, -ее**
кра́сный (цвето́к)	кра́сная (ткань)	кра́сное (пла́тье)
после́дний (бой)	после́дняя (борьба́)	после́днее (уси́лие)
хоро́ший (план)	хоро́шая (земля́)	хоро́шее (реше́ние)
ру́сский (язы́к)	ру́сская (кни́га)	ру́сское (сло́во)
большо́й (сдвиг)	больша́я (рабо́та)	большо́е (достиже́ние)

सभी लिंगों का बहुवचन रूप

-ые, -ие

кра́сные (цветы́), кра́сные (тка́ни), кра́сные (пла́тья)
после́дние (бой), после́дние (мину́ты), после́дние (уси́лия)
больши́е (сдви́ги), больши́е (рабо́ты), больши́е (достиже́ния)

टिप्पणी: जिन विशेषणों की प्रकृति के अन्त में कठोर व्यंजन होता है उनके विभक्ति-प्रत्यय होते हैं **-ый, -ой, -ая, -ое, -ые**; कोमल

व्यजन मे अन्त होनेवाले विशेषण -ий, -яя, -ее, -ие लगाते है। -ой मे अन्त होनेवाले पुल्लिग विशेषणो मे स्वराघात सदा विभक्ति-प्रत्यय पर पडता है: молодо́й, боево́й, выходно́й, большо́й।

लिपि सबंधी टिप्पणी पुल्लिग विशेषणो मे г, к, х के बाद (убо́гий, глубо́кий, ти́хий), और ऊष्म के बाद (хоро́ший, похо́жий) -ий लिखा जाता है। नपुसक लिग के विशेषणो मे ш, ж के बाद स्वराघात होने पर -ое (большо́е, чужо́е) और बिना स्वराघात के -ее (хоро́шее, све́жее) लिखा जाता है।

एकवचन		
-ий	-ья	-ье
медве́жий (у́гол) во́лчий (аппети́т)	медве́жья (ла́па) во́лчья (я́ма)	медве́жье (у́хо) во́лчье (се́рдце)

सभी लिगो का बहुवचन रूप

-ьи

медве́жьи (углы́, берло́ги, у́ши), во́лчьи (клыки́, тро́пы, у́ши)

टिप्पणी: कतिपय सबधवाचक विशेषण विशेषतया जो जानवरो या आदमियो के नामो से बनते है (каза́чий, поме́щичий, во́лчий, медве́жий, ли́сий, собо́лий, इत्यादि), उनके एकवचन के अत मे -ий, -ья, -ье होता है और बहुवचन मे -ьи होता है।

तालिका ४०

विशेषणो की रूपसाधना

	एकवचन			
	पुल्लिग और नपुसक लिग	विभक्ति-प्रत्यय	स्त्रीलिग	विभक्ति-प्रत्यय
	कठोर प्रकृति वाले विशेषण			
कर्त्ता	кра́сный (цвето́к) кра́сное (пла́тье) но́вый (учи́тель)	-ый, -ое	кра́сная (доска́)	-ая

एकवचन

पुल्लिग और नपुसक लिग		विभक्ति-प्रत्यय	स्त्रीलिग	विभक्ति-प्रत्यय
सबध	крáсного (цветкá, плáтья)	-ого	крáсной (доски́)	-ой
सम्प्रदान	крáсному (цветкý, плáтью)	-ому	крáсной (доскé)	-ой
कर्म	крáсный (цветок) крáсное (плáтье)	कर्त्ता के समान	крáсную (дóску)	-ую
	нóвого (учи́теля)	सबंध के समान		
करण	крáсным (цветкóм, плáтьем)	-ым	крáсной (доскóй)	-ой(-ою)
अधिकरण	(о) крáсном (цветкé, плáтье)	-ом	(о) крáсной (доскé)	-ой

कोमल प्रकृति वाले विशेषण

कर्त्ता	послéдний (день) послéднее (собрáние) послéдний (доклáдчик)	-ий, -ее	послéдняя (лéкция)	-яя
सबध	послéднего (дня, собрáния)	-его	послéдней (лéкции)	-ей
सम्प्रदान	послéднему (дню, собрáнию)	-ему	послéдней (лéкции)	-ей

कोमल प्रकृति वाले विशेषण

कर्म	после́дний (день) после́днее (ссбра́ние) после́днего (докла́дчика)	कर्त्ता के समान सवध के समान	после́днюю (ле́кцию)	-юю
करण	после́дним (днём, собра́нием)	-им	после́дней (ле́кцией)	-ей(-ею)
अधिकरण	(о) после́днем (дне, собра́нии)	-ем	(о) после́дней (ле́кции)	-ей

सभी लिगो का वहुवचन रूप

कर्त्ता	кра́сные (до́ски) интере́сные (докла́дчики)	после́дние (дни)	-ые, -ие
सवध	кра́сных (досо́к)	после́дних (дней)	-ых, -их
सम्प्रदान	кра́сным (доска́м)	после́дним (дням)	-ым, -им
कर्म	кра́сные (до́ски) интере́сных (докла́дчиков)	после́дние (дни) после́дних (докла́дчиков)	कर्त्ता के समान संवध के समान
करण	кра́сными (доска́ми)	после́дними (дня́ми)	-ыми, -ими
अधिकरण	(о) кра́сных (доска́х)	(о) после́дних (днях)	-ых, -их

во́лчий, ли́сий वर्ग के विशेषणों की रूपसाधना

एकवचन

	पुल्लिग और नपुसक लिग			स्त्रीलिग		
कर्त्ता	во́лчий	во́лчье		во́лчья	ли́сья	
	ли́сий	ли́сье				
सबध	во́лчьего	ли́сьего	-его	волчьей	ли́сьей	-ей
सम्प्रदान	во́лчьему	ли́сьему	-ему	во́лчьей	ли́сьей	-ей
कर्म	во́лчий	ли́сий	कर्त्ता के समान	во́лчью	ли́сью	-ю
	во́лчье	ли́сье				
	во́лчьего	ли́сьего	संबध के समान			
करण	во́лчьим	ли́сьим	-им	во́лчьей	ли́сьей	-ей (-ею)
अधिकरण	(о) во́лчьем	(о) ли́сьем	-ем	(о) во́лчьей	(о) ли́сьей	-ей

सभी लिगो का बहुवचन रूप

कर्त्ता	во́лчьи	ли́сьи	
संबध	во́лчьих	ли́сьих	-их
सम्प्रदान	во́лчьим	ли́сьим	-им
कर्म	कर्त्ता या सबध के समान		
करण	во́лчьими	ли́сьими	-ими
अधिकरण	(о) во́лчьих	(о) ли́сьих	-их

टिप्पणिया. १. प्रकृति के अन्त में कठोर व्यजन वाले विशेषण कर्त्ता को छोडकर अन्य कारकों में ये विभक्ति-चिन्ह धारण करते है: -ого, -ому, -ым, -ом; -ой, -ую; -ых, -ым, -ыми। प्रकृति के अत मे कोमल व्यजन वाले विशेषण कर्त्ता को छोडकर अन्य कारको मे ये विभक्ति-चिन्ह धारण करते है -его, -ему, -им, -ем; -ей, -юю; -их, -им, -ими।

२. во́лчий, во́лчья, во́лчье वर्ग वाले विशेषण पुल्लिग कर्त्ता कारक को छोडकर विभक्ति-चिन्ह् के पहले सदा ь (во́лчьего, во́лчьему) लगा लेते है और स्त्रीलिग कर्म कारक एकवचन मे -ью (во́лчью)। इसी प्रकार чей, чья, чье, чьи सर्वनाम की रूपसाधना होती है। -я, -ей, -ю रूप का अन्त ध्वनि विज्ञान की दृष्टि से [йа], [йэй], [йу] है क्योकि प्रकृति में [й] है।

३. ж, ч, ш, щ ऊष्म के बाद स्वराघात से युक्त होने पर о (большо́й, чужо́й, большо́го, чужо́го, большо́му, чужо́му, इत्यादि) और बिना स्वराघात के е (хоро́шего, хоро́шему, похо́жего, похо́жему, इत्यादि) लिखा जाता है, कर्त्ता कारक को छोडकर जहा и (хоро́ший) लिखा जाता है।

४. पुल्लिग और नपुसक लिग के सबध कारक के एकवचन मे г (-ого, -его) लिखा जाता है, किन्तु उच्चारण в होता है।

५. स्त्रीलिग करण कारक एकवचन प्राय -ой मे समाप्त होता है, किंतु इसके साथ प्राचीन रूप -ю (स्वर के बाद) भी प्रयुक्त होता है। उदाहरणत кра́сною, си́нею, во́лчьею।

तालिका ४२

संज्ञा के साथ विशेषण की संगति

	एकवचन		सभी लिगो का बहुवचन
	पुल्लिंग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	
कर्त्ता	Холо́дный ве́тер. Ни́зкое тёмное не́бо	Гру́стная о́сень	Па́смурные печа́льные дни
सबध	На поля́х идёт рабо́та с ра́ннего утра́ до по́зднего ве́чера	По́сле дождли́вой пого́ды наступи́ли я́сные дни	Ле́том бы́ло мно́го жа́рких дней
सम्प्रदान	Все ра́дуются тёплому осе́ннему со́лнцу	Маши́ны е́дут по ро́вной доро́ге	Благодаря́ ча́стым тёплым дождя́м урожа́й был хоро́ший.
कर्म	Брига́ды соревну́ются за отли́чное ка́чество рабо́ты	Че́рез широ́кую ре́ку постро́или но́вый мост	На колхо́зные поля́ вы́шли тра́кторы

क्रमश:

	एकवचन		सभी लिगो का बहुवचन
	पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	
करण	Весна́ Яркое со́лнце Мы отдыха́ем под тени́стым де́ревом.	Пе́ред берёзовой ро́щей расстила́ется широ́кий луг с цвета́ми.	Молодёжь возвраща́ется с рабо́ты с весёлыми пе́снями.
अधिकरण	На зелёном лугу́ расцвели́ цветы́	Ка́пли дождя́ блестя́т на све́жей зе́лени	На колхо́зных поля́х зре́ет пшени́ца

टिप्पणियां · १ विशेषण सदा सज्ञा के लिग, वचन और कारक के अनुरूप होता है। बहुवचन में विशेषण का लिग भेद नही है।

२. सख्यावाचको के साथ विशेषण और सज्ञा की समानुरूपता नही होती · सख्यावाचक два, три, четы́ре+विशेषण+सज्ञा. उदाहरणत: два кра́сных карандаша́, четы́ре ма́леньких ма́льчика, три молоды́х де́рева

तालिका ४३

गुणवाचक संक्षिप्त विशेषण

पूर्ण विशेषण		सक्षिप्त विशेषण			
एकवचन	सभी लिगो का बहुवचन	एकवचन		सभी लिगो का बहुवचन	
पुल्लिग		पुल्लिग			
ста́рый	ста́рые	стар	विभक्ति-चिह्न नहीं है	ста́ры	-ы
споко́йный	споко́йные	споко́ен		споко́йны	
плохо́й	плохи́е	плох		пло́хи	-и
коро́ткий	коро́ткие	ко́роток		ко́ротки	
могу́чий	могу́чие	могу́ч		могу́чи	

पूर्ण विशेषण		सक्षिप्त विशेषण		
एकवचन	सभी लिगो का वहुवचन	एकवचन		सभी लिगो का वहुवचन
स्त्रीलिग		स्त्रीलिग		
стáрая	стáрые	старá	-а	стáры
спокóйная	спокóйные	спокóйна		спокóйны
плохáя	плохи́е	плохá		плóхи
корóткая	корóткие	короткá		кóротки
могýчая	могýчие	могýча		могýчи
नपुसक लिग		नपुसक लिग		
стáрое		старó	-о	
спокóйное		спокóйно		
плохóе		плóхо		
корóткое		кóротко		
могýчее		могýче	-е	

टिप्पणिया · १. गुणवाचक विशेषणो के पूर्ण और सक्षिप्त दोनो रूप होते है (стáрый, стар)। सबधवाचक विशेषणो का केवल पूर्ण रूप होता है (деревя́нный, вóлчий)।

२. अधिकतर कठोर व्यजन या ऊष्म से युक्त प्रकृति वाले विशेषणो के ही सक्षिप्त रूप प्रयुक्त होते है (стáр, могýч, хорóш) और कोमल व्यजनो से युक्त प्रकृति वाले विशेषणो के सक्षिप्त रूप विरल ही प्रयुक्त होते है . за си́не мóре улетáет до весны́. (П)।

३. पुल्लिग सक्षिप्त विशेषण की प्रकृति मे कभी कभी लोप होनेवाले о, е प्रकट होते है. больнóй—бóлен, спокóйный—спокóен, интерéсный—интерéсен, корóткий—кóроток.

गुणवाचक संक्षिप्त विशेषणों का प्रयोग

१ वर्त्तमान साहित्यिक भाषा मे संक्षिप्त विशेषण का प्रयोग केवल विधेय के रूप मे होता है। विधेय के साथ संयोजक (был, бу́дет, будь, был бы) का प्रयोग भूत और भविष्य मे और आज्ञा तथा विधि मे होता है। वर्त्तमान काल मे संयोजक (есть) का प्रयोग नही होता है।	Докла́д интере́сен, докла́д был интере́сен, докла́д бу́дет интере́сен; докла́д был бы интере́сен Весна́, весна! Как во́здух чист! Как я́сен небоскло́н. (Бар) Хороши́ ле́тние тума́нные дни (Т.) Уж и впрямь была́ цари́ца: Высока́, стройна́, бела́, И умо́м и всем взяла́, Но зато́ горда́, ломли́ва, Своенра́вна и ревни́ва (П) . . Оно́ Со́ку спе́лого полно́, Так свежо́ и так души́сто, Так румя́но, золоти́сто, Бу́дто медом налило́сь! (П) टिप्पणी согла́сен, рад, до́лжен संक्षिप्त विशेषणों के समानान्तर पूर्ण विशेषण रूप इन अर्थों मे नही है। संबोधन के सामान्य शिष्ट प्रयोग. Будь добр, будь добра́, бу́дьте до́бры या добры́ (Бу́дьте добры́, переда́йте това́рищу кни́гу), будь любе́зен, будь любе́зна, бу́дьте любе́зны (Бу́дьте так любе́зны, позвони́те мне по телефо́ну)।
२ उद्देश्य रूप मे वर्त्तमान चलती भाषा में संक्षिप्त विशेषण का प्रयोग नही होता है, लोकगीतो में, बिलीना (लोकमहाकाव्य) में, कविताओ और कतिपय विशिष्ट मुहावरो में प्राचीन प्रयोग के रूप में मिलता है।	Пти́чка в да́льние страны́, В тёплый край, за си́не мо́ре Улета́ет до весны́. (П) У воро́т стоя́т у тесо́вых Кра́сны де́вушки да моло́душки (Л)

क्रमशः

	Не встреча́ет его́ молода́ жена́, Не накры́т дубо́вый стол бе́лой ска́тертью (Л) Госуда́рь ты мой, кра́сно со́лнышко, Иль убе́й меня́, и́ли вы́слушай (Л.) विशेष मुहाविरे: По бе́лу све́ту, от ма́ла до вели́ка; на бо́су но́гу

तालिका ४५

अधिकार द्योतित करनेवाले -ов, -ин में समाप्त होनेवाले विशेषणों की रूपसाधना

एकवचन

	पुल्लिग	नपुसक लिग	स्त्रीलिग
कर्त्ता	Ма́шин (брат, каранда́ш)	Ма́шино (письмо́)	Ма́шина (сестра́)
सबध	Ма́шина (бра́та)	Ма́шина (письма́)	Ма́шиной (сестры́)
सम्प्रदान	Ма́шину (бра́ту)	Ма́шину (письму́)	Ма́шиной (сестре́)
कर्म	Ма́шина (бра́та) Ма́шин (каранда́ш)	Ма́шино (письмо́)	Ма́шину (сестру́)
करण	Ма́шиным (бра́том)	Ма́шиным (письмо́м)	Ма́шиной (сестро́й)
अधिकरण	(о) *Ма́шином* (бра́те)	(о) *Ма́шином* (письме́)	(о) *Ма́шиной* (сестре́)

	बहुवचन
कर्त्ता	Мáшины (брáтья, пи́сьма, кни́ги)
सवंध	Мáшиных (брáтьев, пи́сем, книг)
सम्प्रदान	Мáшиным (брáтьям, пи́сьмам, кни́гам)
कर्म	Мáшиных (брáтьев) Мáшины (пи́сьма, кни́ги)
करण	Мáшиными (брáтьями, пи́сьмами, кни́гами)
अधिकरण	(о) Мáшиных (брáтьях, пи́сьмах, кни́гах)

टिप्पणिया : १. वर्त्तमान चलती भाषा मे सक्षिप्त विशेषणो में से केवल -ов (отцóв) और -ин (дя́дин, Мáшин) प्रत्यय वाले अधिकार द्योतक विशेषणो की रूपसाधना होती है। इन सक्षिप्त विशेषणों मे से नामो से वने विशेषणो का अधिक प्रयोग होता है. Мáша—Мáшин, Вáня—Вáнин, Сáша—Сáшин, इत्यादि।

२. इन विशेषणो की रूपसाधना कभी विशेषण के रूप मे और कभी संज्ञा -ов, -ин मे समाप्त होनेवाले वशनाम के रूप में होती है।

३. पुल्लिग और नपुसक लिग के कर्त्ता, सवध और सम्प्रदान के एकवचन रूप (Мáшин брат, Мáшино письмó, Мáшина брáта, Мáшину брáту; отцóв брат, отцóво письмó, отцóва брáта, отцóву брáту) (स्त्रीलिग कर्त्ता और कर्म के एकवचन रूप), Мáшина сестрá, Мáшину сестрý, отцóва сестрá, отцóву сестрý. सभी लिगो के कर्त्ता और कर्म के वहुवचन रूप (Мáшины пи́сьма, отцóвы кни́ги) इन विशेषणो के विभक्ति-चिन्ह् सज्ञा के समान होते है।

शेप सभी कारको मे इन विशेषणो के विभक्ति-चिन्ह् विशेषणो के होते है (Мы говори́ли о Мáшином брáте, о Мáшиной сестрé, इत्यादि)।

तुलनात्मक और अन्यतम मात्रा की रचना-पद्धति और उसका प्रयोग

तुलनात्मक और अन्यतम (सर्वाधिक) मात्राये केवल गुणवाचक विशेषणो से ही बनाई जा सकती है। तुलनात्मक और अन्यतम मात्रा की रचना विशेषण की प्रकृति से होती है।

तुलनात्मक मात्रा के विशेषण की रूपसाधना नही होती किन्तु अन्यतम मात्रा वाले विशेषणो की रूपसाधना पूर्ण विशेषण के समान होती है।

तुलनात्मक मात्रा

१ तुलनात्मक मात्रा की रचना। तुलनात्मक मात्रा वाले विशेषण प्राय प्रत्यय -ее धारण करते है ста́рый—старе́е)। जब विशेषण की प्रकृति मे व्यजनो का परिवर्तन होता है (сухо́й—су́ше; дорого́й—доро́же) तो प्रत्यय -е लगता है। -ше प्रत्यय वाली तुलनात्मक मात्रा की रचना पर ध्यान दीजिये: то́нкий—то́ньше (प्रत्यय -к- लुप्त हो गया)।

कतिपय विशेषणो की -ее या -е से तुलनात्मक मात्रा प्रयुक्त नही होती। ऐसी स्थिति मे विशेषण бо́лее या ме́нее (бо́лее го́рький, ме́нее го́рький) शब्द के साथ तुलनात्मक मात्रा के बोध के लिए प्रयुक्त होता है। इसी प्रकार के सभी गुणवाचक विशेषणो से तुलनात्मक मात्रा के विशेषण बनाये जा सकते है।

२ तुलनात्मक मात्रा का प्रयोग। сильне́е, выше वर्ग वाली तुलनात्मक मात्रा लिंग या वचन या कारक के अनुरूप नही परिवर्तित होती और विधेय के भाग या अश रूप मे प्रयुक्त होती है (э́тот дом краси́вее, э́та ко́мната бо́льше)। वाक्य मे इस प्रकार की तुलनात्मक मात्रा का प्रयोग उद्देश्य रूप मे भी हो सकता है (Он получи́л ко́мнату бо́льше мое́й)। ऐसी परिस्थितियो मे तुलनात्मक मात्रा उद्देश्यवाचक शब्द के बाद आती है।

३ तुलनात्मक मात्रा रूप मे कारक का प्रयोग। यदि तुलित पदार्थो की सज्ञाओ के बीच तुलनात्मक मात्रा बिना सयोजक чем के प्रकट की जा रही है तो जिस पदार्थ से तुलना की जा रही है उसकी सज्ञा सबंध कारक मे होती है· Москва́ бо́льше Ленингра́да, किन्तु Москва́ бо́льше, чем Ленингра́д। यदि तुलनात्मक रूप मे विशेषण бо́лее या ме́нее शब्द के साथ प्रयुक्त होता है तो वाक्य मे संयोजक чем अनिवार्य है। Это бо́лее краси́вый дом, чем тот

अन्यतम (सर्वाधिक) मात्रा

१. अन्यतम मात्रा की रचना। इसकी रचना इस प्रकार होती है

(क) ऊष्म के बाद -айш- (высочáйший) की सहायता से। अन्य परिस्थितियों मे -ейш- (красúвейший),

(ख) उपसर्ग наи- की सहायता से (наилýчший, наихýдший),

(ग) सर्वनाम сáмый और सामान्य या अन्यतम विशेषणो को सयुक्त करके (сáмый красúвый, сáмый лýчший)।

२. अन्यतम मात्रा का प्रयोग।

(क) अन्यतम का सबसे अधिक प्रयुक्त रूप сáмый красúвый, сáмый лýчший इस प्रकार से किसी भी विशेषण का अन्यतम विधायक रूप बनाया जा सकता है।

(ख) अन्यतम विधायक रूप -ейш-, -айш- (важнéйший вопрóс нáшей совремéнности, старéйший член óбщества, широчáйшие нарóдные мáссы) प्रत्ययो की सहायता से भी कुछ विशेषणो से बनाया जाता है।

(ग) उपसर्ग наи- से निर्मित अन्यतम रूप वर्त्तमान चलती भाषा में विरल ही देखने को मिलता है। इस रूप का व्यवहार उस स्थिति मे होता है जब कि गुण के चरमतम रूप के द्योतन की इच्छा होती है (наилýчший, наикрасúвейший)।

(घ) प्रत्यय -ейш-, -айш- और उपसर्ग наи- से कतिपय विशेषणो का अन्यतम रूप नही बनाया जा सकता है।

(ङ) лýчший, хýдший, нúзший शब्दो का व्यवहार वर्त्तमान भाषा मे तुलनात्मक और अन्यतम के द्योतन के लिए हो सकता है Иванóв— лýчший ученúк в клáссе (अन्यतम) याने сáмый лýчший। Теперь онú живýт в бóлее лýчших услóвиях, чем рáньше (तुलनात्मक).

विगत समय मे विशेषणो का -ейш-, -айш-, -ш- प्रत्ययो के साथ अन्यतम और तुलनात्मक मात्रा द्योतन के लिए व्यवहार होता था।

टिप्पणिया १ कतिपय परिस्थितियो मे अन्यतम मात्रा ने अपना अर्थ खो दिया है дальнéйшая рабóта, в ближáйшем врéмени.

२. कतिपय परिस्थितियो में अन्यतम मात्रा के विविध रूपो का अपना विशिष्ट अर्थ होता है। उदाहरणतः विशेषण высóкий से высочáйшее дéрево, किन्तु вы́сший совéт, вы́сшая стéпень.

विशेषणों की

सामान्य		तुलनात्मक			
पूर्ण विशेषण	संक्षिप्त विशेषण		प्रत्यय	टिप्पणी	
краси́вый	краси́в	краси́вее	-ee	-ee वहा पर जहा प्रकृति में ध्वनि परिवर्तन नही होता है।	
до́брый	добр	добре́е			
тени́стый	тени́ст	тени́стее			
ста́рый	стар	старе́е			
высо́кий	высо́к	вы́ше	-e	с—ш	(प्रत्यय -ок का लोप)
ни́зкий	ни́зок	ни́же		з—ж	
у́зкий	у́зок	у́же			-e वहा पर जहां ध्वनि परिवर्तन होता है (प्रत्यय -e सदा स्वराघात के होता है)। (ध्वनि परिवर्तन के लिए देखिये तालिका ८)
ти́хий	тих	ти́ше		х—ш	
сухо́й	сух	су́ше			
кре́пкий	кре́пок	кре́пче		к—ч	
гро́мкий	гро́мок	гро́мче			
дорого́й	до́рог	доро́же		г—ж	
круто́й	крут	кру́че		т—ч	
молодо́й	мо́лод	моло́же		д—ж	
густо́й	густ	гу́ще		ст—щ	
просто́й	прост	про́ще			
то́лстый	толст	то́лще			
хоро́ший	хоро́ш	лу́чше		रचना की विशेष परिस्थितिया	
плохо́й	плох	ху́же			
большо́й		бо́льше			
вели́кий	вели́к				
ма́ленький ма́лый	мал	ме́ньше			

तालिका ४३

तुलना की मात्रा

अन्यतम			
	प्रत्यय	उपसर्ग наи-	
краси́вейший			са́мый краси́вый
добре́йший			са́мый до́брый
старе́йший (член о́бщества)			са́мый тени́стый
			са́мый ста́рый
высоча́йший		наивы́сший	са́мый высо́кий
вы́сший (сове́т)			
ни́зший			са́мый ни́зкий
			са́мый у́зкий
			са́мый ти́хий
	-ейш-		са́мый сухо́й
крепча́йший	-айш-		са́мый кре́пкий
	-ш-		са́мый гро́мкий
			са́мый дорого́й
			са́мый круто́й
			са́мый молодо́й
густе́йший			са́мый густо́й
просте́йший			са́мый просто́й
			са́мый то́лстый
лу́чший		наилу́чший	са́мый хоро́ший
			са́мый лу́чший
ху́дший		наиху́дший	са́мый плохо́й
			са́мый ху́дший
велича́йший (учёный)			са́мый большо́й
			са́мый вели́кий
			са́мый ма́ленький

४. सर्वनाम

आरंभिक टिप्पणिया

१ रूसी भाषा मे कुछ सर्वनाम लिगानुरूप परिवर्तित होते है और कुछ नही।

२ ये लिगानुरूप नही परिवर्तित होते है

> उत्तम और मध्यम पुरुष के व्यक्तिवाचक सर्वनाम (я, ты), निजवाचक себя́, प्रश्नवाचक кто? что? और इसी प्रकार वे सर्वनाम जिनके साथ кто, что लगता है (кто́-то, что́-то, кто́-нибудь, что́-нибудь, не́кто, никто́, इत्यादि)।

३. я और ты व्यक्तिवाचक सर्वनाम जिस लिग को प्रकट करते है उसी के अनुरूप उनसे सबधित शब्द (विशेषण, कृदन्त, सर्वनाम, सख्यावाचक, भूतकाल की क्रिया) पुल्लिग या स्त्रीलिग रूप धारण करते है я сказа́л, я сказа́ла, со мной пе́рвым, со мной пе́рвой, обрати́лись к тебе́ самому́, к тебе́ само́й

४. वाक्य मे кто? सर्वनाम से सबधित शब्द अथवा उन सर्वनामो पर निर्भर शब्द जिनमे кто आता है वे पुल्लिग मे प्रयुक्त होते है Кто прие́хал? Кто́-то пришел? (स्त्री के बारे मे भी कहते है)।

वाक्य मे что? से सबधित शब्द अथवा उन सर्वनामो पर निर्भर शब्द जिनमे что लगता है नपुसक लिग मे प्रयुक्त होते है: Что́-то видне́лось вдали́ Что дви́галось по доро́ге?

५. लिगानुरूप परिवर्तित होनेवाले सर्वनाम वाक्य मे (विशेषणो के समान) उद्देश्य और विधेय रूपो मे प्रयुक्त होते है।

तालिका ४७

सर्वनामो की रूपसाधना और प्रयोग

व्यक्तिवाचक सर्वनाम

एकवचन

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष		
			पुल्लिग	नपुसक लिग	स्त्रीलिग
कर्त्ता	я	ты	он	оно́	она́
सबध	меня́	тебя́	его́ (у него)	его́ (у него)	её (у неё)
सम्प्रदान	мне	тебе́	ему́ (к нему́)	ему́ (к нему́)	ей (к ней)
कर्म	меня́	тебя́	его́ (на него)	его́ (на него́)	её (на неё)
करण	мной (-о́ю)	тобой (-о́ю)	им (с ним)	им (с ним)	ей, е́ю (с ней, с не́ю)
अधिकरण	(обо) мне	(о) тебе́	(о) нём	(о) нём	(о) ней

बहुवचन

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
कर्त्ता	мы	вы	они́
सबध	нас	вас	их (у них)
सम्प्रदान	нам	вам	им (к ним)
कर्म	нас	вас	их (на них)
करण	на́ми	ва́ми	и́ми (с ни́ми)
अधिकरण	(о) нас	(о) вас	(о) них

टिप्पणिया : १ व्यक्तिवाचक सर्वनाम он, она́, оно́, они́ कर्त्ता को छोडकर अन्य कारको में आरम्भ में н धारण करते है यदि ये उपसर्ग के साथ प्रयुक्त होते है (उदाहरणत· Я пошёл к нему́ Я наде́юсь на неё), किंतु सबधवाचक सर्वनाम его́, её, их н नही धारण करते है।

२. सर्वनाम вы केवल बहुवचन के अर्थ मे ही नही प्रयुक्त होता है, किन्तु शिष्ट सबोधन का रूप भी है।

तालिका ४८

निजवाचक सर्वनाम себя́ का प्रयोग

Я нашёл у себя́ на столе́ запи́ску.	सर्वनाम себя́ सभी कारकों में सदा कर्त्ता या करनेवाले से सबधित रहता है।
Я купи́л себе́ кни́гу	
Захвати́ с собо́й докуме́нты	
Он недово́лен собо́й	
Мы взя́ли с собо́й в доро́гу всё необходи́мое	
Мы купи́ли себе́ все необходи́мое	
Они́ рассказа́ли о себе́ мно́го интере́сного	

टिप्पणी : निजवाचक सर्वनाम себя́ की रूपसाधना कर्त्ता को छोडकर अन्य कारको मे ты सर्वनाम की तरह होती है· याने себя́, себе́, इत्यादि (себя́ सर्वनाम का कर्त्ता का रूप नही होता है)।

तालिका ४९

संबंधवाचक सर्वनाम

	एकवचन				बहुवचन	
	पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	सभी लिगो के लिए	
कर्त्ता	мой мое	моя́	наш на́ше	на́ша	мои́	на́ши
संबध	моего́	моéй	на́шего	на́шей	мои́х	на́ших
सम्प्रदान	моему́	моéй	на́шему	на́шей	мои́м	на́шим
कर्म	कर्त्ता या सबध के समान моё	мою́	कर्त्ता या सबध के समान на́ше	на́шу	कर्त्ता या सबध के समान	
करण	мои́м	моéй (-éю)	на́шим	на́шей (-ею)	мои́ми	на́шими
अधिकरण	(о) моём	(о) моéй	(о) на́шем	(о) на́шей	(о) мои́х	(о) на́ших

टिप्पणिया. १. мой के समान твой, свой सर्वनामो की रूपसाधना होती है।

२ सर्वनाम наш के समान सर्वनाम ваш की रूपसाधना होती है।

तालिका ५०

सर्वनाम свой का प्रयोग

Я кончáю Ты кончáешь Он кончáет Онá кончáет Мы кончáем Вы кончáете Они́ кончáют	свою́ рабóту	सर्वनाम свой वस्तु का आधिपत्य कर्त्ता के प्रति सूचित करता है और इस अर्थं में कर्त्ता को छोडकर अन्य कारको मे प्रयुक्त होता है। इन वाक्यो के भेद पर ध्यान दीजिये : Поручи́ емý послáть телегрáмму своемý брáту. Поручи́ емý послáть телегрáмму твоемý брáту कर्त्ता कारक मे свой का दूसरा अर्थं होता है · Это свой человéк

तालिका ५१

संबंधवाचक सर्वनाम के अर्थ में егó, её, их का प्रयोग

Я знáю егó брáта (егó брáтьев, её брáта, её брáтьев, их брáта, их брáтьев) Я пошёл к егó брáту (к егó брáтьям, к её брáту, к её брáтьям, к их брáту, к их брáтьям) Я встрéтился с егó брáтом (с егó брáтьями, с её брáтом, с её брáтьями, с их брáтом, с их брáтьями) Я говори́л о егó брáте (о егó брáтьях, о её брáте, о её брáтьях, об их брáте, об их брáтьях)	सबधवाचक सर्वनाम егó, её, их लिग और वचन के अनुरूप नही परिवर्तित होते है और उपसर्ग के बाद н नही धारण करते. Я был у егó брáта (व्यक्तिवाचक सर्वनाम н धारण करता है Я был у негó)।

तालिका ५२

प्रश्नवाचक और नकारात्मक सर्वनाम

	प्रश्नवाचक सर्वनाम кто? что?		नकारात्मक सर्वनाम विना उपसर्ग के और उपसर्ग के साथ			
कर्त्ता	кто?	что?	никтó		ничтó	
संबंध	когó?	чегó?	никогó	ни у когó	ничегó	ни для чегó
सम्प्रदान	комý?	чемý?	никомý	ни к комý	ничемý	ни к чемý
कर्म	когó?	что?	никогó	ни за когó	ничтó	ни за что
करण	кем?	чем?	никéм	ни с кем	ничéм	ни с чем
अधिकरण	(о) ком?	(о) чём?		ни о ком		ни о чём

टिप्पणिया · १. кто? что? के समान अनिश्चयवाचक सर्वनामो की -то, -лúбо, -нибýдь, кóе- प्रत्ययाशो के साथ रूपसाधना होती है (ктó-то, ктó-нибудь, ктó-либо, кóе-кто, чтó-то, чтó-либо, чтó-нибудь, кóе-что) और इसी प्रकार नकारात्मक सर्वनामो никтó, ничтó की भी।

२. यदि नकारात्मक सर्वनामो और кóе-кто, кóе-что का प्रयोग उपसर्ग के साथ होता है तो उपसर्ग सर्वनाम के आगे न होकर ни और кóе के बाद आता है ни к комý, кóе к комý (Я *ни* с кем не говорúл, ни у когó не был Кóе с чем я не соглáсен)

तालिका ५३

अनिश्चयवाचक सर्वनामों का प्रत्ययांशों के साथ प्रयोग

Я вúдел товáрища он стоя́л и с кéм-то разговáривал По э́тому дéлу поговорú с **кéм-нибудь** Он **чтó-то** сказáл мне, но я забы́л что Скажú мне **чтó-нибудь**	यदि किसी निश्चित, किंतु अज्ञात व्यक्ति या वस्तु के विषय मे कहा जाता है तो सर्वनाम का **-то** प्रत्ययाश के साथ प्रयोग होता है. ктó-то, чтó-то। यदि सर्वथा अज्ञात व्यक्ति या वस्तु के विषय मे कहा जाता है तो सर्वनाम का **-нибýдь** या -лúбо

क्रमशः

В э́той ко́мнате кто́-то кури́л. Скажи́, чтоб кто́-нибудь пришёл. Там кто́-то пришёл Де́ти спо́рят о чём-то	प्रत्ययांश के साथ प्रयोग होता है: кто́-нибудь, кто́-либо।

तालिका ५४

निश्चयवाचक सर्वनाम тот, э́тот; то, э́то; та, э́та; те, э́ти

	एकवचन				बहुवचन	
	पुल्लिंग और नपुंसक लिंग		स्त्रीलिंग		सभी लिंगों के लिए	
कर्ता	тот то	э́тот э́то	та	э́та	те	э́ти
संबंध	того́	э́того	той	э́той	тех	э́тих
सम्प्रदान	тому́	э́тому	той	э́той	тем	э́тим
कर्म	कर्ता या то संबंध के समान	कर्ता या э́то संबंध के समान	ту	э́ту	कर्ता या संबंध के समान	
करण	тем	э́тим	той	э́той	те́ми	э́тими
अधिकरण	(о) том	(об) э́том	(о) той	(об) э́той	(о) тех	(об) э́тих

टिप्पणियां १ э́тот, э́та, э́то, э́ти के समान сам, сама́, само́, са́ми सर्वनामों की रूपसाधना होती है, किन्तु स्वराघात विभक्ति पर होता है।

२ सर्वनाम са́мый, са́мая, са́мое, са́мые से сам, сама́, само́, са́ми का न अर्थ और न रूप में ही भ्रम होना चाहिए, सर्वनाम са́мый, са́мая, са́мое, са́мые स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त नहीं होते, इनका प्रयोग केवल विशेषणों के साथ अन्यतम मात्रा व्यक्त करने के लिए होता है (са́мый большо́й, са́мая бо́льшая इत्यादि) या इन सर्वनामों के अंश रूप में: тот же са́мый, та же са́мая, то же са́мое, те же са́мые।

सर्वनाम *сам* और *са́мый*

		एकवचन		बहुवचन
		पुल्लिंग сам, само́	स्त्रीलिंग сама́	बहुवचन са́ми
कर्ता		Он пришел сам	Она́ пришла́ сама́	Они́ пришли́ са́ми
सवध	Ещѐ нет	его́ самого́ самого́ руководи́теля	ее само́й. само́й руководи́тельницы	их сами́х. сами́х руководи́телей
सम्प्रदान	Я переда́л письмо́	ему́ самому́. самому́ руководи́телю.	ей само́й. само́й руководи́тельнице	им сами́м. сами́м руководи́телям.
कर्म	Я ви́дел	его́ самого́ самого́ руководи́теля	ее *самоё* (*её саму́*). самоё, саму́ руководи́тельницу	их сами́х сами́х руководи́телей
करण	Я говори́л	с ним сами́м с сами́м руководи́телем.	с ней само́й. с само́й руководи́тельницей	с ни́ми сами́ми. с сами́ми руководи́телями.
अधिकरण	Мы говори́ли	о нем само́м. о само́м руководи́теле.	*о ней само́й.* о само́й руководи́тельнице	о них сами́х о сами́х руководи́телях.

क्रमशः:

		са́мый, са́мое (पुल्लिग और नपुसक लिग)	са́мая (स्त्रीलिंग)	са́мые (बहुवचन)
कर्त्ता	Это Это	са́мый лу́чший учени́к са́мое интере́сное зада́ние	са́мая лу́чшая учени́ца.	са́мые лу́чшие ученики́ са́мые интере́сные зада́ния.
संबंध	Сего́дня нет	са́мого лу́чшего ученика́.	са́мой лу́чшей учени́цы.	са́мых лу́чших ученико́в.
सम्प्रदान	Мы да́ли пре́мию	са́мому лу́чшему ученику́.	са́мой лу́чшей учени́це.	са́мым лу́чшим ученика́м.
कर्म	Мы преми-рова́ли	са́мого лу́чшего ученика́.	са́мую лу́чшую учени́цу.	са́мых лу́чших ученико́в
	Я получи́л	са́мое интере́сное зада́ние		са́мые интере́сные зада́ния
करण	Мы бесе́довали	с са́мым лу́чшим учени-ко́м	с са́мой лу́чшей учени́-цей	с са́мыми лу́чшими уче-ника́ми
अधिकरण	Мы говори́ли	о са́мом лу́чшем ученике́	о са́мой лу́чшей учени́це	о са́мых лу́чших ученика́х

टिप्पणिया. १. सर्वनाम са́мый, са́мая, са́мое, са́мые की रूपसाधना विशेषण के समान होती है।

२. सर्वनाम сам, сама́, само́, са́ми और सर्वनाम са́мый, са́мая, са́мое, са́мые के रूप सभी कारको मे स्वराघात से भिन्न हो जाते है और कुछ कारको में विभक्ति-प्रत्ययों से भिन्न हो जाते हैं।

३ тот же са́мый, та же са́мая आदि सर्वनामो की रूपसाधना मे शब्द тот, та, то की रूपसाधना सर्वनाम э́тот, э́та, э́то की तरह होती है और са́мый शब्द की रूपसाधना विशेषण के समान होती है (тому́ же са́мому, той же са́мой, इत्यादि)।

तालिका ५६

सर्वनाम весь, вся, всё, все

	एकवचन		बहुवचन
	पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	सभी लिगो के लिए
कर्त्ता	весь всё	вся	все
सबध	всегó	всей	всех
सम्प्रदान	всемý	всей	всем
कर्म	कर्त्ता या всё सबध के समान	всю	कर्त्ता या सबध के समान
करण	всем	всей(-éю)	всéми
अधिकरण	(обо) всем	(обо) всей	(обо) всех

तालिका ५७

विशेषण के समान रूपसाधना वाले सर्वनाम

(१) какóй, котóрый और सभी इनसे बने हुए सर्वनाम प्रत्ययाशो के साथ और नकारात्मकता के साथ (какóй-то, какóй-нибудь, никакóй)।

Ни к какóму решéнию он еще не пришёл.	उपसर्ग के साथ नकारात्मक सर्वनामो की रूपसाधना में उपसर्ग ни के बाद लगाया जाता है।

(२) सर्वनाम чей, чья, чьё, чьи, ничéй, ничья́, ничьё, ничьи́ की रूपसाधना вóлчий, вóлчья, вóлчье, вóлчьи वर्ग के विशेषणो के समान होती है।

क्रमश·

	एकवचन		बहुवचन
	पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	सभी लिगो के लिए
कर्ता	чей чьё	чья	чьи
सवध	чьего́	чьей	чьих
सम्प्रदान	чьему́	чьей	чьим
कर्म	कर्ता या чьё सवध के समान	чью	कर्ता या सवध के समान
करण	чьим	чьей(-е́ю)	чьи́ми
अधिकरण	(о) чьём	(о) чьей	(о) чьих

५. संख्यावाचक विशेषण

आरंभिक टिप्पणियां

१. सख्यावाचक परिमाणवाचक (оди́н, два, три, пятна́дцать, इत्यादि), क्रमवाचक (пе́рвый, второ́й, इत्यादि) और समूहवाचक होते है (дво́е, тро́е, че́тверо, इत्यादि)।

२. समूहवाचक सख्यावाचक निम्न प्रकार से प्रयुक्त होते हैं:

(क) मनुष्य वोधक पुल्लिग और नपुंसक लिंग संज्ञाओं के साथ: тро́е студе́нтов, пя́теро рабо́чих, дво́е дете́й, се́меро ма́льчиков, इत्यादि (ऐसा नही कहा जा सकता. дво́е волко́в), किंतु साहित्यिक भाषा में समूहवाचक सख्यावाचक पशुओ की शिशु वोधक संज्ञाओ के साथ मिल जाते हैं। उदाहरणत Волча́та, все тро́е, кре́пко спа́ли. (Ч)

मनुष्य वोधक समूहवाचक सख्यावाचको का वाक्य मे विना संज्ञा के स्वतत्र रूप से भी प्रयोग हो सकता है Тро́е стоя́ли на углу́ (या Тро́е стоя́ло на углу́). Я ви́дел двои́х, пото́м ещё трои́х. Нас бы́ло дво́е — брат и я. (П) Все че́тверо выхо́дят вме́сте. (П) Се́меро одного́ не ждут (कहावत)

(ख) केवल वहुवचन मे प्रयुक्त संज्ञाओ के साथ: тро́е но́жниц, че́тверо часо́в, дво́е брюк, इत्यादि।

३. रूसी भाषा मे सख्यावाचको की रूपसाधना होती है।

परिमाणवाचक संख्याओ की रूपसाधना में अपनी विशिष्टता है जो उसे भाषा के अन्य अगो से अलग करती है।

क्रमवाचक संख्याओं की रूपसाधना विशेषणों के समान होती है (एकवचन और वहुवचन दोनो मे समान)।

समूहवाचक सख्यावाचको की रूपसाधना (कर्त्ता को छोड़कर अन्य कारको मे)' विशेषण बहुवचन के समान होती है।

४. रूसी भाषा मे सख्यावाचक, सभी कारको मे (कर्त्ता और उसी से मिलते-जुलते कर्म कारक को छोड़कर) सज्ञा के अनुरूप होता है जिससे वह सबंधित रहता है· Он пое́хал на экску́рсию с двумя́ това́рищами Он рассказа́л мне о тре́х свои́х това́рищах। कर्त्ता कारक मे सख्यावाचक के बाद (два सख्या से शुरू करके)*सज्ञा सबध कारक मे आती है· два това́рища, пять това́рищей (देखिये तालिका ६०)।

५ оди́н (पुल्लिग), одна́ (स्त्रीलिग), одно́ (नपुसक लिग), два, о́ба (पुल्लिग और नपुसक लिग), две, о́бе (स्त्रीलिग) (два ма́льчика, два окна́, две де́вочки), полтора́ (पुल्लिग और नपुसक लिग), полторы́ (स्त्रीलिग) (полтора́ стака́на, полторы́ ча́шки) को छोड़कर परिमाणवाचक सख्याए वचन या लिग के अनुरूप नही परिवर्तित होती है।

६. सख्यावाचक बहुवचन मे प्रयुक्त होते है: ты́сяча—ты́сячи; миллио́н—миллио́ны; миллиа́рд—миллиа́рды। इन सख्यावाचको की रूपसाधना सज्ञा के समान होती है।

तालिका ५८

गणनाद्योतित करनेवाली संख्याएं

परिमाणवाचक		समूहवाचक
1—оди́н, одна́, одно́	13—трина́дцать	дво́е, о́ба,
2—два (पु० और नपु०)	14—четы́рнадцать	о́бе
две (स्त्री०)	15—пятна́дцать	тро́е
3—три	16—шестна́дцать	че́тверо
4—четы́ре	17—семна́дцать	пя́теро
5—пять	18—восемна́дцать	ше́стеро
6—шесть	19—девятна́дцать	се́меро
7—семь	20—два́дцать	(सामान्यतया
8—во́семь	21—два́дцать оди́н	во́сьмеро
9—де́вять	22—два́дцать два,	де́вятеро
10—де́сять	इत्यादि	आदि का रूप
11—оди́ннадцать	30—три́дцать	प्रयुक्त नही होता)
12—двена́дцать	40—со́рок	

क्रमश:

परिमाणवाचक		समूहवाचक
50—пятьдеся́т 60—шестьдеся́т 70—се́мьдесят 80—во́семьдесят 90—девяно́сто 100—сто 101—сто оди́н (одна́, одно́) 102—сто два (две), इत्यादि 200—две́сти 300—три́ста 400—четы́реста 500—пятьсо́т 600—шестьсо́т 700—семьсо́т	800—восемьсо́т 900—девятьсо́т 1 000—ты́сяча 1 001—ты́сяча оди́н (одна́, одно́) 1 002—ты́сяча два (две), इत्यादि 2 000—две ты́сячи 3 000—три ты́сячи 4 000—четы́ре ты́сячи 5 000—пять ты́сяч 6 000—шесть ты́сяч, इत्यादि 21 000—два́дцать одна́ ты́сяча 22 000—два́дцать две ты́сячи, इत्यादि	

टिप्पणिया १. गणना द्योतित करनेवाली कतिपय सख्याओ से तदनुरूप स्त्रीलिग सज्ञाए बनाई जा सकती है едини́ца, дво́йка, тро́йка, четверка, пятерка, шестерка, семерка, восьмерка, девя́тка, деся́тка और деся́ток (पुल्लिग), со́тня (स्त्रीलिग)। इन सब शब्दो से बहुवचन बनाए जा सकते है और इनकी सज्ञाओ के समान रूपसाधना हो सकती है।

२. शब्द ты́сяча (स्त्रीलिग), миллио́н, миллиа́рд (पुल्लिग) की रूपसाधना तदनुरूप शब्दान्तवाली सज्ञाओ के समान होती है। Ты́сяча, миллио́н, миллиа́рд सज्ञाओ के अनुरूप नही होते जिनसे वे सबद्ध है, ты́сяча, миллио́н, миллиа́рд शब्दो के बाद सज्ञा बराबर सबध कारक मे रहती है· Нам привезли́ **ты́сячу книг**. Расстоя́ние измеря́ется **ты́сячами киломе́тров**।

तालिका ५६

संख्यावाचकों की रूपसाधना और प्रयोग

सख्याएं оди́н, одна́, одно́

	एकवचन		बहुवचन (सभी लिगो के लिए)
	पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग	
कर्ता	оди́н одно́	одна́	одни́
संबध	одного́	одно́й	одни́х
सम्प्रदान	одному́	одно́й	одни́м
कर्म	कर्ता या सबध के समान одно́	одну́	कर्ता या सबध के समान
करण	одни́м	одно́й(-о́ю)	одни́ми
अधिकरण	(об) одно́м	(об) одно́й	(об) одни́х

टिप्पणिया. १ बहुवचन मे सख्याए одни́, одни́х, одни́м, इत्यादि प्रयुक्त होती है.

(क) то́лько के अर्थ मे На собра́нии бы́ли одни́ же́нщины—इसका अर्थ है: На собра́нии бы́ли то́лько же́нщины.

(ख) कतिपय не́которые के अर्थ मे Я взял снача́ла одни́ кни́ги, пото́м други́е,

(ग) उन सज्ञाओ के साथ जिनका केवल बहुवचन मे प्रयोग होता है: Я купи́л одни́ часы́ и одни́ но́жницы।

२. एकवचन में оди́н शब्द का कोई не́который के अर्थ में प्रयोग हो सकता है: Есть у меня́ оди́н знако́мый, кото́рый прекра́сно поёт।

सख्याए два (पुल्लिग और नपुसक लिग), две (स्त्रीलिग), три, четы́ре (सभी लिगो के लिए)

कर्ता	два две	три	четы́ре
सबध	двух	трёх	четырёх
सम्प्रदान	двум	трём	четырём
कर्म	कर्ता या सबध के समान		
करण	двумя́	тремя́	четырьмя́
अधिकरण	(о) двух	(о) трёх	(о) четырех

टिप्पणी. सख्या два (पुल्लिग और नपुसक लिग—два стола́, два окна́) और две (स्त्रीलिग—две ла́мпы) लिगानुरूप केवल कर्ता और कर्म कारक मे (कर्ता के समान) विभिन्न है।

समूहवाचक सख्याए

कर्त्ता	óба	óбе	двóе	трóе	чéтверо
सबध	обóих	обéих	двои́х	трои́х	четверы́х
सम्प्रदान	обóим	обéим	двои́м	трои́м	четверы́м
कर्म	कर्त्ता या सबध के समान				
करण	обóими	обéими	двои́ми	трои́ми	четверы́ми
अधिकरण	(об) обóих	(об) обéих	(о) двои́х	(о) трои́х	(о) четверы́х

टिप्पणिया १ óба, двóе, трóе संख्याओ की रूपसाधना एक समान है।

२. чéтверо के समान пя́теро, шéстеро, сéмеро सख्याओ की रूपसाधना होती है।

३. समूहवाचक सख्याओ के प्रयोग के विषय में १८५ पृष्ठ देखिये।

सख्याए сóрок, сто, полторá, полторы́

			पुल्लिग और नपुसक लिग	स्त्रीलिग
कर्त्ता	сóрок	сто	полторá	полторы́
सबध	сорокá	ста	полу́тора	
सम्प्रदान	сорокá	ста	полу́тора	
कर्म	сóрок	сто	полторá	полторы́
करण	сорокá	ста	полу́тора	
अधिकरण	(о) сорокá	(о) ста	(о) полу́тора	

टिप्पणी: १. सबध, सम्प्रदान, करण और अधिकरण कारकों में сто, сóрок संख्याओ के विभक्ति-चिन्ह एक समान है (Я поéхал на экскýрсию со ста рублями́. Нáша дерéвня в сорокá километрах от гóрода)

२. Сто के समान девянóсто की रूपसाधना होती है।

सख्याए пять, пятьдеся́т, пятьсо́т

कर्त्ता	пять	пятьдеся́т	пятьсо́т
संवध	пяти́	пяти́десяти	пятисо́т
सम्प्रदान	пяти́	пяти́десяти	пятиста́м
कर्म	пять	пятьдеся́т	пятьсо́т
करण	пятью́	пятью́десятью	пятьюста́ми
अधिकरण	(о) пяти́	(о) пяти́десяти	(о) пятиста́х

टिप्पणिया.

१. пять के समान ही пять से लेकर два́дцать तक की सख्याओ की और три́дцать की रूपसाधना होती है। इन सब की रूपसाधना कोमल व्यजन में समाप्त होनेवाली स्त्रीलिग संज्ञा के समान होती है (пло́щадь)।	२. пятьдеся́т के समान шестьдеся́т, се́мьдесят, восемьдесят की रूपसाधना होती है। रूपसाधना में सख्या के दोनो भाग परिवर्तित होते हैं और प्रत्येक की सज्ञा के समान रूपसाधना होती है।	३ пя́тьсот के समान ही шестьсо́т, семьсо́т, восемьсо́т, девятьсот की रूपसाधना होती है। रूपसाधना मे दोनो भाग परिवर्तित होते है।

सख्याएं две́сти, три́ста, четы́реста

कर्त्ता	две́сти	три́ста	четы́реста
सबंध	двухсо́т	трёхсо́т	четырёхсо́т
सम्प्रदान	двумста́м	трёмста́м	четырёмста́м
कर्म	две́сти	три́ста	четы́реста
करण	двумяста́ми	тремяста́ми	четырьмяста́ми
अधिकरण	(о) двухста́х	(о) трёхста́х	(о) четырёхста́х

टिप्पणिया रूपसाधना के समय यौगिक सख्या के सभी भाग परिवर्तित होते है, उदाहरणत· 942 — девятьсо́т со́рок два, у девятисо́т сорока́ двух, к девятиста́м сорока́ двум, इत्यादि।

तालिका ६०

संज्ञाओं और विशेषणो के साथ परिमाणवाचक संख्याओं की संगति

१ यदि प्रयुक्त सख्या कर्त्ता या कर्म कारक (कर्त्ता के समान रूप है) मे है तो :	
(क) оди́н, одна́, одно́ के बाद और उसी प्रकार इन यौगिक सख्याओ के बाद जिनके अत मे оди́н, одна́, одно́ है सज्ञा और विशेपण कर्त्ता या कर्म कारक एकवचन मे प्रयुक्त होता है.	Коми́ссия прове́рила **два́дцать оди́н догово́р** На заво́де **два́дцать одна́ молодёжная брига́да** Я получи́л за́ год **три́дцать одно́ письмо́**
(ख) два, две, три, четы́ре और उन यौगिक सख्याओ के बाद जिनके अत मे ये सख्याए आती है तथा о́ба, о́бе, полтора́, полторы́ के बाद सज्ञा सबध कारक एकवचन और विशेपण बहुवचन मे प्रयुक्त होता है	Да́йте, пожа́луйста, **два карандаша́, три тетра́ди** Да́йте, пожа́луйста, **два си́них карандаша́ и три о́бщих тетра́ди** Возьму́ **о́ба а́тласа** Возьму́ о́ба гѐографи́ческих а́тласа **Полтора́ после́дних ме́сяца** хорошо́ рабо́тал
यदि विशेषण पुल्लिग या नपुसक लिग सज्ञा से सबद्ध है, तो उसका प्रयोग हमेशा सबध कारक बहुवचन मे होता है	Постро́ено **четы́ре но́вых больши́х до́ма** Сего́дня в газе́те **два ва́жных изве́стия**
यदि विशेपण का सबध स्त्रीलिग सज्ञा के साथ है, तो वह प्राय' कर्त्ता कारक बहुवचन मे प्रयुक्त होता है·	Учени́к реши́л **две тру́дные зада́чи** Для заня́тий нам предоста́вили **четы́ре све́тлые аудито́рии Две больши́е страны́** заключи́ли догово́р о дру́жбе.
(ग) शेष सख्याओ के बाद संज्ञाए और विशेषण सबध कारक बहुवचन मे प्रयुक्त होते है:	Постро́ено **семь больши́х зда́ний** Прие́хало **три́дцать шесть но́вых делега́тов**

२. यदि सख्या न कर्त्ता कारक और न कर्म कारक (कर्त्ता के समान) मे है, तो वह जिस सज्ञा से संबद्ध है उसी के समान कारक और वचन का रूप धारण करती है: Пре́мия бу́дет дана́ **трём лу́чшим ученика́м** Встре́тился с **двумя́ ста́рыми това́рищами** ।

टिप्पणियां. १ भिन्न वाली या आंशिक संख्याओं полови́на, треть, че́тверть के बाद और ты́сяча, миллио́н, миллиа́рд के बाद संज्ञा सदा संबंध कारक में प्रयुक्त होती है: К нам привезли́ ты́сячу книг. Я прочита́л полови́ну кни́ги На постро́йку истра́тили о́коло четырёх миллио́нов рубле́й।

२. विशेषण से बनी संज्ञाएं (рабо́чий, портно́й, столо́вая, мастерска́я, насеко́мое, живо́тное) два, три, четы́ре आदि संख्याओं के बाद संबंध कारक बहुवचन में प्रयुक्त होती है два рабо́чих (дво́е рабо́чих), две столо́вых, две мастерски́х (परन्तु ऐसा भी हो सकता है: две столо́вые, две мастерски́е)।

तालिका ६१

क्रमवाचक संख्याएं

пе́рвый
второ́й
тре́тий
четвёртый
пя́тый
шесто́й
седьмо́й
восьмо́й
девя́тый
деся́тый

оди́ннадцатый
двена́дцатый
трина́дцатый
четы́рнадцатый
пятна́дцатый
шестна́дцатый
семна́дцатый
восемна́дцатый
девятна́дцатый
двадца́тый

два́дцать пе́рвый
два́дцать второ́й,
इत्यादि
тридца́тый
три́дцать пе́рвый,
इत्यादि
сороково́й
пятидеся́тый
шестидеся́тый
семидеся́тый
восьмидеся́тый
девяно́стый
со́тый

сто пе́рвый
сто второ́й,
इत्यादि
сто девяно́сто девя́тый
двухсо́тый
две́сти пе́рвый
две́сти второ́й,
इत्यादि
две́сти девяно́сто девя́тый
трёхсо́тый
три́ста пе́рвый
три́ста второ́й,
इत्यादि
четырёхсо́тый
четы́реста пе́рвый
четы́реста второ́й,
इत्यादि

ты́сячный, ты́сяча пе́рвый, इत्यादि, ты́сяча девятьсо́т девяно́сто девя́тый, двухты́сячный, две ты́сячи пе́рвый, इत्यादि, две тысячи девятьсóт девянóсто девя́тый, трехты́сячный, три ты́сячи пéрвый, इत्यादि, миллиóнный

टिप्पणिया: १. क्रमवाचक सख्याए परिमाणवाचक सख्याओ के सबध कारक की प्रकृति से बनती है सबध कारक के विभिक्त-चिन्ह -а या -и को छोड़ देती है और उसकी जगह विशेषण के विभक्ति-चिन्हो को धारण करती है пя́тый, -ая, -ое, -ые; девянóстый, -ая, -ое, -ые। ये सख्या ए विशिष्ट रूप से बनती है. пéрвый, -ая, -ое, -ые; вторóй, -áя, -óе, -ы́е; трéтий, -ья, -ье, -ьи; четвертый, -ая, -ое, -ые; седьмóй, -áя, -óе, -ы́е; сороковóй, -áя, -óе, -ы́е.

२. ты́сяча, миллиóн, миллиáрд शब्दो से सख्याए -н- प्रत्यय की सहायता से बनती है. ты́сячный, миллиóнный, миллиáрдный -

क्रमवाचक संख्याओं का प्रयोग

१ क्रमवाचक सख्याए विशेषण के समान परिवर्तित होती है।

२. क्रमवाचक सख्या की रूपसाधना मे जिसके विभिन्न अगो को एकसाथ नही लिखा जाता यौगिक सख्या का अतिम अश परिवर्तित होता है В ты́сяча девятьсóт пя́том годý

३. क्रमवाचक सख्याए प्रयुक्त होती है.

(क) भिन्न या आशिक सख्या द्योतित करने के लिए: однá пя́тая, две пя́тых, пять восьмы́х,

(ख) समय द्योतन के लिए.

чéтверть **пéрвого** 10 минýт **пя́того**	क्रमवाचक सख्या पुल्लिग सबध कारक मे,

(ग) तारीख सूचित करने के लिए: **Седьмóго** ию́ля я уéду **Пéрвого** сентября́ начинáются заня́тия (सज्ञा और सख्या सबध कारक मे)।

ध्यान दीजिये. वर्ष सूचित करने के लिए रूसी भाषा मे क्रमवाचक सख्या प्रयुक्त होती है (В 1938 годý — в ты́сяча девятьсóт три́дцать восьмóм годý)।

६. क्रिया

आरम्भिक टिप्पणियां

१ रूसी भाषा मे सकर्मक क्रियाएं होती है, जो बिना उपसर्ग के कर्म प्रयुक्त करती है (чита́ть кни́гу, организова́ть кружок, объясни́ть сло́во) और अकर्मक क्रियाए है (стоя́ть, бегать, встреча́ться)

२. -ся मे समाप्त होनेवाली क्रियाओ की भी श्रेणी है (умыва́ться, труди́ться, находи́ться, боро́ться, смерка́ться, इत्यादि)। -ся वाली सभी क्रियाए अकर्मक है। -ся वाली क्रियाओ का अग निजवाचकता का बोध कराता है (умыва́ться, одева́ться) (देखिये तालिका ८३)।

३ रूसी क्रियाओ के सामान्य, निर्देशक, आज्ञा और सभावना के रूप होते है। निर्देशक के तीन काल होते है. वर्त्तमान काल का एक रूप, भूतकाल का एक रूप और भविष्य के दो रूप—एक सामान्य (सरल या साधारण) भविष्य रूप (прочита́ю) और दूसरा जटिल (यौगिक) भविष्य रूप (бу́ду чита́ть)। वर्त्तमान और भविष्य मे क्रिया वचन और पुरुष के अनुरूप परिवर्तित होती है। भूतकाल मे रूसी क्रिया का रूप पुरुषानुरूप नही होता है, वचन के अनुरूप परिवर्तित होता है। इसके अतिरिक्त क्रिया एकवचन मे लिगानुरूप परिवर्तित होती है. Он чита́л, она́ чита́ла, дитя́ чита́ло। बहुवचन के रूपो मे लिग-भेद नही है (они́ чита́ли)।

क्रिया इसी प्रकार विशिष्ट रूप भी बनाती है—कृदन्त और क्रियाद्योतक (देखिये तालिकाए ९२ – १००)।

४. अव्यक्तिपरक क्रियाएं भी है जो न पुरुषानुरूप (वर्त्तमान और भविष्य में) और न भूतकाल मे लिग या वचनानुरूप परिवर्तित होती है। इन क्रियाओ मे कर्त्ता नही होता (देखिये तालिका ८४)।

५ . रूसी क्रियाओ की विशिष्टता इस बात मे है कि उसके दो पक्ष या स्वरूप है। पक्ष या स्वरूप है· अपूर्णताद्योतक (читáть, писáть, стрóить, изучáть, выполня́ть, идти́) और पूर्णताद्योतक (прочитáть, написáть, пострóить, изучи́ть, вы́полнить, пойти́)।

पूर्णताद्योतक क्रिया पूर्ण कार्य द्योतित करती है, क्रिया का (भूत या भविष्य मे) उसके निश्चित अन्त तक पहुंचना (और सम्पन्नता) द्योतित करती है। भूतकाल मे: Я прочитáл кни́гу—इसका अर्थ है: पूरी, अन्त तक, Я написáл письмó—इसका अर्थ है: पत्र पूर्ण हो गया या तैयार हो गया, Я изучи́л рýсский язы́к—इसका अर्थ है मैं भाषा जानता हू; Мы спéли гимн—इसका अर्थ है: अन्त तक। इसके साथ ही ये वाक्य Я читáл кни́гу, я писáл письмó, я изучáл рýсский язы́к, мы пéли гимн केवल यह द्योतित करते है कि क्रिया शुरू हो गई, किन्तु यह ज्ञात नही है कि वह अंत तक पहुचायी गयी या नही। Читáл, писáл, изучáл, пéли क्रियाए अपूर्णताद्योतक क्रियाए है।

भविष्य काल मे. Я прочитáю кни́гу—इसका अर्थ है कि पुस्तक अत तक पढ़ ली जायगी; Я напишý письмó—इसका अर्थ है कि पत्र पूर्ण हो जायगा, लिख डाला जायगा, इत्यादि। इसके साथ Я бýду читáть кни́гу, бýду писáть письмó—इनका अर्थ है कि क्रिया प्रारम्भ हो जायगी, किन्तु यह ज्ञात नही है कि वह अन्त तक पहुचेगी या नही। हो सकता है कि पुस्तक बिना अन्त तक पढ़ी रह जाय और पत्र अधूरा या अपूर्ण रह जाय।

कतिपय पूर्णताद्योतक क्रियाए केवल पूर्णता ही नही द्योतित करती है, वरन क्रिया का केवल एक बार होना द्योतित करती है—क्रिया एक बार हुई, एक क्षण के लिए और समाप्त हो गई· Он толкнýл стул, он махнýл рукóй—इसका अर्थ है एक बार। इसके साथ ही Он толкáл стул, он махáл рукóй—इनका अर्थ है· क्रिया देर तक होती रही या उसकी कई बार आवृत्ति हुई। Толкáл, махáл क्रियाए अपूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाए है।

अपूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाए केवल क्रिया या कार्य द्योतित करती है—बिना यह बताये कि प्रक्रिया समाप्त हुई या नही।

इसके अतिरिक्त अपूर्णताद्योतक वर्ग की कतिपय क्रियाए क्रिया का सातत्य, उसकी आवृत्ति द्योतित करती है (хáживал)। ये क्रियाए बोलचाल और वर्तमान साहित्यिक भाषा मे विरल रूप मे प्रयुक्त होती है।

प्रायः अपूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाएं मूल रूप मे और पूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाए व्युत्पन्न रूप मे प्रकट होती है।

अपूर्णताद्योतक क्रियाओ मे उपसर्ग जोड़कर या प्रत्यय परिवर्तन द्वारा पूर्णताद्योतक क्रियाए बनाई जाती हैं (писа́ть — написа́ть; толка́ть — толкну́ть); पूर्णताद्योतक क्रियाओ से प्रत्ययो के आगम द्वारा या एक प्रत्यय की जगह दूसरा प्रत्यय बदलकर अपूर्णताद्योतक क्रियाए बनाई जाती है (овладе́ть — овладева́ть, перестроить — перестра́ивать, изучи́ть — изуча́ть)।

इसके अतिरिक्त क्रिया के पक्षो के परिवर्तन में धातु या मूलगत स्वरो के अन्तर्परिवर्तन का (перестро́ить — перестра́ивать, опозда́ть — опа́здывать), व्यजनो के अन्तर्परिवर्तन का (отве́тить — отвеча́ть) तथा इसी प्रकार क्रिया में स्वराघात के स्थान (разре́зать — разреза́ть) का बड़ा महत्व है।

प्रत्येक क्रिया – मूल या व्युत्पन्न – स्वतन्त्र है और उसके अपने सभी विशिष्ट रूप – सामान्य क्रिया, नियम, काल आदि होते हैं।

अपूर्णताद्योतक क्रिया के तीन काल होते हैं (чита́ю, чита́л, бу́ду чита́ть)। पूर्णताद्योतक क्रिया के केवल दो काल होते हैं भूत और भविष्य (прочита́л, прочита́ю), इनका वर्तमान काल नही होता है।

रूसी भाषा में भविष्य काल के दो रूप होते हैं . जटिल (यौगिक) भविष्य और सरल (साधारण) भविष्य।

अपूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाओ का भविष्य काल जटिल भविष्य है जो सहायक क्रिया के भविष्य काल और सामान्य क्रिया से बनता है я бу́ду изуча́ть, я бу́ду чита́ть।

पूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाओ का भविष्य काल सरल भविष्य है. я прочита́ю, я изучу́। सरल भविष्य के प्रत्यय रूप वही होते हैं जैसे कि अपूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाओ के वर्तमान काल के रूप।

Мы бу́дем стро́ить дом. Мы бу́дем изуча́ть язы́к ये वाक्य यह व्यक्त करते हैं कि हम ऐसा कार्य प्रस्तुत करेंगे, कितु यह नही कि यह कार्य पूरा होगा या नही। Мы постро́им дом Мы изу́чим язы́к वाक्य प्रदर्शित करते है कि घर पूरा बन जायगा, भाषा पढ़ लेंगे – हम उसे जान जायेंगे।

विभिन्न काल रूपो से सबद्ध क्रिया के इन दो रूपो के प्रयोग मे प्राय: गलतिया होती हैं – भविष्य की जगह वर्तमान का प्रयोग, वर्तमान की जगह भविष्य, पूर्णताद्योतक क्रिया से अशुद्ध भविष्य रूप बनाना (भविष्य काल की शुद्ध रचना की जगह: я скажу́, я пойду́, я возьму́, я начну́, इत्यादि, रूसी भाषा अच्छी तरह न जाननेवाले व्यक्ति ऐसा अशुद्ध बोलते है: Я бу́ду сказа́ть, я бу́ду пойти́, я бу́ду взять, бу́ду нача́ть, इत्यादि।

तालिका ६२

उपसर्गों की सहायता से पूर्णताद्योतक क्रियाओं की रचना

(अ) उपसर्ग, जो शब्द के कोषगत अर्थ को न परिवर्तित कर क्रिया को पूर्णता या निष्पन्नता का अर्थ देते हैं।

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग	टिप्पणिया
стрóить Рабóчие **стрóили** дом.	**пострóить** Рабóчие **пострóили** дом.	по-	**Пострóили** дом — अर्थ है घर तैयार हो गया।
читáть Я **читáл** кни́гу	**прочитáть** Я **прочитáл** кни́гу	про-	**Прочитáл** кни́гу — अर्थ है पूरी किताब अन्त तक पढ डाली।
писáть Товáрищ **писáл** письмó	**написáть** Товáрищ **написáл** письмó	на-	**Написáл** письмó— अर्थ है- पत्र पूरा हो गया।
дéлать Учени́к **дéлал** урóки	**сдéлать** Учени́к **сдéлал** урóки	с-	**Сдéлал** урóки — अर्थ है काम समाप्त कर दिया, पाठ तैयार है।
петь Мы **пéли** пéсню	**спеть** Мы **спéли** гимн		**Спéли** гимн — पूरा गीत अन्त तक गाया
крéпнуть	**окрéпнуть** Дéти за лéто хорошó окрéпли	о-	Дéти **окрéпли** — व्यापार की पूर्णता द्योतित करता है स्वस्थ हो गये।
глóхнуть	**оглóхнуть**		Больнóй **оглóх** — अर्थ है श्रवणशक्ति खो दी नही सुनता।
слéпнуть	**ослéпнуть** Больнóй оглóх, **ослéп.**		Больнóй **ослéп** — अर्थ है: दृष्टि खो दी नही देखता।

क्रमशः

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग	टिप्पणिया
дели́ть Они́ дели́ли дыню на ра́вные ча́сти	**раздели́ть** Они́ раздели́ли ды́ню на ра́вные ча́сти	раз-	**Раздели́ли ды́ню**—अर्थ है. व्यापार पूर्ण हो गया।
буди́ть Я долго буди́л това́рища	**разбуди́ть** Наконе́ц я разбуди́л его́		**Разбуди́л**—अर्थ है: साथी जग गया।

(आ) उपसर्ग, समाप्ति का अर्थ देने के साथ साथ, समय के साथ कार्य के संबध को प्रदर्शित करते हुए, क्रिया को नया इगित देते है।

१. कतिपय क्रियाओ से युक्त होकर उपसर्ग по- समय की अवधि मे सीमित होने का अर्थ देता है·

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग	टिप्पणिया
чита́ть	**почита́ть**	по-	**Почита́л**—अर्थ है थोडे समय तक पढा और फिर बद कर दिया।
рабо́тать	**порабо́тать**		**Порабо́тал**—अर्थ है. थोडे समय तक काम किया और फिर काम रोक दिया।
гуля́ть	**погуля́ть** Вчера́ я порабо́тал, почита́л, пото́м погуля́л		**Погуля́л**—अर्थ है. थोडी देर घूमा।

२. कतिपय क्रियाओ से युक्त होकर за-, по- उपसर्ग शब्द को कार्यारम्भ का अर्थ देते है।

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग	टिप्पणिया
петь Мы пе́ли гимн	**запе́ть** Все сра́зу запе́ли гимн	за-	**Запе́ли**—गाना शुरू किया।

क्रमश·

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग	टिप्पणिया
шуме́ть Лес шуме́л.	зашуме́ть Лес вдруг зашуме́л		Зашуме́л – शोर करना शुरू किया।
говори́ть Он говори́л до́лго.	заговори́ть Он неожи́данно заговори́л	за-	Заговори́л – कहना शुरू किया।
пла́кать Ребенок пла́кал	запла́кать Ребенок запла́кал		Запла́кал – रोना शुरू किया।
ходи́ть Това́рищ ходи́л по ко́мнате	заходи́ть Това́рищ заходи́л по ко́мнате		Заходи́л – चलना शुरू किया।
лете́ть Самолёт лете́л	полете́ть Самолет полете́л	по-	Полете́л – कार्य शुरू हो गया।

Орля́та засвиста́ли и запища́ли ещё жа́лобнее Тогда́ орёл вдруг сам гро́мко закрича́л, распра́вил кры́лья и тяжело́ полете́л к мо́рю (Л Т)

Лес зазвене́л, застона́л, затреща́л,
За́яц послу́шал и вон побежа́л (Некр)

И по реке́, стыдли́во сине́вшей из-под реде́ющего тума́на, полили́сь сперва́ а́лые, пото́м кра́сные, золоты́е пото́ки молодо́го, горя́чего све́та. Все зашевели́лось, просну́лось, запе́ло, зашуме́ло, заговори́ло Всю́ду лучи́стыми алма́зами зарде́лись кру́пные ка́пли росы́ .. (Т)

(इ) उपसर्ग, समाप्ति द्योतन के साथ शब्द को स्थान से संबंधित गति तथा दूसरे अर्थों के विभिन्न संकेत देते है।

क्रमश:

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग
идти́	**войти́** Учи́тель вошёл в класс	в-(во-)
	вы́йти Учи́тель вы́шел из кла́сса	вы-
	уйти́ Бра́та нет до́ма. он ушел.	у-
	дойти́ Я дошёл до шко́лы за 10 мину́т	до-
	отойти́ Учени́к отошёл от доски́	от-(ото-)
	сойти́ Докла́дчик сошёл с трибу́ны.	с-(со-)
	прийти́ Ко мне пришёл това́рищ	при-
	зайти́ Он зашёл за мной	за-
	перейти́ Мы перешли́ ре́чку вброд	пере-
писа́ть	**списа́ть** Учени́к пра́вильно списа́л предложе́ния	с-
	дописа́ть Дописа́л текст до конца́.	до-

क्रमश.

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	उपसर्ग
	вы́писать Вы́писал цита́ты из статьи́	вы-
	вписа́ть Вписа́л не́сколько пропу́щенных слов	в-
	переписа́ть Я переписа́л текст	пере-
	приписа́ть Приписа́л не́сколько слов к письму́	при-
	записа́ть Хорошо́ записа́л все но́вые слова́	за-
	исписа́ть Исписа́л весь лист бума́ги.	из-(ис-)
	подписа́ть Учи́тель подписа́л рабо́ты ученико́в.	под-
	надписа́ть Това́рищ подари́л мне кни́гу и надписа́л её	над-
	прописа́ть До́ктор прописа́л лека́рство от ревмати́зма	про-
	описа́ть Поэ́т описа́л степь.	о-
	расписа́ть Худо́жник расписа́л сте́ны клу́ба	раз-(рас-)

टिप्पणिया: १. यदि अपूर्णताद्योतक क्रियाओ मे उपसर्ग जोड़ दिया जाता है तो प्राय· पूर्णताद्योतक क्रियाए बन जाती हैं।

२ в-, вы-, от-, до-, из-, у-, с-, за-, под-, над-, о-, пере-, при-, раз- तथा दूसरे उपसर्ग विभिन्न क्रियाओ से जुड़कर नए शब्द बनाते हुए बिल्कुल दूसरे अर्थ देते है (उपसर्गों से युक्त ये क्रियाए शब्दकोषो में नए शब्दो के रूप मे स्थान पाती हैं)।

३. एक ही उपसर्ग, विभिन्न क्रियाओ से युक्त होकर शब्द को विभिन्न अर्थ देता है। उदाहरणत: перебежáть ýлицу (सडक के दूसरी ओर जाना); перечитáть письмó (पत्र को एक वार और पढना), перестрóить дом (इमारत को वदलकर उसके कुछ हिस्से को तोडकर फिर से वनाना); перестарáлся (जरूरत से अधिक कोशिश की); переломáл игрýшки (सभी खिलौनो को तोड़ डाला); переночевáл в лесý (पूरी रात जगल में वितायी)।

४ ऊपर प्रदर्शित उपसर्गों में से कुछ उपसर्ग कतिपय क्रियाओ से सयुक्त होकर शब्द को केवल स्थानसवधित गति का अर्थ ही नही देते, वरन् समाप्ति का अर्थ भी, कार्य की पूर्ण सम्पन्नता का अर्थ देते है: вы́лечить больнóго, вы́учить стихи́.

प्रत्ययो की सहायता से क्रिया के पक्षों की रचना

तालिका ६३

-ыва-, -ива- प्रत्ययों के साथ क्रियाएं

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	प्रत्यय
стрóить	дострóить Вчерá рабóчие дострóили дом	дострáивать Вчерá рабóчие ещё дострáивали дом	-ива-
	перестрóить Этот дом перестрóили	перестрáивать Этот дом перестрáивали три рáза	
	надстрóить В Москвé надстрóили мнóгие домá	надстрáивать Домá надстрáивали быстро	

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	प्रत्यय
писа́ть	переписа́ть	перепи́сывать	-ыва-
	Учени́к переписа́л сочине́ние	Я не́сколько раз перепи́сывал сочине́ние	
	дописа́ть	допи́сывать	
	Я дописа́л письмо́ и вложи́л в конве́рт.	Я допи́сывал письмо́, когда́ он вошёл в ко́мнату	
	вы́писать	выпи́сывать	
	Я вы́писал из те́кста мно́го но́вых слов.	Я чита́л и выпи́сывал незнако́мые слова́.	
	подписа́ть	подпи́сывать	
	Он подписа́л все докуме́нты	Он всегда́ подпи́сывал докуме́нты.	
чита́ть	дочита́ть	дочи́тывать	
	Я ве́чером дочита́л газе́ту	Я дочи́тывал газе́ту, когда́ он вошёл	
	перечита́ть	перечи́тывать	
	Я вчера́ перечита́л твоё письмо́	Я ча́сто перечи́тывал твоё письмо́	

टिप्पणियां. १. नये अर्थों को प्रकट करनेवाले उपसर्गों की सहायता से बनायी हुई पूर्णताद्योतक क्रियाओ से फिर -ыва-, -ива- प्रत्ययो की सहायता से अपूर्णताद्योतक क्रियाए बनायी जा सकती है। यदि उपसर्ग मूल अर्थ को न परिवर्तित कर केवल समाप्ति का अर्थ देता है तो ऐसा नही किया जा सकता (ऐसे शब्द नही: сде́лывать, напи́сывать)।

२. -ыва-, -ива- प्रत्ययो से युक्त क्रियाएं सदा अपूर्णताद्योतक होती है। दो उपसर्गों और -ыва-, -ива- प्रत्ययो से युक्त पूर्णताद्योतक

क्रियाएं हैं (повытáлкивать), किन्तु वे बहुत ही कम प्रयुक्त होती हैं।

२. -ыва-, -ива- प्रत्यय विना उपसर्ग वाली क्रियाओ मे मिलते हैं: лáвливать (Мы **лáвливали** и ершéй —क्रिलोव द्वारा कृत कथा· मे), хáживать। ऐसी क्रियाए भूतकाल मे कार्य की वार वार आवृत्ति की व्यजना करती हैं। वर्त्तमान भापा की दृष्टि से वे अधिकाशत· आर्प या अप्रचलित हैं, किन्तु उन्नीसवी शताब्दी के साहित्य मे उनका प्रयोग मिलता है.

Я **вúдывал** частéнько, что рыльце у тебя́ в пухý.. (Кр)

. . . . . Тáня дáле;
Старýшка ей. «А вот камúн,
Здесь бáрин **сúживал** одúн,
Здесь с ним **обéдывал** зимóю
Покóйный Лéнский, наш сосéд..» (П)

Кто не проклинáл станциóнных смотрúтелей, кто с нúми не **брáнивался**... (П)

तालिका ६४

-ну- प्रत्यय से युक्त क्रियाएं

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	प्रत्यय	टिप्पणिया
исчезáть Сóлнце постепéнно исчезáло	**исчéзнуть** Наконéц онó совсéм исчéзло	-ну-	Сóлнце исчезáло—अर्थ है· वह अभी तक दिखाई पड रहा था। Сóлнце исчéзло—अब नही दिखाई पड़ता।
достигáть Мы ужé достигáли вершúны горы́, как пошёл дождь	**достúгнуть** Мы ужé достúгли вершúны горы́, как пошёл дождь		Мы ужé достигáли вершúны—हम, अभी तक ऊपर नही पहुचे। Достúгли вершúны—हम ऊपर पहुच गये।

क्रमश

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक	प्रत्यय	टिप्पणिया
	За э́ти го́ды нау́ка дости́гла больши́х успе́хов	-ну-	Нау́ка дости́гла успе́хов सफलता प्रत्यक्ष
мелька́ть Вдали́ мелька́ли огоньки́	**мелькну́ть** Вдали́ мелькну́л огонек.		Мелька́ли огоньки́—कार्य की आवृत्ति हुई। Мелькну́л огонёк—आग एक बार दिखाई पडी और फिर लुप्त हो गई।
толка́ть Ма́льчик толка́л стол	**толкну́ть** Ма́льчик толкну́л стол		Толка́л стол—कार्य कई वार दुहराया गया। Толкну́л стол—एक वार।
маха́ть Он маха́л руко́й из окна́ ваго́на	**махну́ть** Он махну́л руко́й на проща́нье		Маха́л руко́й—कई वार। Махну́л—एक वार।
крича́ть Ребенок крича́л не перестава́я	**кри́кнуть** Ребенок кри́кнул и замо́лк.		Крича́л—कार्य समय से सीमित नही है। Кри́кнул—एक वार।

टिप्पणिया: १ -ну- प्रत्यय से युक्त अधिकाश क्रियाए पूर्णताद्योतक वर्ग की क्रियाए है।

२. -ну- प्रत्यय से युक्त पूर्णताद्योतक क्रियाएं व्यक्त करती हैं (क) कार्य की समाप्ति, फल या परिणाम की प्राप्ति (исче́знуть, дости́гнуть), (ख) कार्य का एक वार होना, अर्थात् कार्य एक वार या एक क्षण मे हो गया (толкну́ть, махну́ть, кри́кнуть)।

३. -ну- प्रत्यय से युक्त कतिपय क्रियाए अपूर्णताद्योतक है, उदाहरणत

вя́нуть, вя́знуть, со́хнуть, мо́кнуть, гибну́ть, кре́пнуть, зя́бнуть, гло́хнуть ये अधिकतर पदार्थ की क्रमश दृढ होती हुई स्थिति को व्यक्त करती हैं। उपसर्ग की सहायता से इन सभी क्रियाओ से पूर्णताद्योतक क्रियाए बनाई जाती हैं. завя́нуть, увя́нуть, увя́знуть, вы́сохнуть, вы́мокнуть, поги́бнуть, окре́пнуть, замерзнуть, огло́хнуть। अर्थ में इन्हीं के अनुरूप ये अपूर्णताद्योतक क्रियाए हैं. увяда́ть, увяза́ть, засыха́ть, вымока́ть, погиба́ть, замерза́ть।

तालिका ६५

-ва- प्रत्यय से युक्त क्रियाएं

पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	प्रत्यय
дать	**дава́ть**	**-ва-**
Он дал мне кни́гу	Он всегда́ дава́л мне кни́ги	
переда́ть	**передава́ть**	
Сего́дня по ра́дио пе́редали ва́жное сообще́ние.	По ра́дио ча́сто передаю́т конце́рты	
осозна́ть	**осознава́ть**	
Он осозна́л свои́ оши́бки.	Он до́лго не осознава́л свои́х оши́бок	
призна́ть	**признава́ть**	
Он призна́л свою́ оши́бку.	Он признава́л свои́ оши́бки.	
встать	**встава́ть**	
Встал ра́но у́тром	Я всегда́ встава́л ра́но у́тром	
заста́ть	**застава́ть**	
Не заста́л до́ма никого́	Я обы́чно застава́л всех до́ма	

पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	प्रत्यय
преодоле́ть	**преодолева́ть**	-ва-
Мы преодоле́ли все препятствия	Мы с трудо́м преодолева́ли препя́тствия на своём пути́	
овладе́ть	**овладева́ть**	
Мы уже́ овладе́ли те́хникой произво́дства	Мы постепе́нно овладева́ли те́хникой произво́дства	
доби́ться	**добива́ться**	
Мы доби́лись успе́хов.	Мы упо́рно добива́лись успе́хов	
забы́ть	**забыва́ть**	
Я забы́л сего́дня взять каранда́ш	Я всегда́ забыва́л взять каранда́ш.	
откры́ть	**открыва́ть**	
Магази́н откры́ли в 8 часо́в	Магази́н всегда́ открыва́ли в 8 часо́в.	
покры́ть	**покрыва́ть**	
Утром густо́й тума́н покры́л поля́.	По утра́м густо́й тума́н покрыва́л поля́	

टिप्पणियां: १. -ва- प्रत्यय से युक्त अपूर्णताद्योतक पक्ष की дава́ть, забыва́ть क्रियाएं अर्थ में इन्हीं के अनुसार इस प्रत्यय से विहीन पूर्णताद्योतक क्रियाओं (дать, забы́ть, इत्यादि) से बनी हैं। प्रत्यय -ва- सदा स्वर के बाद आता है।

२. -ва- प्रत्यय से युक्त क्रियाएं प्रायः अपूर्णताद्योतक ही रहती हैं यदि उनमें उपसर्ग भी जुड़ जाते हैं: передава́ть, продава́ть, отдава́ть, выдава́ть, इत्यादि। इनके अनुरूप पूर्णताद्योतक क्रियाएं · переда́ть, прода́ть, отда́ть, вы́дать, इत्यादि।

ध्यान दीजिये. क्रियाए быть, бывáть अपूर्णताद्योतक क्रियाएं हैं। पूर्णताद्योतक побы́ть, побывáть—Я хочу́ побывáть в дерéвне Я хочу́ побы́ть в дерéвне с мéсяц।

२ -да-, -зна-, -ста- मूल वाली सभी क्रियाए इसी वर्ग मे आती है (признáть — признавáть, отдáть — отдавáть, пристáть — приставáть)। इन क्रियाओ की रूपसाधना की विशेषता · वर्त्तमान काल मे प्रत्यय -ва- का लोप हो जाता है (отдаёшь, признаёшь, пристаешь, *встаёшь*, इत्यादि)।

तालिका ६६

-и-, *-а-* प्रत्ययों से युक्त क्रियाएं

पूर्णताद्योतक	प्रत्यय	अपूर्णताद्योतक	प्रत्यय
изучи́ть Мы ужé изучи́ли ру́сский язы́к	-и-	**изучáть** Мы изучáли ру́сский язы́к два гóда	-а- (-я-)
получи́ть Сегóдня я получи́л письмó		**получáть** Лéтом я чáсто получáл пи́сьма	
реши́ть Наконéц у́чени́к реши́л задáчу.		**решáть** Он дóлго решáл э́ту задáчу	
кóнчить Сегóдня они́ кóнчили рабóту в 7 часóв		**кончáть** Они́ обы́чно кончáли рабóту в 6 часóв	
вы́полнить Мы вы́полнили план		**выполня́ть** Мы выполня́ли план кáждый год	
провéрить Коми́ссия в три дня провéрила рабóту шкóлы		**проверя́ть** Коми́ссия три дня проверя́ла рабóту шкóлы	

टिप्पणियां. १. एक ही मूलभूत अर्थ वाली इन दो क्रियाओ मे से *-и-* प्रत्यय से युक्त क्रिया पूर्णताद्योतक है और -а- प्रत्यय से युक्त

अपूर्णताद्योतक है। इन युग्म क्रियाओ की तुलना द्वारा क्रिया का पक्ष निश्चित करना सभव है।

ध्यान दीजिये · क्रिया купи́ть पूर्णताद्योतक है, покупа́ть अपूर्णताद्योतक है (इस विशेष परिस्थिति मे क्रिया के पक्ष की रचना मे प्रत्यय और उपसर्ग एक साथ प्रयुक्त हुए हैं)।

Он купи́л кни́ги कार्य समाप्त हो गया। Я его́ ви́дел в магази́не, где он покупа́л кни́ги अज्ञात, सभव है कि किताब न खरीदी हो।

२ इस वर्ग की क्रियाओ मे प्रकृति मे व्यजन का अन्तर्परिवर्तन सभव है.

отве́тить — отвеча́ть
защити́ть — защища́ть
проводи́ть — провожа́ть
победи́ть — побежда́ть
пусти́ть — пуска́ть
обнови́ть — обновля́ть
прости́ть — проща́ть

३ कतिपय क्रियाओ का पक्ष केवल प्रत्ययो से ही नही भिन्न होता, वरन् स्वराघात के स्थान से. -ить वाली क्रियाओ मे स्वराघात मूल पर पडता है और -ать वाली क्रियाओ मे स्वराघात प्रत्यय पर पडता है।

ко́нчить — конча́ть
бро́сить — броса́ть
отве́тить — отвеча́ть

तालिका ६७

मूल और प्रकृति में परिवर्तन वाली क्रियाएं

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
क	
избира́ть, выбира́ть, собира́ть	избра́ть, вы́брать, собра́ть
Ле́том де́ти собира́ли колле́кцию ба́бочек	За ле́то де́ти собра́ли большу́ю колле́кцию ба́бочек

क्रमश.

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
созыва́ть, призыва́ть, вызыва́ть	**созва́ть, призва́ть, вы́звать**
Врача́ ча́сто вызыва́ли к больно́му	Врача́ сро́чно вы́звали к больно́му
засыпа́ть	**засну́ть**
Ребёнок обы́чно пло́хо засыпа́л	Вчера́ он засну́л быстро
поднима́ть	**подня́ть**
Спортсме́н поднима́л больши́е тя́жести.	Сего́дня он по́днял 100 кг.
понима́ть	**поня́ть**
Я пло́хо вас понима́ю	Я по́нял всё, что вы сказа́ли.
начина́ть	**нача́ть**
Мы всегда́ начина́ли рабо́ту в 9 часо́в	Вчера́ мы на́чали рабо́ту в 8 часо́в
ख	
помога́ть	**помо́чь**
Он всегда́ помога́л мне.	Он помо́г мне сего́дня зако́нчить рабо́ту
предостерега́ть	**предостере́чь**
Я его́ не раз предостерега́л от опа́сности	Я его́ предостерёг от опа́сности.
увлека́ть	**увле́чь**
Он всегда́ увлека́л слу́шателей свое́й ре́чью.	Докла́д всех увлёк

क्रमश:

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
приобретáть Он всегдá приобретáл рéдкие кни́ги.	**приобрести́** Сегóдня он приобрёл рéдкую кни́гу
пропадáть Он пропадáл нéсколько дней.	**пропáсть** Он пропáл бéз вести.
спасáть Он не раз спасáл утопáющих	**спасти́** Он спас утопáющего
ग	
ложи́ться Лéтом я ложи́лся спать в 10 часóв	**лечь** Вчерá я лёг в 12 часóв
сади́ться Сóлнце мéдленно сади́лось	**сесть** Сóлнце сéло
станови́ться Он постепéнно станови́лся бóлее спокóйным ребёнком	**стать** Он стал спокóйным мáльчиком

तालिका ६८

पक्ष परिवर्तन पर मूल में स्वरों के संभावित अन्तर्परिवर्तन की संयुक्त तालिका

परिवर्तनशील स्वर	पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	टिप्पणियां
о — а	опоздáть вскочи́ть вздрóгнуть осмотрéть	опáздывать вскáкивать вздрáгивать осмáтривать	अपूर्णताद्योतक क्रिया में -ыва-, -ива-प्रत्यय, स्वराघात पड़ने पर मूल में а

क्रमशः

परिवर्तन-शील स्वर	पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	टिप्पणिया
	изложи́ть	излага́ть	मूल : -лож- — -лаг-
	предложи́ть	предлага́ть	
	приложи́ть	прилага́ть	
	косну́ться	каса́ться	-кос- — -кас-
	прикосну́ться	прикаса́ться	
е — и	собра́ть — соберу́	собира́ть	मूल : -бр- — -бер- — -бир-
	вы́брать — вы́беру	выбира́ть	
	разобра́ть — разберу́	разбира́ть	
	удра́ть — удеру́	удира́ть	-др- — -дер- — -дир-
	расстели́ть — разостла́ть	расстила́ть	मूल : -стл- — -стел- — -стил-
	стере́ть — сотру́	стира́ть	मूल : -тр- — -тер- — -тир-
	умере́ть — умру́	умира́ть	-мр- — -мер- — -мир-
	запере́ть — запру́	запира́ть	-пр- — -пер- — -пир-
	заже́чь — зажгу́ — зажёг	зажига́ть	मूल : -жг- — -жёг- — -жиг-
	подже́чь — подожгу́	поджига́ть	

क्रमश :

परिवर्तन-शील स्वर	पूर्णताद्योतक	अपूर्णताद्योतक	टिप्पणिया
			मूल :
о — ы	вздохну́ть	вздыха́ть	-дох- — -дых-
я — им	поня́ть	понима́ть	-ня- — -ним-
а — ин	нача́ть	начина́ть	-ча- — -чин-

टिप्पणिया : इनमे से कई स्वर-परिवर्तन केवल लिपि मे दिखाई पडते है। о — а, е — и विना स्वराघात के उच्चारण मे भेद नही लक्षित होता है।

ध्यान दीजिये : कतिपय परिस्थितियो मे क्रिया का पक्षगत अर्थ स्वराघात से प्रकट किया जाता है - рассыпа́ть (अपूर्णताद्योतक) – рассы́пать (पूर्णताद्योतक), отреза́ть (अपूर्णताद्योतक) – отре́зать (पूर्णताद्योतक) ; засыпа́ть — засы́пать केवल सामान्य क्रिया के रूप मे ही नही, किन्तु इनसे निर्मित्त अन्य रूपो मे भी (Снег засыпа́л меня́ и Саве́льича (П) Снег засы́пал нас.)। वर्त्तमान और भविष्य मे इस प्रकार की क्रियाए अधिकाश मे केवल स्वराघात से ही भिन्न नही होती है : рассыпа́ю, отреза́ю, засыпа́ю, рассы́плю, отре́жу, засы́плю, इत्यादि। कतिपय क्रियाएं सभी रूपो मे केवल स्वराघात से भिन्न होती है। उदाहरणत: сбега́ть (अपूर्णताद्योतक), сбега́ю (वर्त्तमान काल) — сбе́гать (पूर्णताद्योतक), сбе́гаю (भविष्य काल), выноси́ть (अपूर्णताद्योतक), выношу́ (वर्त्तमानकाल) — вы́носить (पूर्णताद्योतक), вы́ношу (भविष्य काल) ।

तालिका ६९

भिन्न शब्दो द्वारा क्रिया पक्ष के भेद का अभिव्यंजन

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
говори́ть	**сказа́ть**
Он говори́л два часа́.	За два часа́ он сказа́л всё.

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
брать	**взять**
Я всегда́ брал кни́ги в э́той библиоте́ке	Сего́дня я взял сочине́ние Пу́шкина.
класть	**положи́ть**
Часть зарпла́ты я бу́ду ежеме́сячно класть в сберка́ссу	За́втра я положу́ в сберка́ссу часть зарпла́ты

तालिका ७०

कतिपय क्रियाओ के पक्षीय अर्थ की विशेषता के विषय में टिप्पणियां

преоблада́ть зна́чить отрица́ть утвержда́ть повествова́ть полага́ть угнета́ть прису́тствовать отсу́тствовать уча́ствовать	अपूर्णताद्योतक	इन क्रियाओ की समानुरूप पूर्णताद्योतक क्रियाए नही है। ध्यान दीजिये: १. एक अर्थ मे утвержда́ть क्रिया का सापेक्षिक पूर्णताद्योतक रूप है утверди́ть (утвержда́ть в до́лжности, утверди́ть в до́лжности), किन्तु दूसरे अर्थ मे सबधित पूर्णताद्योतक क्रिया नही है (Я э́то сме́ло утвержда́ю)। २. Ду́мать के अर्थ मे полага́ть क्रिया का पूर्णताद्योतक रूप नही होता (Я полага́ю, что), किंतु इसी क्रिया से बने предполага́ть अपूर्णताद्योतक है और предположи́ть पूर्णताद्योतक है। ३ Уча́ствовать क्रिया का पूर्णताद्योतक रूप नही है, किंतु принима́ть уча́стие का सयोग (अपूर्णताद्योतक) और приня́ть уча́стие का सापेक्षिक सयोग (पूर्णताद्योतक)।

क्रमश:

стать (начáть) очути́ться рíнуться хлы́нуть } पूर्णताद्योतक	इन क्रियाओ का अपूर्णताद्योतक रूप नही होता।
велéть, жени́ть, жени́ться, конфисковáть, испóльзовать, обещáть, образовáть, организовáть, сочетáть, телеграфи́ровать टिप्पणी : चलती हुई वर्त्तमान भाषा मे इनमे से कतिपय क्रियाओ का अपूर्णताद्योतक रूप **-ыва-**, **-ива-** (организóвывать, образóвывать) प्रत्ययो की सहायता से बनता है। पूर्णताद्योतक पक्ष पर जोर देने के लिए कतिपय क्रियाए उपसर्गो के साथ प्रयुक्त होती है। сорганизовáть пообещáть пожени́ть пожени́ться	इन क्रियाओ का सदर्भ के आधीन पूर्णताद्योतक और अपूर्णताद्योतक अर्थो मे प्रयोग हो सकता। उदाहरणत: телеграфи́рую का अर्थ पूर्णताद्योतक भविष्य काल मे हो सकता है और अपूर्णताद्योतक वर्त्तमान काल मे हो सकता है। यह कथन के सदर्भ के आधीन है। Он всегдá выполня́ет все, что **обещáет** (अपूर्णताद्योतक) Сегóдня он **обещáл** мне прийти́ к 8 часáм (पूर्णताद्योतक)

तालिका ७१

विभिन्न प्रकृति वाली गतिद्योतक क्रियाएं

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
носи́ть, выноси́ть, относи́ть, приноси́ть, переноси́ть, इत्यादि	
нести́	вы́нести, отнести́, принести́, перенести́, इत्यादि
води́ть, доводи́ть, отводи́ть, приводи́ть, переводи́ть, इत्यादि	
вести́	вы́вести, довести́, отвести́, привести́, перевести́, इत्यादि

क्रमशः

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
вози́ть, довози́ть, вывози́ть, ввози́ть, привози́ть, перевози́ть, इत्यादि	
везти́	вы́везти, ввезти́, привезти́, перевезти́, इत्यादि
ходи́ть, уходи́ть, приходи́ть, выходи́ть, переходи́ть, इत्यादि	
идти́	вы́йти, уйти́, прийти́, перейти́, इत्यादि
лета́ть, вылета́ть, прилета́ть, улета́ть, इत्यादि	
лете́ть	вы́лететь, прилете́ть, улете́ть, इत्यादि.
бе́гать, убега́ть, прибега́ть, выбега́ть, इत्यादि	
бежа́ть	вы́бежать, убежа́ть, прибежа́ть, इत्यादि
по́лзать, выполза́ть, приполза́ть, уполза́ть, इत्यादि	
ползти́	вы́ползти, приползти́, уползти́, इत्यादि
е́здить, въезжа́ть, выезжа́ть, уезжа́ть, приезжа́ть, переезжа́ть (देखिये तालिका ६)	
е́хать	въе́хать, вы́ехать, уе́хать, прие́хать, перее́хать, इत्यादि

टिप्पणियां : १. носи́ть, води́ть, вози́ть, ходи́ть, лета́ть, бе́гать, по́лзать, इत्यादि क्रियाएं और нести́, вести́, везти́, идти́, лете́ть, бежа́ть, ползти́ क्रियाएं ये सभी अपूर्णताद्योतक हैं। इनका पारस्परिक भेद :

(क) Носи́ть, води́ть, ходи́ть, इत्यादि क्रियाए प्राय. सामान्यतया होनेवाले कार्य की गति द्योतित करती है.

Почтальо́н **но́сит** по́чту
Пти́цы **лета́ют**

Зме́и **по́лзают**, इत्यादि या कार्य-गति जो कई बार आवृत्त होती है, अलग अलग समय और विभिन्न दिशाओ मे सम्पन्न होती है.

Учи́тель **во́дит** нас ча́сто на экску́рсию.
Челове́к **хо́дит** по ко́мнате
Де́ти **бе́гают** во дворе́
Самолеты **лета́ют** над Москво́й

(ख) Нести́, вести́, везти́, идти́, इत्यादि क्रियाए विशिष्ट प्रस्तुत क्षण मे होनेवाले कार्य और एक दिशा में होनेवाली कार्य-गति को सूचित करती है:

Смотри́, почтальо́н **несёт** по́чту
Сего́дня я **иду́** в теа́тр
Самолет **лети́т** на по́люс
Сюда́ **бежи́т** ма́льчик, इत्यादि।

२. प्रथम श्रेणी की क्रियाए носи́ть, води́ть, вози́ть, ходи́ть, इत्यादि उपसर्गो से युक्त होकर अपना अपूर्णताद्योतक रूप बनाये रखती है यदि ये उपसर्ग शब्द के अर्थ को व्यापक बनाते है **выходи́ть** из ко́мнаты, **входи́ть** в ко́мнату, **уходи́ть** и́з дому, **переходи́ть** у́лицу, इत्यादि।

३. यदि ये उपसर्ग समय के संबध को व्यक्त करते है (कार्य का आरम्भ, या उसका जारी रहना, अर्थात् कार्य शुरू हुआ, थोडे समय तक चलता रहा, फिर समाप्त हुआ) तो ये क्रियाए उपसर्गो से युक्त पूर्णताद्योतक बन जाती है। उदाहरणत. (क) Он в волне́нии **заходи́л, забе́гал** по ко́мнате अर्थात चलने, दौड़ने लगा। इस स्थिति मे заходи́л, забе́гал क्रियाए पूर्णताद्योतक है, किंतु इस वाक्य मे Он ко мне ча́сто **заходи́л, забега́л** ле́том क्रियाएं *заходи́л*, **забега́л** अपूर्णताद्योतक है (अर्थ है: приходи́л, прибега́л), क्योकि पूर्णताद्योतक क्रिया मे स्वराघात मूल पर पडता है (забе́гал)। (ख) Я **походи́л** по ко́мнате и присе́л (походи́л थोड़ी देर तक ходи́л) Он полета́л над го́родом и опусти́лся (полета́л थोडी देर तक лета́л)। (Походи́л, полета́л क्रियाए पूर्णताद्योतक हैं ।)

४. यदि उपसर्ग कार्य की समाप्ति सूचित करते है तो उपसर्गो से युक्त क्रियाएं पूर्णताद्योतक वन जाती हैं сходи́ть куда́-нибудь и верну́ться। क्रिया сходи́ть पूर्णताद्योतक है, किंतु сходи́ть отку́да-нибудь (с горы́, с ле́стницы)—अपूर्णताद्योतक ; исходи́л всё по́ле, избе́гал весь сад क्रियाए पूर्णताद्योतक है, क्योकि ये कार्य की व्याप्ति पूरे स्तर पर, कार्य की सपन्नता या अन्त तक पहुचना व्यक्त करती है। избе́гал क्रिया मे स्वराघात मूल पर पडता है।

ध्यान दीजिये· अपूर्णताद्योतक क्रिया избега́л में स्वराघात प्रत्यय -а- पर पडता है और इस शब्द का अर्थ दूसरा हो जाता है Он избега́л люде́й–अर्थ है: आदमियो से न मिलने की कोशिश करता था।

५. यदि क्रियाए परिवर्तित अर्थ मे प्रयुक्त हुई है तो उपसर्ग से सयुक्त होकर कार्य की समाप्ति, पूर्णता द्योतित करती हुई पूर्णताद्योतक क्रिया वनायी जाती है: вы́ходить больно́го (अर्थ है вы́лечить), заноси́ть пла́тье, износи́ть пла́тье (अर्थ है: истрепа́ть пла́тье), इत्यादि।

६. दूसरी श्रेणी की क्रियाए нести́, везти́, идти́, इत्यादि उपसर्गों से सयुक्त होकर पूर्णताद्योतक क्रियाए वन जाती हैं। вы- उपसर्ग से सयुक्त इन क्रियाओ का स्वराघात सदा उपसर्ग पर पडता है (вы́нести, вы́везти, вы́бежать, इत्यादि)।

७ е́здить क्रिया है (अपूर्णताद्योतक), किंतु उपसर्ग езжа́ть क्रिया में लगाये जाते हैं। वर्तमान भापा मे विना उपसर्गों के इसका प्रयोग विरल होता है (приезжа́ть, выезжа́ть, इत्यादि)।

तालिका ७२

अपूर्णताद्योतक और पूर्णताद्योतक क्रियाओ का प्रयोग
(कलात्मक कृतियो के उद्धरणो से)

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
Гроза́ надвига́лась Впереди́ огро́мная лило́вая ту́-	Си́льный ве́тер внеза́пно загуде́л в вышине́, дере́вья за-

क्रमश:

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
ча мéдленно **поднимáлась** из-за лéса; нáдо мнóю и мне навстрéчу **несли́сь** дли́нные сéрые облакá; раки́ты тревóжно **шевели́лись** и **лепетáли** . (Т)	**бушевáли**, крýпные кáпли дождя́ рéзко **застучáли**, **зашлёпали** по ли́стьям, **сверкнýла** мóлния, и грозá **разрази́лась** (Т)
Приводи́ли обыкновéнно новичкá к дверя́м э́той кóмнаты, нечáянно **втáлкивали** егó к медвéдю, двéри **запирáлись**, и несчáстную жéртву **оставля́ли** наединé с космáтым пусты́нником Бéдный гость с обóрванной полóю и дó крови оцарáпанный, скóро **оты́скивал** безопáсный ýгол, но принуждён был иногдá цéлых три часá **стоя́ть**, прижáвшись к стенé, и **ви́деть**, как разъярённый зверь в двух шагáх от негó **ревёл**, **пры́гал**, **станови́лся** на дыбы́, **рвáлся** и **си́лился** до негó дотянýться (П)	Францýз не **смути́лся**, не **побежáл** и ждал нападéния Медвéдь **прибли́жился**.* Дефóрж **вы́нул** из кармáна мáленький пистолéт, **вложи́л** егó в ýхо голóдному звéрю и **вы́стрелил**. Медвéдь **повали́лся** Всё **сбежáлось**, двéри **отвори́лись** — Кири́ла Петрóвич **вошёл**, изумлённый развя́зкою своéй шýтки... (П)
Мéжду колёсами телéг, Полузавéшенных коврáми, **Гори́т** огóнь; семья́ кругóм **Готóвит** ýжин; в чи́стом пóле **Пасýтся** кóни; за шатрóм[1] Ручнóй медвéдь **лежи́т** на вóле .. (П)	И по рекé, стыдли́во синéвшей из-под редéющего тумáна, **полили́сь** спервá áлые, потóм крáсные, золоты́е потóки молодóго, горя́чего свéта .. Всё **зашевели́лось**, **проснýлось**, **запéло**, **зашумéло**, **заговори́ло** (Т)

Прибли́жился प्राचीन रूप है। (वर्तमान भाषा में прибли́зился).

क्रमशः

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
Был ве́чер. Не́бо ме́ркло Во́ды струи́лись ти́хо Жук жужжа́л. Уж расходи́лись хорово́ды, Уж за реко́й, дымя́сь, пыла́л Ого́нь рыба́чий . (П)	Всю́ду лучи́стыми алма́зами зарде́лись кру́пные ка́пли росы́; мне навстре́чу, чи́стые и я́сные, сло́вно то́же обмы́тые у́тренней прохла́дой, принесли́сь зву́ки ко́локола, и вдруг ми́мо меня́ промча́лся отдохну́вший табу́н . (Т)

Ямщи́к поскака́л, но всё погля́дывал на восто́к Ло́шади бежа́ли дру́жно. Ве́тер ме́жду тем час от ча́су станови́лся сильне́е. Облако обрати́лось в бе́лую ту́чу, кото́рая тяжело́ подыма́лась, росла́ и постепе́нно облега́ла не́бо Пошёл ме́лкий снег — и вдруг повали́л хло́пьями. Ве́тер завы́л. В одно́ мгнове́нье тёмное не́бо смеша́лось с сне́жным мо́рем. Всё исче́зло.

— Ну, ба́рин, — закрича́л ямщи́к, — беда́: бура́н!

Я вы́глянул из киби́тки: всё бы́ло мрак и вихрь Ве́тер выл с тако́й свире́пой вырази́тельностью, что каза́лся одушевлённым: снег засыпа́л меня́ и Саве́льича; ло́шади шли ша́гом и ско́ро ста́ли.

— Что ж ты не е́дешь? — спроси́л я ямщика́ с нетерпе́нием.

— Да что е́хать? — отвеча́л он, слеза́я с облучка́ — Неве́сть и так куда́ зае́хали: доро́ги нет, и мгла круго́м Я стал бы́ло его́ брани́ть Саве́льич за него́ заступи́лся. (А С. Пушкин)

तालिका ७३

अपूर्णताद्योतक और पूर्णताद्योतक क्रियाओं के रूपों की तुलनात्मक तालिका

		अपूर्णताद्योतक		पूर्णताद्योतक	
सामान्य क्रिया रूप		стрóить	изучáть	пострóить	изучи́ть
निर्देशक भाव	वर्त्तमान काल	я стрóю ты стрóишь он, онá, онó стрóит мы стрóим вы стрóите они́ стрóят	изучáю изучáешь изучáет изучáем изучáете изучáют	वर्त्तमान काल नही होता	
	भूतकाल	я, ты, он стрóил я, ты, онá стрóила онó стрóило мы, вы, они́ стрóили	изучáл изучáла изучáло изучáли	пострóил пострóила пострóило пострóили	изучи́л изучи́ла изучи́ло изучи́ли

क्रम

सामान्य क्रिया रूप			अपूर्णताद्योतक		पूर्णताद्योतक	
			стро́ить	изуча́ть	постро́ить	изучи́ть
निर्देशक भाव	भविष्य	जटिल	я бу́ду стро́ить ты бу́дешь стро́ить он, она́, оно́ бу́дет стро́ить мы бу́дем стро́ить вы бу́дете стро́ить они́ бу́дут стро́ить	бу́ду изуча́ть бу́дешь изуча́ть бу́дет изуча́ть бу́дем изуча́ть бу́дете изуча́ть бу́дут изуча́ть	सरल я постро́ю ты постро́ишь он, она́, оно́ постро́ит мы постро́им вы постро́ите они́ постро́ят	изучу́ изу́чишь изу́чит изу́чим изу́чите изу́чат
संभावनार्थ			я, ты, он стро́ил бы я, ты, она́ стро́ила бы оно́ стро́ило бы мы, вы, они́ стро́или бы	изуча́л бы изуча́ла бы изуча́ло бы изуча́ли бы	постро́ил бы постро́ила бы постро́ило бы постро́или бы	изучи́л бы изучи́ла бы изучи́ло бы изучи́ли бы
आज्ञार्थ			строй стро́йте	изуча́й изуча́йте	построй постро́йте	изучи́ изучи́те

तालिका ७४

быть क्रिया की रूपसाधना

वर्त्तमान	भूतकाल	भविष्य
	я, ты, он был я, ты, она́ была́ оно́ бы́ло мы вы } бы́ли они́	я бу́ду ты бу́дешь он, она́, оно́ бу́дет мы бу́дем вы бу́дете они́ бу́дут
संभावनार्थ	был бы, была́ бы, бы́ло бы, бы́ли бы	
आज्ञार्थ	будь, бу́дьте	

टिप्पणी : वर्त्तमान काल में क्रिया का प्रयोग प्राय. नही होता है। कतिपय परिस्थितियो मे अन्य पुरुष एकवचन (есть) और बहुवचन (суть) प्रयुक्त होता है।

есть क्रिया का प्रयोग

есть यह быть क्रिया के वर्त्तमान काल, अन्य पुरुष, एकवचन का प्राचीन रूप है।

Пряма́я ли́ния есть кратча́йшее расстоя́ние ме́жду двумя́ то́чками У меня́ есть бра́тья и сёстры. Сего́дня у меня́ есть вре́мя пойти́ в теа́тр	वर्त्तमान भाषा मे есть प्रयुक्त होता है : (क) विधेय के सयोजक रूप में वैज्ञानिक परिभाषाओ मे, (ख) किसी प्रकार के अस्तित्व का कथन (एकवचन और बहुवचन के लिए)।
Он студе́нт	वर्त्तमान काल में विधेय के संयोजक रूप मे есть का प्रयोग प्राय. नहीं होता है।

तालिका ७५

सामान्य क्रिया रूप

-ть	-ти	-чь
изучáть рабóтать говорíть стрóить смотрéть вíдеть тянýть погíбнуть	нестí идтí растí спастí вестí везтí найтí пойтí	берéчь стерéчь вовлéчь толóчь лечь мочь печь
-ть स्वर के बाद	-ти व्यजन के बाद, й के बाद	-чь स्वर के बाद
विभिन्न अक्षरो पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात

टिप्पणियां: १. -ть मुख्य रूप से स्वरो के बाद लगाया जाता है, किंतु с, з व्यजनो के बाद भी प्रयुक्त हो सकता है. сесть, счесть, влезть, прочéсть, इत्यादि; -ти व्यजनो और й के बाद, -чь स्वरो के बाद।

२. यदि क्रिया -ти या -чь समाप्त होती है तो स्वराघात अन्तिम अक्षर पर पड़ता है।

अपवाद रूप मे вы- उपसर्ग से संयुक्त क्रियाए है जिनमे स्वराघात इस उपसर्ग पर पड़ता है (вы́нести, вы́везти, вы́печь)।

३. सामान्य क्रिया रूप की प्रकृति से भूतकाल (читáл), भूतकाल के कर्तृवाचक और कर्मवाचक कृदन्त (читáвший, прочи́танный, взя́тый) और पूर्णताद्योतक कृदत क्रियाविशेषण बनाये जाते है (прочитáв, взяв)।

तालिका ७६

वर्त्तमान काल

प्रथम रूपसाधना की क्रियाए			द्वितीय रूपसाधना की क्रियाए		
		विभक्ति-चिन्ह			विभक्ति-चिन्ह
я иду́	рабо́таю	-у, -ю	стучу́	стро́ю	-у, -ю
ты идешь	рабо́таешь	-ёшь, -ешь	стучи́шь	стро́ишь	-ишь
он она́ идет оно́	рабо́тает	-ёт, -ет	стучи́т	стро́ит	-ит
мы идём	рабо́таем	ём, -ем	стучи́м	стро́им	-им
вы идете	рабо́таете	-ёте, -ете	стучи́те	стро́ите	-ите
они́ иду́т	рабо́тают	-ут, -ют	стуча́т	стро́ят	-ат, -ят

टिप्पणिया : १ वर्त्तमान काल की प्रकृति स्वतन्त्र है जिसकी रचना नियमित रूप से क्रियाओ के अन्य रूपो से नही होती। इसलिए क्रियाओ के शुद्ध रूप की रचना के लिए केवल सामान्य क्रिया का रूप जानना पर्याप्त नही है, वरन् वर्त्तमान काल की प्रकृति को भी जानना आवश्यक है। सामान्य क्रिया रूप वाली समान क्रियाए वर्त्तमान काल मे विभिन्न प्रकृति धारण कर सकती है (писа́ть — пишу́, чита́ть — чита́ю, лить — лью) (देखिये तालिका ८५-८७)। वर्त्तमान काल के उत्तम पुरुष के एकवचन और मध्यम पुरुष के एकवचन की प्रकृतिया भिन्न हो सकती है, क्योकि अन्य पुरुष एकवचन और बहुवचन के सभी पुरुषो के रूप मध्यम पुरुष एकवचन की प्रकृति से बनाये जाते है (люблю́ — лю́бишь — лю́бит, इत्यादि)।

इसलिए कोष मे सामान्य क्रिया रूप की और वर्त्तमान काल की प्रकृति का निदर्शन आवश्यक है क्योकि इन दो प्रकृतियो से क्रिया के सभी रूप बनते है।

इन दो प्रकृतियो की दृष्टि से रूसी भाषा की सभी क्रियाओ को कतिपय वर्गो मे विभाजित किया जा सकता है (देखिये तालिकाए ८५-८६)।

२. वर्त्तमान काल की प्रकृति से आज्ञार्थ (изуча́й), वर्त्तमान काल के कर्तृवाचक और कर्मवाचक कृदन्त रूप (изуча́ющий, изуча́емый)

और अपूर्णताद्योतक कृदत क्रियाद्योतक रूप (изучáя) वनाये जाते हैं। अपवाद: उपसर्ग -ва- सहित क्रियाओं से वने कृदत क्रियाविशेषण -да-, -зна-, -ста- मूलो के वाद सामान्य क्रिया रूपो की प्रकृति से वनाये जाते हैं।

३. अपने पुरुषवाचक विभक्ति-चिन्ह् के अनुरूप क्रियाए दो वर्ग मे विभाजित की जा सकती हैं। प्रथम रूपसाधना की क्रियाओ के विभक्ति-चिन्ह् -у(-ю), -ешь, -ет, -ем, -ете, -ут(-ют) (स्वराघात पड़ने पर -ёшь, -ёт, -ём, -ёте) और द्वितीय रूपसाधना की क्रियाओ के विभक्ति-चिन्ह् -у(-ю), -ишь, -ит, -им, -ите, -ат(-ят).

хотéть, бежáть

क्रियाए कतिपय रूप प्रथम वर्ग के अनुसार और कतिपय द्वितीय वर्ग के अनुसार वनाती हैं

я хочý	мы хотíм	я бегý	мы бежíм
ты хóчешь	вы хотíте	ты бежíшь	вы бежíте
он- онá онó } хóчет	онí хотя́т	он онá онó } бежíт	онí бегýт

तालिका ७७

विना स्वराघात वाले पुरुषवाची विभक्ति-चिन्ह् युक्त क्रियाएं

यदि स्वराघात विभक्ति-चिन्ह् पर नही पडता है, सामान्य क्रिया रूप से यह जाना जा सकता है कि अमुक क्रिया प्रथम या द्वितीय वर्ग की है

प्रथम वर्ग की क्रियाए	द्वितीय वर्ग की क्रियाए
१ -ить मे समाप्त होनेवाली एक क्रिया: брить (брéешь, брéют)	१. एक को छोडकर -ить मे समाप्त होनेवाली सभी क्रियाएं: стрóить (стрóю, стрóишь, стрóят) ходи́ть (хожý, хóдишь, хóдят) бели́ть (белю́, бéлишь, бéлят)

क्रमशः

प्रथम वर्ग की क्रियाएं	द्वितीय वर्ग की क्रियाएं
२. -еть में समाप्त होनेवाली सभी क्रियाएं (सात क्रियाओं को छोड़कर): красне́ть (красне́ю, красне́ешь, красне́ют) беле́ть (беле́ю, беле́ешь, беле́ют)	२ -еть में समाप्त होनेवाली सात क्रियाए. смотре́ть (смотрю́, смо́тришь, смо́трят) ви́деть (ви́жу, ви́дишь, ви́дят) ненави́деть (ненави́жу, ненави́дишь, ненави́дят) терпе́ть (терплю́, те́рпишь, те́рпят) оби́деть (оби́жу, оби́дишь, оби́дят) верте́ть (верчу́, ве́ртишь, ве́ртят) зави́сеть (зави́шу, зави́сишь, зави́сят) और उपसर्गों की सहायता से इन क्रियाओं से निर्मित अन्य शब्द: посмотре́ть, уви́деть, вы́терпеть, इत्यादि
३. -ать में समाप्त होनेवाली सभी क्रियाए (चार क्रियाओं को छोड़कर): отвеча́ть (отвеча́ю, отвеча́ешь, отвеча́ют) лома́ть (лома́ю, лома́ешь, лома́ют)	३. -ать में समाप्त होनेवाली चार क्रियाएं: дыша́ть (дышу́, ды́шишь, ды́шат) слы́шать (слы́шу, слы́шишь, слы́шат) держа́ть (держу́, де́ржишь, де́ржат) гнать (гоню́, го́нишь, го́нят) और उपसर्गों की सहायता से इन क्रियाओं से निर्मित अन्य शब्द: подыша́ть, услы́шать, вы́держать, согна́ть
शेष अन्य प्रथम वर्ग की हैं	

टिप्पणियां: вы- उपसर्ग से युक्त पूर्णताद्योतक क्रियाओं में स्वराघात सदा उपसर्ग पर पड़ता है। किन्तु вы́- उपसर्ग पर स्वराघात से युक्त

क्रियाए (вы́беру, вы́берешь, вы́берут) उसी वर्ग से सबधित होती है जिससे कि समानुरूप विना उपसर्ग वाली क्रियाए (беру́, берёшь, беру́т)।

तालिका ७८

भूतकाल

अपूर्णताद्योतक			पूर्णताद्योतक		
я, ты, он	изуча́л	стро́ил	изучи́л	постро́ил	л
я, ты, она́	изуча́ла	стро́ила	изучи́ла	постро́ила	л-а
оно́	изуча́ло	стро́ило	изучи́ло	постро́ило	л-о
мы вы они́	изуча́ли	стро́или	изучи́ли	постро́или	л-и
सामान्य क्रिया रूप	изуча́ть	стро́ить	изучи́ть	постро́ить	

टिप्पणिया · १. सामान्य क्रिया की प्रकृति मे -л- प्रत्यय जोड़कर भूतकाल बनाया जाता है (рабо́тать — рабо́тал, мыть — мыл)।

२. भूतकाल की क्रियाए वचनानुसार (я рабо́тал, мы рабо́тали) और एकवचन मे लिगानुरूप परिवर्तित होती है (он рабо́тал, она́ рабо́тала, оно́ рабо́тало), किंतु पुरुष के अनुसार नही परिवर्तित होती है।

३. अपूर्णताद्योतक क्रियाओ का भूतकाल यह द्योतित करता है कि कार्य जारी था (я изуча́л, стро́ил), पूर्णताद्योतक क्रियाओ का भूतकाल यह द्योतित करता है कि कार्य समाप्त हो गया, अन्त तक पहुच गया (я постро́ил сара́й — сара́й гото́в; я изучи́л матема́тику — я зна́ю матема́тику)

भूतकाल की रचना की कतिपय विशिष्टताए

१ -сти मे समाप्त होनेवाली क्रियाए	२. -чь में समाप्त होनेवाली क्रियाए	३ -нуть मे समाप्त होनेवाली क्रियाए
सामान्य क्रिया रूप		
нести́, везти́, грести́, вести́, плести́	мочь, печь, стере́чь	поги́бнуть, исче́знуть, осле́пнуть

क्रमशः

१ -сти मे समाप्त होनेवाली क्रियाए	२ -чь मे समाप्त होनेवाली क्रियाए	३ -нуть मे समाप्त होनेवाली क्रियाए
	भूतकाल	
я, ты, он нес, вез, греб, вел, плел	мог, пек, стерёг	поги́б, исче́з, осле́п
я, ты, она́ несла́, везла́, гребла́, вела́, плела́	могла́, пекла́, стерегла́	поги́бла, исче́зла, осле́пла
оно́ несло́, везло́, гребло́, вело́, плело́	могло́, пекло́, стерегло́	поги́бло, исче́зло, осле́пло
мы вы они́ } несли́, везли́, гребли́, вели́, плели́	могли́, пекли́, стерегли́	поги́бли, исче́зли, осле́пли

टिप्पणिया. १ जो क्रियाए सामान्य क्रिया रूप मे -сти धारण करती है और वर्त्तमान काल मे д, т नही धारण करती है (нести́—несу́, везти́—везу́) वे भूतकाल पुल्लिग एकवचन मे -л- प्रत्यय नही धारण करती है और प्रकृति की व्यजन ध्वनि मे समाप्त होती है। उदाहरणतः нести́ — несу́ — нес, везти́ — везу́ — ве́з।

यदि वे क्रियाए जो सामान्य क्रिया रूप मे -сти धारण करती है और वर्त्तमान काल की प्रकृति के अन्त मे д, т धारण करती है तो भूतकाल मे -л- प्रत्यय सुरक्षित रहता है और प्रकृति के स्वर से सीधा जुड जाता है। उदाहरणतः вести́ — веду́ — вел, плести́ — плету́ — плел।

२ -чь मे समाप्त होनेवाली क्रियाओ (бере́чь, печь) का भूतकाल प्रकृति के г, к से बनता है (берег, пек)। पुल्लिग मे प्रत्यय -л नही लगता।

३ -ну- प्रत्यय वाली कतिपय क्रियाओ का भूतकाल बिना इस प्रत्यय के बनाया जाता है поги́бнуть — поги́б, исче́знуть — исче́з, मुख्य रूप से भूतकाल मे -ну- प्रत्यय उन क्रियाओ से लुप्त हो जाता है जो बिना उपसर्ग के अपूर्णताद्योतक क्रियाओ के वर्ग से सबधित है · со́хнуть — сох, мерзнуть — мерз, кре́пнуть — креп, किंतु

पूर्णताद्योतक क्रियाओ में प्रत्यय -ну- सुरक्षित रहता है крикнуть—кри́кнул, толкну́ть—толкну́л। थोड़े से अपवाद' (क) тяну́ть—тяну́л (अपूर्णताद्योतक रूप), (ख) исче́знуть—исче́з (बिना उपसर्ग के सामान्यत नही प्रयुक्त होता)। पुल्लिग में प्रत्यय -л- नही लगता यदि प्रकृति व्यजन में समाप्त होती है।

४. समान्य क्रिया रूप में -ере- धारण करनेवाली क्रियाए (умере́ть, запере́ть, тере́ть) भूतकाल पुल्लिग में -л- का लोप कर देती है (у́мер, за́пер, тёр)।

तालिका ७९

भविष्यत् काल

भविष्य जटिल (यौगिक)	भविष्य सरल (साधारण)	
я бу́ду чита́ть	прочита́ю	
ты бу́дешь чита́ть	прочита́ешь	
он, она́, оно́ бу́дет чита́ть	прочита́ет	
мы бу́дем чита́ть	прочита́ем	
вы бу́дете чита́ть	прочита́ете	
они́ бу́дут чита́ть	прочита́ют	
я бу́ду изуча́ть, выполня́ть	изучу́	вы́полню
ты бу́дешь изуча́ть, выполня́ть	изу́чишь	вы́полнишь
он она́ оно́ бу́дет } изуча́ть, выполня́ть	изу́чит	вы́полнит
мы бу́дем изуча́ть, выполня́ть	изу́чим	вы́полним
вы бу́дете изуча́ть, выполня́ть	изу́чите	вы́полните
сни́ бу́дут изуча́ть, выполня́ть	изу́чат	вы́полнят
टिप्पणिया: १. जटिल भविप्य अपूर्णताद्योतक क्रियाओ से वनता है। २. जटिल भविप्य सहायक क्रिया быть के भविप्य काल бу́ду, бу́дешь, इत्यादि और सामान्य क्रिया की सहायता से वनाया जाता है	१ सरल भविष्य पूर्णताद्योतक क्रियाओ से वनाया जाता है। २. सरल भविप्य के वही पुरुष-वाचक विभक्ति-चिन्ह होते है जो कि अपूर्णताद्योतक क्रियाओ के वर्तमान काल के होते है।	

भविष्य जटिल (यौगिक)	भविष्य सरल (साधारण)
३. जटिल भविष्य सूचित करता है कि ज्ञात कार्य होगा, किंतु यह ज्ञात नही कि अन्त तक पहुचेगा या नही, कोई परिणाम होगा या नही : я бу́ду чита́ть кни́гу, я бу́ду изуча́ть язы́к, я бу́ду писа́ть письмо́	३. सरल भविष्य सूचित करता है कि कार्य पूर्णतया सम्पन्न हो जायगा (я прочита́ю кни́гу, я изучу́ язы́к, я напишу́ письмо́) या कार्य का आरम्भ हो जायगा (я запою́, я закричу́)।

तालिका ८०

संभावना

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
я, ты, он стро́ил бы, изуча́л бы	постро́ил бы, изучи́л бы
я, ты, она́ стро́ила бы, изуча́ла бы	постро́ила бы, изучи́ла бы
оно́ стро́ило бы, изуча́ло бы	постро́ило бы, изучи́ло бы
мы вы } стро́или бы, изуча́ли бы они́	постро́или бы, изучи́ли бы

टिप्पणिया. सभावना द्योतित करने के लिए भूतकाल का रूप бы के साथ सयुक्त होकर प्रयुक्त होता है।

संभावना का प्रयोग

कार्य के द्योतन के लिए	
(क) निश्चित परिस्थितियो मे सभावना का द्योतन ; (ख) अनुमित या इच्छात्मक ;	Если бы у меня́ было вре́мя сего́дня, я пошёл бы в теа́тр. Сего́дня я не могу́, но за́втра я с удово́льствием пошёл бы в теа́тр.

कार्य के द्योतन के लिए	
(ग) प्रार्थना या विधियुक्त आज्ञा का द्योतन।	Скоре́й бы пришло́ ле́то! Пошёл бы ты гуля́ть! Почита́л бы ты кни́гу!

ध्यान दीजिये: प्रत्ययांश бы क्रिया से बिल्कुल जुड़ा नहीं रहता है। वह वाक्य के विभिन्न स्थानों में रह सकता है: Я с удово́льствием пошёл бы в теа́тр, या: Я бы с удово́льствием пошёл в теа́тр।

यदि संभावित रूप जटिल वाक्य में प्रयुक्त हुआ है, तो प्रत्ययांश бы मुख्य वाक्य और गौण वाक्य दोनों में मिलता है Е́сли бы у меня́ бы́ло вре́мя, я пошёл бы в теа́тр।

तालिका ८१

आज्ञार्थ

-и	प्रकृति -й	-ь कोमल व्यंजन या ऊष्म युक्त प्रकृति
एकवचन		
иди́	рабо́тай	встань
изучи́	изуча́й	пригото́вь
говори́	организу́й	брось
исче́зни	выполня́й	режь

क्रमश:

-и	प्रकृति -й	(b) कोमल- व्यजन या ऊष्म युक्त प्रकृति
वहुवचन		
идúте	рабóтайте	встáньте
изучúте	изучáйте	приготóвьте
говорúте	организýйте	брóсьте
исчéзните	выполняйте	рéжьте

टिप्पणिया १ आज्ञा रूप अपूर्णताद्योतक क्रिया के वर्तमान काल की प्रकृति से. идтú — идешь — идú; рабóтать — рабóтаешь — рабóтай, рéзать — рéжешь — режь, इत्यादि और पूर्णताद्योतक क्रिया के भविष्य काल की प्रकृति से वनाया जाता है. изучúть — изýчишь — изучú, брóсить — брóсишь — брось; приготóвить — приготóвишь — приготóвь, इत्यादि।

२. आज्ञा का वहुवचन रूप एकवचन से -те विभक्ति-चिन्ह जोडकर वनाया जाता है идú — идúте, изучáй — изучáйте, встань — встáньте, इत्यादि।

विभक्ति -и	-й प्रकृति के अन्त मे प्रकट होता है	(b) कोमल व्यजन या ऊष्म प्रकृति के अन्त मे प्रकट होता है
१. उन क्रियाओ मे जिनमे वर्तमान या भविष्य काल के उत्तम पुरुष के एकवचन मे विभक्ति-चिन्ह	१. उत्तम पुरुष एकवचन मे स्वर के बाद -ю मे समाप्त होनेवाली क्रियाओं मे ·	उन क्रियाओं मे जिनमे उत्तम पुरुष के एकवचन मे पुरुषवाचक विभक्ति

क्रमश.

विभक्ति -и	-й प्रकृति के अन्त मे प्रकट होता है	(b) कोमल व्यजन या ऊष्म प्रकृति के अन्त मे प्रकट होता है
के पहले व्यंजन होता है और स्वराघात विभक्ति-चिन्ह पर पड़ता है. идý — иди́, изучý — изучи́, говорю́ — говори́. यदि इन क्रियाओं में вы- स्वराघात से युक्त उपसर्ग जुड़ जाता है: вы́йду, вы́учу, вы́скажу, इत्यादि फिर भी आज्ञा रूप में и रहता है, вы́йди, вы́учи, вы́скажи २ उन क्रियाओं में जिनमें वर्त्तमान काल या सरल भविष्य के उत्तम पुरुष एकवचन में व्यजन н होता है और उसके पूर्व अन्य व्यजन होता है: дости́гну — дости́гни, исче́зну — исче́зни, све́ргну — све́ргни	рабо́таю — работай изуча́ю — изуча́й организу́ю — организу́й выполня́ю — выполня́й броса́ю — броса́й २. उन एकाक्षरी क्रियाओं में जिनके सामान्य क्रिया रूप की प्रकृति में и है (пить, лить, шить, бить, इत्यादि) пью — пей лью — лей шью — шей бью — бей उपसर्ग से युक्त होने पर भी नियम नही बदलता (вы́пей, вы́лей)	चिन्ह के पहले व्यजन होता है, किंतु -у, -ю प्रत्ययांत पर स्वराघात नही पडता вста́ну — встань ре́жу — режь брошу — брось пригото́влю — пригото́вь ся́ду — сядь

तालिका ८२

-ся में समाप्त होनेवाली क्रियाएं

		अपूर्णताद्योतक				पूर्णताद्योतक	
सामान्य क्रिया रूप		занима́ться		учи́ться		добиться	
निर्देशक	वर्तमान काल	я занимаюсь	-ю-сь	учу́сь	-у-сь	वर्तमान काल नहीं है।	
		ты занимаешься	-ешь-ся	у́чишься	-ишь-ся		
		он она оно́ } занима́ется	-ет-ся	у́чится	-ит-ся		
		мы занима́емся	-ем-ся	у́чимся	-им-ся		
		вы занима́етесь	-ете-сь	у́читесь	-ите-сь		
		они́ занима́ются	-ют-ся	у́чатся	-ат-ся		
	भूतकाल	я, ты, он занима́лся		учи́лся		доби́лся	
		я, ты, она́ занима́лась		учи́лась		доби́лась	
		оно занима́лось		учи́лось		доби́лось	
		мы вы они } занима́лись		учи́лись		доби́лись	
	भविष्यत् काल	я бу́ду	} занима́ться	бу́ду	} учи́ться	добью́сь	-ю-сь
		ты бу́дешь		бу́дешь		добьёшься	-ёшь-ся
		он, она, оно бу́дет		бу́дет		добьётся	-ёт-ся
		мы бу́дем		бу́дем		добьёмся	-ём-ся
		вы бу́дете		бу́дете		добьётесь	-ёте-сь
		они́ бу́дут		бу́дут		добью́тся	-ют-ся
सम्भावनार्थ		я, ты, он занима́лся бы		учи́лся бы		доби́лся бы	
		я, ты, она занималась бы		учи́лась бы		доби́лась бы	
		оно занима́лось бы		учи́лось бы		доби́лось бы	
		мы вы они́ } занима́лись бы		учи́лись бы		доби́лись бы	
आज्ञार्थ		занима́йся занима́йтесь		учи́сь учи́тесь		добе́йся добе́йтесь	

टिप्पणियां. १ -ся में समाप्त होनेवाली क्रियाएं सभी रूप इसी प्रकार बनाती हैं जिस प्रकार बिना -ся वाली क्रियाएं। -ся सदा शब्द के अन्त में विभक्ति-चिन्ह के बाद आता है।

२ व्यंजन के बाद -ся (занима́ешься, учи́лся, इत्यादि); स्वर के बाद -сь (занима́юсь, занима́лась, इत्यादि)।

-ся में समाप्त होनेवाली क्रियाओं का अर्थ

मुख्य वर्ग

प्रथम वर्ग	-ся सूचित करता है себя́ कार्य करनेवाले (कर्ता) की ओर प्रेरित या संचालित है।	одева́ться (одева́ть себя́) умыва́ться (умыва́ть себя) причёсываться (причёсывать себя́)	
दूसरा वर्ग	-ся वाली क्रियाएं दो या कई कर्ताओं का साथ साथ कार्य सूचित करती हैं।	боро́ться встре́титься совеща́ться ссо́риться	Друзья́ встре́тились по́сле до́лгой разлуки
तीसरा वर्ग	-ся सकर्मक अर्थ वाली क्रियाओं से कर्मवाच्य बनाने में प्रयुक्त होता है।	стро́иться управля́ться проверя́ться	Тетра́ди ученико́в проверя́ются учи́телем (कर्तृवाचक: Учи́тель проверяет тетра́ди ученико́в)
चौथा वर्ग	-ся जोड़कर भिन्न अर्थ का सर्वथा नया शब्द बनाया जाता है	доби́ть — доби́ться, находи́ть — находи́ться	Охотники доби́ли во́лка Мы доби́лись успе́хов. В э́том лесу́ всегда́ нахо́дят мно́го грибо́в Больно́й нахо́дится в тяжёлом состоя́нии

क्रमशः

मुख्य वर्ग

पाचवा वर्ग	ये क्रियाए बिना -ся के नही प्रयुक्त होती है	труди́ться распоряжа́ться наде́яться боя́ться горди́ться смея́ться улыба́ться случи́ться очути́ться наслажда́ться	Мы не бои́мся тру́дностей Мы наде́емся на успе́х
छठा वर्ग	-ся भाववाच्य क्रियाओ मे (समूह की) – क्रियाए जो बिना -ся के प्रयुक्त हो सकती है (पुरुषवाचक क्रियाओ के समान)	а) хо́чется ду́мается б) ка́жется нездоро́вится смерка́ется	Мне хо́чется рабо́тать. Зимо́й смерка́ется ра́но

टिप्पणिया: १. -ся यह निजवाचक सर्वनाम себя́ के कर्म कारक का प्राचीन रूप है, कितु कालातर मे यह क्रिया के साथ एक शब्द रूप मे जुड गया और इसने केवल कतिपय क्रियाओ में प्राचीन निजवाचक का अर्थ सुरक्षित रखा है (देखिये पहला वर्ग)।

२ -ся युक्त क्रियाए अकर्मक क्रियाए है।

३. केवल सकर्मक क्रियाओ से ही कर्मवाच्य बनाया जा सकता है।

ध्यान दीजिये रूसी भाषा में कर्मवाच्य केवल प्रत्ययाश -ся जोडकर ही नही बनाया जा सकता है (Тетра́ди ученико́в проверя́ются, проверя́лись, бу́дут проверя́ться учи́телем), वरन् कर्मवाचक कृदन्त की सहायता से भी बनाया जा सकता है (Тетра́ди ученико́в прове́рены, бы́ли прове́рены, бу́дут прове́рены учи́телем)।

-ся प्रत्ययाश की सहायता से कर्मवाच्य मुख्यत: अपूर्णताद्योतक क्रियाओ से बनाया जाता है (проверя́ться, стро́иться) और कर्मवाचक कृदन्त मुख्यतया पूर्णताद्योतक क्रियाओ से (постро́ен, прочи́тан, взят), उदाहरणत. Мост постро́ен Кни́га прочи́тана

तालिका ८४

भाववाच्य क्रियाएं

भाववाच्य क्रियाए सभी कालो मे केवल अन्यपुरुष एकवचन में, और भूतकाल में केवल नपुसक लिग में प्रयुक्त होती है ।

वर्तमान काल		भूतकाल	भविष्य	
смеркáется		смеркáлось	бýдет смеркáться	१ ये भाववाच्य क्रियाए उन घटनाओ को अभिव्यजित करती है जिनका किसी व्यक्ति या पदार्थ से सबध नही होता। प्राय. यह प्रकृति रूप के अभिव्यजन को प्रकट करती है
светáет		светáло	светáть	
вечерéет		вечерéло	вечерéть	
сквози́т		сквози́ло	сквози́ть	
морóзит		морóзило	морóзить	
пáрит		пáрило	пáрить	
सम्प्रदान कारक के साथ				
мне тебé	нездорóвится	нездорóвилось	бýдет нездорóвиться	२ ये भाववाच्य क्रियाए किसी व्यक्ति द्वारा अनुभूत मानसिक स्थिति को प्रकट करती हैं। इस प्रकार की क्रियाए अधिकतर सम्प्रदान से और
емý, ей	хóчется	хотéлось	бýдет хотéться	
нам, вам	дýмается	дýмалось	бýдет дýматься	
	не спи́тся	не спалóсь	не бýдет спáться	

क्रमशः

वर्त्तमान काल		भूतकाल	भविष्य	
कर्म कारक के साथ				
меня́ тебя́ его́, ee нас вас, их	тошни́т лихора́дит зноби́т	тошни́ло лихора́дило зноби́ло	бу́дет тошни́ть лихора́дить зноби́ть	कतिपय कर्म कारक से संयुक्त होती है।

क्रियाओ के मुख्य प्रकार

(प्रचलित और अप्रचलित)

प्रचलित वर्ग की क्रियाए उन क्रियाओ को कहा जाता है जो वर्त्तमान भाषा के लिए अत्यधिक सजीव हैं। इन क्रियाओ मे से किसी एक समूह के अनुसार नई बनती हुई क्रियाओ की रूपसाधना होती है। भाषा मे बराबर आनेवाली नई क्रियाओ से इनमे से प्रत्येक क्रिया-समूह की श्रीवृद्धि होती रहती है। अप्रचलित क्रियाए वे कही जाती हैं जो अतीत से विरासत रूप मे मिली है, किंतु जो वर्त्तमान भाषा मे अत्यधिक सजीव या विकसित होती नही दिखती। अप्रचलित क्रियाओ के प्रत्येक समूह के पास क्रियाओ का निश्चित या निर्धारित समूह है। ये क्रियाए भाषा मे बहुत पहले प्रविष्ट हो गयी (उनका परिमाण काफी बडा हो सकता है)। नई बननेवाली क्रियाओ की रूपसाधना प्रचलित क्रियाओ के प्रकारो के अनुसार होती है। जैसे कि प्रथम रूपसाधना वाली क्रियाओ मे उसी प्रकार द्वितीय रूपसाधना वाली क्रियाओ मे प्रचलित तथा अप्रचलित प्रकार की क्रियाए हैं।

तालिका ८५

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	वर्त्तमान (या सरल भविष्य) काल	टिप्पणी
		प्रथम रूपसाधना	
१	-а-ть (-я-ть)	उत्तम पुरुष ए०व० -а-ю (-я-ю) मध्यम पुरुष ए०व० -а-ешь (-я-ешь)	-а- प्रत्यय रूप मे आता है, किंतु कतिपय परिस्थितियो मे क्रिया की प्रकृति मे रहता है (зна-ть)
	читáть	читáю — читáешь	
	изучáть	изучáю — изучáешь	
	рабóтать	рабóтаю — рабóтаешь	
	влиять	влияю — влияешь	
	знать	знáю — знáешь	
२	-е-ть	उत्तम पुरुष एकवचन -е-ю मध्यम पुरुष, एकवचन -е-ешь	-е- प्रत्यय रूप मे प्रकट होता है, किंतु कतिपय परिस्थितियो मे क्रिया की प्रकृति मे रहता है (зре-ть — зрéет, спе-ть — спéет)
	белéть	белéю — белéешь	
	краснéть	краснéю — краснéешь	
	богатéть	богатéю — богатéешь	
	зреть	зрéю — зрéешь	
	спеть	спéю — спéешь	
३	-ов-а-ть -ев-а-ть	उत्तम पुरुष एकवचन -у-ю(-ю-ю) मध्यम पुरुष एकवचन -у-ешь(-ю-ешь), -у-ёшь(-ю-ёшь)	-ов-а- कठोर व्यजन के वाद, -ев-а- कोमल व्यजन और ऊष्म के वाद। -ов-, -ев- सामान्य क्रिया रूप मे, -у- वर्त्तमान काल मे कतिपय परिस्थितियो मे प्रत्यय रूप मे प्रकट होता है (рисовáть — рисýю) और दूसरी परिस्थितियो मे प्रकृति मे (ковáть — кую́, жевáть — жую́)
	рисовáть	рисýю — рисýешь	
	существовáть	существýю — существýешь	
	организовáть	организýю — организýешь	
	ковáть	кую́ — куёшь	
	горевáть	горю́ю — горю́ешь	

क्रमशः

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	वर्त्तमान (या सरल भविष्य) काल	टिप्पणी
		प्रथम रूपसाधना	
	ночевáть жевáть плевáть	ночýю — ночýешь жую́ — жуешь плюю́ — плюешь	
४	-ну-ть	उत्तम पुरुष एकवचन -н-у मध्यम पुरुष एकवचन -н-ешь(-н-ёшь)	
	толкнýть махнýть дви́нуть	толкнý — толкнешь махнý — махнешь дви́ну — дви́нешь	
		द्वितीय रूपसाधना	
५	-и-ть	उत्तम पुरुष एकवचन -у- (-ю) मध्यम पुरुष एकवचन -ишь	वर्त्तमान काल (सरल भविष्य) का विभक्ति-चिन्ह क्रिया की प्रकृति में जुडता है। वर्त्तमान काल की प्रकृति के अंत में कोमल व्यंजन या ऊष्म होता है। यदि सामान्य क्रिया रूप में प्रकृति т, д, с, з या दन्त्य व्यंजन में समाप्त होती है तो ध्वनि-परिवर्तन होता है क्योंकि वर्त्तमान काल उत्तम पुरुष एकवचन (सरल भविष्य) की प्रकृति में दूसरी ध्वनि (या ध्वनि-समूह) प्रकट होती है।
	мочи́ть кружи́ть реши́ть пои́ть вари́ть моли́ть урони́ть молоти́ть укроти́ть грусти́ть ходи́ть проси́ть грози́ть топи́ть люби́ть	мочý — мóчишь кружý — крýжишь решý — реши́шь пою́ — пои́шь варю́ — вáришь молю́ — мóлишь уроню́ — урóнишь молочý — молóтишь укрощý — укроти́шь грущý — грусти́шь хожý — хóдишь прошý — прóсишь грожý — грози́шь топлю́ — тóпишь люблю́ — лю́бишь	

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	वर्तमान (या सरल भविष्य) काल	टिप्पणी
		द्वितीय रूपसाधना	
	лови́ть	ловлю́ — ло́вишь	निम्नलिखित ध्वनि-परिवर्तन लक्षित होते हैं: т — ч (т — щ), ст — щ, д — ж, с — ш, з — ж, п — пл, б — бл, в—вл, ф — фл, м — мл
	графи́ть	графлю́ — графи́шь	
	томи́ть	томлю́ — томи́шь	

तालिका ८६

अप्रचलित क्रियाए

		प्रथम रूपसाधना	
१.	-а-ть	उत्तम पुरुष एकवचन -у (-ю) मध्यम पुरुष एकवचन -ешь	वर्तमान काल की प्रकृति मे а नही होता। सामान्य क्रिया रूप मे -а-ть के पहले कठोर व्यजन, वर्तमान काल की प्रकृति के अन्त मे ऊष्म या कोमल व्यजन। ध्वनि-परिवर्तन होता है (सामान्य क्रिया रूप के और वर्तमान काल के मूल का अंतिम व्यजन ध्वनि-परिवर्तन करता है)। ध्वनि-परिवर्तन सामान्य नियम के अनुकूल होता है: к — ч, х — ш, ск — щ, т—ч, д—ж (глода́ть—гло́жет), с—ш, з — ж, п — пл, б — бл, в—вл, м — мл, л — л कोमल।
	пла́кать	пла́чу — пла́чешь	
	паха́ть	пашу́ — па́шешь	
	иска́ть	ищу́ — и́щешь	
	пря́тать	пря́чу — пря́чешь	
	глода́ть		
	писа́ть	пишу́ — пи́шешь	
	ре́зать	ре́жу — ре́жешь	
	сы́пать	сы́плю — сы́плешь	
	колеба́ть	коле́блю — коле́блешь	
	дрема́ть	дремлю́ — дре́млешь	
	стлать	стелю́ — сте́лешь	

क्रमशः

प्रथम रूपसाधना

			स्वर का लोप सभव है। वह सामान्य क्रिया रूप मे लुप्त हो जाता है (стлать — стелю́)।
२.	-я-ть (मूल के स्वर के बाद)	उत्तम पुरुष एकवचन -ю मध्यम पुरुष एकवचन -ешь (-ёшь) } मूल के स्वर के बाद	я = [йа], й मूल के अंतिम व्यंजन ध्वनि के रूप मे प्रकट होता है। -а- (-я-) सामान्य क्रिया रूप का प्रत्यय; वर्त्तमान काल की प्रकृति मे नही होता। (ла́ять — ла́ет)
	ла́ять		
	та́ять	та́ю — та́ешь	
	ве́ять	ве́ю — ве́ешь	
	смея́ться	смею́сь — смеешься	
३	-а-ть	उत्तम पुरुष एकवचन -у मध्यम पुरुष एकवचन -ёшь	वर्त्तमान काल की प्रकृति मे а नही होता। सामान्य क्रिया रूप (жд-а-ть) और वर्त्तमान काल के उत्तम पुरुष एकवचन की प्रकृति मे कठोर व्यजन। मूल मे е, о का लोप सभव है (सामान्य क्रिया रूप मे स्वर लुप्त हो जाता है)। वर्त्तमान काल की रूपसाधना मे पश्चतालव्य व्यजन प्रकृति के अंत मे ऊष्म से परिवर्तित होते है (केवल एक अपवाद ткать जहा к का ч से नही परिवर्तित होता है)।
	брать	беру́ — берешь	
	звать	зову́ — зовешь	
	ждать	жду — ждешь	
	лгать	лгу — лжешь	
	ткать	тку — ткешь	

क्रमश

प्रथम रूपसाधना

४	-ть (मूल के о के वाद) колóть полóть молóть борóться	उत्तम पुरुष एकवचन -ю(-сь) मध्यम पुरुष एकवचन -ешь(-ся) колю́ — кóлешь полю́ — пóлешь мелю́ — мéлешь борю́сь — бóрешься	सामान्य क्रिया रूप के मूल में -оло-, -оро- वर्त्तमान काल की प्रकृति कोमल व्यजन मे समाप्त होती है और दूसरा о नही रह जाता है। ध्वनि-परिवर्तन о — е सभव है (молóть — мелю́)।
५.	-ть (मूल के е के वाद) терéть умерéть	उत्तम पुरुष एकवचन -у मध्यम पुरुष एकवचन -ёшь- тру — трёшь умру́ — умрешь	सामान्य क्रिया रूप के मूल में -ере- का सयोग। वर्त्तमान काल उत्तम पुरुष एकवचन की प्रकृति कठोर व्यजन मे समाप्त होती है और वर्त्तमान काल में दूसरा е नही रहता। लोपी е है (वर्त्तमान काल की प्रकृति मे स्वर नही होता है)।
६	-а-ть (-я-ть) жать начáть мять жать взять поня́ть	उत्तम पुरुष एकवचन -н-у(-м-у) मध्यम पुरुष एकवचन -н-ешь (-н-ёшь, -м-ёшь) жну — жнёшь начну́ — начнёшь мну — мнёшь жму — жмёшь возьму́ — возьмёшь пойму́ — поймешь	सामान्य क्रिया रूप मे а मूल मे रहता है। वर्त्तमान काल (सरल भविष्य) की प्रकृति मे м, н मूल मे रहते है। поня́ть क्रिया में मूल के आरम्भ मे व्यजन н है जो सरल भविष्य मे लुप्त हो जाता है।

प्रथम रूपसाधना

७	-ть (मूल के स्वर के बाद) стать оде́ть	उत्तम पुरुष एकवचन -н-у मध्यम पुरुष एकवचन -н-ешь ста́ну — ста́нешь оде́ну — оде́нешь	भविष्य काल की प्रकृति के अन्त में (ये पूर्णताद्योतक क्रियाएं हैं) н, सामान्य क्रिया रूप के मूल में н नहीं है।
८	-и-ть -у-ть гнить дуть	उत्तम पुरुष एकवचन -ю मध्यम पुरुष एकवचन -ешь (-ёшь) ду́ю — ду́ешь	सामान्य क्रिया रूप और वर्त्तमान काल की प्रकृति में и, у मूल में रहते हैं। (гнить — гниёт)
९	-и-ть (-ы-ть) -е-ть пить бить мыть брить петь	उत्तम पुरुष एकवचन -ю (-ью) मध्यम पुरुष एकवचन -ешь (-ёшь, -ьёшь) пью — пьёшь бью — бьёшь мо́ю — мо́ешь бре́ю — бре́ешь пою́ — поёшь	सामान्य क्रिया रूप की प्रकृति में и, ы, е स्वर मूल में रहते हैं। वर्त्तमान काल की प्रकृति में सामान्य क्रिया रूप से भिन्न स्वर (ध्वनि-परिवर्तन होता है) या स्वर सर्वथा लुप्त हो जाता है। वर्त्तमान काल की प्रकृति -й में समाप्त होती है (लेखन सबंधी. उत्तम पुरुष एकवचन में स्वर के बाद -ю, व्यंजन के बाद -ью)।
१०.	-ва-ть (मूल में а के बाद) дава́ть встава́ть сознава́ть	उत्तम पुरुष एकवचन -ю मध्यम पुरुष एकवचन -ёшь } स्वर के बाद даю́ — даешь встаю́ — встаёшь сознаю́ — сознаешь	वर्त्तमान काल की प्रकृति में -ва नहीं है; वर्त्तमान काल की प्रकृति -й में समाप्त होती है।

क्रमशः

प्रथम रूपसाधना

११	-и-ть (-ы-ть) жить плыть слыть	उत्तम पुरुष एकवचन -у मध्यम पुरुष एकवचन -ёшь в के बाद живу́ — живёшь плыву́ — плывёшь слыву́ — слывешь	и (ы) मूल से सबधित है। वर्त्तमान काल की प्रकृति -в में समाप्त होती है। यह и (ы) के बाद रहता है।
१२.	-сти (-сть) -зти (-зть) нести́ вести́ плести́ грести́ везти́ лезть	उत्तम पुरुष एकवचन -у मध्यम पुरुष एकवचन -ешь (-ёшь) व्यजन युक्त मूल के बाद несу́ — несёшь веду́ — ведёшь плету́ — плетешь гребу́ — гребешь везу́ — везёшь ле́зу — ле́зешь	и पर स्वराघात होने पर सामान्य क्रिया रूप -сти(-зти) में समाप्त होता है। वर्त्तमान काल उत्तम पुरुष एकवचन की प्रकृति कठोर व्यजन मे समाप्त होती है।
१३	-чь печь бере́чь стере́чь мочь жечь	उत्तम पुरुष एकवचन -у मध्यम पुरुष एकवचन -ешь (-ёшь) пеку́ — печешь берегу́ — бережешь стерегу́ — стережешь могу́ — мо́жешь жгу — жжешь	वर्त्तमान काल की प्रकृति में उत्तम पुरुष एकवचन के विभक्ति-चिन्ह के पहले पश्च्य तालव्य व्यजन (к, г); वर्त्तमान काल की रूपसाधना में ये पश्च्य तालव्य व्यजन ऊष्म से परिवर्तित हो जाते है (к—ч, г—ж)। स्वर लोप संभव है (жечь — жгу)।

द्वितीय रूपसावना

१४.	-е-ть горéть велéть сидéть ви́деть висéть скрипéть терпéть	उत्तम पुरुप एकवचन -у (-ю) मध्यम पुरुप एकवचन -ишь горю́ — гори́шь велю́ — вели́шь сижý — сиди́шь ви́жу — ви́дишь вишý — виси́шь скриплю́ — скрипи́шь терплю́ — тéрпишь	वर्त्तमान काल की प्रकृति के अन्त मे उत्तम पुरुप एकवचन मे कोमल व्यजन या ऊष्म। यदि सामान्य क्रिया की प्रकृति मे दन्त्य (ви́деть) और ओष्ठ्य (терпéть) व्यजन है तो वर्त्तमान काल मे ध्वनि-परिवर्तन होता है: (१) उत्तम पुरुप एकवचन मे ऊष्म (сижý), शेप रूपो मे दन्त्य (сиди́шь)। (२) उत्तम पुरुप एकवचन मे ओष्ठ्य व्यजन का कोमल (терплю́) л से सयोग, शेष रूपो में ओष्ठ्य (тéрпишь)।
१५	-ать (-ять, -ять-ся) спать гнать кричáть молчáть стучáть боя́ться	उत्तम पुरुप एकवचन -у (-ю) मध्यम पुरुष एकवचन -ишь (-ся) сплю — спишь гоню́ — гóнишь кричý — кричи́шь молчý — молчи́шь стучý — стучи́шь боюсь — бои́шься	वर्त्तमान काल की प्रकृति में а नही है। सामान्य क्रिया रूप मे -ать के पहले कठोर व्यजन, ऊष्म, या й (боя́ться)। वर्त्तमान काल की प्रकृति के अत मे कोमल व्यजन, ऊष्म या й। स्वर का लोप सभव है (гнать — гоню́)। व्यजनो का ध्वनि-परिवर्तन संभव है (п — пл, н — н कोमल)।

टिप्पणिया चौथे प्रकार की प्रचलित क्रियाओ से (-ну-ть में समाप्त होनेवाला सामान्य क्रिया रूप, वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल -н-у, -н-ешь, -н-ёшь) उसी प्रकार के सामान्य क्रिया रूप वाली और

उसी प्रकार के वर्तमान काल वाली (सरल भविष्य) अप्रचलित क्रियाओ को अलग करना चाहिए (जिस कारण उनको पूर्व तालिकाओ मे अलग नही किया गया), जिनके केवल भूतकाल के रूप एक दूसरे को अलग करते है। -ну-ть मे समाप्त होनेवाली प्रचलित क्रियाओ की भूतकालिक प्रकृति सामान्य क्रिया रूप से समानता रखती है॰ सामान्य क्रिया रूप толк-ну́-ть, дви́-ну-ть, भूतकाल толк-ну́-л, дви́-ну-л। अप्रचलित क्रिया की भूतकाल की प्रकृति -ну नही धारण करती है: सामान्य क्रिया रूप: мерз-ну-ть, со́х-ну̀-ть, भूतकाल रूप. мерз, сох

तालिका ८७

वर्गों में न आनेवाली क्रियाएं

सामान्य क्रिया रूप	वर्तमान (सरल भविष्य) काल	टिप्पणिया
бежа́ть	бегу́ — бежи́шь	अन्य पुरुष बहुवचन मे бегу́т यद्यपि मध्यम पुरुष एकवचन मे -ишь मे समाप्त होनेवाली क्रियाए प्राय॰ -ат धारण करती हैं।
быть	бу́ду — бу́дешь	Бу́ду, бу́дешь भविष्य काल। वर्तमान काल दूसरे मूल से बनाया जाता है और वर्तमान भाषा मे इसमें से केवल अन्य पुरुष प्रयुक्त होता है есть (ए० व०), суть (ब० व०)॰।
дать, есть (खाने के अर्थ मे)	дам — дашь ем — ешь	ये दो क्रियाए उत्तम पुरुष एकवचन के विभक्ति-चिन्ह धारण करती हैं जो दूसरी क्रियाओ से सर्वथा अलग हैं।
е́хать	е́ду — е́дешь	
идти́	иду́ — идешь	सामान्य क्रिया रूप की प्रकृति के अन्त मे д लिखा जाता है। भूतकाल नियमो से अलग बनाया जाता है (दूसरे मूल से) шёл

क्रमश

सामान्य क्रिया रूप	वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल	टिप्पणिया
расшиби́ть	расшибу́ — расшибешь	उत्तम पुरुप एकवचन के विभक्ति-चिन्ह के पहले कठोर व्यंजन। -шиб- मूल से वनी उपसर्गों से युक्त भिन्न क्रियाएं इस वर्ग से संवधित हैं (ये सव क्रियाए पूर्णताद्योतक हैं)। इस मूल की क्रियाए विना उपसर्ग के नही प्रयुक्त होती है। भविष्य काल की प्रकृति में и नही होता।
реве́ть	реву́ — ревёшь	उत्तम पुरुप एकवचन मे विभक्ति-चिन्ह के पहले कठोर व्यजन। वर्त्तमान काल की प्रकृति मे е नही होता।
надое́сть	надое́м — надое́шь	यह क्रिया ऐतिहासिक रूप मे, क्रिया есть — ем — ешь मे उपसर्ग जोड़कर वनी है (ऊपर देखिये), किंतु есть और надое́сть वर्त्तमान भापा मे अर्थ की दृष्टि से विल्कुल सवद्ध नहीं हैं।
созда́ть	созда́м — созда́шь	इसके वही रूप हैं जो дать — дам — дашь क्रिया के हैं।
чтить	чту — чтишь	द्वितीय रूपसाधना की शेष क्रियाओ से इस वात मे अलग है कि वर्त्तमान काल उत्तम पुरुप एकवचन की प्रकृति के अन्त मे कठोर व्यजन होता है।
хоте́ть	хочу́ — хо́чешь	वर्त्तमान काल के बहुवचन मे द्वितीय रूपसाधना वाली क्रियाओ के समान रूप चलते हैं (хоти́м — хоти́те — хотя́т)

क्रियाओं में स्वराघात के मुख्य प्रकार

१. स्वराघात स्थिर या निश्चित है अर्थात् सामान्य क्रिया के रूप और वर्त्तमान काल के सभी रूपो मे, स्वराघात एक ही और उसी अक्षर पर पड़ता है читáть — читáю — читáет, इत्यादि।

२. सामान्य क्रिया और वर्त्तमान काल उत्तम पुरुष एकवचन रूप मे स्वराघात एक ही और उसी अन्तिम अक्षर पर पडता है और अन्य सभी पुरुषो में शब्द के एक अक्षर पर आरभ की ओर चला जाता है. носи́ть — ношу́ — но́сишь, इत्यादि।

३. कतिपय परिस्थितियो मे स्वराघात सामान्य क्रिया रूप, वर्त्तमान काल उत्तम पुरुप एकवचन और वर्त्तमान काल के सभी पुरुपो के वहुवचन मे एक ही और उसी अन्तिम अक्षर पर पडता है और मध्यम पुरुप तथा अन्य पुरुष एकवचन में स्वराघात शब्द के एक अक्षर पर आरभ की ओर चला जाता है: хоте́ть — хочу́ — хо́чешь — хо́чет — хоти́м — хоти́те — хотя́т.

४. -овать, -евать वाली वहुत सी क्रियाओं में स्वराघात सामान्य क्रिया रूप में अन्तिम अक्षर पर पड़ता है और वर्त्तमान काल (सरल भविष्य) के सभी पुरुपो मे उपान्त्य अक्षर पर: рисова́ть — рису́ю — рису́ешь; горева́ть — горю́ю — горю́ешь।

क्रिया रूपों में स्वराघात स्थानान्तरण के मुख्य प्रकार

तालिका ८८

प्रचलित क्रियाओं का प्रकार

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	उत्तम पुरुप एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		मध्यम पुरुप एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		टिप्पणिया
		उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	
१.	читáть	читáю		читá-ешь		स्वराघात निश्चित

---

१. सामग्री को क्रियाओं के मुख्य प्रकारो के क्रमानुसार दिया गया (देखिये ऊपर वाली तालिकाए ८५-८६)।

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	उत्तम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		मध्यम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		टिप्पणियां
		उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	
२.	беле́ть	беле́ю		беле́ешь		स्वराघात निश्चित
३.	кова́ть жева́ть рисова́ть горева́ть	 рису́ю горю́ю	кую́ жую́	рису́ешь горю́ешь	куёшь жуёшь	सामान्य क्रिया रूप में स्वराघात अन्तिम अक्षर पर। वर्त्तमान काल में स्वराघात कतिपय क्रियाओं मे अन्तिम अक्षर पर और कतिपय क्रियाओं मे सभी पुरुषों में उपान्त्य अक्षर पर।
४.	толкну́ть дви́нуть со́хнуть тяну́ть	 дви́ну со́хну	толкну́ тяну́	 дви́нешь со́хнешь тя́нешь	толкнёшь	स्वराघात प्राय. सभी क्रियाओं पर निश्चित है। पूर्णताद्योतक क्रियाओं (विना उपसर्ग वाली) में स्वराघात प्राय. अन्तिम अक्षर पर дви́нуть को छोड़कर), अपूर्णताद्योतक क्रियाओं मे उपान्त्य अक्षर पर। केवल चार क्रियाओं मे (тяну́ть, взгляну́ть, обма-

क्रमश

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	उत्तम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		मध्यम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		टिप्पणियां
		उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अन्तिम अक्षर पर स्वराघात	
						ну́ть, помяну́ть) स्वराघात चचल है. सामान्य क्रिया रूप में और वर्त्तमान काल (सरल भविष्य) के उत्तम पुरुष एकवचन मे अन्तिम अक्षर पर, वर्त्तमान काल (सरल भविष्य) के शेप पुरुषो मे उपान्त्य अक्षर पर।
५	реши́ть		решу́		реши́шь	कतिपय क्रियाओ मे स्वराघात निश्चित है (अन्तिम अक्षर पर)। बहुत सी क्रियाओ मे स्वराघात चचल है सामान्य क्रिया रूप मे और उत्तम पुरुष एकवचन मे अन्तिम अक्षर पर, वर्त्तमान काल के शेप पुरुषो मे उपान्त्य अक्षर पर।
	гости́ть		гощу́		гости́шь	
	графи́ть		графлю́		графи́шь	
	вари́ть		варю́	ва́ришь		
	урони́ть		уроню́	уро́нишь		
	молоти́ть		молочу́	моло́тишь		
	топи́ть		топлю́	то́пишь		
	люби́ть		люблю́	лю́бишь		

तालिका ८६

अप्रचलित क्रियाओं का प्रकार

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	उत्तम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		मध्यम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		टिप्पणिया
		उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अंतिम अक्षर पर स्वराघात	उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अंतिम अक्षर पर स्वराघात	
१.	искáть писáть колебáть	колéблю	ищý пишý	и́щешь пи́шешь колéблешь		सामान्य क्रिया रूप में अन्तिम अक्षर पर स्वराघात वाली क्रियाओ में स्वराघात चचल: अधिकतर वर्त्तमान काल के उत्तम पुरुष एकवचन मे स्वराघात अंतिम अक्षर पर, शेष पुरुषो मे उपान्त्य अक्षर पर। दो क्रियाओ के (колебáть, колыхáть) सभी पुरुषो में उपान्त्य अक्षर पर।
२.	лáять			лáет		स्वराघात निश्चित
३	брать		берý		берёшь	स्वराघात निश्चित
४	колóть		колю́	кóлешь		स्वराघात चचल
५	умерéть		умрý		умрешь	स्वराघात निश्चित
६.	начáть		начнý		начнешь	स्वराघात निश्चित

क्रमश

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	उत्तम पुरुष एकवचन वर्तमान (सरल भविष्य) काल		मध्यम पुरुष एकवचन वर्तमान (सरल भविष्य) काल		टिप्पणिया
		उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अतिम अक्षर पर स्वराघात	उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अंतिम अक्षर पर स्वराघात	
७	оде́ть	оде́ну		оде́нешь		स्वराघात निश्चित
८	гнить				гниёт	स्वराघात निश्चित
	дуть	ду́ю		ду́ешь		
९	мыть	мо́ю		мо́ешь		स्वराघात निश्चित
	петь		пою́		поёшь	
१०.	дава́ть		даю́		даёшь	स्वराघात निश्चित
११	жить		живу́		живешь	स्वराघात निश्चित
१२	нести́		несу́		несёшь	स्वराघात निश्चित। -сти (-зти) में समाप्त होनेवाली सामान्य क्रियाओं के वर्तमान काल मे स्वराघात अन्तिम अक्षर पर, -сть (-зть) मे समाप्त होनेवाली सामान्य क्रियाओं के वर्तमान काल मे कतिपय क्रियाओं मे स्वराघात अन्तिम अक्षर पर और दूसरी क्रियाओं में उपान्त्य अक्षर पर।
	прясть		пряду́		прядёшь	
	лезть	ле́зу		ле́зешь		

क्रमश

प्रकार	सामान्य क्रिया रूप	उत्तम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		मध्यम पुरुष एकवचन वर्त्तमान (सरल भविष्य) काल		टिप्पणियां
		उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अंतिम अक्षर पर स्वराघात	उपान्त्य अक्षर पर स्वराघात	अंतिम अक्षर पर स्वराघात	
१३	печь		пеку́		печѐшь	अधिकाश मे स्वराघात निश्चित है। वर्त्तमान काल मे अन्तिम अक्षर पर, किंतु мочь क्रिया मे स्वराघात चचल है।
	бере́чь		берегу́		бережёшь	
	мочь		могу́	мо́жешь		
१४	горе́ть		горю́		гори́шь	अधिकाश मे स्वराघात निश्चित है, किन्तु терпе́ть, верте́ть क्रियाओ मे चचल है।
	ви́деть	ви́жу		ви́дишь		
	терпе́ть		терплю́	те́рпишь		
२५.	крича́ть		кричу́		кричи́шь	अधिकांश मे स्वराघात निश्चित है, अन्तिम अक्षर पर, किंतु гнать क्रिया मे चचल है।
	гнать		гоню́	го́нишь		

तालिका ९०

अप्रचलित वर्ग की मुख्य क्रियाओं की सूची

मुख्यतया बिना उपसर्ग के क्रियाए दी गयी है। उपसर्ग के साथ क्रियाए उसी परिस्थिति मे दी गयी है जब कि तदनुरूप मूल से बिना उपसर्ग के क्रिया नही प्रयुक्त होती। अक तालिका ८६ में दी गयी क्रिया का प्रकार सूचित करता है,

"अ"* सूचित करता है कि क्रिया इन वर्गों मे नही आती – इनसे अलग है (देखिये तालिका ८७)।

бежа́ть — अ०
берéчь — १३
бить — ९
блéять — २
бормота́ть — १
боро́ться — ४
боя́ться — १५
брать — ३
брести́ — १२
брить — ९
быть — अ०

везти́ — १२
велéть — १४
вертéть — १४
вести́ — १२
ви́деть — १४
визжа́ть — १५
висéть — १४
вить — ९
влечь — १३
воло́чь — १३
врать — ३
встава́ть — १०
выть — ९
вы́честь — १२
вяза́ть — १

глода́ть — १
гнать — १५
гнить — ८
горéть — १४
грести́ — ११
грохота́ть — १
грызть — ११

дава́ть — १०
дать — अ०
деть — ७
драть — ३
дрема́ть — १
дрожа́ть — १५
дуть — ८
дыша́ть — १५

есть — अ०
éхать — अ०

жать (жму) — ६
жать (жну) — ६
ждать — ३
жечь — १३
жить — ११
жужжа́ть — १५

зави́сеть — १४
запря́чь — १३
застря́ть — ७
звать — ३
звуча́ть — १५

идти́ — अ०

класть — १२
клясть (кляну́) — ११
коло́ть — ४
красть — ११
крича́ть — १५
крыть — ९

лгать — ३
лежа́ть — १५
лезть — ११
лепета́ть — १

летéть — १४
лечь (ля́гу) — १३
лиза́ть — १
лить (лью) — ९

ма́зать — १
маха́ть — १
мести́ — १२
моло́ть — ४
молча́ть — १५
мочь — १३
мыть — ९
мыча́ть — १५

надоéсть — अ०
ненави́деть — १४
нести́ — ११
ныть (но́ю) — ९

оби́деть — १४
обня́ть (обниму́) — ६
обрести́ (обрету́) — १२
обу́ть — ८
обяза́ть — १
ора́ть — ३
отрéчься — १३

пасти́ — १२
пасть — ११
паха́ть — १
петь — ९
печь — १३
писа́ть — १
пить — ९
пища́ть — १५
пла́кать — १

---

* "अ" – अपवाद

плеска́ть — १
плести́ — ११
плыть — ११
пляса́ть — १
ползти́ — ११
поло́ть — ४
поро́ть — ४
пренебре́чь — १३
прясть — ११

разу́ть — ८
расти́ (расту́) — ११
рвать — ३
реве́ть — अ०
ржать — ३
рыть (ро́ю) — ६
рыча́ть — १५

свиста́ть — १
свисте́ть — १४
сесть (ся́ду) — ११
сиде́ть — १४
скака́ть — १
скрести́ (скребу́) — ११
скрипе́ть — १४

слать (шлю) — १
слыть — ११
смея́ться — १
смотре́ть — १४
создава́ть — १०
созда́ть — अ०
соса́ть — ३
спать — १५
стать — ७
стере́чь — १३
стлать — १
стона́ть — ३
стоя́ть — १५
стричь (стригу́) — १३
стуча́ть — १५
сы́пать — १

тере́ть — ५
терпе́ть — १४
теса́ть — १
ткать — ३
толо́чь (толку́) — १३
топта́ть — १
торча́ть — १५

трепета́ть (трепещу́) — १
треща́ть — १५
трясти́ (трясу́) — ११

узнава́ть — १०
умере́ть — ५
ушиби́ть — अ०

хлеста́ть (хлещу́) — १
хлопота́ть — १
хны́кать — १
хоте́ть — अ०
хохота́ть — १

цвести́ — ११

чеса́ть — १
чтить — अ०

шепта́ть — १
шить (шью) — ६
шуме́ть — १४

щебета́ть — १
щекота́ть — १
щипа́ть — १

-ну- प्रत्यय से युक्त महत्वपूर्ण क्रियाओं की सूची जिनका भूतकाल बिना इस प्रत्यय के बनता है (मुख्य रूप से बिना उपसर्ग के रूप)

воздви́гнуть
вя́знуть
вя́нуть
га́снуть
ги́бнуть
гло́хнуть
зя́бнуть

исся́кнуть
исче́знуть
ки́снуть
кре́пнуть
мерзнуть
ме́ркнуть
па́хнуть

продро́гнуть
све́ргнуть
сле́пнуть
со́хнуть
сты́нуть
ту́хнуть
ча́хнуть

तालिका ६१

अनियमित क्रियाएं जिनकी रूपसाधना में विशिष्टता है

सामान्य क्रिया रूप	वर्तमान काल	भूतकाल	भविष्य	टिप्पणिया
идти́ (अपूर्णताद्योतक) пойти́ (पूर्णताद्योतक)	я иду́ ты идёшь, इत्यादि वर्तमान काल नहीं होता	я, ты, он шел я, ты, она́ шла оно́ шло мы, вы, они́ шли я пошёл, इत्यादि	नियमित रूप से बनता है бу́ду идти́ я пойду́ ты пойдешь, इत्यादि	जटिल भविष्य бу́ду идти́ सामान्यत बहुत कम प्रयुक्त होता है
е́хать	я е́ду мы е́дем ты е́дешь вы е́дете он, она́, они́ е́дут оно́ е́дет	नियमित रूप से बनता है е́хал	नियमित रूप से बनता है бу́ду е́хать	Бу́ду е́хать बहुत कम प्रयुक्त होता है
сть	я ем мы еди́м ты ешь вы еди́те он, она́, они́ едя́т оно́ ест	я, ты, он ел я, ты, она́ е́ла оно́ е́ло мы, вы, они́ е́ли	नियमित रूप से बनता है бу́ду есть	

सामान्य क्रिया रूप	वर्त्तमान काल	भूतकाल	भविष्य	टिप्पणिया
- -	वर्त्तमान काल नही होता	नियमित रूप से बनता है дал	я дам мы дади́м ты дашь вы дади́те он, она́, они́ даду́т оно́ даст	
дать (पूर्णताद्योतक) дава́ть (अपूर्णताद्योतक)	я даю́ мы даем ты даешь вы даете он, она́, они́ даю́т оно́ дает	नियमित रूप से बनता है дава́л	नियमित रूप से बनता है бу́ду дава́ть	
взять (पूर्णताद्योतक)	वर्त्तमान काल नही होता	नियमित रूप से बनता है взял	я возьму́ ты возьмешь, इत्यादि	
поня́ть (पूर्णताद्योतक)	वर्त्तमान काल नही होता	नियमित रूप से बनता है по́нял	я пойму́ ты поймешь, इत्यादि	
спать	я сплю ты спишь, इत्यादि	नियमित रूप से बनता है спал	नियमित रूप से बनता है бу́ду спать	

क्रमशः

सामान्य क्रिया रूप	वर्त्तमान काल	भूतकाल	भविष्य	टिप्पणिया
гнать	я гоню́ ты го́нишь, इत्यादि	नियमित रूप से बनता है гнал	नियमित रूप से बनता है бу́ду гнать	
брить	я бре́ю ты бре́ешь, इत्यादि	नियमित रूप से बनता है брил	नियमित रूप से बनता है бу́ду брить	

दूसरी क्रियाओ की रूपसाधना की विशिष्टता के विषय में, उदाहरणत अत्यधिक प्रचलित क्रियाओ жить — живу́, мочь — могу́ और *-сти* में समाप्त होनेवाली क्रियाओ нести́, вести́, इत्यादि के विषय में देखिये तालिका ८६। क्रिया хоте́ть — хочу́, देखिये तालिका ८७।

७. कृदन्त और क्रियाद्योतक

आरम्भिक टिप्पणियां

कृदन्त क्रियाओ से वनाये जाते है।

कृदन्त कर्तृवाचक होते है (Я разгова́ривал с това́рищем, **прие́хавшим** из Ленингра́да) और कर्मवाचक होते है (За прекра́сно **вы́полненную** рабо́ту моего́ дру́га премирова́ли)। कर्मवाचक कृदन्त केवल सकर्मक क्रियाओ से ही वनाये जा सकते है।

कर्तृवाचक कृदन्त (чита́ющий, чита́вший) और कर्मवाचक कृदन्त (чита́емый, прочи́танный) वर्त्तमान काल और भूतकाल के होते है। भविष्य काल का कृदन्त नही होता है। कर्तृवाचक कृदन्तो का केवल पूर्ण रूप होता है और कर्मवाचक कृदन्तो का पूर्ण रूप और संक्षिप्त रूप। पूर्ण कृदन्त विशेषण के समान सज्ञा के लिग, वचन और कारक के अनुरूप होते है· Премирова́ли моего́ дру́га, прекра́сно **вы́полнившего** рабо́ту, ,सक्षिप्त कृदन्त (सक्षिप्त विशेषण के समान) केवल सज्ञा के लिंग और वचन के अनुरूप होते है· Письмо́ **напи́сано**, пи́сьма **напи́саны**।

क्रियाद्योतक शब्द क्रिया से वनते है।

ऐसे क्रियाद्योतक शब्द है जो अपूर्णताद्योतक क्रियाओ से वनाये जाते है (Он сиде́л в саду́, **чита́я** газе́ту) और ऐसे क्रियाद्योतक है जो पूर्णताद्योतक क्रियाओ से वनाये जाते है (**Прочита́в** газе́ту, он пошёл гуля́ть)।

क्रियाद्योतक के रूप अपरिवर्तनशील है।

तालिका ६२

कर्तृवाचक कृदन्त

एकवचन			बहुवचन	प्रत्यय
पुल्लिग	स्त्रीलिग	नपुसक लिग		
वर्तमान काल				
пи́шущий чита́ющий крича́щий говоря́щий	пи́шущая чита́ющая крича́щая говоря́щая	пи́шущее чита́ющее крича́щее говоря́щее	пи́шущие чита́ющие крича́щие говоря́щие	-ущ- -ющ- -ащ- -ящ-
भूतकाल				
писа́вший чита́вший крича́вший говори́вший	писа́вшая чита́вшая крича́вшая говори́вшая	писа́вшее чита́вшее крича́вшее говори́вшее	писа́вшие чита́вшие крича́вшие говори́вшие	-вш-
нёсший засо́хший	нёсшая засо́хшая	нёсшее засо́хшее	нёсшие засо́хшие	-ш-

तालिका ६३

कर्तृवाचक कृदन्तो की रचना

वर्तमान काल का कृदन्त, प्रथम वर्ग की रूपसाधना वाली क्रियाओ के वर्तमान काल की प्रकृति और -ущ-, -ющ- प्रत्ययो की सहायता से बनाया जाता है : пи́шут — пи́шущий чита́ют — чита́ющий	भूतकाल का कृदन्त भूतकाल की क्रियाओ की प्रकृति और -вш-, -ш- प्रत्ययो की सहायता से बनाया जाता है। -вш- यदि प्रकृति स्वर मे समाप्त होती है. чита́л — чита́вший говори́л — говори́вший

क्रमश

द्वितीय वर्ग की रूपसाधना वाली क्रियाओ के -ащ-, -ящ- प्रत्ययो की सहायता से वनता है. стучáт — стучáщий говоря́т — говоря́щий	-ш- यदि प्रकृति व्यजन में समाप्त होती है нéс — несший вез — везший засóх — засóхший лег — легший
ध्यान दीजिये: निम्नलिखित प्रकार से वर्त्तमान काल का कृदन्त सरलता से बनाया जा सकता है वर्त्तमान काल अन्य पुरुष वहुवचन के रूप को लीजिये, -т को हटाकर पुल्लिग के लिए -щий (пи́шущий), स्त्रीलिग के लिए -щая (пи́шущая), नपुसक लिग के लिए -щее (пи́шущее) जोड़ दीजिये।	ध्यान दीजिये: भूतकाल के कृदन्त इस प्रकार सरलता से बनाये जा सकते हैं· भूतकाल की क्रिया को लीजिये, -л प्रत्यय को हटा दीजिये और पुल्लिग के लिए -вший (читáвший), स्त्रीलिग के लिए -вшая (читáвшая), नपुसक लिग के लिए -вшее (читáвшее) जोड दीजिये। यदि भूतकाल मे प्रत्यय -л नही है (प्रकृति व्यजन मे समाप्त होती है) तो पुल्लिग के लिए -ший (нёсший), स्त्रीलिग के लिए -шая (нёсшая), नपुसक लिग के लिए -шее (нёсшее) जोडा जाता है। यदि भूतकाल मे प्रकृति स्वर में, (вел, расцвел) और वर्त्तमान काल में प्रकृति д, т (веду́, цвету́) मे समाप्त होती है तो प्रत्यय -ший वर्त्तमान काल की प्रकृति मे जोडा जाता है (ве́дший, расцве́тший, इत्यादि)

टिप्पणी -ся प्रत्ययांश वाली क्रियाओ के कृदन्तो मे (занима́ющийся, занима́вшийся, уча́щийся, учи́вшийся, इत्यादि) प्रत्ययाश -ся शब्द के अन्त मे विभक्ति-चिन्ह के बाद रहता है।

तालिका ९४

पूर्ण कर्मवाचक कृदन्त

एकवचन			बहुवचन	प्रत्यय
पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग		
		वर्तमान काल		
изуча́емый люби́мый	изуча́емая люби́мая	изуча́емое люби́мое	изуча́емые люби́мые	-ем- -им-
		भूतकाल		
прочи́танный изу́ченный взя́тый	прочи́танная изу́ченная взя́тая	прочи́танное изу́ченное взя́тое	прочи́танные изу́ченные взя́тые	-нн- -енн- -т-

तालिका ९५

कर्मवाचक कृदन्त की रचना

वर्तमान काल का कृदन्त वर्तमान काल की प्रकृति (प्रथम रूपसाधना वाली क्रिया) से -ем प्रत्यय से बनाया जाता है изуча́ем — изуча́емый द्वितीय रूपसाधना वाली क्रियाओं की प्रकृति से -им प्रत्यय से : лю́бим — люби́мый руководи́м — руководи́мый	भूतकाल का कृदन्त भूतकाल की प्रकृति से बनाया जाता है :	
	यदि प्रकृति स्वर में समाप्त होती है तो -нн- और -т- प्रत्यय से : ви́дел — ви́денный взял — взя́тый бил — би́тый мыл — мы́тый дул — ду́тый	-енн- प्रत्यय से यदि प्रकृति व्यंजन या и में समाप्त होती है (यदि и मूल में नहीं है). изучи́л — изу́ченный принес — принесенный возврати́л — возвращённый (т — щ का ध्वनि-परिवर्तन)

टिप्पणियां : १. कर्मवाचक कृदन्त केवल सकर्मक क्रियाओं से ही बनाया जा सकता है।

२ -да-, -зна- मूल के बाद -ва- प्रत्यय से युक्त क्रियाए वर्त्तमान का कृदत सामान्य क्रिया की प्रकृति से बनाती है। उदाहरणत — передавáть — передавáемый, признавáть — признавáемый।

३ इन क्रियाओ के वर्त्तमान काल के कर्मवाचक कृदन्त नही बनते: брать, шить, мыть, пить, лить, бить, пóртить, इत्यादि।

४. प्रचलित क्रियाओ के प्रथम वर्ग से (получáть, отправля́ть तथा कतिपय अन्य क्रियाओ से भूतकाल के कर्मवाचक कृदन्त नही निर्मित होते। उदाहरणत полюби́ть, искáть।

तालिका ६६

संक्षिप्त कर्मवाचक कृदंत

	पूर्ण	संक्षिप्त	पूर्ण	संक्षिप्त
	वर्त्तमान काल		भूतकाल	
पुल्लिग	люби́мый	люби́м	прочи́танный взя́тый	прочи́тан взят
स्त्रीलिग	люби́мая	люби́ма	прочи́танная взя́тая	прочи́тана взятá
नपुसक लिग	люби́мое	люби́мо	прочи́танное взя́тое	прочи́тано взя́то
बहुवचन	люби́мые	люби́мы	прочи́танные взя́тые	прочи́таны взя́ты

टिप्पणियां १ संक्षिप्त कृदन्तो की रूपसाधना नही होती। संक्षिप्त विशेषणो के समान संक्षिप्त कृदन्त विधेय रूप मे प्रयुक्त होते है (Кни́га взятá. Кни́га былá прочи́тана в два дня Кни́га бу́дет напечáтана)। संक्षिप्त कृदन्त लिग और वचन मे कर्त्ता के अनुरूप होता है।

२. वर्त्तमान काल के कर्मवाचक कृदन्त वर्त्तमान भाषा मे करीब करीब बिल्कुल नही प्रयुक्त होते।

कृदन्त रचना की संयुक्त तालिका

	पक्ष	कर्तृवाचक		कर्मवाचक		टिप्पणिया
		वर्त्तमान काल	भूतकाल	वर्त्तमान काल	भूतकाल	
सकर्मक	अपूर्णताद्योतक чита́ть ви́деть слу́шать	чита́ющий ви́дящий слу́шающий	чита́вший ви́девший слу́шавший	чита́емый ви́димый слу́шаемый	чи́танный ви́денный	बहुत सी अपूर्णताद्योतक सकर्मक क्रियाओ के भूतकाल के कर्मवाचक कृदन्त नही प्रयुक्त होते।
	पूर्णताद्योतक прочита́ть уви́деть прослу́шать	—	прочита́вший уви́девший прослу́шавший	—	прочи́танный уви́денный прослу́шанный	पूर्णताद्योतक क्रियाए वर्त्तमान काल का कोई रूप नही बनाती है।
अकर्मक	अपूर्णताद्योतक éхать	éдущий	éхавший	—	—	अकर्मक क्रियाए कर्मवाचक कृदन्त नही बनाती है।
	पूर्णताद्योतक приéхать	—	приéхавший	—	—	

इस प्रकार कतिपय क्रियाओ के कृदन्त के सभी चारो रूप है, कुछ के तीन, कुछ के दो और कुछ के केवल एक।

ध्यान दीजिये: слы́шать क्रिया से भूतकाल का कर्मवाचक कृदन्त बनाया जा सकता है (слы́шанный), किंतु слу́шать क्रिया से कदापि नही।

कृदन्तों की रूपसाधना

तालिका ६८

	पुल्लिग श्रौर नपुसक लिग	विभक्ति-चिन्ह	स्त्रीलिग	विभक्ति-चिन्ह	बहुवचन	विभक्ति-चिन्ह
कर्त्ता	чита́ющий чита́ющее занима́ющийся занима́ющееся	-ий -ее	чита́ющая занима́ющаяся	-ая	чита́ющие занима́ющиеся	-ие
सवंध	чита́ющего занима́ющегося	-его	чита́ющей занима́ющейся	-ей	чита́ющих занима́ющихся	-их
सम्प्रदान	чита́ющему занима́ющемуся	-ему	чита́ющей занима́ющейся	-ей	чита́ющим занима́ющимся	-им
कर्म	कर्त्ता या सवध की भाति (पु०) कर्त्ता की भाति (नपु०)		чита́ющую занима́ющуюся	-ую	कर्त्ता या सवध की भाति	
करण	чита́ющим занима́ющимся	-им	чита́ющей занима́ющейся	-ей(-ею)	чита́ющими занима́ющимися	-ими
अधिकरण	(о) чита́ющем (о) занима́ющемся	-ем	(о) чита́ющей (о) занима́ющейся	-ей	(о) чита́ющих (о) занима́ющихся	-их

क्रमश.

	पुल्लिंग और नपुसक लिग	विभक्ति-चिन्ह	स्त्रीलिग	विभक्ति-चिन्ह	बहुवचन	विभक्ति-चिन्ह
कर्त्ता	прочи́танный прочи́танное	-ый -ое	прочи́танная	-ая	прочи́танные	-ые
सबंध	прочи́танного	-ого	прочи́танной	-ой	прочи́танных	-ых
सम्प्रदान	прочи́танному	-ому	прочи́танной	-ой	прочи́танным	-ым
कर्म	कर्त्ता या सबंध की भाति (पु०) कर्त्ता की भाति (नपु०)		прочи́танную	-ую	कर्त्ता या सबंध की भाति	
करण	прочи́танным	-ым	прочи́танной (-ою)	-ой(-ою)	прочи́танными	-ыми
अधिकरण	(о) прочи́танном	-ом	(о) прочи́танной	-ой	(о) прочи́танных	-ых

टिप्पणिया १. कृदन्त की रूपसाधना विशेपण के समान होती है।

२. वर्त्तमान और भूतकाल के कर्तृवाचक कृदन्त सभी कारको मे ऊष्म प्रकृति वाले (शब्दान्त पर बिना स्वराघात के) विशेपणो के विभक्ति-चिन्ह धारण करते है (хоро́ший, хоро́шего, इत्यादि ; хоро́шая, хоро́шей, хоро́шую, इत्यादि)।

३ वर्त्तमान और भूतकाल के कर्मवाचक कृदन्त सभी कारको में वही विभक्ति-चिन्ह धारण करते हैं जो उन विशेपणो के होते हैं जिनकी प्रकृति मे कठोर व्यजन है (кра́сный, кра́сного, इत्यादि)।

४ -ся वाले कृदन्त, -ся प्रत्ययाश सदा शब्द के अन्त मे विभक्ति-चिन्ह के बाद धारण करते हैं (занима́ющийся, занима́ющегося, इत्यादि)।

वाक्य में कृदन्त का स्थान

कृदन्त, वाक्य में केवल संबंधित संज्ञा के पूर्व न होकर (Я навести́л прие́хавшего из дере́вни това́рища) संज्ञा के बाद भी आ सकता है (Я навести́л това́рища, прие́хавшего из дере́вни)।

क्रियाद्योतक

तालिका ६६

क्रियाद्योतक की रचना

अपूर्णताद्योतक		पूर्णताद्योतक	
живя́ чита́я конча́я сидя стуча́ занима́ясь	-а, -я	прочита́в зако́нчив посиде́в постуча́в заперши́сь позанима́вшись	-в, -ши, -вши
वर्तमान काल की प्रकृति से बनाया जाता है। वर्तमान काल के विभक्ति-चिन्ह को हटा दिया जाता है और प्रत्यय -а(-я) जोड दिया जाता है (प्रत्यय -а केवल ऊष्म के बाद): жив-у́т — жив-я́ чита́-ют — чита́-я тре́бу-ют — тре́бу-я занима́-ют-ся — занима́-я-сь сид-я́т — си́д-я стуч-а́т — стуч-а́		भूतकाल की प्रकृति से बनाया जाता है। प्रत्यय -л हटा दिया जाता है और स्वर वाली प्रकृति में -в या -вши जोड दिया जाता है: прочита́-л — прочита́-в, взя́-л-ся — взя́-вши-сь,	

क्रमशः

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
(अपवाद -да-, -зна-, -ста- मूल के वाद -ва- प्रत्यय वाली क्रियाए सामान्य क्रिया की प्रकृति से क्रियाद्योतक वनाती है давáть — давáя, сознавáть — сознавáя, вставáть — вставáя)	व्यजन वाली प्रकृति के वाद -ши: заперся́ — запер-ши́-сь (किंतु : зáпер — заперéв), вы́сох — вы́сохши
१. -ну-प्रत्यय वाली अपूर्णताद्योतक क्रियाए тяну́ть, вя́нуть, сóхнуть, мóкнуть -а, -я में क्रियाद्योतक नही वनाती है। २ कतिपय क्रियाओ के क्रियाद्योतक नही प्रयुक्त होते है. ждать, петь, бежáть, писáть, пить, бить, жать, мять, терéть, печь, стерéчь, пахáть, рéзать। ३ -учи, -ючи से युक्त कृदन्त के रूप जनभापा में सुरक्षित है (и́дучи, гля́дючи)। समकालीन साहित्यिक भापा मे ऐसे रूप वहुत ही कम मिलते है। केवल бу́дучи रूप (быть क्रिया का क्रियाद्योतक रूप) प्रयुक्त होता है।	१ -ну-प्रत्यय वाली पूर्णताद्योतक क्रियाए क्रियाद्योतक सामान्य क्रिया रूप की प्रकृति और भूतकाल की प्रकृति से वना सकती है исчéзнуть — исчéзнув, окрéпнуть — окрéпнув, вы́сохнуть — вы́сохнув, вы́сохши। २ थोडी सी पूर्णताद्योतक क्रियाएं सरल भविष्य की प्रकृति से क्रियाद्योतक वनाती है уви́д-ят — уви́д-я, пройд-у́т — пройд-я́।

तालिका १००

क्रियाद्योतक का प्रयोग

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
Учени́к отвечáет урóк, стóя у доски́ Возвращáясь из теáтра, мы встрéтили товáрища	Верну́вшись из теáтра, я нашёл на столé письмó Закóнчив рабóту, он уéдет.

क्रमशः

अपूर्णताद्योतक	पूर्णताद्योतक
За́втра, возвраща́ясь с прогу́лки, я зайду́ к това́рищу. Жела́я скоре́е уе́хать, он торо́пится ко́нчить рабо́ту.	Зако́нчив рабо́ту, он бу́дет отдыха́ть
अपूर्णताद्योतक क्रियाओ का क्रियाद्योतक प्रयुक्त होता है यदि वाक्य मे कहे गये कार्य साथ साथ चलते हैं।	पूर्णताद्योतक क्रियाओ का क्रियाद्योतक प्रयुक्त होता है, यदि क्रियाद्योतक द्वारा अभिव्यजित कार्य दूसरे से पहले होता है।

टिप्पणी: क्रियाद्योतक उसी परिस्थिति मे प्रयुक्त हो सकता है यदि कार्य, जिनके विषय मे वाक्य मे कहा गया है, एक ही कर्त्ता से सबधित है।

८. क्रियाविशेषण

तालिका १०१

क्रियाविशेषण रचना के मुख्य प्रकार

क्रियाविशेषण	अर्थ	किससे बना है	
у́тром ве́чером днём ле́том зимо́й весно́й о́сенью	समय का द्योतन (प्रश्न कब ?)	संज्ञा के करण कारक एकवचन से	Он всегда́ рабо́тает у́тром Ле́том он мно́го гуля́л. Хорошо́ в степи́ весно́й.
ша́гом рысцо́й, ры́сью гало́пом верхо́м бего́м	कार्य के स्वरूप का द्योतन (प्रश्न कैसे ?)		Он е́хал верхо́м. Ло́шадь шла ша́гом (бежа́ла ры́сью)
босико́м пешко́м		босико́м, пешко́м क्रियाविशेषण भी करण कारक एकवचन के रूप हैं, किंतु इनके अन्य संज्ञा रूप भाषा में नहीं हैं।	Люблю́ ходи́ть босико́м

क्रियाविशेषण	अर्थ	किससे बना है	
хорошó плóхо я́сно краси́во могу́че четко высокó		इनके रूप -о, -е में समाप्त होनेवाले संक्षिप्त विशेषणों के अनुरूप है।	Он хорошó, чётко говори́т Лáсточки летáли высокó
грóмче ти́ше быстрéе		विशेषणों की तुलनात्मक मात्रा जैसे है।	Он говори́л всё быстрéе и грóмче.
по-ру́сски по-товáрищески по-нóвому по-настоя́щему по-удáрному по-хорóшему по-мóему по-твóему по-нáшему по-вáшему по-дорóжному	कार्य के स्वरूप का द्योतन (प्रश्न कैसे?)	उपसर्ग по- से: (क) संबंधवाचक विशेषणों से -ски या -ки प्रत्ययों के साथ (ख) विशेषणों और सर्वनामों के सम्प्रदान कारक से	Он хорошó говори́т по-ру́сски. Он поступи́л по-товáрищески. Мы рабóтаем по-нóвому, по-удáрному. Мы разошли́сь по-хорóшему. По-мóему, он говори́л прáвильно Был одéт по-дорóжному
крити́чески полити́чески практи́чески твóрчески		संबंधवाचक विशेषणों से बिना उपसर्ग по- के, किंतु प्रत्यय -ски के साथ	Нáдо умéть крити́чески относи́ться к своéй рабóте

क्रियाविशेषण	अर्थ	किससे बना है	
вызыва́юще торжеству́юще умоля́юще выжида́юще		कर्तृवाचक कृदन्त से	Он держа́л себя́ вызыва́юще.
спра́ва сле́ва до́красна до́бела впусту́ю	कार्य, स्थान और समय के स्वरूप का द्योतन	विभिन्न गुणवाचक विशेषणों के कारकों से उपसर्गों के साथ	Спра́ва шуме́ла ро́ща, сле́ва колыха́лась рожь Желе́зо раскалено́ до́красна (до́бела)
вдали́ наверху́ све́рху сни́зу вниз इत्यादि		कर्ता को छोडकर अन्य कारकों की संज्ञाओं से उपसर्गों के साथ	Вдали́ сере́бряной бахромо́й сверка́ли го́ры (Л)
одна́жды два́жды вдвоём вдво́е втроём इत्यादि		संख्याओं से	Одна́жды я возвраща́лся с охо́ты. (Т)
никогда́ нигде́ никуда́		क्रियाविशेषणों से नकारात्मक क्रियाविशेषण	Я никуда́ сего́дня не пойду́ Вчера́ я нигде́ не́ был

इनके अतिरिक्त अव्युत्पन्न क्रियाविशेषण की पूरी श्रेणी है: здесь, там, сюда́, туда́, о́чень, всю́ду (повсю́ду), везде́. Куда́ ни огляну́сь, повсю́ду рожь густа́я. (М)

टिप्पणी संबंधवाचक विशेषणों से по- उपसर्ग की सहायता से क्रिया-विशेषण बनते हैं (по-во́лчьи, по-медве́жьи, по-ли́сьи)।

Я стоя́л пе́ред це́пью краси́вых гор, раски́нутых полукру́гом . Молодо́й зеленый лес окружи́л их све́рху до́низу Прозра́чно сине́ло над ни́ми ю́жное не́бо, со́лнце с высоты́ игра́ло луча́ми Внизу́, полузакры́тые траво́й, болта́ли прово́рные ручьи́. (Т)

९. पद-रचना

१ प्रत्यय और उपसर्ग की सहायता से एक ही मूल से भिन्न शब्द बनते है।

уч-и́-ть — вы́-учить, на-учи́ть, за-учи́ть, इत्यादि уч-и́-тель уч-и́-тель-ниц(а) уч-е-ни́к уч-е-ни́ц(а) уч-а́щ-ий-ся уч-ён-ый уч-е́ни(е)	
стро́-и-ть — по-стро́ить, пере-стро́ить, за-стро́ить, इत्यादि стро-и́-тель строи́-тель-ств(о) стро́й-к(а) — по-стро́йка, пере-стро́йка, за-стро́йка стро́й-н-ый стро-е́ни(е) стро́-ящ-ий-ся	टिप्पणी. इन सभी शब्दो का मूल -строй- है, किन्तु и के आगे й लुप्त हो जाता है। [йэ] वर्ण लेखन मे е वर्ण द्वारा प्रकट किया जाता है।

कभी कभी नई शब्द-रचना मे प्रकृति की ध्वनि-गठन मे परिवर्तन होता है।

друг — друзья́ г — з, г — ж का ध्वनि-परिवर्तन
дружи́ть
дру́жба
дру́жный
дру́жеский
дру́жественный

२ सज्ञा, विशेषण, क्रिया, कृदन्त आदि की रचना मे विभिन्न प्रत्यय प्रयुक्त होते हैं।

संज्ञाओं के प्रचलित प्रत्यय

तालिका १०२

कर्त्ता को द्योतित करनेवाली संज्ञाओं की रचना में प्रयुक्त होनेवाले प्रत्यय

पुल्लिग सज्ञाओ के लिए		स्त्रीलिग सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
-тель	чита́тель писа́тель руководи́тель строи́тель	**-тель-ниц(а)**	чита́тельница писа́тельница руководи́тельница	१ **-тель** प्रत्यय से सज्ञाए मुख्य रूप से सामान्य क्रिया की प्रकृति से बनायी जाती हैं: чита́-ть — чита́-тель, руководи́-ть — руководи́-тель। २ **-а** में समाप्त होनेवाली प्रकृति से बनी हुई सज्ञाओ मे क्रिया का स्वराघात सुरक्षित रहता है: чита́ть — чита́тель, писа́ть — писа́тель, **-и** में समाप्त होनेवाली प्रकृति से बनी हुई सज्ञाओ मे स्वराघात सदा **и** पर रहता है: руководи́ть — руководи́тель, стро́ить — строи́тель। ३. तदनुरूप स्त्रीलिग सज्ञाओ में प्रत्यय **-тель** सुरक्षित रहता और इसके साथ एक प्रत्यय **-ниц(а)** और जोड़ दिया जाता है। पुल्लिग सज्ञा में जहा स्वराघात पडता है वैसा ही इसमें भी रहता है।

-щик	набóрщик	-щиц (а)	набóрщица
	натýрщик		натýрщица
	кáменщик		
	стекóльщик		
	барабáнщик		
-ов-щик	часовщи́к		
-ль-щик	носи́льщик		
-чик	лётчик	-чиц (а)	летчица
	пулеметчик		пулеметчица
	разве́дчик		разве́дчица
	перевóдчик		перевóдчица
(д, т, з, с, ж के बाद)	перепи́счик вóзчик		перепи́счица

ध्यान दीजिये · **-тель** प्रत्यय से सामान्य क्रिया की प्रकृति से वे सज्ञाए भी बनती है जो व्यक्ति को नही द्योतित करती है, (числи́тель, знамена́тель, мнóжитель, дели́тель, дви́гатель, истреби́тель और दूसरे)।

इन शब्दो मे, विरल अपवादो के साथ, क्रिया का स्वराघात सुरक्षित रहता है (чи́слить — числи́тель)।

१ **-щик, -чик, -щиц(а), -чиц(а)** प्रत्ययो से, सज्ञाओ और क्रियाओ के मूल से सज्ञाए बनायी जाती है бараба́н — бараба́нщик, носи́-ть — носи́льщик, переписа́-ть — перепи́счик, отве́т — отве́тчик।

२ **-чик** से बनी सज्ञाओ मे स्वराघात सदा उपान्त्य अक्षर पर रहता है (разве́дчик, перевóдчик)

३ **-щик** प्रत्ययो से बनी सज्ञाओ मे स्वराघात विभिन्न होता है। कभी तो उस शब्द का स्वराघात सुरक्षित रहता है जिससे नया शब्द बनता है। उदाहरणत ка́мень — ка́менщик, और कभी अन्तिम अक्षर पर पडता है часовщи́к। ऐसी परिस्थिति मे जब कि स्वराघात अन्तिम अक्षर पर नही पडता तो

क्रमशः

पुल्लिंग सज्ञाओं के लिए		स्त्रीलिग सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
				वह निश्चित होता है। यदि स्वराघात अतिम अक्षर पर पडता है तो वह रूपसाधना मे २३ वी तालिका, वर्ग इ १ (стари́к, дождь) के अनुसार स्थानान्तरण करता है। ४ स्त्रीलिग सज्ञाओ मे स्वराघात वही पडता है जहा कि पुल्लिग सज्ञाओ मे।
-ник	колхо́зник рабо́тник отли́чник учени́к помо́щник сапо́жник мясни́к печни́к	**-ниц (а)**	колхо́зница рабо́тница отли́чница учени́ца помо́щница	१ **-ник** प्रत्यय की सहायता से सज्ञाए, विशेषणो और सज्ञाओ की प्रकृति से बनायी जाती है. отли́чный — отли́чник, мя́со — мясни́к। २ स्त्रीलिग सज्ञाओ मे स्वराघात वही होता है जहा कि पुल्लिग सज्ञाओ मे। **-ник** से बनी हुई सज्ञाए जो पुरुष के विशिष्ट पेशो या रोजगार को व्यक्त करती है (сапо́жник, мясни́к, печни́к) उनके समानान्तर स्त्रीलिग रूप नही होते। ३ कुछ शब्दो मे स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर पडता है · дво́рник, пи́льщик, помо́щник और दूसरे शब्दो मे अन्तिम अक्षर पर лесни́к, печни́к। यदि स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर पडता है तो वह २३ वी तालिका वर्ग इ १ के अनुसार नस्थान्तरण करता है।

क्रमशः

पुल्लिंग संज्ञाओ के लिए		स्त्रीलिग संज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
	сара́товец			२. किसी सघटन के सदस्य (комсомо́лец), जातीयता (голла́ндец), किसी स्थान का निवासी द्योतित करनेवाली सज्ञाए (ленингра́дец) स्त्रीलिंग सज्ञाए -к- प्रत्यय से बनाती हैं (комсомо́лка, голла́ндка, ленингра́дка), सज्ञाए जो किसी पेशे को व्यक्त करती है, या चरित्र को प्रकट करती हैं, या स्त्रीलिग की सज्ञाए नही बनाती हैं (бое́ц, боре́ц гребе́ц, храбре́ц — केवल पुल्लिंग) या प्रत्यय -к- से न बनाकर दूसरे प्रत्ययो से स्त्रीलिग सज्ञाए बनाती हैं -иц(а), -их(а) (краса́вица, чти́ца, купчи́ха)। ३ स्वराघात प्राय. अंतिम अक्षर पर · бое́ц, храбре́ц, удале́ц, молоде́ц, किंतु कभी कभी उपान्त्य अक्षर पर · краса́вец, ленингра́дец, ряза́нец। नगर या देश के निवासी द्योतन करनेवाले शब्दो मे उन शब्दो का स्वराघात सुरक्षित रहता है जिनसे कि ये शब्द बनते हैं *Ленингра́д* — ленингра́дец, Севасто́поль — севасто́полец, *Испа́ния* — испа́нец। यदि स्वराघात अन्तिम अक्षर पर नही पडता है तो वह निश्चित होता है। यदि स्वराघात अन्तिम
	испа́нец		испа́нка	
	голла́ндец		голла́ндка	
-ан-ец	республика́нец		республика́нка	
-ен-ец	бе́женец		бе́женка	
-ов-ец	торго́вец			
-л-ец	владе́лец			
	краса́вец	-иц (а)	краса́вица	
	храбре́ц			
	го́рец			
	чтец		чти́ца	

				अक्षर पर पड़ता है तो वह रूपसाधना मे २३ वी तालिका वर्ग इ १ के अनुसार स्थानान्तरण करता है। -ен, -ец प्रत्ययो से युक्त सज्ञाओं में स्वराघात प्राय उपान्त्य अक्षर पर होता है. поселéнец, переселéнец, इन सभी परिस्थितियो मे स्वराघात निश्चित है।
-ин -ан-ин (-ян-ин)	болгáрин грузи́н татáрин граждани́н горожáнин волжáнин харьковчáнин крестья́нин киевля́нин	-к(а)	болгáрка грузи́нка татáрка граждáнка горожáнка волжáнка харьковчáнка крестья́нка киевля́нка	१ -ин, -анин(-янин) प्रत्यय किसी की जातीयता (болгáрин), किसी स्थान से उत्पति द्योतन के लिए प्रयुक्त होते हैं (волжáнин)। २ горожáнин शब्द का अर्थ है नगर का रहनेवाला। граждани́н शब्द का दूसरा अर्थ है। ३ स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर पड़ता है (татáрин, горожáнин, крестья́нин) या अन्तिम अक्षर पर पड़ता है (грузи́н, граждани́н)। स्वराघात निश्चित है। अपवाद граждани́н शब्द है जहा बहुवचन के सभी रूपो मे स्वराघात प्रथम अक्षर पर पड़ता है гра́ждане, гра́ждан, гра́жданам, इत्यादि।
-ич -ак(-як)	москви́ч сибиря́к земля́к бедня́к	-к(а)	москви́чка сибиря́чка земля́чка бедня́чка	१ -ич, -ак(-як), -ач प्रत्ययो से युक्त सज्ञाए, सज्ञाओ और विशेषणो की प्रकृति से बनती है (Москвá — москви́ч, Сиби́рь — сибиря́к, бéдный — бедня́к)।

क्रमशः

पुल्लिग सज्ञाओ के लिए		स्त्रीलिग सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
-ач	скрипáч трубáч		скрипáчка	२ कतिपय नगरो के निवासियो के द्योतन के लिए विशेष प्रत्ययो से सज्ञाए नही बनती है वरन् वर्णनात्मक रूप प्रयुक्त होता है жи́тель Омска, жи́тель Каши́ры तथा अन्य। ३ स्वराघात प्राय अन्तिम अक्षर पर। रूपसाधना मे २३ वी तालिका वर्ग इ १ के समान स्वराघात स्थानान्तरण करता है। स्त्रीलिग सज्ञाओ की रचना मे (москви́ч — москви́чка)। स्वराघात सुरक्षित रहता है। स्वराघात निश्चित है। -ак, -як (батрáк, бедня́к), -ач (скрипáч) वाली सज्ञाओ मे स्वाराघात अतिम अक्षर पर। रूपसाधना में २३ वी तालिका वर्ग इ १ के समान स्वराघात स्थानान्तरण करता है। -ак, -ач से युक्त पुल्लिग सज्ञाओ से स्त्रीलिग सज्ञाओ की रचना मे स्वराघात का स्थान सुरक्षित रहता है (उदाहरणत рыбáк — рыбáчка), स्वराघात निश्चित है।
-ун	болту́н шалу́н хвасту́н	-ь(я)	болту́нья шалу́нья хвасту́нья	१ -ун प्रत्यय से सज्ञाए प्राय क्रिया की प्रकृति से बनती है болтáть — болту́н, шали́ть — шалу́н, ворчáть — ворчу́н।

	крикýн ворчýн		крикýнья ворчýнья	२ स्वराघात अन्तिम अक्षर पर है (шалýн)। रूपसाधना मे स्वराघात २३ वी तालिका वर्ग इ १ के समान स्थानान्तरण करता है। स्त्रीलिंग की सज्ञाओ की रचना में स्वराघात का स्थान सुरक्षित रहता है (шалýн — шалýнья)। स्वराघात निश्चित है· шалýнья, шалýньи, шалýнье, इत्यादि।
-арь	секретáрь библиотéкарь пéкарь пáхарь тóкарь			१ -арь स्वराघात अधिकाश मे अतिम अक्षर पर (вратáрь, секретáрь), किंतु मूल पर भी स्वराघात मिलता है (пéкарь, лéкарь, слéсарь)। रूपसाधना में स्वराघात २३ वी तालिका वर्ग इ १ के समान स्थानान्तरण करता है। ध्यान दीजिये -ар, -яр वाली सज्ञाओ मे (столя́р, маля́р, гончáр) स्वराघात रूपसाधना मे प्राय २३ वी तालिका वर्ग इ १ के समान स्थानान्तरण करता है। २ Секретáрша, библиотéкарша प्रकार की स्त्रीलिंग सज्ञाए बोलचाल की भाषा मे बहुत प्रचलित है। साहित्यिक भाषा में नही प्रयुक्त होती है। स्त्रियो को सबोधित करते समय भी प्राय पुल्लिग क्रियाए प्रयुक्त होती है· секретáрь, библиотéкарь, इत्यादि।

विदेशी भाषा के प्रत्यय

पुल्लिग सज्ञा के लिए		स्त्रीलिग सज्ञा के लिए		टिप्पणिया
-ист	маркси́ст	-к(а)		१ -ист स्वराघात सदा अतिम अक्षर पर (маркси́ст, социали́ст)। स्वराघात निश्चित। २ -тор स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर (до́ктор дире́ктор, нова́тор)। अधिक परिस्थितियो मे स्वराघात निश्चित। до́ктор और дире́ктор कर्त्ता बहुवचन मे -а विभक्ति-चिन्ह धारण करनेवाले शब्दो में (доктора́, директора́) बहुवचन के सभी रूपो मे स्वराघात विभक्ति-चिन्ह पर होता है। ३ -ист, -ент, -ант वाली सज्ञाओ में स्वराघात सदा प्रत्यय पर पडता है। -ионер प्रत्यय वाली संज्ञाओ मे अतिम अक्षर पर (революционе́р)।
	коммуни́ст		коммуни́стка	
	материали́ст			
	идеали́ст			
	тракстори́ст		трактори́стка	
-ионер	революционе́р		революционе́рка	
-ент	корреспонде́нт		корреспонде́нтка	
-ант	дилета́нт		дилета́нтка	
-тор	организа́тор			
	дире́ктор			
	до́ктор			
-атор	нова́тор			

तालिका १०३

भाववाचक संज्ञाओं की रचना में प्रयुक्त होनेवाले प्रत्यय

स्त्रीलिग सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
-ость **(-есть)**	акти́вность реши́тельность хра́брость го́рдость промы́шленность организо́ванность дисциплинированность све́жесть теку́честь	१ विशेपणो (го́рдый — го́рдость) और कर्मवाचक कृदन्तो (организо́ванный — организо́ванность) की प्रकृति से बनायी जाती है। २ स्वराघात कभी प्रत्यय पर नही पडता है। प्रस्तुत शब्द जिस शब्द से बनता है उसके स्वराघात को सुरक्षित रखता है (го́рдый — го́рдость, промы́шленный — промы́шленность) अपवाद ко́лкий–ко́лкость)। молодо́й — мо́лодость, किंतु सक्षिप्त विशेषण में мо́лод। स्वराघात निश्चित।
	беднота́ краснота́ чернота́ полнота́ темнота́ высота́ нищета́	१ विशेपणो की प्रकृति से बनती है (бе́дный — беднота́)। २ स्वराघात अधिकाश मे अतिम अक्षर पर. широта́, долгота́, пустота́, किंतु कतिपय परिस्थितियो मे उपान्त्य अक्षर पर зево́та, рво́та। यदि स्वराघात अन्तिम अक्षर पर पडता है तो वह २३ वी तालिका वर्ग अ २ के समान स्थानान्तरण करता है (बहुवचन मे यदि उनका बहुवचन रूप है तो उपान्त्य अक्षर पर पडता है, सबध कारक बहुवचन को छोडकर जहा अन्तिम अक्षर पर पडता है. широ́т)। यदि स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर पड़ता है तो वह निश्चित है।
-ин(а)	ширина́ глубина́ вышина́	१. प्रत्यय मूल में जोड़ दिया जाता है। २ स्वराघात केवल अन्तिम अक्षर पर। रूपसाधना मे स्वराघात २३ वी तालिका वर्ग अ २ के समान स्थानान्तरण करता है (यदि बहुवचन रूप होता है तो)।

क्रमश

स्त्रीलिग सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
-изн(а)	белизнá дешеви́зна дорогови́зна	१ विशेषणो की प्रकृति से बनती है (бéлый — белизнá)। २ स्वराघात केवल अन्तिम अक्षर पर नही होता । कुछ शब्दो मे स्वराघात अन्तिम अक्षर पर होता है (белизнá) और कुछ मे उपान्त्य अक्षर पर (дешеви́зна, укори́зна)। सभी परिस्थितियो मे स्वराघात निश्चित है।
-к(а)	стрóйка подготóвка нахóдка	१ क्रिया की प्रकृति से बनती है (подготóвить — подготóвка)। २ स्वराघात अतिम अक्षर पर नही होता।
-б(а)	борьбá ходьбá молотьбá прóсьба	१. क्रियाओ की प्रकृति से बनती है (ходи́ть — ходьбá)। २. स्वराघात प्राय. अन्तिम अक्षर पर पडता है। स्वराघात निश्चित है।
विदेशी भाषा के प्रत्यय		
-ация (-изация)	организáция коллективизáция квалификáция яровизáция	१ तदनुरूप क्रियाए организовáть, коллективизи́ровать तथा अन्य। २ प्रत्यय रूसी शब्दो के साथ भी प्रयुक्त होता है।
नपुसक लिग की सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
-а-ни(е)	внимáние собрáние преподавáние старáние	१ सामान्य क्रिया रूप की प्रकृति से बनती है (собрáть — собрáние)। २. -ание प्रत्यय वाली सज्ञाए क्रिया का स्वराघात सुरक्षित रखती है (вни-

नपुसक लिग की सज्ञाओ के लिए		टिप्पणिया
-е-ни(е) (-енье)	чтéние объявлéние удивлéние учéние (учéнье) суждéние	мáние, преподавáть — преподавáние)। ३ -ение प्रत्यय वाली सज्ञाओ मे स्वराघात प्राय प्रत्यय е पर पडता है (ударéние, уточнéние, упущéние, इत्यादि), किंतु намéрение, упрóчение, обеспéчение।
-ти(е)	взя́тие откры́тие поня́тие	१ कर्मवाचक कृदन्त मे -тый (откры́ть — откры́тый — откры́тие)। प्रत्यय रखनेवाली क्रियाओ से सामान्यतया बनती हैं। २ स्वराघात कभी प्रत्यय पर नही पडता। अधिकतर उस शब्द का स्वराघात सुरक्षित रहता है जिससे कि प्रस्तुत शब्द बनता है और अन्त से तीसरे अक्षर पर पडता है (наи́тие, прибы́тие), किंतु бытиé। स्वराघात सभी परिस्थितियो में स्थिर।
-ств(о)	произвóдство строи́тельство	विभिन्न प्रकृतियो से बनती हैं (производи́ть या произвóдный — произвóдство, стрóить — строи́тель — строи́тельство)। स्वराघात कतिपय परिस्थितियो मे उपान्त्य अक्षर पर पडता है (госпóдство, превосхóдство), और कतिपय परिस्थितियो मे अन्तिम अक्षर पर (мастерствó, колдовствó)। स्वराघात सभी परिस्थितियो में स्थिर।

क्रमश

पुल्लिग संज्ञाओ के लिए		टिप्पणी
विदेशी भाषा के प्रत्यय		
-изм	коммуни́зм материали́зм маркси́зм ленини́зм идеали́зм капитали́зм феодали́зм	स्वराघात सदा अंतिम अक्षर पर (प्रत्यय पर)। स्वराघात स्थिर।

तालिका १०४

वे प्रत्यय जो संज्ञाओं से नवीन अर्थ इंगितों से युक्त संज्ञाओ की रचना के लिए प्रयुक्त होते हैं—लघुतावाचक और वृद्धिद्योतक प्रत्यय

लघुतावाचक प्रत्यय

प्रत्यय	पुल्लिग	नपुसक लिंग	स्त्रीलिग	रचना पद्धति
-ик	сто́лик — стол до́мик — дом	пле́чико— плечо́ ли́чико — лицо́		शब्द की प्रकृति में प्रत्यय जोडा जाता है। ध्वनि-परिवर्तन ц—ч
-чик	шка́фчик — шкаф па́льчик— па́лец			लोपी е और ध्वनि-परिवर्तन к—ч ध्वनि-परिवर्तन к—ч
-ок(-ёк)	листо́к — лист паренек — па́рень сучо́к — сук			

क्रमशः

लघुतावाचक प्रत्यय

प्रत्यय	पुल्लिंग	नपुंसक लिंग	स्त्रीलिंग	रचना पद्धति
	старичо́к— стари́к			
-ец	бра́тец — брат			
-к(а)			голо́вка— голова́ ко́мнатка— ко́мната ви́шенка— ви́шня	लोपी е
-иц(а)			води́ца — вода́ сестри́ца — сестра́	
-иц(е)		пла́тьице — пла́тье		
-ичк(а)			сестри́чка — сестра́ лиси́чка— лиса́	
-онк-, -ёнк-	мальчо́нка — ма́льчик		сестренка — сестра́ девчо́нка — де́вочка	लोपी о

क्रमश.

प्रत्यय	पुल्लिग	नपुसक लिग	स्त्रीलिग	रचना पद्धति
-оньк(а)			березонька — береза	
-еньк(а)			ру́ченька — рука́	
-ц(е)		око́нце — окно́		लोपी о
-ечк(а)			узде́чка — узда́ руба́шечка — руба́шка ко́шечка — ко́шка	
-ечк(о)		се́мечко — се́мя		
-очк(о, а)		я́блочко — я́блоко	таре́лочка — таре́лка	
-ушк(а, о) -юшк(о)	де́душка — дед хле́бушко — хлеб	го́рюшко — го́ре мо́рюшко — мо́ре	стару́шка — стару́ха речу́шка — река́ избу́шка — изба́	प्रत्यय -ушк- की जगह -ух- प्रयुक्त होता है ध्वनि-परिवर्तन к — ч
-ышк -ишк (а, о)	мальчи́шка — ма́льчик	со́лнышко — со́лнце	земли́шка — земля́	ध्यान दीजिये -ушк-, -ышк-, -ишк- प्रत्यय वाली स्त्रीलिग सज्ञाओ

क्रमशः

प्रत्यय	पुल्लिंग	नपुसक लिंग	स्त्रीलिंग	रचना पद्धति
	плути́шка — плут городи́шко — го́род доми́шко — дом	гнездышко — гнездо́		के अंत में सदा -а होता है (голо́вушка, земли́шка), नपुसक लिंग में सदा -о होता है (со́лнышко), पुल्लिंग में -а (мальчи́шка) होता है यदि सजीव है और -о होता है यदि निर्जीव पदार्थ है (доми́шко)
				दोहरे या तिहरे प्रत्यय
कई प्रत्यय -уш-ечк(а)			избу́шечка	
-уш-он-очк(а)			старушо́ночка — стару́шо́нка	
-иш-ечк(а)	мальчи́шечка			
-он-очк(а)			девчо́ночка	

टिप्पणिया . '१ सभी लघुतावाचक प्रत्यय शब्द को प्रेमास्पद अर्थ दे सकते हैं—यह कहने के ढंग पर निर्भर करता है।

२ कतिपय लघुतावाचक प्रत्यय -ик, -ушк-, -ышк-, -онок, -енок शब्द को प्रेमास्पद और उपेक्षापूर्ण अर्थ दे सकते हैं—यह कहने के ढंग पर निर्भर करता है, उदाहरणत

लघुतावाचक या प्रेमास्पद	उपेक्षा
Ма́ленькая речу́шка протека́ла о́коло дере́вни	Это не река́, а кака́я-то речу́шка (या речо́нка)

Ма́ленький доми́шко стоя́л в зе́лени

Кири́ла Петрович заезжа́л за́просто в доми́шко своего́ ста́рого това́рища (П)

Како́й же э́то дом? — Это доми́шко

На краю́ доща́ника стои́т растрепанный мужичо́нка в рва́ном армяке́. (М. Г.)

Заси́м э́тот съёжившийся старичи́шка проводи́л его́ со двора́ (Г)

३ प्रेमास्पद नाम — पुरुषों और स्त्रियों के एक ही प्रत्ययों की सहायता से बनाये जाते हैं

पुल्लिग नाम से Ва́ня — Ванёк, Ваню́ша, Ва́нечка, Ваню́шечка, इत्यादि, Ви́тя — Витю́шенька, इत्यादि,

स्त्रीलिग नाम से Та́ня — Танёк, Таню́ша, Та́нечка, इत्यादि, Ни́на — Нину́ся, Нину́сенька, इत्यादि।

वृद्धिद्योतक प्रत्यय

-ищ(е, а)	доми́ще — дом ножи́ще — нож	письми́ще — письмо́	кни́жища — кни́га ножи́ща — нога́	ध्वनि-परिवर्तन г — ж
			ручи́ща — рука́	ध्वनि-परिवर्तन к — ч
-ин(а)	доми́на — дом		ры́бина — ры́ба	ध्यान दीजिये -ищ- प्रत्यय से युक्त स्त्रीलिग संज्ञाओं के अन्त में सदा -а होता है (ручи́ща), और नपुसक लिग तथा पुल्लिग संज्ञाओं के अन्त में -е (письми́ще, доми́ще) होता है।

लघुतावाचक और वृद्धिद्योतक प्रत्यय वाली संज्ञाओ का स्वराघात

-ик स्वराघात प्राय उपान्त्य अक्षर पर पडता है до́мик, сто́лик, о́слик। स्वराघात निश्चित है।

-ок(-ёк) स्वराघात अन्तिम अक्षर पर पडता है листо́к, уголёк। रूपसाधना मे स्वराघात २३ वी तालिका वर्ग इ १ के समान स्थानान्तरण करता है।

-к(а) जिस शब्द मे प्रस्तुत शब्द बना है उसमे स्वराघात यदि अन्तिम अक्षर पर नही पड़ता है तो शब्द मे भी स्वराघात सुरक्षित रहता है ко́мната — ко́мнатка, моне́та — моне́тка। उस शब्द में जिससे प्रस्तुत शब्द बना है यदि स्वराघात अन्तिम अक्षर पर पडता है तो प्रस्तुत शब्द मे स्वराघात प्राय उपान्त्य अक्षर पर पड़ता है, उदाहरणत рука́ — ру́чка, нога́ — но́жка, голова́ — голо́вка। विरल परिस्थिति मे пе́тля — пе́телька (स्वराघात अन्त से तीसरे अक्षर पर)। स्वराघात सभी परिस्थितियो मे निश्चित।

-иц(а) }
-ичк(а) } स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर पडता है. води́ца — води́чка। स्वराघात निश्चित है।

-онк(а) स्वराघात उपान्त्य अक्षर पर पडता है девчо́нка, мальчо́нка। स्वराघात स्थिर या निश्चित है।

-ц(е, о) स्वराघात प्राय उपान्त्य अक्षर पर पडता है: око́нце, волоко́нце; अन्त से तीसरे अक्षर पर भी पड सकता है. пла́тьице, де́ревце; कभी कभी अन्तिम अक्षर पर पडता है (-цо́). пальтецо́, ружьецо́। इन सभी परिस्थितियो में स्वराघात निश्चित है।

-ечк(а) स्वराघात इसमें भी उसी नियम के अनुसार जैसा कि -к(а) की परिस्थिति मे।

-ушк(а) कतिपय परिस्थितियो मे स्वराघात у पर (अर्थात् उपान्त्य अक्षर पर) पड़ता है और कतिपय परिस्थितियो मे प्रत्यय से पूर्व अक्षर पर (अर्थात् अन्त से तीसरे पर) क्योंकि स्वराघात के इन भेदो से अर्थभेद सबद्ध है у पर स्वराघात रहने पर शब्द अनादरसूचक अर्थ धारण करता है और पूर्ववर्त्ती अक्षर पर स्वराघात रहने पर प्रेमास्पद अर्थ धारण करता है (Катю́шка, голо́вушка)। दोनो परिस्थितियो में स्वराघात निश्चित है।

-ышк(о) स्वराघात प्राय. अन्त से तीसरे अक्षर पर со́лнышко, зёрнышко, स्वराघात निश्चित है।

-ишк(а, о) स्वराघात प्राय उपान्त्य अक्षर पर होता है. мальчи́шка, уми́шко, доми́шко।

-ищ(е, а) यदि उस शब्द मे जिससे प्रस्तुत शब्द बना है स्वराघात

अन्तिम अक्षर पर नही पड़ता है, तो प्रस्तुत शब्द मे स्वराघात वैसा ही सुरक्षित रहता है (кни́га — кни́жища)। यदि उस शब्द मे जिससे प्रस्तुत शब्द बना है स्वराघात अन्तिम अक्षर पर पडता है तो स्वराघात प्राय उपान्त्य अक्षर पर पडता है руκá — ручи́ща, ногá — ножи́ща, стари́к — старичи́ще, किंतु : челове́к — челове́чище।

संयुक्त संज्ञाएं (समास)

१ कतिपय सज्ञाए अपने मे एक मूल न धारण कर कई मूल समाविष्ट करती है। ये सयुक्त या समास सज्ञाए है। ये कई शब्दो के सयोग से बनती है – प्राय. दो सज्ञाओ के सयोग से या सज्ञा और सर्वनाम, अथवा सज्ञा और सख्यावाचक के सयोग से, इत्यादि।

सयुक्त शब्द स्वय और भी अधिक सयुक्त शब्द का सदस्य या अग हो सकता है :

паровóз (пар + вози́ть),
паровозострое́ние (паровóз + строе́ние)

सयुक्त सज्ञा के अलग अलग अगो को मिलाने के लिए अधिकांश मे सयोजक स्वर о या е प्रयुक्त होते है।

तालिका १०५

रचना पद्धति		
паровóз	пар-о-вóз	सयोजक स्वर о, е सयोजक स्वर о कठोर व्यजन के बाद प्रयुक्त होता है। सयोजक स्वर е कोमल व्यजन और ц, ж, ш, ч, щ के बाद प्रयुक्त होता है।
паровозострое́ние	паровоз-о-строе́ние	
земледе́лие	земл-е-де́лие	
птицевóдство	птиц-е-вóдство	
пешехóд	пеш-е-хóд	
самокри́тика	сам-о-кри́тика	
самоопределе́ние	сам-о-определе́ние	
пятиле́тка	пяти-ле́тка	बिना सयोजक स्वर के।
Ленингрáд	Ленин-грáд	

२ वर्तमान सजीव भाषा मे विशिष्ट सयुक्त सज्ञाए है जो विशेष रूप से महान् समाजवादी अक्तूबर क्रांति के बाद प्रकट हुई है, और जो सक्षिप्त शब्दों के सयोग द्वारा बनायी जाती है।

सक्षेप और सयोग के प्रकार के अनुसार इन शब्दो का कई वर्गों मे रखा जा सकता है।

क्रमश

रचना पद्धति

(क) профсою́з стенгазе́та	профессиона́льный сою́з стенна́я газе́та	केवल आरम्भिक शब्द का सक्षेप
(ख) комсомо́л колхо́з	коммунисти́ческий сою́з молодёжи коллекти́вное хозя́йство	सयुक्त सज्ञा की रचना मे आनेवाले सभी शब्दो का सक्षेप
(ग) вуз ТАСС	вы́сшее уче́бное заведе́ние Телегра́фное аге́нтство Сове́тского Сою́за	इसकी रचना मे आनेवाले शब्दो की आरम्भिक ध्वनियो से सज्ञा निर्मित है।
(घ) СССР (उच्चरित होता है эс-эс-эс-эр)	Сою́з Сове́тских Социалисти́ческих Респу́блик	कतिपय शब्दों के आरम्भिक अक्षरो के नाम से संज्ञा निर्मित है।
(ङ) Днепрогэ́с	Днепро́вская гидроэлектри́ческая ста́нция	सज्ञा आरम्भिक शब्द के सक्षेप तथा बाद मे आनेवाले शब्दो के आरम्भिक अक्षरो से बनती है।

तालिका १०६

विशेषणों की रचना

सज्ञाओ, क्रियाओ, क्रियाविशेषणो, सख्यावाचको और विशेषणो से प्रत्ययो और उपसर्गो की सहायता से विशेषण बनाये जा सकते है।

अ क्रियाओ, सज्ञाओ, क्रियाविशेषणो, सख्यावाचको से विशेषण की रचना:

प्रत्ययो की सहायता से रचना

महत्वपूर्ण प्रत्यय	विशेपण	रचना पद्धति
		सज्ञाओ की प्रकृति से:
-н-	ле́тний, зи́мний, осе́нний, весе́нний, вече́рний, фабри́чный, желе́зный, ме́стный	ле́то, зима́, о́сень, весна́, ве́чер, фа́брика (ध्वनि परिवर्तन к—ч), желе́зо, ме́сто
		क्रियाविशेषण से.
(-ш-)-н-	сего́дняшний, вчера́шний, за́втрашний, зде́шний	сего́дня, вчера́, за́втра здесь
	вне́шний, нынешний	вне, ныне
		सज्ञाओ की प्रकृति से:
-онн-, -енн-	революцио́нный, хозя́йственный, жи́зненный	револю́ция, хозя́йство, жизнь
		सज्ञाओ की प्रकृति से:
-ск-	городско́й, заводско́й, сове́тский, моско́вский	го́род, заво́д, сове́т, Москва́
-к-	неме́цкий	не́мец
	ло́мкий, ко́лкий	क्रिया की प्रकृति से:
		лома́ть, коло́ть

प्रत्ययो की सहायता से रचना

महत्वपूर्ण प्रत्यय	विशेषण	रचना पद्धति
		सज्ञाओ की प्रकृति से
-ан-, -ян-	кóжаный, серéбряный	кóжа, серебрó (ध्वनि-परिवर्तन р—р कोमल)
	платянóй, жестянóй	плáтье, жесть
-ин-	лебеди́ный, соколи́ный	лéбедь, сóкол
-ов-, -ев-	дубóвый, соснóвый боевóй	дуб, сосна́ бой
	плечевáя, ключевáя	плечó, ключ
	столóвый, домóвый, гáзовый	стол, дом, газ
-овит-	родови́тый, ядови́тый	род, яд
-ов-	отцóв	отéц
-ов- (-ск-)	отцóвский	отéц
-ин-	сéстрин, бáбушкин	сестрá, бáбушка
-ин- (-ск-)	матери́нский, сéстринский	мать, сестрá
		ध्यान दीजिये शब्द отцóв, мáтерин, сéстрин वर्तमान साहित्यिक भापा मे प्राय नही प्रयुक्त होते है, कितु бáбушкин, мáмин अक्सर प्रयुक्त होते है।
-ист-	тени́стый, гли́нистый	тень, гли́на
-ат-	усáтый, бородáтый	ус, бородá
-чат-	ды́мчатый	дым
-аст-	глазáстый, головáстый	глаз, головá
-ив-	лени́вый	лень
-лив-	привéтливый	привéт
-чив-	обмáнчивый	обмáн
		क्रिया की प्रकृति से
-уч-, -юч-	летýчий, горю́чий, колю́чий	летéть, горéть, колóть

क्रमश:

उपसर्ग की सहायता से, किंतु बिना प्रत्यय के रचना

		सज्ञाओ से :
उपसर्ग без-	безру́кий, безно́гий	рука́, нога́

प्रत्यय और उपसर्ग की सहायता से रचना

		सज्ञाओ से :
उपसर्ग без-	бездо́мный, безвре́дный	дом, вред
प्रत्यय -н-, -енн-	безра́достный, бесприю́тный, бессмы́сленный	ра́дость, прию́т, смысл
उपसर्ग на-	насто́льный	стол
при- प्रत्यय -н-, -ск-	приура́льский	Ура́л

बिना उपसर्ग और बिना प्रत्यय की रचना

		सज्ञाओ से :
		(क) मुख्यतया पशुओ का द्योतन
	во́лчий, медве́жий	волк (ध्वनि-परिवर्तन к—ч) медве́дь (ध्वनि-परिवर्तन д—ж)
	пти́чий, за́ячий	пти́ца, за́яц (ध्वनि-परिवर्तन ц—ч)
	ли́сий, собо́лий	лиса́, со́боль
		(ख) व्यक्तियो का द्योतन
	о́тчий, поме́щичий, рыба́чий	оте́ц, поме́щик, рыба́к

आ. विशेषण से विशेषण की रचना

वृद्धिद्योतक, लघुतावाचक, प्रेमास्पद अर्थ के साथ

प्रत्यय .		विशेषण की प्रकृति से ·
लघुतावाचक		
-ова́т-	красова́тый	кра́сный, си́ний
-еват-	синева́тый	
प्रेमास्पद		
-еньк-	бе́ленький, ти́хонький	бе́лый, ти́хий
-оньк-		
वृद्धिद्योतक		
-ущ-	большу́щий, злю́щий	большо́й, злой
-ющ-		
		большу́щий дом — о́чень большо́й дом злю́щий челове́к — о́чень злой челове́к
उपसर्ग ·		विशेषण से :
वृद्धिद्योतक		
пре-	пребольшо́й (о́чень большо́й)	большо́й
	пренеприя́тный (о́чень неприя́тный)	неприя́тный
विदेशी भाषा के		
анти-	антирелигио́зный	религио́зный
	антифаши́стский	фаши́стский

इ. संयुक्त विशेषणों की रचना

दो विशेषणों से

се́ро-зелёный тёмно-кра́сный све́тло-голубо́й си́не-жёлтый •	पहले विशेषण की प्रकृति, संयोजक स्वर और दूसरा विशेषण (се́р-о-зелёный, си́н-е-жёлтый)।

क्रमशः

विशेषण और संज्ञा की प्रकृति से	
серогла́зый черноволо́сый остроу́мный паровозострои́тельный чугунолите́йный	विशेषण की प्रकृति, संयोजक स्वर, सज्ञा की प्रकृति और विशेषण का विभक्ति-चिन्ह : сер-о-гла́з-ый паровоз-о-строи́тель-н-ый чугун-о-лите́йный

१०. संयोजक (समुच्चयादिबोधक)

तालिका १०७

संयोजक और कतिपय संयोजकों का प्रयोग

अ. समान् वाक्य सयोजक

и, да, *ни—ни,* а, но, однáко и́ли, ли́бо, то—то	Сегóдня я не получи́л *ни пи́сем, ни журнáлов*	सयोजक ни नकारात्मकता को *और भी उत्कट बनाता है*
	Сóлнце то покáзывалось из-за туч, то снóва исчезáло	सयोजक то—то एक के बाद दूसरी घटना या कार्य के द्योतन के लिए प्रयुक्त होता है।

टिप्पणी. शब्दो को वाक्य मे सबद्ध करने के लिए और वाक्यो को सबद्ध करने के लिए समान वाक्य सयोजक प्रयुक्त होते हैं।

आ. आश्रित वाक्य सयोजक

व्याख्यात्मक सयोजक: что, чтóбы	Скажи́ емý, чтóбы он пришел зáвтра.	इन परिस्थितियो में सयोजक чтóбы वाक्यो की सबद्धता के

क्रमश:

आ. आश्रित वाक्य सयोजक

उद्देश्यात्मक सयोजक. чтóбы, для тогó чтóбы	Мы телеграфи́ровали брáту, чтóбы он встрéтил нас на вокзáле Мне сказáли, что зáвтра бýдет лéкция. Я зашел к товáрищу, чтóбы вмéсте с ним отпрáвиться на экскýрсию Я зашёл к товáрищу, чтóбы он рассказáл мне об экскýрсии	लिए प्रयुक्त होता है जिनमे से एक वाक्य दूसरे की व्याख्या करता है। इन परिस्थितियो मे чтóбы वाक्यो की सबद्धता के लिए प्रयुक्त होता है जिनमे से एक कार्य के उद्देश्य को प्रकट करता है। ध्यान दीजिये. यदि чтóбы सयोजक से युक्त वाक्यो में कार्य एक व्यक्ति से सबधित है तो чтóбы सयोजक के साथ वाक्य मे सामान्य क्रिया का रूप प्रयुक्त होता है। यदि वाक्य मे कार्य भिन्न कर्त्ताओ से सबद्ध है तो чтóбы सयोजक के साथ वाक्य में भूतकाल का रूप प्रयुक्त होता है, कितु भूतकाल के अर्थ मे नहीं। чтóбы सयोजक के साथ वाक्य मे क्रिया के रूपो मे से केवल सामान्य क्रिया रूप और भूतकाल प्रयुक्त होता है।
कारणवाचक सयोजक: потомý что, так как, и́бо,	Я не пришёл на занятия, так как заболéл	बोलचाल की भाषा मे सबसे अधिक प्रयुक्त होते है потомý что, так как, вслéд-

आ आश्रित वाक्य सयोजक

оттогó что, из-за тогó что, вслéдствие тогó что, в си́лу тогó что, ввиду́ тогó что	Одéнься теплéе, потому́ что сегóдня хóлодно	ствие тогó что, в си́лу тогó что, इत्यादि सयोजक मुख्य रूप से सरकारी कागजों में प्रयुक्त होते हैं। и́бо सयोजक बोलचाल की भाषा में विरले, किन्तु साहित्य में व्यापक रूप से प्रयुक्त होता। लेनिन की रचनाओं में यह सयोजक प्राय. मिलता है।
सभावनामूलक सयोजक : éсли, éсли бы, коль скóро, раз, кóли (коль), éжели	**Если** я получу́ óтпуск в ию́ле, я поéду в дерéвню **Если бы** я получи́л óтпуск в ию́ле, я поéхал бы в дерéвню **Раз** ты дал слóво, дóлжен егó сдержáть	बोलचाल की भाषा में кóли, éжели सयोजक कम प्रयुक्त होते हैं।
सकेतवाचक सयोजक хотя́	**Хотя́** мы óчень торопи́лись до темноты́ вернýться домóй, ночь застáла нас в пути́.	
समयवाचक सयोजक · когдá, как тóлько, лишь тóлько, едвá, покá, мéжду тем как, в то врéмя как	**Когдá** мы трóнулись в путь, свети́ло я́ркое сóлнце **Как тóлько** сóлнце скры́лось за горизóнтом, срáзу поду́л рéзкий, холóдный вéтер (Арс) **Лишь тóлько** скры́лось сóлнце, стáло óчень хóлодно **Едвá** мы добрали́сь до лéса, как пошёл дождь	

क्रमशः

आ. आश्रित वाक्य संयोजक	
	Мы стоя́ли под де́ревом, пока́ шёл дождь.
तुलनात्मक सयोजक : как, как бу́дто, бу́дто бы, то́чно, сло́вно	Нева́ мета́лась, как больно́й, в свое́й посте́ли беспоко́йной. (П.) Сего́дня я чу́вствую себя́ так, как бу́дто гора́ свали́лась с мои́х плеч. (Гарш)
परिणामवाचक संयोजक : так что, всле́дствие чего́	Лёд на реке́ места́ми уже́ тро́нулся, так что идти́ на лыжах было опа́сно. (Павл)

टिप्पणी : दोहरे सयोजको की पूरी श्रेणी है : не то́лько—но и; как — так и।

लेखकों के नामों के संक्षिप्त रूप

Акс. — Акса́ков С Т
Арс — Арсе́ньев
А Т — Толстой А Н
Бар — Бараты́нский Е А
Б Пол — Полево́й Б
Г — Го́голь Н В
Гарш — Га́ршин В М
Герц — Ге́рцен А И
Гонч — Гончаров И А
Горб — Горба́тов Б
Гр — Грибое́дов А С
Дж — Джамбу́л
Долмат — Долматовский Е А
Жар — Жа́ров А
Жук — Жуко́вский В А
Заг. — Заго́скин М Н
Исак — Исако́вский М. В
К — Кольцо́в А В
Кор — Короле́нко В Г
Л — Ле́рмонтов М Ю
Л-К — Ле́бедев-Кума́ч В И
Л Т — Толсто́й Л Н
М — Ма́йков А Н
М Г — Макси́м Го́рький
Нев — Неве́ров А С
Некр — Некрасов Н А
Ник — Никитин И С
Н Остр — Остро́вский Н А
П — Пу́шкин А С
Павл — Павле́нко Б
Пауст — Паусто́вский К
Плещ — Плеще́ев А Н
Сим — Си́монов К М
С Ст — Сулейма́н Стальский
С-Ц — Серге́ев-Це́нский С Н.
Т — Турге́нев И С
Тих — Ти́хонов Н С
Тютч — Тю́тчев Ф И.
Ф — Фет А А
Фад — Фаде́ев А А
Фр — Франко́ И
Фурм — Фу́рманов Д А
Ч — Че́хов А П
Эрен — Эренбу́рг И
Яз — Язы́ков Н М

विषय सूची

	तालिका	पृष्ठ
भूमिका	–	३

१. रूसी ध्वनि, वर्णमाला और लेखन पद्धति की मूल विशेषताएं

वाणी के अवयव और उनके काम	–	५
ध्वनि और वर्ण	–	७
स्वर और व्यजन	–	७
रूसी भाषा के मुख्य स्वर	१	८
रूसी भाषा के मुख्य व्यजन	२	९
रूसी भाषा के कठोर और कोमल व्यजन	३	१०
वर्णमाला मे कठोर और कोमल व्यजनो का अभिव्यजन	–	१३
я, e, ё, ю, ь, ъ वर्णों का प्रयोग	४	१३
रूसी भाषा के अघोष और घोष व्यजन	५	१६
स्पर्श, सघर्षी और मिलित व्यजन	–	१७
महत्वपूर्ण ध्वनि-परिवर्त्तन	–	१८
स्वराघातहीन स्वर	–	१८
कठोर और कोमल व्यजनो का स्वरो के साथ सयोग	–	२०
अघोष और घोष व्यजनो का परिवर्त्तन	–	२१
स्पर्श सघर्षी और मिलित व्यजनो का परिवर्त्तन	–	२१
रूसी लिपिमाला के आधारभूत सिद्धात	–	२२
ध्वनियो का अन्तर्परिवर्त्तन	–	२३
स्वरो का महत्वपूर्ण अन्तर्परिवर्त्तन	६	२३
लोपी स्वर	७	२४

तालिका पृष्ठ
व्यंजनो का महत्वपूर्ण अन्तर्परिवत्तन ८ २६
रूसी भाषा मे स्वराघात के विषय में कतिपय टिप्पणिया . . – ३१

२. संज्ञा

आरम्भिक टिप्पणियां . . . . – ३३
सज्ञाओ का लिग (पुल्लिग, स्त्रीलिग और नपुसक लिग) . . ९ ३४
सज्ञा का लिग (संज्ञाए व्यक्तिवाचक) १० ३६
संज्ञा का लिग (पशु, पक्षी, मछली और कीट द्योतक सज्ञाएं) . . ११ ३८
निर्जीव पदार्थो को द्योतित करनेवाली b शब्दान्तवाली सज्ञाओ का लिंग १२ ४०
सज्ञाओ का बहुवचन १३ ४२
केवल एकवचन या केवल बहुवचन मे प्रयुक्त होनवाली सज्ञाए . . १४ ४६
सज्ञाओ की रूपसाधना के तीन प्रकार . . . . – ५०
पुल्लिग और नपुसक लिग की संज्ञाओ की रूपसाधना (प्रथम रूपसाधना की सज्ञाए) १५ ५२
प्रथम रूपसाधना की पुल्लिग सज्ञाओ के कतिपय कारक रूपो की विशेषताए १६ ५४
स्त्रीलिग सज्ञाओ की रूपसाधना १७ ५८
सभी लिगो की सज्ञाओ की बहुवचन मे रूपसाधना १८ ६०
बहुवचन मे सज्ञाओ का सवध कारक का रूप १९ ६०-६१
बहुवचन रूपसाधना मे सज्ञाओ की कतिपय विशेषताए . . . २० ६१
कतिपय सज्ञाओ की विशिष्ट रूपसाधना २१ ६२
कुलनाम और नगरो के नाम द्योतित करनेवाली सज्ञाओ की रूपसाधना २२ ६४
सज्ञाओ मे स्वराघात के विशिष्ट प्रकार . . . . . . – ६७
सज्ञा मे स्वराघात के स्थानान्तरण के कतिपय महत्वपूर्ण प्रकार २३ ६८
अनुपूरक टिप्पणियां . . . . – ७६

बिना उपसर्ग के प्रयोग

सम्वन्ध कारक का प्रयोग २४ ७७
सप्रदान कारक का प्रयोग २५ ९३
कर्म कारक का प्रयोग २६ ९७
करण कारक का प्रयोग २७ ९८

उपसर्गों के साथ कारको का प्रयोग

	तालिका	पृष्ठ
उपसर्ग और सम्वन्ध कारक	२८	१०५
उपसर्ग और सम्प्रदान कारक	२९	११७
उपसर्ग और कर्म कारक	३०	१२३
उपसर्ग और करण कारक	३१	१३१
उपसर्ग और अधिकरण कारक	३२	१३७
कारको के साथ अधिकतर प्रयुक्त होनेवाले उपमर्ग और उपसर्गवत्, प्रयुक्त कतिपय शब्द (सयुक्त तालिका)	३३	१४०
कतिपय कारको के साथ प्रयुतक होनेवाले उपसर्ग (प्रयोग की आधारभूत परिस्थितिया) (सयुक्त तालिका)	३४	१४१
на और в उपसर्गों के प्रयोग की कतिपय परिस्थितिया और इनके साथ सापेक्षित उपसर्गो с और из का प्रयोग	३५	१४६
रूसी भाषा मे अभिव्यक्त उपसर्गों से युक्त कारको के मुख्य अर्थ (स्थान, समय, कारण, उद्देश्य)	३६	१४७
क्रियाओ और उनके साथ प्रयुक्त होनेवाले कारको के वर्ण क्रमानुसार सूची	३७	१४९
на, в उपसर्गों के साय प्रयुक्त होनेवाली क्रियायें	३८	१५१

३. विशेषण

	तालिका	पृष्ठ
आरम्भिक टिप्पणिया		१५६
विशेपणो के लिगानुरूप विभक्ति-पत्यय	३९	१५७
विशेपणो की रूपसाधना	४०	१५८
во́лчий, ли́сий वर्ग के विशेपणो की रूपसाधना	४१	१६१
संज्ञा के साथ विशेपण की सगति.	४२	१६२
गुणवाचक सक्षिप्त विशेपण	४३	१६३
गुणवाचक सक्षिप्त विशेपणो का प्रयोग	४४	१६५
अधिकार द्योतित करनेवाले -ов, -ин में समाप्त होनेवाले विशेपणो की रूपसावना	४५	१६६
तुलनात्मक और अन्यतम मात्रा की रचना पद्धति और उनका प्रयोग		१६८
विशेपणो की तुलना की मात्रा	४६	१७०-१७१

तालिका पृष्ठ

४. सर्वनाम

आरम्भिक टिप्पणिया . . . . — १७२
सर्वनामो की रूपसाधना और प्रयोग . . . . — १७३
    व्यक्तिवाचक सर्वनाम ४७ १७३
    निजवाचक सर्वनाम себя का प्रयोग . . ४८ १७४
    सवधवाचक सर्वनाम ४९ १७४
    सर्वनाम свой का प्रयोग ५० १७५
    सवधवाचक सर्वनाम के अर्थ मे его́, её, их का प्रयोग ५१ १७५
    प्रश्नवाचक और नकारात्मक सर्वनाम . . . ५२ १७६
    अनिश्चयवाचक सर्वनामो का प्रत्ययाशो के साथ प्रयोग. ५३ १७६
    निश्चयवाचक सर्वनाम тот, э́тот, то, э́то, та, э́та, те, э́ти ५४ १७७
    सर्वनाम сам और са́мый ५५ १७८-१७९
    सर्वनाम весь, вся, всё, все ५६ १८०
    विशेषणो के समान रूपसाधना वाले सर्वनाम . ५७ १८०

५. संख्यावाचक विशेषण

आरम्भिक टिप्पणिया . . . . — १८२
गणनाद्योतित करनेवाली सख्याए ५८ १८३
सख्यावाचको की रूपसाधना और प्रयोग ५९ १८५
सज्ञाओ और विशेषणो के साथ परिमाणवाचक सख्याओ की संगति ६० १८८
क्रमवाचक सख्याए ६१ १८९

६. क्रिया

आरम्भिक टिप्पणिया . . . . — १९१
क्रियाओ के पक्ष (स्वरूप) . . . . — १९४
उपसर्गों की सहायता से पूर्णताद्योतक क्रियाओं की रचना . . . ६२
प्रत्ययो की सहायता से क्रिया के पक्षो की रचना . . . . — १९९
    -ива-, -ыва- प्रत्ययो के साथ क्रियाएं ६३
    -ну- प्रत्यय से युक्त क्रियाए ६४ २०१
    -ва- प्रत्यय से युक्त क्रियाएं ६५ २०३

	तालिका	पृष्ठ
-и-, -а- प्रत्ययो से युक्त क्रियाए .	६६	२०५
मूल और प्रकृति में परिवर्तन वाली क्रियाए	६७	२०६
पक्ष परिवर्तन पर मूल मे स्वरो के सभावित अन्तर्परिवर्तन की सयुक्त तालिका . .	६८	२०८
भिन्न शब्दो द्वारा क्रिया पक्ष के भेद का अभिव्यजन	६९	२१०
कतिपय क्रियाओ के पक्षीय अर्थ विशेपता के विपय में टिप्पणिया	७०	२११
विभिन्न प्रकृति वाली गतिद्योतक क्रियाए	७१	२१२
अपूर्णताद्योतक और पूर्णताद्योतक क्रियाओ का प्रयोग (कलात्मक कृतियो के उद्धरणो से) . .	७२	२१५
अपूर्णताद्योतक और पूर्णताद्योतक क्रियाओ के रूपो की तुलनात्मक तालिका . .	७३	२१८
быть क्रिया की रूपसाधना	७४	२२०
सामान्य क्रिया रूप .	७५	२२१
वर्त्तमान काल . .	७६	२२२
बिना स्वराघात वाले पुरुपवाची विभक्ति-चिन्ह युक्त क्रियाए	७७	२२३
भूतकाल	७८	२२५
भविप्यत् काल	७९	२२७
सभावना	८०	२२८
आज्ञार्थ .	८१	२२९
-ся में समाप्त होनेवाली क्रियाए .	८२	२३२
-ся में समाप्त होनेवाली क्रियाओ का अर्थ	८३	२३३
भाववाच्य क्रियाए . . .	८४	२३५
क्रियाओं के मुख्य प्रकार (प्रचलित और अप्रचलित)		
प्रचलित क्रियाए	८५	२३७
अप्रचलित क्रियाए	८६	२३९
वर्गो में न आनेवाली क्रियाए .	८७	२४५
क्रियाओ में स्वराघात के मुख्य प्रकार .	–	२४७
क्रिया रूपो में स्वराघात स्थानान्तरण के मुख्य प्रकार	–	२४७
प्रचलित क्रियाओ का प्रकार .	८८	२४७
अप्रचलित क्रियाओं का प्रकार .	८९	२५०
अप्रचलित वर्ग की मुख्य क्रियाओ की सूची . . .	९०	२५२
अनियमित क्रियाए जिनकी रूपसाधना में विशिष्टता है .	९१	२५५

तालिका पृष्ठ

७. कृदन्त और क्रियाद्योतक

आरम्भिक टिप्पणिया .... — १५८
कृदन्त .... — २५९
कर्तृवाचक कृदन्त.. . .. . ९२ २५९
कर्तृवाचक कृदन्तो की रचना ९३ २५९
पूर्ण कर्मवाचक कृदन्त ९४ १६१
कर्मवाचक कृदन्त की रचना ९५ २६१
सक्षिप्त कर्मवाचक कृदन्त ९६ २६२
कृदन्त रचना की सयुक्त तालिका ९७ २६३
कृदन्तो की रूपसाधना ९८ २६४
क्रियाद्योतक .. .. — २६६
क्रियाद्योदतक की रचना ९९ २६६
क्रियाद्योतक का प्रयोग १०० २६७

८. क्रियाविशेषण

क्रियाविशेषण रचना के मुख्य प्रकार.. .... १०१ २६९

९. पद-रचना

सज्ञाओ के प्रचलित प्रत्यय .... — २७४
कर्त्ता को द्योतित करनेवाली संज्ञाओ की रचना में प्रयुक्त होनेवाले प्रत्यय १०२ २७४
भाववाचक सज्ञाओ की रचना मे प्रयुक्त होनेवाले प्रत्यय १०३ २८३
वे प्रत्यय जो सज्ञाओं से नवीन अर्थ इगितो से युक्त सज्ञाओ की रचना के लिए प्रयुक्त होते है —लघुतावाचक और वृद्धिद्योतक प्रत्यय १०४ २८६
लघुतावाचक और वृद्धिद्योतक प्रत्यय वाली संज्ञाओ का स्वराघात २९१
सयुक्त संज्ञाए (समास) १०५ २९२
विशेषणो की रचना १०६ २९४

१०. संयोजक (समुच्चयादिबोधक)

सयोजक और कतिपय संयोजको का प्रयोग १०७ २९९
लेखको के नामो के संक्षिप्त रूप .... — ३०३

И. М. ПУЛЬКИНА

КРАТКИЙ СПРАВОЧНИК ПО РУССКОЙ ГРАММАТИКЕ